

राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति, छत्तीसगढ़

भारत सरकार

पर्यावरण, बन और पालबायु परिवर्तन मंत्रालय

पर्यावरण भवन, सेक्टर-19, नक्सा बायपुर अटल नगर, जिला-बायपुर (छ.ग.)

E-mail : seaccg@gmail.com

विषय— राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एस.ई.ए.सी.), छत्तीसगढ़ की दिनांक 30/05/2024 को संघन 532वीं बैठक का कार्यवाही विवरण

—00—

राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एस.ई.ए.सी.), छत्तीसगढ़ की 532वीं बैठक दिनांक 30/05/2024 को डॉ. बी.पी. खोन्हारे, अध्यक्ष, राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की उपस्थिता में संघन हुई। बैठक में समिति के निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया—

- डॉ. रीलेश कुमार जाधव, सदस्य, राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
 - श्री निशान सिंह दुर्ग, सदस्य, राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
 - डॉ. गनोज कुमार घोषकार, सदस्य, राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
 - श्री कलादियुस लिकी, सदस्य सचिव, राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
- समिति द्वारा एजेंस्या में समितिले विषयों पर निम्नानुसार चिनार किया गया—

एजेंस्या आवटन क्रमांक-1: 532वीं बैठक दिनांक 29/05/2024 के कार्यवाही विवरण के अनुसार के संबंध में।

राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एस.ई.ए.सी.), छत्तीसगढ़ की 532वीं बैठक दिनांक 29/05/2024 को संघन हुई थी। समिति को अवगत कराया गया कि बैठक का कार्यवाही विवरण तीव्र रूप से ज्ञात रहा है, जिसे समिति को समझ और प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त विवरण सहमत हुई।

एजेंस्या आवटन क्रमांक-2:

शील/मुक्त व्यक्तिगत संस्थाएँ प्रकल्पों के प्रस्तुतीकरण संपर्क पर्यावरणीय स्थीरता / टीकोआर/अन्य जागरूक गिरीय लिया जाना।

1. मेसन्स श्री गोविन्द अश्वाल (बटुराबहार आर्डिनेश लॉन क्यारी), राम-बटुराबहार, तहसील-पत्तलगांव, जिला-बायपुर (संविधानसभा का नामांक 2781)

विषय वर्तु	आवेदित प्रकल्प से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि
ओनलाइन आवेदन	टी.ओ.आर. - 452332 एवं 16/11/2023	
खदान का प्रकार	साधारण पत्तल (गोप खनिज)	प्रस्तुत
दीर्घकाल एवं दानवा	1.532 हेक्टेयर एवं 14,950 टन प्रतिवर्ष	संलग्न है।
खदान क्रमांक	1014, 1028, 1029	संलग्न है।
मूल्यांकन	मिली भूमि खासरा क्रमांक 1014, 1028, 1029 श्री वैभव कुमार अश्वाल को भाग पर है।	सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है।

वैदेत का विवरण	533वीं वैदेत दिनांक 30 / 05 / 2024	प्रत्युत्तीकरण हेतु सूचना दिनांक 28 / 06 / 2024
प्रस्तुतीकरण हेतु उपलिखित प्रतिविधि		प्रस्तुतीकरण हेतु वी बैग अहमाल, अधिकृत प्रतिविधि उपलिखित हुए। अधिकृत प्रतिविधि का सामग्री पक्ष प्रस्तुत किया गया है।
पूर्व में जारी ईमी	कूट में पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।	
जाम पंचायत एन्ड सी.	जाम पंचायत बटुराबहार दिनांक 14 / 07 / 2022	जाम पंचायत एवं करार के संकेत में
उत्तराखण्ड योजना अनुमोदन	दिनांक 28 / 02 / 2023	विलम्ब है।
800 मीटर	दिनांक 23 / 02 / 2024	उ. खंडन, शेतकर 4,674 हेक्टेयर
200 मीटर	दिनांक 13 / 03 / 2023	प्रतिविधि को ज निर्भित नहीं है।
एलओआई का विवरण	एलओआई यात्रा – वी बैग अहमाल दिनांक – 09 / 12 / 2022 विलम्ब अवधि – 01 वर्ष	विलम्ब शुरू हेतु जारी पक्ष दिनांक – 09 / 01 / 2024 विलम्ब अवधि – पर्यावरणीय स्वीकृति घास करने एवं उत्तराखण्ड योजना आदेत जारी करने हेतु अतिरिक्त समयावधि प्रदान किया जाता है।
बन विभाग एन्ड सी.	आवेदित खदान से लगी हुई अध्य खदान (याम कटुराबहार के खदान नम्बर 1030 / 6, 1034, 1039 / 2, 1030 / 5 एवं 1033 के काल यात्रा 3,042 हेक्टेकर) हेतु जारी एन्ड सी. को याच्य किये जाने हेतु अनुरोध। बननाथलापिलारी, जामपुर उत्तराखण्ड जामपुर इला जारी दिनांक 14 / 11 / 2022	बन को ज है दूरी – 08 किमी।
भारतपूरी संरक्षणकोष की दूरी	आधारी यात्रा – बटुराबहार 420 मीटर नद्दी याम – बटुराबहार 950 मीटर अहमाल – यात्रायात्रा 16.4 किमी। साधीय यात्रायात्रा – 05 किमी। यात्रायात्रा – 06 किमी।	मूली नदी – 1.05 किमी। सालाय – 440 मीटर नहर – 1.7 किमी। वीसमी नाला – 1.8 किमी। वाय – 2.4 किमी।
पारिविधिकीय/ जैवविधिकीय संवेदनशील क्षेत्र	5 किमी. वी पारेशी गे अलनीलीय तीर्पा, दाढ़ीय उत्तरान, अमायारपथ, कोन्हीय छटुपण नियन्त्रण कोहे इन्द योगिता किलोमीटरी परिवर्तन दरिश। पारिविधिकीय संवेदनशील होता या चौमित जैवविधिकीय होता सिवाय नहीं है।	संलग्न है।
उत्तराखण्ड संघर्ष एवं लानन का विवरण	उत्तराखण्ड वित्ती – औपन काल्प नेकेन्द्रीय फ्रिलिंग एवं काट्टोल बालिंग – 01 विषयी – विमोलीजिकल 2,38,982 टन वाईनेशल 74,760 टन	वर्षावार प्रवालायित उत्तराखण्ड प्रथम 14,950 टन द्वितीय 14,953 टन तृतीय 14,950 टन सार्वांक 14,950 टन

	सिक्कारेपल 47,275 एकड़ प्रशासित नहराई 8 मीटर लंबे की ऊंचाई 1.5 मीटर लंबे की ऊंचाई 1.5 मीटर समाप्ति आयु 8 वर्ष प्रशासित करने - ही दौराने - 1,400 घनमीटर	प्रति 14,860 एकड़
पर्यावरण के लिए प्रतिक्रिया संघ	लीपा की 7.5 मीटर का सोनफल - 5,382 घनमीटर	उत्तमिति - नहीं।
ग्रेर माइनिंग संघ	दीपफल - 1,813.7 घनमीटर नमनम - टीफले, हील लोड, फ्रेम एवं स्टोप बनाने के लिए।	संलग्न है।
छपरी मिट्टी/खोला बहन अधिकारी प्रबोधन बोर्ड	खोला - 0.30 मीटर भाजा - 2,273.4 घनमीटर	1,876 घनमीटर कम से मिट्टी की 7.5 मीटर (नाईन चारपट्टी) लीपा में फिलावन कृषिकौपण के लिए उपयोग। लीपा 3,673.4 घनमीटर उत्पादि मिट्टी की लीपा लीपा की बाहर बहायी प्राप्त भूमि (खोला बहनीक 1025, जलका 0.176 लेवटेपर) से उत्पादित कर बांरकित रखा जाएगा। इस प्राप्त भूमि बहनी का शामल वर्त (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
जल आपूर्ति	भाजा - 8 घनमीटर बूजीत - 8 - जल	सेन्ट्रल एन्ड प्रोटेक्शन बोर्ड से अनुमति प्राप्त है।
कृषिकौपण कार्य	लीपा लीपा की 7.5 मीटर की भाजी कृषिकौपण किया जाना प्रस्तावित है।	अधिकृत खदान की निलावन बुल दीपफल 6,206 लेवटेपर है।
केन्द्री	वी-१	

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि खेतलाईन आटा कलेक्शन का कार्ड २१ अक्टूबर 2023 से प्रारंभ किया गया है।
- मानवीय एनजीटी, विभिन्न वैष, नई दिल्ली द्वारा सत्येन्द्र पाण्डिय विकास भारत वरकार, विधायिक, वन और जलवायु विभागों ने नई दिल्ली एवं अन्य (जीवरिजनन एजिनेशन नं. 180 ऑफ 2018 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को चारिता अदाना में मुख्य रूप से निर्माननुसार निर्देशित किया गया है।-
 - Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEMA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

सचिता द्वारा विकास विभाग ने जपरीत सार्वसम्मति से प्रबन्ध दी। केंटेग्री का होने के कारण भारत सरकार वर्करिंग वन और जलवायु परियोजन द्वारा अप्रैल 2015 में प्रकाशित रहियाई दम्भी ऑफ रिफरेंस (टीआरओए) वीर ईआईए/ईएमपी विपोर्ट वीर और औपेटर्स/एक्टिविटीज रिक्वारीरिंग बुन्देलहारमें जलीयरेश अधिकार है।

ए. नीटियोक्त वर्ष 2006 में दर्शा दिए गए वैश्व बौद्धान (लोक सुनार्थ नाम) नीति के लाई यार्डनिंग अधिकार द्वारा नियंत्रित दीक्षातार के साथ पारी भवे जाने वाली अनुसंधान की गई:-

- i. Project proponent shall submit the Individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
- ii. Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.
- iii. Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.
- iv. Project proponent shall submit top soil management plan & incorporate the details in the EIA report.
- v. Project Proponent shall submit an undertaking that the top soil & over burden would be stacked at the earmarked place and shall use the same in plantation and backfilling of the mined out area.
- vi. Project proponent shall submit the details of pollution control arrangement in crusher.
- vii. Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced.
- viii. The project proponent shall submit an affidavit that he will not cut the green trees standing in the lease area without the permission of district collector.
- ix. EIA study shall be done at minimum 08 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
- x. Project proponent shall submit the copy of panchayat and photographs of every monitoring station.
- xi. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- xii. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- xiii. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02/08/2017.
- xiv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.

- ix. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of plantation & maintenance for 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5 meter safety zone area of minimum 05 feet height and shall maintain minimum 90% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- x. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals preferably of mrittavni with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

मानव संतरीय पर्यावरण अनुदान आवासीय प्रकल्पायन (एडीआईएआर), एततीसाल की मानवाधार अधिकार दिया गया है।

2. मैसारी वामपात्र लकड़ा (गमत्तिका फैल और उसे बढ़ावी एवं फिल्स लिननी जिसका प्लाट), चान-गमत्तिका, तहसील व जिला-जालाहुर (संविवालय का नामी छन्दोळ 2001)

भारत सरकार के पर्यावरण इन एवं जालवायु संबंधी, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस मेंटोरेशन दिनांक 28/04/2023 द्वारा दिया गया है, जिसके पीछे 4 में निम्न प्राप्तिगत हैं—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be re-appraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A.142 of 2002. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

एक ऑफिस मेंटोरेशन के तहत परियोजना प्रकल्पायन द्वारा जिस संतरीय पर्यावरण समाधान नियंत्रण अधिकार की जारी कर्तव्यतीय कीमति की पुनः अनुदाना (re-appraisal) होता है तो, एततीसाल की समस्त अनिलाईन आवेदन दिया गया है।

दिया गया	आवेदित प्रकल्प की विविधत विवरण	संक्षिप्त द्वारा नीट दिया गया कि
अनिलाईन आवेदन	ई.टी. - 454530 एवं 06 / 12 / 2023	
उदान का द्रव्यार	प्रिटी (गोल लैगेज) उदान	संचालित
कोषाफल एवं लम्बा	3,856 हेक्टेयर एवं 1,400 घनमीटर प्रतीयर	संतुल्य है।
खाद्य उत्पादक	667	संतुल्य है।
चू-संरक्षित	नियंत्री चूमि खासगत 667 की लालनाईत को नाम पर है।	संतुलित पत्र प्रस्तुत किया गया है।
प्रेतक का विवरण	533वीं प्रेतक दिनांक 30 / 05 / 2024	प्रस्तुतीकरण होता सुनना दिनांक 28 / 05 / 2024

१००१०

अस्तुतीकरण हेतु उपरिवास प्रतिविधि		प्रस्तुतीकरण हेतु की जनता के साथ सिन्हा उपरिवास है। अधिकृत प्रतिविधि का महाराष्ट्र पर अस्तुता किया गया है।
कूट में जारी हुई, का चलन प्रतिवेदन	खदान का प्रकार - मिट्टी (वीथ खानिया) खदान खानिया कमांड - 887 शेक्षण - 3,858 हेक्टेयर कमांड - 1,400 एकड़ीटर/वर्ष दिनांक - 21/02/2017 विषया अवधि - 26/11/2040	कूट अंडूए ए. तिला-जामुर
पूर्व में जारी हुई, का चलन प्रतिवेदन	पूर्व-प्रभागित - ही	प्रभागित जातीनुसार चुकातीपण 400 नग किया गया है।
दिग्दा वारी में दिया गये उत्तरण	दिग्दा - 23/03/2024 वर्ष 2017-18 में 80,500 नग वर्ष 2018-19 में 51,500 नग वर्ष 2019-20 में 2,10,000 नग वर्ष 2020-21 में 2,75,000 नग वर्ष 2021-22 में 2,60,000 नग वर्ष 2022-23 में 2,01,000 नग वर्ष 2023-24 में 90,000 नग (प्रियोन्य 2023 वर्ष)	संलग्न है।
चाल प्रबाधन एनओसी	चाल प्रबाधन गवाहारिया दिनांक 12/01/2009	संलग्न है।
उत्तरण योजना अनुगोदन	दिनांक 28/03/2016	संलग्न है।
500 गैटर	दिनांक 15/04/2024	खदानों की संख्या नियम है।
200 गैटर	दिनांक 15/04/2024	प्रतिवेदित लोक नियम नहीं है।
लोज बीक	लोज वारका - 400 चालपाता लकड़ा अवधि-27/11/2010 से 26/11/2040	संलग्न है।
का विभाग एनओसी	दिव्यांशुकलापिकार्ता, जामुर वर्गमण्डल जामुर द्वारा जारी दिनांक 29/05/2024	वन लेव की दूरी - 1 किमी की अवधि 10 किमी की दूरी पर लाट्टीव चालान/वन्य विद्यु अवधारणा नहीं है।
महाराष्ट्री संरक्षकारी की दूरी	आवादी फाल - गवाहारिया 800 मीटर पर्यावरण फाल - गवाहारिया 1.1 किमी अचलाता - जामुर 3.4 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग - 1 किमी राजमार्ग - 3.25 किमी	वकी नदी - 1.6 किमी गोदावरी नदी - 205 मीटर तालाब - 250 मीटर नहर - 5.65 किमी हिंज - 1.45 किमी
परिविष्टिकीय/ वीविविधता संवेदनशील दोष	5 किमी की दूरी में आर्द्धक्षीय सौना, राष्ट्रीय उद्यान, अन्यायालय, केन्द्रीय प्रदूषण विवरण वोल द्वारा घोषित किटिकांडी पील्लुटेक एविया, पारिविष्टिकीय	संलग्न है।

	सार्वदानकालीन हेतु का चौथीवर्ष जीवनीकोषला हीत किया नहीं है।	
खानन बोधा एवं खानन का विवरण	<p>उत्तराखण्ड किंचि – ओपन कास्ट मैनुअल रिपोर्ट –</p> <p>पूर्व मे</p> <p>जिम्योलोजिकल 77,120 घनमीटर भार्ड्सेल 70,260 घनमीटर रिक्वारेवल 63,252 घनमीटर कर्तमान मे</p> <p>जिम्योलोजिकल 75,470 घनमीटर भार्ड्सेल 68,030 घनमीटर रिक्वारेवल 61,802 घनमीटर प्रकल्पाधित गडाराई 2 मीटर देश की कागाई 1 मीटर देश की औद्योग 1 मीटर सामाजित अधु 50 वर्ष</p> <p>1 मीटर भीड़ी लीग वर्टी का कोरकल 950 घनमीटर</p> <p>मिट्टी के साथ उपयोग हेतु फ्लाई एवं का प्रतिशत – 30%</p> <p>एक लाख हेट निर्गांण हेतु आवश्यक लोयला की भाता – 18 टन</p>	<p>कर्तमान प्रकल्पाधित उत्तराखण्ड प्रदूष 1,400 घनमीटर</p> <p>द्वितीय 1,400 घनमीटर</p> <p>तृतीय 1,400 घनमीटर</p> <p>चतुर्थ 1,400 घनमीटर</p> <p>पंचम 1,400 घनमीटर</p> <p>षष्ठ 1,400 घनमीटर</p> <p>सप्तम 1,400 घनमीटर</p> <p>अष्टम 1,400 घनमीटर</p> <p>नवम 1,400 घनमीटर</p> <p>दशम 1,400 घनमीटर</p>
लीज हेत के भीतर भारती स्थापित	ही. कंतकल – 1,700 घनमीटर जिम्यस विमनी की न्यूशासन कांचाई – 36 मीटर	
तैर माइग्रिन	कोरकल – 1,750 घनमीटर एवं 50 घनमीटर, हेत छोड़ने का कारण – उभार किल्लन एवं कोरकल	भार्ड्सेल खानन मे उल्लेख – ही
खल आमूर्ति	मात्रा – 7 घनमीटर उच्चत – बोरयोल	सेन्ट्रल एडम्यू गोटर अव्हीरिटी से एन.आर.सी. आपा है।
पूर्णाधित वात	लीज हेत के 1 मीटर के गार्ड और लुकारेयन – 473 नग कर्तमान मे पूर्णाधित – 400 नग शेष प्रकल्पाधित पूर्णाधित – 73 नग	प्रकल्पाधित कार्य हेतु 5 वर्ष की राति – 14,53,325
परियोजना से संबंधित आपदा प्रब्र	परियोजना प्रकल्पाधित हाता पर्युक्तिव बर्ट उत्तराखण्ड नियंत्रण वातान सूक्ष्माधित एवं 30 प्रतिशत लीजन सामर सुभित्रिता, प्रत्यक्षिताद्वारा आदर्श पुनर्जीव गीति के लक्ष्य रोपनावार राजित नियमो के लक्ष्य भीमाकान भूमि स्वामियो को नियांरित मुक्ताधिता एवं उत्तराखण वीर प्राथमिकता, फ्लाई ऐल के राजित भविताद्वय हेतु दिन हेट का निर्गांण विद्युतान विमनी विमन की 2 वर्ष के भीतर व्यावस्था वन और जलवाया परिवर्तन गंभीरत्य की अविद्युता	<p>परियोजना प्रकल्पाधित हाता विमा वापद पात्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किये गये हैं –</p> <p>1. हाते हाता उत्तराखण रीप्र आपदा भूमि के भूमि स्वामियो के भूमि से संबंधित समस्त हितो की रक्त नारत सरबत के भावस्त नियमो के उल्लंघन वातन की विभेदावी हुगारी चोंगी।</p> <p>2. परियोजना प्रकल्पाधित ही विमन इत्त परियोजना/वातान की</p>

दिनांक 22/02/2023 को भविष्यत में आवश्यक परिवर्तन करताकर जिम्मे-दीप प्रदूषि से प्रतिश्वासित किये जाने सीईआर के तहत प्रस्तावित गार्ड एवं संवर्गित गार्ड से काम पूर्ण प्रतिवेदन जिम्मेदार परिवर्त्यात् सहित जानकारी अवधारणा लिफ्ट में सम्पुर्ण करने वाला, प्राकृतिक जल बचावी की रक्खण एवं जलवीन आदि वावर गार्ड पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

- संबंधित कोई नवाचालनीन प्रकारम देश के अंतर्गत किसी भी व्यावसाय में लक्षित नहीं है।
- परिवीजना प्रस्तावक के विस्तृत गार्ड करकार पर्यावरण उन और जलवाया परिवर्तन संबंधी वी अधिसूचना कांडा 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई व्यावसाय का प्रकार लिखित नहीं है।
- भारतीय गुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में लिए गए दिया निर्देश का मेरे द्वारा प्रत्यक्ष किया जावेगा।
- भारतीय गुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 05/01/2020 को writ petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिया निर्देश का प्रत्यक्ष किया जावेगा।

पृष्ठी	पृष्ठी-2	अनुदित खदान का कुल क्षेत्रफल 3.856 हेक्टेयर है।
--------	----------	---

१. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) — परिवीजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति की सम्पादन से जर्मनी निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
66.11	2%	1.32	Following activities at, Village- Sarudih	
			Plantation around Muktidham	1.57
			Total	1.57

सीईआर के अंतर्गत साम साक्षीह नियत नुकिलाम की गार्ड और (अग, कटहल एवं जामुन) 73 नग गुडारीपाल के प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार योग्यी की लिए राशि 7,000 रुपये, कोसिंग की लिए राशि 14,000 रुपये, खाद की लिए राशि 5,250 रुपये, शिवार्थी, रथ-रथाय एवं भान्य आदि के लिए राशि 30,000 रुपये इत्य जलवाया प्राप्त गार्ड में कुल राशि 56,250 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,01,000 रुपये हेतु प्रटकलार गार्ड ने विवरण प्रस्तुत किया गया है। परिवीजना प्रस्तावक द्वारा साम संचालन साक्षीह के सहमति लागातांत घायायोग्य रखाने

(खसरा इमारक 344/2, शंखपाल 0607 हैवेटेच) ने सभा में जलसकारी प्रस्तुति की थी है।

2. समिति का नहीं है कि सीईआर एवं खसरीपाल कार्य के विवरिति एवं घटनाकाल हेतु फि-एकीय समिति (प्रौद्योगिकी/प्रतिनिधि, राम यंचाल के प्रदातिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संबंधी गम्भीर वा प्रदातिकारी/प्रतिनिधि) बठित किया जाना आवश्यक है। सभा ही बीईआर एवं खसरीपाल का कार्य पूरी किये जाने के उपरांत बठित फि-एकीय समिति से सम्पादित जलसका जावश्यक है।
3. माननीय एनजीटी, विनियोग विषय नहीं दिल्ली द्वारा सत्यांद पाण्डेय निर्दली भारत सरकार यांत्रिक या और जलसका विवरण मंजुरी, नहीं दिल्ली एवं अन्य (सीईआर एवं एसीएस नं. 186 ओप 2016 एवं इन्ह.) में दिनांक 13/09/2018 को पारित अवैद्या वे मुख्य काव्य से जिम्मानुकार विरोधीत किया गया है—
 - a) Providing for EA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विनायक विमर्श संपर्क समिति की आवश्यक — मेशरी चमत्काल जलसका (गम्भीर वा अर्थ वले कार्य एवं फिल्स विमर्श विकास प्लान) की राम-गम्भीर, राहसील वा जिला-जालपुर के खसरा इमारक 687 में स्थित मिट्टी लखडान (गील चानिया) खदान, कुल लीचफल—3,866 हैवेटेच, कामला—1,400 चमत्काल प्रतिवर्ष हेतु यांत्रिक—01 में वर्षित जली के जलीय पर्यावरणीय स्थिरता दिए जाने की अनुमति की थी।

सभा नियम पर्यावरण प्रबाल आवश्यक विवरण (एसईआईएए) छत्तीसगढ़ को सदानुकार सुनित किया जाए।

3. मेशरी चाईटांगरटीली गोप्तव जारी, अस्सी/सीसीए, विकास एवं सहायता समूह, राम यंचाल चाईटांगरटीली, राम-चाईटांगरटीली, राहसील वा जिला-जालपुर (साधिकालक का नक्सा इमारक 2868)

विवरण वस्तु	आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट दिया गया कि
अनियन्त्रित आवेदन	इ.सी.— 453387 एवं 01 / 12 / 2023	
खदान का द्रव्यमाण	रेत (गोल रुपानीज) खदान	प्रतिवर्ष
द्रव्यमाण एवं इमारक	3 हेक्टेचर एवं 45,000 चमत्काल प्रतिवर्ष	संतुष्ट है।
खसरा इमारक एवं नदी	खसरा इमारक—100 / 1 एवं जल नदी	संतुष्ट है।
वेतक का विवरण	533वीं वेतक दिनांक 30 / 05 / 2024	प्रस्तुतीकारण हेतु गुरुवार दिनांक 27 / 05 / 2024
प्रस्तुतीकारण हेतु समीक्षित प्रतिनिधि		प्रस्तुतीकारण के दूसरी नजराना फारीगा (अस्सी) उपरिक्षेत्र हूँ।
सूखे में जारी हुई	पर्यावरणीय कीमती जारी नहीं की गई है।	संतुष्ट है।

ग्राम पंचायत एन.ओ.सी.	ग्राम पंचायत राईटोगरटोली दिनांक 19 / 11 / 2022	सत्त्वान है।
खालीलन सौजन्या अनुमोदन	दिनांक 22 / 11 / 2023	सत्त्वान है।
विनियोगिता/ सीधाप्रियता	दिनांक 27 / 09 / 2023	सत्त्वान है।
500 मीटर	दिनांक 28 / 11 / 2023	अन्य स्थानों की कांडा नियंत्रण है।
200 मीटर	दिनांक 29 / 06 / 2024	प्रतिबंधित होने वाली नहीं है।
एलओआई	एलओआई. ग्राम - 38235 / सौजन्य विकास न्यू साहायता लग्जरी, ग्राम पंचायत राईटोगरटोली। दिनांक - 06 / 10 / 2023 विद्युत उत्पादि - 1 वार्षि	सत्त्वान है।
बन शिल्प एन.ओ.सी.	बनमध्यक्षलाभिकारी, भरतगुरु कनमध्यक्षल जलालपुर द्वारा जारी दिनांक 01 / 06 / 2023	सत्त्वान है।
न्यूज़लॉन्ड सरकारी की दूरी	आवादी ग्राम-राईटोगरटोली ५०० मीटर स्वतूल ग्राम-राईटोगरटोली १ किमी खर्चाला-जलालपुर २८ किमी शास्त्रीय राजमार्ग-५५० मीटर राजमार्ग-२८ किमी।	पुल - ५०० मीटर जलालपुर अवधि वर्ष-२.८ किमी।
खालील स्थल पर नदी के पाट की चौकाई एवं स्थान की नदी छट से दूरी	खालील स्थल पर नदी के पाट की चौकाई- अधिकातम ३२५ मीटर, न्यूज़लॉन्ड २२० मीटर खालील क्षेत्र की लंबाई- अधिकातम - ५७५ मीटर, न्यूज़लॉन्ड ५७० मीटर खालील क्षेत्र की चौकाई - अधिकातम ८३ मीटर, न्यूज़लॉन्ड ४४ मीटर स्थान की नदी छट के किनारे से दूरी - पूर्व दिशा की तरफ अधिकातम ३४० मीटर, न्यूज़लॉन्ड १३२ मीटर एवं पश्चिम दिशा की तरफ अधिकातम ५० मीटर, न्यूज़लॉन्ड २२ मीटर।	सत्त्वाने द्वारा पाया गया कि जिस खालील स्थल पर नदी के पाट की चौकाई ३२५ मीटर है, उस खालील स्थल पर पश्चिम दिशा की तरफ नदी छट के किनारे से दूरी न्यूज़लॉन्ड ४० मीटर है तथा खालील स्थल पर नदी के पाट की चौकाई २२० मीटर है, उस खालील स्थल पर पश्चिम दिशा की तरफ नदी छट के किनारे से दूरी न्यूज़लॉन्ड २२ मीटर है। अतः ऐसे पार्श्वभूमि द्वारा नदी की ऊपरांकना नहीं है।
स्थान स्थल पर रेत की मोटाई -	स्थल पर रेत की गहराई - ५ मीटर रेत खालील की प्रतिक्रिया नाशराई - २.५ मीटर स्थान में माईग्रेडल रेत की जाता-४५,००० मिलीटर खालील रेत की प्रतिक्रिया जानकारी अनुसार - स्थल पर किये गये पर्सेस (Pss) की संख्या-५ रेत की उपलब्ध औन्तर गहराई ३ मीटर रेत की आकृतिक गहराई हेतु पर्सेस	

	प्रस्तुत किया जाता है।	
खदान कोड में ऐसा संकेत के संगलय	विह विन्दु - 25 नीटर बुला 25 नीटर लेवल्स (Levels) दिनांक 16 / 10 / 2023 शानिय लिभार से प्रमाणीकरण उपराज कोटीपाटा कहिंत जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किये गए हैं।	
पृष्ठाखोली कार्य	नदी के तट पर पृष्ठाखोली - 900 नम किया जाना है।	प्रस्तावित कार्य त्रुति 5 वर्ष की शामि - 2,80,800 रुपये
परियोजना से संबंधित सापर्य पत्र	<p>1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-एम-पी के तहत खदान कोड के आस-पास नदी तट एवं पृष्ठाखोली के किनारे कृतरोपण, पृष्ठाखोली तट उत्तराधीन नियंत्रण, साथम पृष्ठाखोली त्रुति 90 प्रतिशत तीव्रता रखा सुनिश्चित, उत्तराधीन आदर्श तुर्लांशी नीति के तहत शोधगार मिनरल्स कमांसेशन नियन (Minerals Concession Rule) के तहत बाचपटी प्रिलियन द्वारा सुनिश्चित का कार्य सुनिश्चित किये जाने, जीईआर को तहत प्रस्तावित कार्य एवं संबंधित जात्या के कार्य पूर्ण प्रतिवेदन कियोर्टेंग फोटोडाक्ट सहित जानकारी अर्थात् पर्याप्ति रिपोर्ट में समाप्ति करने कार्यत प्राकृतिक जल संजीवी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु पर्यावरण वर्तीकृति में दिये गए कार्य का पालन किया जाएगा एवं ए. याही पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जावेगा, बर्वाच्चरु को दीर्घान रैत संरक्षण का कार्य नहीं किया जाएगा, सभिति द्वारा निहित किये गये कार्य का पालन सुनिश्चित किये जाने वाला।</p> <p>2. खदान में संरक्षण के दीर्घान संस्टैनेबल सोलर मार्गिनिंग औरोलमेट ग्राहकलाईन 2018 एवं इन्फोर्समेट एवं मॉनिटरिंग गार्डललाईन योर लैंगड मार्गिनिंग 2020 को छाकड़ानी का पालन किया जाएगा।</p> <p>3. इन्फोर्समेट एवं मॉनिटरिंग गार्डललाईन्स योर लैंगड मार्गिनिंग 2020 के छाकड़ानी का पालन किया जाएगा एवं अनुगमित संरक्षण योजना में दिये गये सार्वजनिक सिंचान का 60 प्रतिशत रिजार्टी द्वारा संरक्षण किया जावेगा।</p> <p>चुपचाकर सभी लाग्ती का पालन किये जाने वाला सापर्य पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।</p>	<p>परियोजना प्रस्तावक द्वारा निम्न शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किये गये हैं—</p> <p>1. परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुत हस्त परियोजना/खदान की संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लिखित नहीं है।</p> <p>2. परियोजना प्रस्तावक के प्रस्तुत भारत सरकार, पर्यावरण, जल और जलव्यवस्था विभाग द्वारा कोई अधिकारी कानून 804(3) दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत कोई संलग्न पत्र का प्रकरण लंबित नहीं है।</p> <p>3. मानवीय सुरक्षा कोई द्वारा दिनांक 02 / 08 / 2017 की Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिये गए दिया जिरेली का अंते सुनाया किया जावेगा।</p> <p>4. मानवीय सुरक्षा कोई द्वारा दिनांक 08 / 01 / 2020 की Writ petition (S) Civil No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये किया जिरेली का पालन किया जाएगा।</p>



१. कॉर्पोरेट एंवरीजर्नील रिपोर्ट (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावका द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु जमिनि के सम्बन्ध विस्तार से व्यक्त उपरांत विभानुसार विस्तृत अस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)		
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)	
		Following activities at, Village- Saltangarkoli			
		Plantation around Muktidham		0.35	
		Total		0.35	

सीईआर के अलगत याम साईटांगरहीली विभिन्न पुस्तिकाम के बारी और (अथवा सीधी एवं जागून) ३० नम् वृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत अस्ताव जमिनि के लिए राशि १,५०० रुपये, पेंशिंग के लिए राशि १२,००० रुपये, गांव के लिए राशि ३०० रुपये, शिवार्थ, रख-इकाव एवं अन्य आदि के लिए राशि ५,५०० रुपये इस प्रकार प्रस्तुत राशि में कुल राशि १८,५०० रुपये तथा आगामी ५ वर्ष में कुल राशि १८,५०० रुपये हेतु घटकावान याच का विवरण प्रस्तुत किया जाता है। परियोजना प्रस्तावका द्वारा याम बंधावा साईटांगरहीली के राहमति संपर्कीय व्याधीय स्थान (खाला जामांक ११८, क्षेत्रफल ०.४४८ हेक्टेयर) के बारे में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

२. जमिनि का बता है कि लौज क्षेत्र के भीतर गैर मार्गिनिंग क्षेत्र में सीमा वर्तम जमावा जाना आवश्यक है। सीमा क्षेत्र के बारी बड़नी तथा सीमा लाइन के बारे में जीनेट के बारी गड़ना आवश्यक है ताकि लौज क्षेत्र वर्ती में स्थान दृष्टिकोण से बनके।
३. सीईआर कार्य एवं नदी तट में वृक्षारोपण कार्य की गोनिटारिंग एवं पर्यावरण हेतु डि-प्लाय जमिनि (ग्रोपराईटर/प्रतिभिति, याम पर्यावरण के पदार्थिकरी/प्रतिभिति एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णान्त पर्यावरण संस्थान के पदार्थिकारी/प्रतिभिति) गठित किया जाना आवश्यक है। आप ही सीईआर एवं नदी तट में वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित डि-प्लाय जमिनि से सत्यापिता करावा जाना आवश्यक है।
४. ऐत उत्तराखण मेनुअल विभि ने एवं भर्ती का कार्य लोकर द्वारा करावा जाना प्रस्तावित है। समिति का बता है कि लौजर जैसे यात्र भारी बहन जी जैसी है। अतः भर्ती के बारी मेनुअल विभि की ही कार्य वाली। भारी बहनों की नदी में दूषण की अनुभूति नहीं होती।
५. परियोजना प्रस्तावका द्वारा २.५ गीटर की गड़ताई तथा उत्तराखण की अनुमति मांगी गई। अनुमोदित उत्तराखण लौजना ने उत्तराखण किए जाने वाले क्षेत्र की वार्षिक रेत पुनर्वर्ण जैसी उत्तराखण कार्य एवं उत्तराखणी जौकाली या समाजी नहीं किया गया है। जैसा नदी लौजी नदी है ताकि इसमें वर्षाकाल में बाधान्वता । गीटर गड़ताई से अधिक ऐत का पुनर्वर्ण होने की संभावना है।

संभिति द्वारा विचार विभाग उपर्युक्त सर्वसम्मति से निम्नानुसार निषेच किया जाए—

1. परियोजना प्रस्तावक ऐत खदान क्षेत्र में आगामी 1.5 वर्ष में विस्तृत गाढ़ अध्ययन (Exploration Study) वाली है। ताकि ऐत के पुनर्भवण (Replenishment) वाला सही जांकार है। ऐत उत्खनन का नदी, नदीतल, स्थानीय उत्खनणि, और एवं सूख जीवी एवं प्रभाव तथा नदी के यानी की गुणवत्ता पर ऐत उत्खनन की दृष्टिकोणी सही जानकारी प्राप्त हो सके।
2. लोअर क्षेत्र की सांख्य का वेवलर्क्स बाटा—
 1. ऐत उत्खनन प्रारंभ करने की पूर्व उपर्युक्तानुसार नियंत्रित डिक विन्युआर पर नदी में ऐत की सांख्य की गती (Levels) का तर्ह कर उत्खन के आंकड़े उत्खान एवं आइए एवं ए. प्रतीक्षणद्वारा की प्रस्तुत किये जायें।
 2. पीट-मानसून (अप्रूप/नवम्बर शाह में ऐत उत्खनन प्रारंभ करने की पूर्व) इन्हीं डिक विन्युआर में माईनिंग लोज क्षेत्र तथा लोज क्षेत्र के अपलटीम तथा ऊपरमस्ट्रीम में 100 मीटर तक तथा खगन लैंग के बाहर / नदी तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक के क्षेत्र में नदी सांख्य की गती (Levels) का तर्ह पूर्व नियंत्रित डिक विन्युआर पर किया जाएगा।
 3. दुसरी प्रकार ऐत उत्खनन उपर्युक्त भागसून की पूर्व (नई शाह के अंतिम सांख्य/चून के प्रथम नम्बर) इन्हीं डिक विन्युआर पर ऐत सांख्य का लेवलर्स (Levels) का प्राप्त विचार जाएगा।
 4. ऐत सांख्य के पूर्व नियंत्रित डिक विन्युआर पर ऐत सांख्य का लेवलर्स (Levels) के भाग का तर्ह आगामी 6 वर्ष तक नियंत्रित विचार जाएगा। ली-मानसून के आंकड़े अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तथा पीट-मानसून के आंकड़े दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक उत्खनाद्वारा संघ से एसईआईए.ए. प्रतीक्षणद्वारा की प्रस्तुत डिक जायेंगे।
3. संभिति द्वारा विचार विभाग उपर्युक्त सर्वसम्मति से भेजी गईटांगरटीली लोअर जारी अप्रूप/स्थिर पिकलस स्व लोहाबता चम्भू, शाख पिकलस राईटांगरटीली को ग्राम-साईटांगरटीली, तहसील व जिला-जगापुर उत्खनन छानाक 100/1, कुल लोअर लोअरफल-३ कूरटेगर के कुल ६० प्रतिशत लोअरफल में ही ऐत उत्खनन अधिकतम १, मीटर की गहराई तक दीक्षित रखते हुए कुल 18,000 घनमीटर प्रतिशत ऐत उत्खनन हेतु पर्यावरणीय वरीद्धि, खगन फट्टे के नियंत्रण की जारीया से पांच वर्ष तक की अवधि हेतु एन्फोर्स-ए.ए में वर्गीत गती के अद्विन दिये जाने की अनुमता की गई। ऐत जी चुदाई संभिति द्वारा (Manually) की जाएगी। रिवर बेड (River Bed) में भारी याहानी का लोअर प्रतिवर्षित रहेगा। लोअर लोअर में लिखत ऐत चुदाई गहरे (Excavation pits) वे लोअरिंग प्लाईट तक ऐत का अरिवाहन ट्रॉक्सी द्वारा किया जाएगा।
4. सहीनेवत संघ भाईनिंग मैनेजमेंट गाईबलाईना, 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं इन्फोर्मेंट एवं नीतिशिखन गाईबलाईना पौर दोष संभिन्न, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार कानूनी से चालन सुनिश्चित किया जाए।

कानून संघीय पर्यावरण व्राम्य आवालन व्हायिकरण (एसईआईए.ए.) भत्तीक्षणद्वारा की अनुमति दी जाए।

4. श्रेष्ठों कानून बटोर वडाई (प्रे.- भी जिलाकारा लिखारी), पान-जीमगापारा, ताहरील-मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया (पर्यावरण में जिला-मनेन्द्रगढ़-लिखारी-गरतपुर) (संवितालय का नम्बरी कानून 2156)

जीनलाईन आवेदन - प्रधानमंत्री नम्बर - एसआईए/ शीजी/ एनआईए/ 400731/2022 दिनांक 21/09/2022 द्वारा पर्यावरणीय स्तरीयती हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में उल्लिखित होने से छापन दिनांक 10/10/2022 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु लिखित किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानित जानकारी दिनांक 21/10/2022 (उक्तीयकी तरफी होने के कारण जीनलाईन वाइट में 17/11/2022 को प्रदर्शित) द्वारा जीनलाईन प्रस्तुत ही है।

प्रस्ताव का विवरण - यह कूर्च से संसाधित पत्थर (गोल लामिज) खदान है। पान-जीमगापारा, ताहरील-मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया (पर्यावरण में जिला-मनेन्द्रगढ़-लिखारी-गरतपुर) लिखित खदान कानूनक - 525, कुल संत्राकाल-1. हेक्टेयर में है। खदान की अवधित उत्तराधिन धमाता-17,004 एक अधिकर्षण है।

ताहरील-कोरिया प्रस्तावक यो एसईएसी उत्तराधिन के जावन दिनांक 09/12/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

केंद्रीय का विवरण -

(अ) भविति की 442वीं बैठक दिनांक 10/12/2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी कृष्ण शुभाई लिखारी, अधिकृत प्रतिनिधि उपसिंचाल द्वारा। सभिति द्वारा नम्बरी, प्रस्तुत प्रस्तावको का अवलोकन एवं फैसलाम करने पर पाया गया कि पूर्व में पत्थर कक्षर (डीसीसाईट रासायनिक याकूब) खदान खासगत कानूनक 525, कुल संत्राकाल-1. हेक्टेयर, धमाता-6,540 एक्टिकर अधिकर्षण हेतु पर्यावरणीय स्तरीकृति जिला स्तरीय पर्यावरण समायात निष्ठारूप प्राधिकरण, जिला-कोरिया द्वारा दिनांक 24/11/2017 को जारी की गई। यह स्तरीकृति पारी दिनांक से 5 वर्ष अवधित दिनांक-23/11/2022 तक जी अधिक हेतु नहीं ली। इस संबंध में सभिति का ना है कि कोरियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत संत्राकाल व्यापकीय, भासा सारकार, वर्धावरण, एवं एग यत्त्वाध्यु परिवर्तन गंभीरता, यथा वायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्तरीकृति का प्राप्तन प्रतिवेदन द्वारा कर्म प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

साथ ही सभिति द्वारा विकायह का अदलीकन करने पर पाया गया कि यह संकाय की संघर्ष में भी गोलम कुमार गुप्ता, निलारी पुरानी बहनी यादी कानूनक 17, मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया द्वारा "भी इसको लिखारी द्वारा स्तरीकृत लामिज होने की अलाका अधिक धमाता में अवैध उत्तराधिन परिवर्तन व जारी कर यात्तराधिन करने कामता।" लिकायत दिनांक 10/09/2022 यो प्रेषित किया गया है। लिकायत में उल्लेखित तथ्य मिन्ननुसार है-

1. "वाहनार द्वारा होते के अलाका धमाता के शासकीय भूमि पर लैकिं ब्लाकिंग तथा जार अवैध उत्तराधिन कराया जाता है, जाकि अवैध ब्लाकिंग तानुगमन अवश्यकीय स्तरीय में आता है, वाहनार की छेत्रीय पर ब्लाकिंग होल में संपर्कोंग किया जाने वाला कम्बीजर सत् ताकर एवं ब्लाकिंग रामकी जांच कर प्राप्त की जा सकती है।
2. वाहनार द्वारा संभावित होते से अवैध ब्लाकिंग वै अवैध तानान दिया जाता है तथा NGO नियमावली की अनुसार अधिक गहराई में भी उत्तराधिन का कार्य किया गया है।

3. बट्टेदार द्वारा अपौष खनिज का परिवहन किया जाता है, जिसका अंत में उनके छोड़ार के बिल्डरी किस का भिलान करती गयी रुग्धलटी से करने पर आपका किया जा सकता है।
4. बट्टेदार की चाल पर्यावरण द्वारा जारी अनापाति प्रभाव यक्षमतामय थी वही की नहीं है, परन्तु छोड़ार का विश्वासन लगातार जारी है।
5. CDM मद में प्रतिवर्ष 50,000 रुपयी लाभ करने की जी जो आज दिनांक तक नहीं किया गया है तबवें दावान पिछले 10 वर्षों से कमिकृत है।
6. जीके जांच पर खाद्यान एवं औषध सेवा में वही एवं खनिज का विश्वासन दरकारी अनुसार नहीं है।
7. बट्टेदार द्वारा जारी की गई रुग्धलटी से अधिक उल्लंघन किया गया है।
8. नाइनिंग प्लान के अनुसार उल्लंघन कार्य नहीं किया गया है, एवं लीक से अधिक उल्लंघन कर किल्डी किया जा चुका है।
9. पर्यावरण कियान से आपका सम्बन्धित अनुसार खाद्यान थोड़ के परिणीति में जाड़ चाहे (५-८) भीटर की ओर्डी चौड़ गुकाठीपण किया जाना चाहे। जिसे उल्लंघन कर देता जा चुका है।
10. निकमानुसार गुकाठीपण नहीं किया गया है।
11. दावान सेवा में अग्रिको के लिये आपात, ऐपल एवं डिकिल्ड इत्यादि की शुरुआत नहीं है।
12. निकमानुसार 100 प्रति प्रतिवर्ष लगातार या किन्तु एक भी प्रति नहीं लगाया गया है।

गणिति द्वारा उत्पादय वार्तासम्बन्धि से निकमानुसार निर्णय लिया जाता था-

1. उपरोक्त उम्मी के परिवेष्य में शिकायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं की जीव उच्चालक, संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावली भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर से करते जाने एवं उत्पादनाक जहानकारी/ जीव इंटीवेन प्रस्तुत किये जाने उपरांत प्रकरण पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही कार्यालय कालेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मौजूदगढ़-विरमिली-भरलपुर की जूकित किया जाए।
2. एकीकृत लोकीय कार्यालय भाला सरकार, पालेवरण, यन एवं जलधारा विवरण नियालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय रकीकृति का वालम प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

निकमानुसार एस.ई.ए.सी., उत्तीर्णगढ़ की जापन दिनांक 17/01/2023 के गतिका से शिकायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं की जीव उत्तीर्ण उच्चालक, संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावली भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर की प्रति प्रेषित किया गया है। साथ ही एस.ई.ए.सी., उत्तीर्णगढ़ की जापन दिनांक 02/02/2023 पुराना एकीकृत लोकीय कार्यालय, भाला सरकार, पर्यावरण, यन एवं जलधारा विवरण भाला रायपुर जो प्रति प्रेषित किया गया है। जीवालम में परियोजना प्रकारवाले द्वारा दिनांक 07/12/2023 की जानकारी/ तथ्य प्रस्तुत किया गया है।

(३) नामिति की ५१०वीं बैठक दिनांक ३०/०१/२०२४:

नामिति द्वारा नवरी उत्तराखण्ड जानकारी का अधिकारीकरण एवं परिषेक करने पर पाया गया कि परियोजना प्रस्तुत जानकारी में उल्लंघित रुप निशानुसार है:-

1. जिवायत पत्र में उल्लंघित विन्दुओं की वीर संखालक, संचालनालय, जीमी नदी खानिकरी, इंद्रावली घटन, नवा रायगुर बट्टल नगर, जिला - रायगुर से कारबी जाने एवं सम्भालक जानकारी/ जीर प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने वाले ने नानीय एनडीटी के ओर क्रमांक 117 द्वारा ३०/०१/२०२३ द्वारा पासित आदेश की प्रति प्रस्तुत की गई है। विसकी अनुसार E Action Taken Report की विन्दु क्रमांक 1 में "The report of the Revenue Department and Mining Department did not find any encroachment and illegal mining beyond the lease area in other two stone quarry's i.e. Ms Krishan Muran Tiwari (Khasta No. 16, area 2.0 Ha Village Hasinapur) and Ms Hrikesh Thewari (Khasta No. 625, area 1.0 ha. Village, Dornnapara)." तथा विन्दु क्रमांक 4 में "Accordingly, in compliance of Environmental Rules, no further action is required." का उल्लंघन है।
2. एकीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, ने एवं जलवाया परिवर्तन विभाग, रायगुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन द्वारा किये जाने हेतु है—मेज की मालवन से अनुरोध किया गया है, जिसके परिवेद्य में जानकारी आवा दिनांक तक आपात है।

नामिति द्वारा सत्ताका सर्वेतत्त्वी से निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तुत की पूर्व में जारी गई नाहित जानकारी एवं समस्त सुलभता जानकारी / उत्तराखण्ड सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

उदानुसार परियोजना प्रस्तावक की दसवीं रुसी, उत्तरीसगढ़ की जापन दिनांक २७/०५/२०२४ द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

(४) नामिति की ५३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा कोई अनुरोध पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

नामिति द्वारा विचार कियी उपरात सर्वेतत्त्वी से निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा बाहित जानकारी एवं अनुरोध पत्र प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक की उदानुसार सूचित किया जाए।

६. गैरकारी वित्त विभाग (जीवीटी लाईंस बटोर भाईन, डॉ.— डॉ. अग्रिम अद्याल), छान-फलोर, राहसील-पाट्टन, जिला-हुता (संस्थानिक नाम क्रमांक २३६४)

विषय वस्तु	जारीकिय प्रकाशन से संबंधित विवरण	नामिति द्वारा नोट किया गया कि
आनंदार्थिन आवेदन	टी.टी.आर. — ४५८६७९ एवं २४/०१/२०२४	
खदान का प्रकाश	मूना चत्तर (जीर संनिधि) खदान	संस्थानिक
शेषफल एवं लागता	१.९७ हेक्टेयर एवं १०,३८० टन प्रतिवर्ष	संतुष्ट है।
खारा क्रमांक	पाटी अंक खारा क्रमांक ४२९	संतुष्ट है।

वैठकी का विवरण –

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसडीएसी, उत्तरीसगढ़ से आपन दिनांक 22/02/2024 हाला प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(३) समिति की ५१५वीं बैठक दिनांक 27/02/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं है। परियोजना प्रस्तावक हाला दिनांक 27/02/2024 के माध्यम से सूचना की गयी है कि अपरिहार्य बरणों से आज इतका मे प्रस्तुतीकरण किया जाना समय नहीं है। ताकि आगामी आपोविष्ट बैठक मे समय प्रधान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हाला एसमय सर्वसम्मति से निर्णय किया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व मे छहीं गई वाहित जानकारी एवं वास्तव सुरक्षा जानकारी/ वरतावेज वाहित प्रस्तुतीकरण किये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसडीएसी, उत्तरीसगढ़ से आपन दिनांक 22/03/2024 हाला प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(४) समिति की ५३३वीं बैठक दिनांक 30/03/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थिति प्रतिनिधि		प्रस्तुतीकरण हेतु भी सभ्य अद्यात् अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुये। अधिकृत प्रतिनिधि द्वा वाहनी पर प्रस्तुत किया गया है।
मू—स्वामित्य	खासा क्रमांक ४२९ (पाट) वी अग्रिम अप्रावक्ता (आवेदक) की सभ्य पर है।	मू—स्वामित्य वरतावेज शालम् है।
पूर्व मे जारी हुयी	खासा का प्रकार — चूक गत्यर (गीण स्थिति) स्थान खासा क्रमांक — ४२९ (पाट) संप्रकल्प — १०७ हेक्टेकर शमता — १९,३६० टन प्रतिवर्ष दिनांक — २३/११/२०१६	होइङ्कृष्णपुर, जिला—दुर्ग पर्वतवर्तीय स्त्रीवृति की दिनांक १६/१०/२०११ तक है।
पूर्व मे जारी हुयी का वातन प्रतिवेदन	क्ष—प्रमाणित — हो।	निर्वाचित जलानुसार दृष्टिरूपम्— नहीं। पूर्व मे जारी पर्वतवर्तीय स्त्रीवृति की जारी के अनुरूप दृष्टिरूपम् कर (गीणी मे संख्याकरण (Numbering) एवं नाम) फोटोवातना साहित सभ्य परायत से प्राप्त कर प्रमाणित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
विवर वसी मे किये गये उत्तरान्वय	दिनांक ०१/०१/२०२४ वर्ष २०१८—१९ मे नियम वर्ष २०१७—१८ मे ८,३०० टन वर्ष २०१८—१९ मे ९,६०० टन वर्ष २०१९—२० मे ८,८००.८० टन वर्ष २०२०—२१ मे ९,६०५ टन वर्ष २०२१—२२ मे ९,६०० टन वर्ष २०२२—२३ मे ८,००० टन	

प्राप्त पंचायत एनओसी	जामा पंचायत परोता दिनांक 15/09/2001	उत्तर की रखायना के संबंध में जामा पंचायत का इनापलि उत्तर पर (इनपरिवर्ती वैठक एवं दिनांक नहिं) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
उत्तरमन योजना अनुमोदन	दिनांक 02/03/2022	सलग्न है।
500 मीटर	दिनांक 01/01/2024	65 लकड़ानी भवन 148.473 हेक्टेयर
200 मीटर	दिनांक 01/01/2024	प्रतिवर्षित बोब भिन्नित नहीं
लीज बीब	लीज बारक - बिलल बिलल, झी- झी अनित अदाकाल आपडि - दिनांक 17/10/2001 से 18/10/2031 तक।	सलग्न है।
बन विभाग एनओसी	बनमन्डलीकारी दुर्घ बनमन्डल दुर्घ झारा जारी दिनांक 17/02/2024	बन बोब भी दूरी - 26.8 कि.मी.
गहरापूर्ण संरक्षणात्मकी की दृष्टि	आधारी जाम - युद्धपार 500 मीटर एवं परोता 1 कि.मी. समुद्र जाम - सेलूद 2.5 कि.मी. अभयाशाल - सेलूद 2.5 कि.मी. राष्ट्रीय राजमार्ग - 10 कि.मी. राजमार्ग - 1.3 कि.मी.	आकर्त नदी-18 कि.मी. तालाम-000 मीटर दूरी-100 मीटर
परिस्थितिकीय/ जीवविविधता संरक्षणात्मक लंब	5 कि.मी. की परिसीम में अलगनीलीब बीब, राष्ट्रीय उद्यान, अभयाशाल, केन्द्रीय प्रदूषक नियंत्रण नीर द्वारा भोवित किटिहली चौल्युटेक दरिया, परिस्थितिकीय संरक्षणात्मक लंब या भोवित जीवविविधता लंब किलत नहीं है।	सलग्न है।
खनन संग्रह दूर खगन का विषय	खनन निषि - औपन कास्ट बोर्ड मेंसनाईज़ा विलिंग एवं खालिंग - ही रियल्टी - जियोलॉजिकल 4,38,000 टन वार्गिकल 1,23,000 टन विल्हेल्म 1,16,850 टन प्रस्तावित गहराई 20 मीटर वैथ की गहराई 1.5 मीटर वैथ की गहराई 1.5 मीटर समावित ज्वाय 7 वर्ष समावित ज्वाय - ही होकल - 2,000 वर्गमीटर	पर्यावर प्रस्तावित उत्तरानन प्रथम 2,020 टन द्वितीय 19,380 टन तृतीय 19,098 टन चतुर्थ 19,311 टन पाँचम 19,311 टन
उत्तरानन की लिए प्रतिवर्षित शेष	लीज के 7.5 मीटर का बोअफल - 2,960 वर्गमीटर	उत्तरानन - ही माहुमिय पानान में उत्तरानन - नहीं।
छत्ती निटटी/छोक्कर	बोइलर - 2 मीटर मात्रा - 7,200 घण्टीमीटर	उपर्युक्त निटटी प्रक्रियन योजना प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

कठीन प्रकाशन वायनामा		
जल आपूर्ति	मात्रा - 5 मिनीटर ग्रॉडिंग	परियोजना हेतु कालाघण्टक जल की आपूर्ति के लक्षण एवं अनुमति संबंधी जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
कृषारोपण कार्य	सीज बीच के 7.5 मीटर के बारी और पूर्णरोपण - 1,310 नम	प्रवर्तनापूर्वक कार्य हेतु 5 कर्व की क्षमता - 12,00,100 क्लम्बर
क्षेत्री	५०-१	क्षेत्रीय खाद्यान की मिलाकर कुल क्षेत्रफल 147.443 हेक्टेयर है।

- सीज बीच के बारी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्तरानन बारी किया गया है। प्रतिशतिल 7.5 मीटर बीची सीमा पट्टी में उत्तरानन किया जाना पर्यावरणीय स्थीरता की बारी का उत्तरानन है। अतः जीव प्रकाशन नियमानुसार आवश्यक कार्यालयी किया जाना आवश्यक है। साथ ही उत्तरानन उत्तरानन की पुनर्नियन्त्रण की ओर से हेतु वेस्टोरेनन प्राप्त एवं उत्तरानन भाग की सामिल हरतों पूरे अद्यतन नियमि अनुसार नियमी की गणना कर संकेतिल अनुमोदित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- उत्तराननीय है कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नीन कील माइनिंग ग्रॉडिंगट्स हेतु मानव पर्यावरणीय की जारी हो रही है। जारी क्रमांक VIII-(ii) के अनुसार-

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

- उत्तराननीय की अनुसार माइनिंग ग्रॉडिंगट्स की अदर 7.5 मीटर बीची सेपटी जीव में पूर्णरोपण किया जाना आवश्यक है।
- मानवीय एन-की-टी, पिलियल बैच, नई दिल्ली द्वारा सहीद पार्क्स विकास भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरियनल एपिलियोजन नं. 186 जारी 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2016 की पारित आदेश में गुरुत्व रूप से नियमानुसार नियमित किया गया है—
 - Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 6 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विभाग नियमी उत्तरानन सर्वीसम्भाली से प्रकाशन "सी-1" कोटेजरी का होने के कारण भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अप्रैल, 2015 में प्रकाशित कटैभल्के टम्ही डीपा रिफरेंस (टीआईआर) परीक्षा ई-आई-ए/ई-एम-पी-पिलेट परीक्षा प्रोवोकेट्स/एकटीविटीय रिफल्यारेंस इन्वायरनेट पर्लीयरेंस अप्रैल ई-आई-ए, नीटिविकोहन, 2008 में पर्याप्त क्षेत्री 1(i) का स्टैन्डर्ड टीआईआर (हीक चुम्बकीय संकेत) नीन कील माइनिंग ग्रॉडिंगट्स हेतु नियम अतिरिक्त टीआईआर के बारा जारी किये जाने की अनुरोधों की गई—

- i. Project proponent shall inform SEIAA & S.E.A.C. Chhattisgarh before commencement of Baseline Data Generation and start of monitoring work for preparation of EIA Study Report.
- ii. Project proponent shall submit the individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
- iii. Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.
- iv. Project proponent shall submit the NOC from concerned department for Crusher establishment and details of pollution control arrangement in crusher.
- v. Project proponent shall submit top soil management plan.
- vi. Project proponent shall submit the compliance of plantation according the conditions of previous EC and do numbering in trees planted and submit the report along with photographs.
- vii. Project proponent shall submit source of water requirement and its NOC for usage of water from competent authority.
- viii. Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.
- ix. Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced with chain link.
- x. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- xi. EIA study shall be done at minimum 10 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
- xii. Project proponent shall submit the copy of panchams and photographs of every monitoring station.
- xiii. Project proponent shall submit the species wise detail, list of trees standing in lease area.
- xiv. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- xv. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 604(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs. Union of India order dated 02.08.2017.
- xvi. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xvii. Project proponent shall submit layout map earmarking 7.5 meter of mine lease periphery & previously mined out area in safety zone, calculation of mined out area submit DPR of restoration plan and do remedial measures for development of greenbelt in 7.5 meter wide all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. Project proponent shall incorporate the remedial measures for mining activity carried out in the past in safety zone.

- vii. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) & complete the restoration of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.
- viii. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5-meter safety zone area of minimum 05 feet height and shall maintain minimum 60% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- ix. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

शाय सारी वर्तमान प्रकृति आकलन प्राप्तिकरण (एसईआरपी), छत्तीसगढ़ को लागूनुसार सुधित किया जाए।

६. ऐसी कुटेली विहार अर्थ को कारी एवं विहार विही पत्र (पी-वीटी इनामी साह), शाम-कुटेली, राहसील-बैकुण्ठपुर, विहार-कोरिया (संचिकालय का नमी छनाक 1583)

बीनलाईन आवेदन - इवोजल नम्र - एसआईए / सीजी / एनआईए / 246874 / 2021, दिनांक 23 / 12 / 2021 हारा पर्यावरणीय स्वीपहुति होतु आवेदन किया गया था। परियोजना प्रस्तावक हारा प्रस्तुत आवेदन में कमियति होने से ज्ञापन दिनांक 24 / 12 / 2021 हारा ज्ञानकारी प्रस्तुत रूप से हेतु निर्दिष्ट किया गया। परियोजना प्रस्तावक हारा वाहित ज्ञानकारी दिनांक 21 / 07 / 2023 पो बीनलाईन प्रस्तुत की गई।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूर्व से संबलित निटटी उत्तरानन (खींच खानिज) खदान है। खदान शाम-कुटेली, राहसील-बैकुण्ठपुर, विहार-कोरिया विहार ज्ञानकारा क्षमाक 744, 760 / 1, 760 / 4, 760 / 1 एवं 760 / 2, कुल क्षेत्रफल-1.24 एकड़ीयर है। खदान की अवौदित निटटी उत्तरानन क्षमाक-1,200 एनसीटन प्रतिवर्ष है।

लागूनुसार परियोजना प्रस्तावक की एसईएसी, छत्तीसगढ़ को ज्ञापन दिनांक 21 / 09 / 2023 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुधित किया गया।

विवरों का विवरण -

(अ) खानिज की 449वीं वैठक दिनांक 29 / 09 / 2023-

प्रस्तुतीकरण हेतु भी यहां कुमार राठीर, अधिकृत प्रतिनिधि उपरिख्यत हुए। खानिज की वास्तव परियोजना प्रस्तावक हारा खानिज को उम्मा कलाया गया कि ज्ञानकारी अपूर्ण होने के कारण से खानिज को समझ वैठक ने प्रस्तुतीकरण हेतु उपरिख्यत होना संभव नहीं है। अतः ज्ञानकारी खानिज वैठक ने जनय प्रदान करने हेतु लग्नुसीध विवाद गया है।

नामिति द्वारा तत्काल सर्वोच्चता से निर्भय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा घासित जानकारी एवं अनुरोध पत्र द्वारा हीमें पर जागती रहीकरणी नहीं जाएगी। तबानुसार एसडीएसी, छत्तीसगढ़ को आपन दिनांक 21/12/2023 के परिषेष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 16/01/2024 को प्रत्युतीकरण दिये जाने हेतु अनुरोध पत्र प्रस्तुत किया गया है।

(५) नामिति की 51वीं बैठक दिनांक 27/02/2024:

नामिति द्वारा नवीनी/ अनुरोध पत्र, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परिज्ञान कर लेया नामिति द्वारा तत्काल सर्वोच्चता से निर्भय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को अनुरोध की रैखिकता बहुत हुए पूर्ण में बदली गई घासित जानकारी एवं नामरता सुनिश्चित जानकारी / वस्ताविज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्टा विनाश करा।

तबानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसडीएसी, छत्तीसगढ़ को आपन दिनांक 27/02/2024 द्वारा प्रत्युतीकरण हेतु सुविधा किया गया।

(६) नामिति की 633वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु की गयक जुमार राहीर, अधिकृत ड्रिलिनिटि सुपरिचित हुए। नामिति द्वारा नवीनी प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परिज्ञान करने पर निम्न निष्पत्ति घटी—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय कीमति संबंधी विवरण—

- पूर्व में मिट्टी खाली कराना क्रमांक 744, 760/1, 760/4, 760/1 एवं 760/2 कुल कीमत—1,34 हेक्टेएर, कमत—1,200 घनमीटर (3,60,000 नम) प्रतिक्वा हेतु पर्यावरणीय कीमति जिला जलसीय पर्यावरण समिकात नियोजन प्राविकरण इंजिनियरिंग द्वारा दिनांक 17/10/2017 को जारी की गई थी। जिसकी दैखता 9 वर्ष तक थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा जाया गया कि भास्त जलावाह, पर्यावरण, जल और जलवायन परिवर्तन में जालय, नई डिल्ली द्वारा जारी अधिकारिया दिनांक 18/01/2021 अनुसार—

"*SA. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control. However, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid.*"

एप्रिल 2020 अधिकारिया की अनुसार पर्यावरणीय कीमति की दैखत पारी दिनांक से दिनांक 17/10/2023 तक ही होगी।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय कीमति की जारी की जालय में की गई कार्रवाई की नई—अमारित जानकारी प्रस्तुत की गई है।
- निर्धारित जालीनुसार 289 नम प्रकारोपण किया गया है।

iv. सार्वजनिक कलेक्टर (स्थानिक ग्राम) बैकुण्ठपुर, जिला—कोरिया के द्वापन इमारत 789/स्थानिक/संघ./मिट्टी/2023 कोरिया, दिनांक 09/02/2023 द्वारा लिखा गयी में लिखे गये उत्तरानन की अनुमति दिए गए हैं।

वर्ष	संतापादन (धनमीटर)
2018	0.00 (भू-प्रबन्ध की अनुमति आपात होने की कारण संतापादन नहीं किया गया)
2019	670.00
2020	145.00
2021	599.00
2022 दिसंबर तक	114.00

सामिलि का भत्ता है कि दिसंबर 2022 के समर्थन किये गये उत्तरानन की सामाजिक गाड़ी की अद्यतन जानकारी लिखित विवरण से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. यात्रा पर्यायत रहा अनापत्ति प्रमाण पत्र – उत्तरानन के संबंध में यात्रा पर्यायत कुड़ेली कर दिनांक 04/12/2018 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्तरानन योजना – यात्री पत्रन प्रस्तुत किया गया है जो खानि अधिकारी, जिला—सूरजपुर के द्वापन इमारत 3160/स्थानिक/2017 सूरजपुर दिनांक 13/09/2017 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 बीटर की परिमि में सिला खदान – सार्वजनिक कलेक्टर (स्थानिक ग्राम) बैकुण्ठपुर, जिला—कोरिया के द्वापन इमारत 789/स्थानिक/संघ./मिट्टी/2023 कोरिया, दिनांक 09/02/2023 को अनुमति आवेदित खदान से 500 बीटर की भीतर अवशिष्ट खदानी की संख्या निर्दित है।
5. 200 बीटर की परिमि में सिला सार्वजनिक लोअर/सरिघनाएँ – सार्वजनिक कलेक्टर (स्थानिक ग्राम) बैकुण्ठपुर, जिला—कोरिया के द्वापन इमारत 789/स्थानिक/संघ./मिट्टी/2023 कोरिया, दिनांक 09/02/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसन्धान उत्तरानन से 200 बीटर की परिमि में कोई भी सार्वजनिक लोअर जैसे महिन, भरियाएँ, मरघट, पुल, गढ़ी, रेल-साईंग, अर्पालाल, रक्कुल, एवं लोअ जैसी प्रतिशेषित लोअर निर्मित नहीं हैं।
6. भूमि एवं लीज का विवरण – भूमि एवं लीज शीक्षी प्रेषायती शाह (आवेदक) के नाम पर है। लीज लीज 30 वर्गी अर्धांश दिनांक 27/12/2017 से 26/12/2047 तक की अवधि हेतु दिया गया है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की दृष्टि प्रस्तुत की गई है।
8. यम विवाद का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय गनमनप्रकल्पाधिकारी, कोरिया गनमनप्रकल्प बैकुण्ठपुर, जिला—कोरिया के द्वापन इमारत/लाकड़ा/1343 बैकुण्ठपुर, दिनांक 20/03/2023 से यात्री अनापत्ति प्रमाण पत्र को अनुमति आवेदित खदान की निकटतम बन लोअ से दूरी 1 किमी है। आवेदित खदान से निकटतम नेशनल याकी / अन्धकार्य छोड़ी दूरी 10 किमी है।
9. उत्तरानन संरक्षनात्मकी की दूरी – निकटतम आवादी ग्राम—कुड़ेली 1.2 किमी, सहूल ग्राम—कुड़ेली 1.5 किमी, एवं अस्पताल ग्राम—कुड़ेली 1.5 किमी की दूरी

एवं लिखत है। राष्ट्रीय ग्रन्थालय के किमी एवं सरकारी 10 किमी दूर है। नोटिसपोली मदी 5 किमी दूर है।

10. पर्यावरणिकीय/जीवविविधता बोर्ड कीओ - परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी की परिवहन में अतिरिक्तीय सीमा, राष्ट्रीय राहान, अन्यरथ, राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण शीर्ष द्वारा लोकित क्लिकली चीज़ोंटेर रखिया, पारिवर्षिकीय बोर्डनीति की या जोधित जीवविविधता की लिखत नहीं होना प्रतिबोधित किया है।
11. खनन सफदा एवं खनन का विवरण - जियोलॉजिकल लिंग 22,320 घनमीटर, गहरानेवल लिंग 19,642 घनमीटर एवं रिकवरेबल लिंग 18,570 है। लौज की 1 लौटर लौटी सीमा बट्टी (उत्तरांगन के लिए प्रशिविल लौट) का क्षेत्रफल 540 घनमीटर है। ओपन कार्बन मिन्युल लिंग से उत्तरांगन किया जाता है। उत्तरांगन की प्रस्तावित अधिकतम वाहनों 2 लौटर है। दैव की लौंगाई 1 लौटर एवं धीकाई 1 लौटर है। लौज की कीमत 1,000 घनमीटर में लौब ईट लिमीट हेतु खड़ा क्षमापित किया जाएगा। ईट मिनीय हेतु लिंगी के साथ 25 प्रतिशत फलाई ऐसा एवं उपर्योग किया जाता है। खदान की गतिशील आयु 16 वर्ष है। खदान में वायु प्रदूषण लिंगजन हेतु छल का लिमिटाव लिया जाता है। अनुबोधित बातों पराम अनुसार कर्तव्यात प्रस्तावित उत्तरांगन का विवरण निम्नानुसार है:-

क्रम	उत्तरांगन (घनमीटर)	क्रम	प्रस्तावित उत्तरांगन (घनमीटर)
प्रथम	1,200	पहलम	1,200
द्वितीय	1,200	राप्तम	1,200
तृतीय	1,200	अप्तम	1,200
चतुर्थ	1,200	बायम	1,200
पंचम	1,200	दाराम	1,200

12. जल आपूर्ति - परियोजना हेतु आवश्यक जल की जाता 4.9 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति बोर्डेल की जात्यर्थ से की जाती है। इस जात्यर्थ सेन्ट्रल बायपक बीटर अस्ट्रोरिटी से अनुबोधी प्राप्त जन प्रस्तुत किया गया है।

13. शूलांतरण कर्तव्य - लौज होउ की सीमा में जारी और 1 लौटर की बट्टी में 289 यान शूलांतरण किया जाएगा। समिति का भत है कि लौज होउ की जारी और 1 लौटर की सीमा बट्टी में शूलांतरण हेतु लौंगी जा दीजन, सुखा हेतु फैसिंग, खाद एवं सिंचाई जल एवं सान्ध के लिए 5 लौंगी का घटकमार व्यष्ट का विवरण दर्शित किया हुआ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

14. कॉर्पोरेट एंविरोनमेंटल रिप्पोर्ट (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक द्वारा बी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के जाप्ता विस्तार से वार्धी उपर्युक्त निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at Village-				
23	2%	0.46	Pavitra Van	2.96

		Human	Total	2.46
--	--	-------	-------	------

15. सीईआर के अलगते "परिव्र दाता निर्णय" के तहत लोकला, बड़ा फैसला, नीम, जाम, कम्फुन, खेत जहांदी) युआरेपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 200 नग घोटी के लिए राशि 4,000 रुपये, फौसिंग के लिए राशि 40,000 रुपये, खात के लिए राशि 3,000 रुपये, लिंथाइ तथा रक्त-प्रस्ताव जाहि के लिए राशि 48,000 रुपये, इस प्रस्ताव प्रधान राशि में कुल राशि 95,000 रुपये तथा अंगामी 4 राशि में कुल राशि 2,03,800 रुपये हेतु बटखावार बाबू का विवरण प्रस्तुत किया गया है। फौरियोजना प्रस्तावक द्वारा आवास योग्यता युक्तें के सहमति चपड़त योग्यान्वय स्थान (चालाक अन्याक 1043 हेक्टेयर में से 0.5 हेक्टेयर में) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।
16. सार्वभिन्न लौज लौज के अंदर आवास युआरेपण किये जाने एवं रोपित घोटी का सरकाईयल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. यांत्रिकरण स्त्रीगृही प्राप्त होने के बाबत लौज लौज के 1 सीटर में प्रधान जल के अनुसार युआरेपण किये जाने वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. सीईआर के तहत निर्दिष्ट राशि का उपयोग इस्ताहित घोटी में किये जाने वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
19. छलीभाड़ आदाने पुनर्वात्त नीति के तहत जलानीय लौजी की चौजावार किये जाने हेतु शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
20. परियोजना से जिन-जिन वर्षती से पद्धुजिटिव उक्त उत्तरार्द्ध होता, उन वर्षों पर नियमित तक भिन्नताव की वास्तव्यता किये जाने वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
21. परियोजना इस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल जलीत, जलवाय, नदी, नदा में नहीं किये जाने एवं इसके अस्ताव का वालन वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि एकले विलय इस परियोजना/खटान से संदर्भित कोई न्यायालंदीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी नालालाद में जारित नहीं है।
23. भागीदार सुझीम कोटि द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India wrt petition (C) 114 of 2014 में किये गये निर्दिष्ट का यालन किया जावेगा इस वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
24. भागीदार सुझीम कोटि द्वारा दिनांक 08/01/2020 की wrt petition (S) Civil No.114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में किये गये निर्दिष्ट का यालन किया जावेगा इस वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
25. भारत सरकार ने इन और जलवायु परिवर्तन अवश्यक, नई दिनांक 29/04/2023 की जारी अधिकार संसदीयमें दिए गए विन्दुओंर जानकारी का यालन किये जाने वाले शापथ वज्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा किया जाने वाले शापथ वज्र की नियन्त्रणान्वति वी नियन्त्रणान्वति नियंत्रण किया गया-



1. विवरन्दर 2022 के समरोत नियंत्रण गये उत्तराखण्ड की वास्तविक स्थिति की अवधारणा आनंदार्थी चामिज विभाग द्वारा प्रभागित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
 2. लौज लैंड के बारे ओर को-ऑर्डिनेट के अनुगाम बाहरपूरी पिल्लर्स लगाये जाए तथा लौज लैंड की सीमा एवं तार परिसीम तार पालन प्रतिक्रिया लौटोडाप्ता सहित प्रस्तुत किया जाए।
 3. लौज लैंड के बारे ओर 1 भीलर की सीमा घटटी में यूआरीपम हेतु जीती का नीपण सुखा हेतु परिसीम तार एवं सिंचाई तार रक्ष-रक्षाय जो लिए 5 वर्षी का घटकान्दार तार द्वारा विवरन सहित विश्लेष प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
 4. लौज लैंड के भीलर व्यापिता किया गिया वी कंपाई की गणना की संकेत में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
 5. इट नियंत्रण हेतु आवश्यक गोपनी की संख्या में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
 6. कोयले का सुरक्षित रखने के लिए ऐक जा नियंत्रण गोपनी आवश्यकता पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 7. विद्युत गियरी किला को 2 वर्ष की भीलर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिकार्यों द्वारा 22/02/2023 के वरिष्ठता में आवश्यक परिवर्तन वन विभाग-जीव प्रदूषित का विवरण काले हुये ईट नियंत्रण किये जाने वाला राष्ट्रीय पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- उपरोक्त विधित जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने समर्थ आगामी वर्षावारी की जाएगी।
- विधियोंका प्रस्तावक को तदानुगाम सुनित किया जाए।
7. गोपनी यादी विकस हंड्रटीज (प्र.- वी विकास कुमार यादी), छाग-बालाहार, ताहसील-बालाहार, जिला-याकूबपुर (संविकाशय का नस्ती क्रमांक 2684) भारत राष्ट्रकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय, नई विल्सो द्वारा ऑफिशियलोरिप्पल दिनांक 28/04/2023 द्वारा किया गया है, जिसके पीछे 4 में विवर प्राप्त है:-

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEMA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त ऑफिशियलोरिप्पल के तहत परिवेशना प्रस्तावक द्वारा जिला संस्थाय पर्यावरण राज्यपाल नियोजित द्वारिकरण हो जाते पर्यावरणीय स्थीरता के तुक अनुशासा (re-appraisal) हेतु एकाईएसी-उत्तीर्णगढ़ की सम्भा ऑफिशलोरिप्पल आवेदन किया गया है।

विषय वस्तु	अधिकृत प्रकरण के संबंधित विवरण	संभिति द्वारा जीत दिला गया द्वा
आनंदार्थी चामिज विभाग द्वारा प्रभागित कराकर प्रस्तुत किया जाए।	ई.सी. - 437665 एवं 05/10/2023	
दस्तावेज़ का प्रकार	मिट्टी (वीथ चामिज) दस्तावेज़	संचालित

कीमतीकरण दर्ता करना	2 हेक्टेयर पर 1,400 रुपयीटर प्रति वर्ष	संतुष्ट है।
खाली समांक	426	संतुष्ट है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी. छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 06 / 12 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैधती का विवरण –

(३) समिति की ६०१वीं बैठक दिनांक 12 / 12 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 12 / 12 / 2023 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के सभा बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः आनन्दी आयोजित बैठक में कामय प्रदान करने हेतु अनुचेतना की गयी है।

समिति द्वारा तदानुसार सर्वेसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में खाली पड़ चाहिए जानकारी एवं समस्त सुरक्षित जानकारी / इस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी. छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 23 / 02 / 2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(४) समिति की ६१६वीं बैठक दिनांक 28 / 02 / 2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 28 / 02 / 2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के सभा बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः आनन्दी आयोजित बैठक में कामय प्रदान करने हेतु अनुचेतना की गयी है।

समिति द्वारा तदानुसार सर्वेसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में खाली गई चाहिए जानकारी एवं समस्त सुरक्षित जानकारी / इस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी. छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 27 / 03 / 2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(५) समिति की ५३३वीं बैठक दिनांक 30 / 03 / 2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित प्रतिनिधि		प्रस्तुतीकरण हेतु की विवास बुनार पाली, प्रोपराईटर उपस्थित हुये।
पू-समीक्षा	खाली समांक 426 की खोलीसगढ़ काम्याचरण के नाम पर है।	उत्तरानन द्वारा पू-समांक का सहभागी प्रस्तुत किया गया है।
पूर्व में जारी हुए।	कामय का प्रकार - गिट्टी (रीफर रिनिंग) कामय खाली समांक - 426 शेतकरण - 2 हेक्टेयर कामया - 1,400 रुपयीटर (10,00,000 रुपये) प्रतिवार्ष दिनांक - 15 / 03 / 2017	दो ईआईएस. जिला-प्रशासन पर्यावरणीय संबंधीय की वैधता दिनांक 22 / 09 / 2041 तक है।
पूर्व में जारी हुए। का प्राप्तन प्रतिवेदन	स्व-प्रमाणित - ही	निर्धारित शालीपुसार छुआरीया - 300 रुपये

विवरण यार्डी में किए गये संरचनाएँ	दिनांक – 20 / 09 / 2023 वर्ष 2017 में 258 घनमीटर वर्ष 2018 में 112 घनमीटर वर्ष 2019 में 248 घनमीटर वर्ष 2020 में 450 घनमीटर वर्ष 2021 में 50 घनमीटर वर्ष 2022 में 180 घनमीटर	जानवरी 2023 से लिये गये संरचनाएँ की पारस्परिक भाइयो की अधिकान जानकारी खानिज विभाग से प्राप्तिगत कार्रवाय प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
ग्राम पंचायत एन.डी.सी.	ग्राम पंचायत बालाहर दिनांक 17 / 04 / 2019	संलग्न है।
संरचनाएँ दीजन अनुभीवन	दिनांक 13 / 12 / 2018	संलग्न है।
500 मीटर	दिनांक 20 / 09 / 2023	जन्म खदान – नियम
200 मीटर	दिनांक 20 / 09 / 2023	बज्ज स्ट्रोंग (जीरो नाला) – 70 मीटर
लीज लीज	लीज धार्क – श्री विकास कुमार यादी उपर्यि–23 / 09 / 2011 से 22 / 09 / 2041	संलग्न है।
जन विभाग एन.डी.सी.	कार्यपालिका संघ घनमालाहारियाँ, पालस्तानी उप घनमालाल द्वारा जारी दिनांक 15 / 01 / 2023	लोज लोज से फिलहाटम बन जीव की दूरी का उल्लंघन करते हुए बन विभाग का अधिकान जन्मायिता प्राप्त एवं प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
पहलापुरी संरचनाओं की दृष्टि	जाकारी धार – बालाहर 1.5 किमी स्वतूल धार – तेजाना 3 किमी जमसाल – पालस्तानी 14 किमी वाट्टील राजमारी – 7.7 किमी राजमारी – 14 किमी	दिज – 250 मीटर बालाहर नाला – 25 मीटर धीरम जी.एम. धार धार, सड़क – 25 मीटर की चौड़ी 5.5 किमी
पारिविकासिकीय/ जीवविविधता संविदनशील दीज	6 किमी की चारियों से झलकीलीय तीमा, राट्टीय उद्यान, आगामाध, लेन्टीय प्रदूषण विविधता लोड द्वारा घोषित किटिकली पील्लुटेक एसिया, पारिविकासिक संविदनशील तीव्र या घोषित जीवविविधता तीव्र स्थित नहीं है।	संलग्न है।
स्वच्छ संघर्षा एवं खनन का विवरण	संरचनान विधि – लोपन कार्ट नेटुआल रिजिस्ट्रेशन – विधोलीजिकल 40,000 घनमीटर माईनेशन 27,200 घनमीटर रिक्क्लोवल 36,168 घनमीटर प्रक्षालित गाराई 2 मीटर योव की ऊँचाई 1 मीटर योव की ऊँचाई 1 मीटर संग्रहित आम 16.5 वर्ष 1 मीटर औरी तीव्र पट्टी का तीव्रफल 800 घनमीटर	वर्षाव प्रस्तावित संरचनाएँ प्राप्त 2,240 घनमीटर हिंदीय 2,240 घनमीटर दृशीय 2,240 घनमीटर स्तरीय 2,240 घनमीटर पालम 2,240 घनमीटर काटम 2,240 घनमीटर जाम्पम 2,240 घनमीटर अष्टम 2,240 घनमीटर नवम 2,240 घनमीटर दशम 2,240 घनमीटर
लीज लीज के गोपन भव्यता स्थापित	ही. शेफर्ल – 1,700 घनमीटर	संलग्न है।

गैर वार्तिकिय केंद्रपाल - 1,700 रुपैयीटर, 100 नगमनेटर, 1,500 बर्गमीटर व 2,000 वार्गमीटर केंद्र छोड़ने वाला जलसंग्रह - जलवाया फिल्टर, जल स्टोर, पीएचजीएस, जाल जलकर तथा जलाना के कारबून। दक्षिणी दिल्ली में 300 वर्गमीटर के बीच दूध के संतरणित होने के कारण गैर वार्तिकिय घोषित रखा गया है।	नाइट्रिन जलमें छलनाथ - ही नाइट्रिन जलमें छलनाथ - ही नाइट्रिन जलमें छलनाथ - ही
जल आपूर्ति नगर - 804 घनमीटर जलाना - दैवानी के भावधार से	याम पंचायत बालाजीर का राहगती पञ्च प्रस्तुत किया गया है।
दृश्यारोपण कार्य पर्यावरण में सीख बोर के बारे और 1 लीटरर की धौधी लैमा पट्टी में दृश्यारोपण - 300 नगर किया गया है। ये 100 नगर धौधी का संयोग किया जाना प्रस्तावित है।	प्रस्तावित कार्य के 8 वर्ष की राहि - 2,65,300/-।
परियोजना से संबंधित शास्त्र वाप अप्रत्यक्ष	परियोजना से संबंधित उभयता शास्त्र वाप (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
क्षेत्री १-२	आवश्यक जावान का कुल शेषफल 2 हेक्टेयर है।

1. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय वार्तिकिय (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक द्वारा रागिति के साथ प्रस्ताव दी गयी उपरान्त निम्नानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
30	2%	0.60	Following activities at Nearby Village- Balajhar	
			Plantation around Pond	2,653
			Total	2,653

2. श्री ई.आर. के अलगैत लालाब के बारी और दृश्यारोपण (नीम, आन, अलून, सीमध, कट्टहल आदि) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कुल 100 नगर धौधी के लिए राशि 2,000 रुपये, कैलिन के लिए राशि 10,000 रुपये, खाद के लिए राशि 1,500 रुपये एवं सिंचाई जल रखा-रखाना आदि के लिए राशि 40,000 रुपये द्वारा घटाय एवं ने कुल राशि 60,500 रुपये देता आगानी 4 वर्ष में कुल राशि 1,26,500 रुपये हेतु घटकानार व्यय का कितरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पंचायत बालाजीर के राहगती प्रस्ताव याम वालाजीर के लालाब के बारी और दृश्यारोपण किये जाने हेतु जानकारी प्रस्तुत की गई है। प्रस्तुत लालाब के खाना बानाक, बोलकला का उल्लेख नहीं किया गया है।

3. प्रस्तुतीकरण की दीर्घन केंद्रपाल कार्डस ही जावहारिकन करने पर समिति द्वारा पाया गया कि ईट भट्टा लौज लौज के बाहर है। समिति ने कहा है कि ईट भट्टा को लौज लौज के भीतर लिये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा विचार दिनों उपरान्त सर्वोच्चता की विनाशकार विवरण लिया गया—

1. जानवरी 2023 से लिये गये उत्तराधान की वास्तविक गाड़ी की आडान जानकारी खानीज दिनांग ने प्रकाशित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
2. लौज लौज से विकलाटम दग लौज की दूरी का अल्लेख करते हुए इनकारात्मकता यन दिनांग का असरन अनायास प्रकाशन वर्ष द्वारा कर प्रस्तुत किया जाए।
3. ईट भट्टा की ताज से गोदा करने तथा ईट निर्माण कार्य लौज लौज की भीतर लिये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
4. लौज लौज की भीतर उत्तराधान दिनांगी यी ऊंचाई ती जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
5. ईट निर्माण हेतु आपका गोदा की बांध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
6. निट्रो के साथ उपयोग हेतु प्रत्याही ऐसा गोदा की बांध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
7. श्रीईआर के ऊंचाई तालिका की छारी और पृष्ठांतीय लिये जाने हेतु जानकारी रखान (जानवरा जनावर, लोकप्रिय रहित) जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
8. कोयले का सुरक्षित रखने के लिए लौज का निर्माण करने वाला शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. दिनांग दिनकी लिम्न की 2 बर्बी की भीतर यन एवं उत्तराधान परिवारि मन्दालय के अधिकारियन दिनांक 22/02/2022 के परिवेष में आवश्यक वरिष्ठतम वर लिये-दीय वद्धति का उपयोग करती हुई ईट निर्माण लिये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. माईनिंग लौज लौज की अन्दर सहन वृक्षांशपथ लिये जाने एवं रोपित गोदी वा सरकारीवाल रेट (Survival rate) यम से यम 20 प्रतिशत सुनिश्चित लिये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. पर्यावरण स्वीकृति द्वारा होने वी परवान लौज लौज की । भीटर में प्राप्तिजल के अनुसार पृष्ठांतीय वार जोटीडामा रहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
12. श्रीईआर की ताज निर्माण राहि जा उपयोग उत्तराधान कार्यी में लिये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. उत्तराधान आपरी पुनर्वास नीति के तात्पर व्यावधि लौगी की लेलगान दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. परियोजना ही लिये-लिये स्थली से फूलजिटिव डस्ट उत्तराधान होना, जन स्थली पर नियमित जल छिड़काय की व्यवस्था लिये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

15. परियोजना प्रतावक द्वारा किसी भी प्रकार का सुगम जल का बचाव प्राकृतिक जल संग्रह, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये गये एवं इसके संबंध में कानून वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
16. परियोजना प्रतावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके प्रियदर्शक इस परियोजना/खट्टान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रबन्ध देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लकित नहीं है।
17. नामनीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा इस वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
18. नामनीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 09/01/2020 की writ petition (S) Civil No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा इस वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
19. भारत सरकार के बन और जलवाय विभाग नहीं किसी द्वारा दिनांक 28/04/2023 को जारी ऑफिस मेनेडरन में दिए गए नियुक्ति जानकारी का पालन किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- उपर्युक्त जाहिल जनकारी/घटावक प्राप्त होने तकरीब आगामी कार्यवाही की जाएगी।
परियोजना प्रतावक को लाक्ष्यान्वाचक सूचित किया जाए।
8. मैत्री हरप्रसाद किशनला (प्रौ.- श्रीमती किशनल कीर चांदा, जो गोद जाईन कटीन कार्य), शाम-जानीजरीद, राहसील-सिमगा, जिला-बालीदाराजार-भाटापाटा (लोकवालप का नस्ती क्रमांक 2481)
ओनलाईन जाहिरन - प्रौद्योगिक नम्बर - एसआईए/ सीपी/ एनआईएन/ 431532 / 2023, दिनांक 30/05/2023 द्वारा दी गया है त्रु आवेदन किया गया है।
- घटावक का विवरण - यह यूं श्री कांडलेला गुरा गर्वव (गोद जानिज) जावान है। जावान शाम-जानीजरीद, राहसील-सिमगा, जिला-बालीदाराजार-भाटापाटा विला जनकारी क्रमांक 17, 29/1 रुप 471/2, कुल कुलकल-1.172 हेक्टेयर में है। जावान की आवेदित सरकारी जमीन का भागता—13,910.01 टका प्रतिवर्ष है।
- लाक्ष्यान्वाचक परियोजना प्रतावक को एसईएसी, उत्तीर्णगढ़ के द्वारा दिनांक 24/07/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया जाय।
- वैठकों का विवरण -

(अ) समिति की 470वीं बैठक दिनांक 27/07/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी जीतिनिति उपलिखत नहीं हुए। परियोजना प्रतावक के पत्र दिनांक 27/07/2023 द्वारा सूचना दी गयी है कि जनकारी अपूर्ण होने के कारण वी जानिजी के शामल विलक में प्रस्तुतीकरण हेतु संपर्कित होना समय नहीं है। अतः आगामी जानिजिता बैठक में जमीन प्रदान करने हेतु अनुदोष किया गया है।

समिति द्वारा सत्संवाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही गई वाहिनी जानकारी एवं समस्त सुरक्षात जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छलीसगढ़ के आपन दिनांक 08/12/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुविधा किया गया।

(३) समिति की ००२वीं बैठक दिनांक 13/12/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु वी जानकारी लिया जाकरा, जाहिनी वाहिनी सुपरिचित हुए। उसके द्वारा जानकारी गरदे कि प्रस्तुतीकरण हेतु वाहिनी जानकारी अपूर्ण होने के कारण वी समिति को समझ देखने में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः अगामी आयोजित बैठक में समय प्रधान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा एसग्य सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही गई वाहिनी जानकारी एवं समस्त सुरक्षात जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छलीसगढ़ के आपन दिनांक 23/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुविधा किया गया।

(४) समिति की ०१८वीं बैठक दिनांक 28/02/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी वाहिनी सुपरिचित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 28/02/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण वी समिति को समझ देखने में प्रस्तुतीकरण हेतु सुपरिचित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रधान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा सत्संवाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही गई वाहिनी जानकारी एवं समस्त सुरक्षात जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छलीसगढ़ के आपन दिनांक 21/03/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुविधा किया गया।

(५) समिति की ०३३वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी वाहिनी सुपरिचित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 30/05/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति को समझ देखना में प्रस्तुतीकरण हेतु सुपरिचित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रधान करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति द्वारा विवार वर मिल निकली जाई गई:-

- परियोजना प्रस्तावक जो पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु 4 जावहर प्रधान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा वार-वार वाहिनी जानकारी अपूर्ण होने का लेता करते हुए सुमित दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है। जिससी समिति का अन्यायपक बोला नहीं हो रहा है।
- समिति की बैठक दिनांक 27/07/2023 में लिये गये निर्णय अनुसार वाहिनी जानकारी आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

पूर्व में समिति की अनुसारा के आवार वर प्राधिकरण की १४८वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 में लिये गये निर्णय अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक दो वार प्रस्तुतीकरण हेतु अनुपरिचित रूप से उसको तीसरी बार की बैठक में सुपरिचित नहीं होने

की सिविल में परियोजना प्रस्तावक की अधिनियम आवैदन को पाठील से हि-लिस्ट/मिरसा करने का निर्णय एसईएसी छलीसगढ़ द्वारा लिया जावेगा है। समिति द्वारा विचार दिया गया संसाधन सर्वोच्चति से उपरीका तथ्यों के परिवेद्य में आवेदित प्रकल्प को हि-लिस्ट/मिरसा किये जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

राष्ट्रीय पर्यावरण प्रबल-आकाश इंशिकारन (एसईएसी) छलीसगढ़ को लालनुसार सूचित किया जाए।

9. मैलसे रानीजरीद लाईन स्टोन कर्डोरी प्रोटेक्ट (डो.—सी अवाग्रीह सिंह नाटिया), याम—रानीजरीद, तहसील—सिंभगा, जिला—छलीसगढ़—भाटापाटा (सार्विकालय का नम्रता क्रमांक 2489)

अधिनियम आवैदन — प्रपोजल नम्बर — एसईएसी/ सीपी/ एसआईएस/ 431503/ 2023, दिनांक 30/05/2023 द्वारा दी.ओ.आर. हेतु आवैदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संभालित युक्त पत्थर (गोप लाभिज) लादान है। लादान याम—रानीजरीद, तहसील—सिंभगा, जिला—छलीसगढ़—भाटापाटा सिला लादान क्रमांक 471/2, युक्त क्षेत्रफल—1.899 हेक्टेकर में है। खादान की आवेदित लालनन क्रमांक—21,548.40 टन प्रतीयर्ष है।

लालनुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी छलीसगढ़ के झापन दिनांक 24/07/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण —

(अ) समिति की 479वीं बैठक दिनांक 28/07/2023

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनियि उपरिक्षण नहीं दूष। परियोजना प्रस्तावक की पत्र दिनांक 28/07/2023 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति को सम्भाल बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपरिक्षण होना संभव नहीं है। अतः आगामी आधोंवित बैठक में जानकारी प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्काल सार्वजनिक से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही गई वर्तित जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति को सम्भाल बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आधोंवित बैठक में जानकारी प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

लालनुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी छलीसगढ़ के झापन दिनांक 08/12/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 502वीं बैठक दिनांक 13/12/2023

प्रस्तुतीकरण हेतु भी जास्तीत सिंह नाटिया, प्रोफेशनल सपरिक्षण दूष। जानकारी द्वारा बताया गया कि प्रस्तुतीकरण हेतु वर्तित जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति को सम्भाल बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आधोंवित बैठक में जानकारी प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्काल सार्वजनिक से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही गई वर्तित जानकारी द्वारा सम्भाल सुखायत जानकारी / इकाईयें राहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

लालनुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी छलीसगढ़ के झापन दिनांक 29/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।



(८) समिति की ८१६वीं बैठक दिनांक २८/०२/२०२४

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पश्च दिनांक २८/०२/२०२४ हारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण सी समिति के सभका बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु संपर्कित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हारा लक्षण्य सर्वेक्षणीय सी विशेष किया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्ण में जाहीं यही वाइट जानकारी एवं समर्थ सुचित जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया गया।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एनडीएसी छल्लीसगढ़ के जामन दिनांक २१/०५/२०२४ हुआ प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

(९) समिति की ५३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पश्च दिनांक ३०/०५/२०२४ हारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण सी समिति के सभका बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु संपर्कित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति हारा विचार कर मिला कियते वाहं गई—

- परियोजना प्रस्तावक को पूर्ण में प्रस्तुतीकरण हेतु ५ अवसर प्रदान किये जावे हैं। परियोजना प्रस्तावक हुआ बास-बार वाइट जानकारी अपूर्ण होने का सेवा करने हेतु समय दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिससे समिति का जानकारणका समय बहुत हो जाए है।
- समिति की बैठक दिनांक २८/०७/२०२३ वे तिए गये विशेष अनुसार वाइट जानकारी जाम दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

पूर्ण में समिति की अनुसंदेश के जामार पर प्राविकरण की १४६वीं बैठक दिनांक २२/०५/२०२३ में किये गये विशेष अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक को जान प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोधित वाहं दावाको लोकार्थी यान की बैठक में संपर्कित नहीं होने की कियति में परियोजना प्रस्तावक के ऑनलाईन आवेदन को फीटल शे डि-लिस्ट / निरस्त करने का विशेष एनडीएसी छल्लीसगढ़ हारा किया जायेगा” है।

समिति हारा विचार किये उपरांत सर्वेक्षणीय से उपरोक्त तथा के परिवेद में आवेदित प्रकरण को डि-लिस्ट / निरस्त किये जाने की अनुशंसा की गई।

साथ ही सर्वोच्च प्रयोगरूप प्रभाव जाकरन प्राविकरण (एनडीएसी), छल्लीसगढ़ को सदानुकार सुचित किया जाए।

- मेलरी जागकोनी लाइन कटीन क्वारी माईनिंग (प्रौ.— श्री भगवती प्रसाद चक्री), हाम-जामकोनी, ताहसील-सिमगा, खिला-बलीदग्गाजार-भाटापाठा (स्कॉलियालय का नम्रता क्रमांक २१००)

विवर वस्तु	आवेदित छक्रण की संबंधित विवरण	समिति हारा नोट किया गया कि
ऑनलाईन आवेदन	टी.ओ.आर – ७९६३६ एवं ०४/०७/२०२२ ई.वी. – ५८१०११ एवं ०८/०८/२०२३	फर्जनल है आइए निर्धारित
खदान का छक्रण	सूना खदान (गोप खनिक) खदान	समाप्तित
कोरकल एवं समता	१.३७३ हेक्टेक्टर एवं ३१,२८० टन प्रतिक्षेप	

समिति क्रमांक	पार्ट आयोजना क्रमांक 280	
बैठक का तिथि	507वीं बैठक दिनांक 10/01/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 03/01/2024

गदानुसार परियोजना प्रस्तावक की एसडीएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 03/01/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठकों का विवरण –

(अ) समिति की 507वीं बैठक दिनांक 10/01/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु की भवित्वी प्रस्तावक की एसडीएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 10/01/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति की सभा बैठक में प्रस्तुतीकरण दिक्षा जाना समव्य नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में सभाव द्वारा करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्तमता संरक्षणी से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्ण में खाली गई आयोजित जानकारी एवं सामर्थ्य सुनिश्चित जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया गया।

गदानुसार परियोजना प्रस्तावक की एसडीएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 07/03/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 519वीं बैठक दिनांक 12/03/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी इतिहित उपलब्ध नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक की पहली दिनांक 12/03/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति की सभा बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना समव्य नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में सभाव द्वारा करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्तमता संरक्षणी की निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्ण में खाली रही आयोजित जानकारी एवं सामर्थ्य सुनिश्चित जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

गदानुसार परियोजना प्रस्तावक की एसडीएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 21/05/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(स) समिति की 637वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी इतिहित उपलब्ध नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक की पहली दिनांक 30/05/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति की सभा बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपरिकृत ज्ञान समव्य नहीं है। अतः सभाव द्वारा करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति द्वारा विभाव कर निम्न निम्नों पाई मर्ही –

- परियोजना प्रस्तावक की पूर्ण में प्रस्तुतीकरण हेतु ३ अवसार द्वारा करने की नियम नियम है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा आर-आर आयोजित जानकारी अपूर्ण होने का लेख करते हुए सभाव दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है जिससे समिति का अन्तर्वास्यक समावय नहीं हो सकता है।
 - समिति की बैठक दिनांक 10/01/2024 में लिए गये नियम अनुसार बाइंस जानकारी आप दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।
- पूर्ण में समिति की अनुसारी की आवश्यक प्राधिकारण की 148वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 में लिये गये नियम अनुसार जो परियोजना प्रस्तावक की आर-

प्रस्तुतीकरण हेतु अनुपरिच्छा लेंगे उसमें तीसरी बार भी बैठक में उपरिकृत नहीं होने की विधि है। परियोजना प्रस्तावक के अधिनियमीन आवेदन की फैटल भी डि-लिस्ट/निरस्त करने का नियम एसईएसी-छत्तीसगढ़ द्वारा लिया जायेगा है। समेत हांच विधार विमान उपरोक्त सर्वसम्मिली से उपरोक्त लाइंग के परिवेष में अधिनियम प्रकरण को डि-लिस्ट/निरस्त किये जाने की अनुशंसा ही गई। राज्य राजीय पर्यावरण प्रभाव आकर्षन प्राविकरण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ की एकानुसार सुनिश्चित किया जाए।

एपोन्सा आवेदन नमांक-३

परियोजना प्रस्तावकों द्वारा घोषित पारिषद जानकारी/प्रबलायेज इनका प्रकरणों में अधिनियम वापात् विधार का पर्यावरणीय कीमति / टैक्सोडी / अन्य आवश्यक नियम लिया जाना।

१. मेसर्स कुम्हारी डिक अर्थ के एक फिल विमानी ब्लॉट (प्रो.- श्रीमती ज्योति शुक्ला), शाम-कुम्हारी, राहसील व जिला-रायपुर

अधिनियम आवेदन - प्रपोजल नमांक - एसआईए / श्रीमती / एसआईए / २५५०५२ / २०२२, दिनांक ३१/०३/२०२२। यी हरीज शुक्ला, शाम-कुम्हारी (विवाहिती), राहसील-कर्णपीया, जिला-रायपुर को यात्री पर्यावरणीय कीमति की मेसर्स कुम्हारी डिक अर्थ के एक फिल विमानी ब्लॉट (प्रो.- श्रीमती ज्योति शुक्ला), शाम-कुम्हारी, राहसील व जिला-रायपुर की नाम पर नावांतरित (Transfer) किये जाने हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण -

१. यह खदान शाम-कुम्हारी (विवाही), राहसील-कर्णपीया, जिला-रायपुर के उसमा नमांक १३०/१ एवं १३०/१, कुल लीज होक ०.५०८ हेक्टेयर, गिर्दी उत्तरावल खदान (गोण खानिया) शामा-१,००० घनमीटर (हेट उत्तरावल इकाई ५,००,००० मी) प्रतिवर्ती ही है।
२. यूर्ति में वाय्य सारे पर्यावरण वापात् नियमित्या प्राविकरण, छत्तीसगढ़ के ज्ञान दिनांक २९/०४/२०१४ द्वारा उक्त इमार हेतु यी हरीज शुक्ला के नाम पर पर्यावरणीय कीमति जारी ही गई है।
३. कार्योत्तम कलेक्टर (खानिया शामा), जिला-रायपुर के अवैश्व नमांक ११५८/४, लि./टीन-८/रप. १७/२०१४, दिनांक २०/०१/२०२१ द्वारा "श्रीमती ज्योति शुक्ला, परी-स्व. यी हरीज शुक्ला" की नाम पर पालानन्यपट्टा की अवधि ३० वर्ष (दिनांक १३/०१/२००४ से १२/०१/२०३४ तक) का पूरक अनुसंध विलायन किया गया है।
४. खानिया ब्लॉट का हास्तान्तरण मेसर्स कुम्हारी डिक अर्थ के एक फिल विमानी ब्लॉट (प्रो.- श्रीमती ज्योति शुक्ला) की नाम पर किया गया है।

प्राविकरण द्वारा बैठक में विधार - उपरोक्त प्रकरण पर प्राविकरण की दिनांक ०८/०४/२०२२ को संघर्ष १२५वीं बैठक में विधार किया गया। प्राविकरण द्वारा नसीरी/दस्तावेज का अधिनियम किया गया। प्राविकरण द्वारा नोट किया गया -

१. मेसर्स कुम्हारी डिक अर्थ के एक फिल विमानी ब्लॉट (प्रो.- श्रीमती ज्योति शुक्ला) द्वारा प्रस्तुत शामय वज्र में पर्यावरण की सभी विधमी एवं जाती का पालन किये जाने का उत्तेजक किया गया है।

- लक्षण के प्रकारणी उत्तु एसडीपी के संबंध में भारती चरकार, पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन नियोजन नई दिल्ली के द्वारा अन्तर्गत १५ दिन २२-३१ / २०२०—आई.ए./III [ई १३८४५०], दिनांक २८/०१/२०२२ द्वारा जारी ऑफिशल गेनरलेप्स्ट्रम का अवलोकन किया गया। इस ऑफिशल गेनरलेप्स्ट्रम के तहत तथ्यों के पुष्टि हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिग्गज वर्ती में विए गए चलनकाल की वास्तविक भाजा वी जानकारी समिति दिवाय से उभारित करकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- भारत चरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन नियोजन नई दिल्ली द्वारा दिनांक २२/०२/२०२२ वो जारी अधिसूचना में हेट भट्टा उत्तु जारी दिशा-गिरेज के परिषेष्य में परीक्षण किया जाना आवश्यक है।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्टीम्हूटि में अधिसैक्षित वर्ती के बालन में की गई कार्यवाही वी जानकारी फोटोग्राफा सहित जानकारी लिया जाना आवश्यक है। इसिकरण द्वारा दिग्गज दिमाही द्वारा तर्कसंस्थि ने गिरेय किया गया कि आवेदित प्रकरण पर उपरोक्त तथ्यों एवं इसकोजो के अवलोकन पर परीक्षण द्वयसंस्थ उपयुक्त अनुसार किये जाने हेतु प्रकरण वो एसडीएसी, छल्लीसगढ़ के जामा पुनः प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया।

छठकी का विवरण —

(१) समिति की ४०५वीं बैठक दिनांक २८/०४/२०२२-

सम्मेली द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन द्वय परीक्षण करने पर निम्न मिर्ची वाई गई—

- दिग्गज वर्ती में विए गए चलनकाल की वास्तविक भाजा वी जानकारी समिति दिवाय से उभारित करकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्टीम्हूटि में अधिसैक्षित वर्ती के बालन में की गई कार्यवाही वी जानकारी फोटोग्राफा सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उल्लंघन सार्वजनिकि से गिरानुसार गिरेय किया गया था—

- दिग्गज वर्ती में विए गए चलनकाल की वास्तविक भाजा वी जानकारी समिति दिवाय से प्रस्तुत करकर प्रस्तुत किया जाए।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्टीम्हूटि में अधिसैक्षित वर्ती के बालन में की गई कार्यवाही वी जानकारी फोटोग्राफा सहित प्रस्तुत किया जाए।
- भारत चरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन नियोजन, नई दिल्ली द्वारा दिनांक २२/०२/२०२२ वो जारी अधिसूचना अनुसार जिय-जीव पद्धति का हेट भट्टा स्थापित किये जाने वाला वापर पर प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त समस्त पूर्ण जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने चाहता आगामी कार्यवाही की जाएगी।

उदानुसार एसडीएसी, छल्लीसगढ़ की ४०५वीं बैठक दिनांक २८/०४/२०२२ की परिषेष्य में जारीयोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक २८/०३/२०२३ की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(२) समिति की ४७०वीं बैठक दिनांक १४/०५/२०२३।

समिति द्वारा जल्दी प्रस्तुत करनकारी तथा अपशोकन एवं चरीकान करने पर निम्न लिखित गई गई:-

- कार्यालय कलेकटर (जनिज शब्द), जिला-राज्यपुर के इच्छा दस्तावेज 200/समिति/पिटटी/न.पा-R20/2022-23 रायपुर दिनांक 31/01/2023 द्वारा जारी प्रस्ताव पत्र अनुसार विभिन्न वर्षों में किये गये उत्तरानन की जानकारी लिखानुसार है:-

वर्ष	उत्पादन (नग)
2018-19	4,22,600
2019-20	3,76,700
2020-21	3,33,900
2021-22	4,27,100
2022-23	1,77,100
(माह सितम्बर 2022 तक)	

समिति का मत है कि माह अक्टूबर 2022 से किये गये उत्पादन की जातानन जल्दी जनिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्वी में जारी पर्यावरणीय सीमेंटी में अधिसूचित जारी की जातन में की गई जारीकारी की जानकारी कोटीशापड़ समिति प्रस्तुत किया गया है।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22/02/2022 की जारी अधिसूचना अनुसार डिग-लैग पहुंचि का ईट भट्टा करायित किये जाने वाला तापमय पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। समिति का मत है कि उक्त हेतु तापमय पत्र प्रस्तुत किये जाने के साथ-साथ भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 का पूर्णतः यातन सुनिश्चित किये जाने वाला तापमय पत्र भी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा लात्तमय सर्वसम्मति से लिखानुसार लिखित किया गया था:-

- अक्टूबर 2022 से किये गये उत्पादन की जातानन जानकारी जनिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22/02/2022 की जारी अधिसूचना अनुसार डिग-लैग पहुंचि का ईट भट्टा करायित किये जाने वाला तापमय पत्र प्रस्तुत किया जाए।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 का पूर्णतः यातन सुनिश्चित किये जाने वाला तापमय पत्र प्रस्तुत किया जाए।

समिति जारीकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तक सांसद आगामी कार्यवाही की जाएगी।

सदनस्थ एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 26/06/2023 के परिवेष्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 01/02/2024 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(१) समिति की इसकी बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अकलीकरण एवं परिकल्पना करने पर निम्न लिखित पार्ट यहूः—

- परियोजना प्रशासकिक द्वारा कलेक्टर, ज़िला—रायपुर को आरोग्यमैट ऑफ नीथली हेतु देखित पत्र की गयी जानकारी, ज़िला—रायपुर द्वारा अनुमोदित कराकर प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार अगस्तूर २०२२ में किये गये सत्यादन की अवधान जानकारी निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है—

माहबाद	ईट उत्पादन (लट)
अगस्तूर २०२२	निम्न
नवम्बर २०२२	निम्न
दिसम्बर २०२२	निम्न
जानवरी २०२३	९४,३००
फरवरी २०२३	८७,६००
मार्च २०२३	९३,२००

- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक २२/०२/२०२२ की जारी अधिसूचना अनुसार जिग—जॉग घटना का ईट नट्टा स्वायित्र किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक २२/०२/२०२२ का पृष्ठीय पालन सुनिश्चित किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विधार दिवसी उत्पादन संबंधित से भी हरीक शुल्क, राम—कुमारी (विवाही), तहसील—भरसीपा, ज़िला—रायपुर को एसईआईए.ए. छत्तीसगढ़ के जलमन नमांक १८६, दिनांक २९/०४/२०१४ द्वारा जारी पर्यावरणीय स्थीकृति को मैत्री व्युत्पादी विक अधी रखे एवं विष्ट दिनांक एलांट (प्रै.— शीतांती जारीति शुल्क), राम—कुमारी, तहसील व ज़िला—रायपुर के नाम पर हस्ताक्षरित (Transfer) किये जाने की अनुमति की गई।

शापथ रत्नरीय पर्यावरण प्रमाण उत्पादन प्रतिक्रिया (एसईआईए.ए.), छत्तीसगढ़ को अनुग्रहात् सुनित किया जाए।

- मैत्री विगायाल—२ जोनल लकड़ी (साधिव/वास्तविक, जाम पंचायत गदानाली), राम—विगायाल, तहसील—मैसमगढ़, ज़िला—बीजापुर (सुकिंचित मंत्री नमांक २५४)

जीवलालीन जारीदार — अधिकारी नमांक — एसआईए./ शीती/ एसआईए./ ४३२५७ /२०२३, दिनांक १४/०५/२०२३ द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति द्वारा आवेदन किया गया।

प्रकल्प का विवरण — यह प्रस्तावित रेत उत्पादन (रीति उत्पादित) उत्पादन हान—विगायाल, तहसील—मैसमगढ़, ज़िला—बीजापुर विधित पार्ट ऑफ खसंसा नमांक ३६, बुल झोजपाल—३४ हेक्टेयर में प्रस्तावित है। उत्पादन विगायाल नदी से किया जाना उत्कल्पिता है। उदान की आवेदित उत्पादन रामता—३४,००० एनग्रीटर प्रतिकौटी है।

तदानुसार परियोजना प्रकल्पक की एसडॉएसी, छत्तीसगढ़ के आपन दिनांक 18/08/2023 हाथ प्रस्तुतीकरण हेतु सुनिश्चित किया गया।

वैश्वकी जन विवरण —

(अ) समिति की 482वीं बैठक दिनांक 23/08/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी विज्ञा बुकिंग, उप सचिव, जाम पंचायत गदामली उपसचिवत हुए। समिति द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं वरीष्यन करने वार विषय विषय यह है—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय रक्षीकृति संकीय विवरण— इस खादान को पूर्व में पर्यावरणीय रक्षीकृति जारी नहीं की गई है।
2. जाम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — ऐसा सत्त्वानन के संबंध में जाम पंचायत या अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। समिति यह नहीं है कि ऐसा सत्त्वानन के संबंध में याम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र (बैठक का कार्यवाही विवरण एवं दिनांक सहित) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. विनाकित/सीमाकित — कार्यालय कलेक्टर, खनिज शास्त्र से प्राप्त प्रमाण पत्र अनुसार यह खादान विनाकित/सीमाकित कर दी गयी है।
4. सत्त्वानन योजना — जारी खादान प्रस्तुत किया गया है, जो उप सचालनका (खाप), जिला—उत्तर कलतार बांकेन के आपन इनांक 1089/खनिज/सत्त्वाननों/खन./रेत/2023-24 उत्तर कार्यालय, दिनांक 29/06/2023 हाथ अनुमोदित है।
5. 600 मीटर की परिधि में विवाह खादान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शास्त्र), जिला—बीजापुर के आपन इनांक 234/खन./खनिज/2023 बीजापुर, दिनांक 18/04/2023 के अनुसार आवेदित खादान से 600 मीटर की भीतर अन्य ऐसा खादानी की संकेता निर्दित है।
6. 200 मीटर की परिधि में विवाह सार्वजनिक हीन/साराधारे — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शास्त्र), जिला—बीजापुर के आपन इनांक 232/खन./खनिज/2023 बीजापुर, दिनांक 10/04/2023 हाथ जारी हुमाय पत्र अनुसार उक्त खादान के 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक हीन जैसे सार्वजनिक सामान, सामान्य, पुल, घास, स्कूल, अपराह्न, मंदिर, मरिजाद, पुकारारा, बरोट एवं एकीकरण आदि जारीकरिता को निर्दित नहीं है।
7. एलओआई का विवरण — एलओआई सारिय/जारावर, जाम पंचायत गदामली के नाम पर है, जो कार्यालय कलेक्टर (खनिज शास्त्र), जिला—बीजापुर के आपन इनांक 144/खन./खनिज/रेत/2023 बीजापुर, दिनांक 15/03/2023 हाथ जारी की गई, जिसकी अख्यि 1 कर्ते हेतु कैप है। जारी एलओआई से “एस्ट्रीलागढ़ गौव खनिज सामाजरण ऐसा का सत्त्वानन एवं ज्ञानारण (अनुसृतिलिखित केव हेतु) नियम 2023 नियम 7 के तहत आवेदित भूमि में गौव खनिज सामाजरण ऐसा हेतु उत्तमान बद्दा विलेव के पंजीयन दिनांक से 5 वर्ष की अख्यि के लिए सत्त्वानन पद्दा रक्षीकृति के हिस्से निष्पालिशित जाती भी रहती हेतु यह आवश्यक पत्र (LO) जारी किया जा रहा है।” का लालनेवाला है।
8. बन दिवान का अनापत्ति प्रमाण पत्र — कार्यालय बनगढ़हलाहिकारी, बीजापुर बनगढ़हल, जिला—बीजापुर के आपन इनांक/खाप./3630 बीजापुर, दिनांक 26/09/2019 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार प्रस्तावित लेन बैलगढ़ अन्याय से 8 किमी तक दूरी पर है।

9. डिस्ट्रीक्ट कर्म स्पॉर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
10. महाविष्णु संरचनालय की दूरी – निकटतम जावाही ग्राम-विवाहाल 1.8 कि.मी. एवं बहुल ग्राम-गदानकली 3.2 कि.मी. तथा अस्पताल कीजातुर 1.7 कि.मी. की दूरी पर प्रस्तुत है। राष्ट्रीय राजमार्ग 2.7 कि.मी. दूर है। बहुल ऐस जगहों को 1 कि.मी. की दूरी तक पुल/टीकट लिया जाता है।
11. खानन रखल पर नदी की धार की शीढ़ाई पर खदान की नदी तट से दूरी – आयोद्धन अनुसार खानन रखल पर नदी की धार की शीढ़ाई – झीलगाम 242 मीटर, न्यूबलम 160 मीटर तथा खानन रखल की लौसत लोधाई – 305 मीटर पर खानन रखल की शीढ़ाई – अधिकतम 110 मीटर, न्यूबलम 45 मीटर दराई गई है। खदान की नदी तट के लिनारे से दूरी अधिकतम एवं न्यूबलम दूरी के बीच में जानकारी प्रस्तुत नहीं किया जाता है।
12. खदान रखल पर रेत की भौदाई – आयोद्धन अनुसार रखल पर रेत की गहराई – 3 मीटर तथा ऐस खानन रखल पर प्रस्तावित गहराई – 1 मीटर दराई गई है। अनुभौदित लाईविंग फ्लॉर अनुसार रखल में गहराईवाले रेत की गहरा – 34,000 घनमीटर है। रेत एवं खानन हेतु प्रस्तावित रखल पर चार्टमान में उपलब्ध रेत जातह की शीढ़ाई जानने के लिए प्रस्तावित रखल पर 4 गढ़डे (plots) खोदकर रखकी यास्ताविक गहराई का नापन तार त्रिनित विभाग से प्रमाणित जानकारी प्रस्तुत की गई है। इसके अनुसार रेत की चार्टमान गहराई 3 मीटर है। इस परीक्षणाविक गहराई हेतु वर्षानाम प्रस्तुत किया गया है।
13. खदान लौव में ऐस जातह के लौवलस – ऐस जातहनाम हेतु प्रस्तावित रखल में 25 मीटर गुणा 25 मीटर के गिरु विनुद्वाय पर दिनांक 01/04/2023 को ऐस जातह की चार्टमान लैवलस (Leveles) लेकर फोटोवापस साहित प्रस्तुत किया गया है।
14. कौषिकी पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परिवेशना प्रस्तावका हारा सीईआर (Corporate Environmental Responsibility) हेतु समिति को सम्पादितार से भवी उत्तरांत विभागानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
4	2%	0.80	Following activities at nearby village- Mingachai-2	
			Plantation in Periphery of Government School & 5 years AMC	4.13
			Total	4.13

सीईआर की उत्तरांत विकास लौज जलवायित जलसह क्रमांक 11 के जलसे 42 विनामिल जासकीय बहुल में यारी और (नीम, पीपल, कारंब, जामुन, बरगद, अमलाला, करेज, अर्जुन आदि) वृक्षान्वयन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 105 नवी पीटी के लिए राशि 7,980 रुपये, फैसिल के लिए राशि 31,500 रुपये, खाद जो

लिए राशि 780 रुपये, जिसमें दो रुपये-स्थान आदि के लिए राशि 62,000 रुपये, इस प्रकार अध्यम वर्ष में यूल राशि 1,22,260 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में यूल राशि 2,21,704 रुपये हेतु घटकवार व्यय का प्रस्तुत किया गया है।

15. सीईआर के तहत प्रस्तावित स्पूल के प्रमाण (Principal) का लगभग पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

16. गुणाधीय कार्य — नदी तट पर गुणाधीय हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव की गणना में जुटि है। यह संकेत का भवत है कि नदी तट पर व्यापीय प्रजाति (जैसे जामून, करंज, अर्जुन एवं आम आदि) की गुणाधीय (५० प्रतिशत की जीवन करते) हेतु चौड़ी, चौसिय, खाद एवं जिकर्दृ तथा रुच-स्थान की लिए ६ वर्षी का घटकवार एवं समयवार व्यय के विवरण की गणना में जुटि रुपार कर प्रस्तुत प्रस्ताव सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

संगिति द्वारा उल्लंगय सर्वेसम्मी से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था—

१. ऐत उल्लंगन के संबंध में याम पंचायत का अनावृति प्रभाव एवं (विकास का कार्यवाही विवरण एवं दिनांक सहित) प्रस्तुत किया जाए।
२. खदान की नदी तट के किनारे से दूरी अधिकान एवं न्यूनतम दूरी के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
३. सीईआर के तहत प्रस्तावित स्पूल के प्रमाण (Principal) का लगभग पर प्रस्तुत किया जाए।
४. नदी तट पर स्थानीय प्रजाति (जैसे जामून, करंज, अर्जुन एवं आम आदि) की गुणाधीय (५० प्रतिशत की जीवन करते) हेतु चौड़ी, चौसिय, खाद एवं जिकर्दृ तथा रुच-स्थान की लिए ६ वर्षी का घटकवार एवं समयवार व्यय के विवरण की गणना में जुटि रुपार कर प्रस्तुत प्रस्ताव सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाचित जानकारी/दस्तावेज ग्राहक होने समर्थ आगामी कार्यवाही की प्राप्त होती है।

तदानुसार एसईएसी, छत्तीसगढ़ के शायन दिनांक ३०/११/२०२३ के परिवेक्षण में परिवोजना प्रस्तावका द्वारा दिनांक २२/०२/२०२४ को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(२) संगिति की ६३३वीं बैठक दिनांक ३०/०६/२०२४:

संगिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न विवरण यादृ गई—

१. ऐत उल्लंगन के संबंध में याम पंचायत गदानस्ती का दिनांक ०२/१०/२०२२ का अनावृति प्रभाव एवं प्रस्तुत किया गया है।
२. खदान की नदी तट के किनारे से अधिकतम दूरी ५० मीटर एवं न्यूनतम दूरी ३० मीटर है।
३. सीईआर के तहत प्रस्तावित स्पूल के प्रमाण (Principal) का लगभग पर प्रस्तुत किये जाने के संबंध में परिवोजना प्रस्तावका का कार्य है कि सीईआर के अनावृति विवरण के अन्तर्गत स्पूल की बाहुण्डी के बाहरी किनारी में गुणाधीय विवरण जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाने के बाबत याम पंचायत गदानस्ती का अनावृति प्रभाव एवं प्रस्तुत किया गया है। परिवोजना प्रस्तावका द्वारा याम

प्रधानमंत्री के नामस्वरूप स्थान (अनुसार समाप्ति 11, शेषकाल 488 वर्षभिट्टर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

4. नदी तट पर स्थानीय प्रजाति (जैसे जानुन, करवा, अर्दुन एवं आन आदि) के कृषाणीय (90 प्रतिशत की जीवन दर से) हेतु प्रस्तुत प्रवलाय अनुसार 196 नग पौधों के लिए जाति 15,248 रुपये, फॉरेसिंग के लिए जाति 55,400 रुपये, खाद के लिए जाति 1,500 रुपये, सिंचाई एवं चक्क-रखाय आदि के लिए जाति 82,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए जाति 10,000 रुपये, इस प्रकार प्रधान वर्ष में कुल जाति 157,948 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल जाति 2,94,740 रुपये हेतु घटकायार रूपये का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
5. समिति द्वारा गोट किया गया कि कर्तव्यस्थ कर्तेकटर (समिति जारी) गिला-बीजापुर द्वारा दिनांक 15/03/2023 को जारी एलओआई की विधत 1 वर्ष हेतु देय थी। समिति का यह है कि एलओआई की विधत पूर्ण के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
6. समिति का यह है कि लौज छोड़ के भीतर गैर नाईनिंग छोड़ में सीमा स्थान स्थाना जाना आवश्यक है। लौज छोड़ के बाले कोनो तथा सीमा नाईनिंग के पास में सीमेंट के रूपमें नाहाना आवश्यक है, ताकि लौज छोड़ नदी में सान्द दृष्टिगोचर हो सके।
7. सीईआर तार्हे एवं नदी तट में कृषाणीय कार्यों के मोनिटरिंग एवं वर्तीकण हेतु वि-पर्सोनल समिति (प्रोफेशनल/एक्सेसिव, शाब्द वंशायत के वदाविकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तरीसागढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के वदाविकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। यहाँ ही सीईआर एवं नदी तट में कृषाणीय कार्यों पूरी किए जाने के उपर्यात गठित वि-पर्सोनल समिति से सहयोगित कराया जाना आवश्यक है।
8. ऐसा उत्तराधान नीनुअल विधि से एवं भारहाई का कार्य लौजर द्वारा कराया जाना प्रस्तुतिल है। समिति का यह है कि लौजर जैसे उन भारी जाहन की खेणी के हैं। अतः भारहाई का कार्य नीनुअल विधि से ही कराई जाये। भारी जाहनी के नदी में उत्तराधान की अनुमति नहीं होगी।
9. चरियोजना प्रस्तुतायक द्वारा 1 गोटर की जाहराई तक उत्तराधान की अनुमति नहीं है। अनुनीदित उत्तराधान योजना में उत्तराधान किए जाने वाले छोड़ की वार्षिक रेत पुनर्भरण संबंधी अवधायन कर्त्ता एवं तत्त्वांकी आवक्षी का समावेश नहीं किया गया है। विग्रहात्मक नदी छोड़ी नदी ही तथा इसमें वर्षाकाल में सामान्यता 1 गोटर जाहराई की अधिक रेत जा पुनर्भराय होने की संभावना है।

समिति द्वारा विश्वार विभासी उपर्यात वार्षिकाधित से विभानुसार निर्वाचित लिया गया—

1. परिवहनाप्रसारावक रेत खादान छोड़ में आगामी 1.5 वर्ष में विस्तृत गाँव अध्ययन (Initiation Study) करायेगा। ताकि ऐसा की पुनर्भरण (Replenishment) कारबू सही जांचकी रेत उत्तराधान का नहीं नीनुअल स्थानीय वर्गाधिति, जीव एवं सुरुच जीवों पर प्रभाव तथा नदी की पानी की गुणवत्ता पर ऐसा उत्तराधान को प्रभाव जीव जानवरी प्राप्त हो सके।
2. लौज छोड़ की साथ का बेसलाईन जारा—

- i. ऐसा सत्यानन् प्राप्ति करने के पूर्व उपरीलकानुसार नियंत्रित गिर बिन्दुओं पर जहाँ में ऐसा की सतह की सारी (Levels) का सर्व चार दोनों ओर सतहीनता की प्रस्तुत किये जायें।
 - ii. पीट-भानसून (अन्तर्भूत/सदम्भर माल में ऐसा सत्यानन् प्राप्ति करने के पूर्व) इनी गिर बिन्दुओं में सूचित लीज द्वारा तथा लीज होते के अवस्थीम एवं आठवश्टीम में 100 मीटर तक तथा खनन लीज के बाहर / भौती तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक के दोनों में नहीं सतह की सारी (Levels) का सर्व पूर्व नियंत्रित गिर बिन्दुओं पर किया जायेगा।
 - iii. इसी प्रकार ऐसा खनन साफात गानधून के पूर्व (मई भाष के अंतिम सत्राह/जून की प्रथम वार्षिक) इनी गिर बिन्दुओं पर ऐसा सतह के सेवलस (Levels) का भाग भिन्न भागों जाएगा।
 - iv. ऐसा सतह के पूर्व नियंत्रित गिर बिन्दुओं पर ऐसा सतह के सेवलस (Levels) का भाग का कर्त्त्व आवाही 6 वर्ष तक नियंत्रित किया जाएगा। श्री—गानधून के आवाही अवधि 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पीट-भानसून के आवाही दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियन्त्री रूप से एसईआईएए, छत्तीसगढ़ की प्रस्तुत किए जायेंगे।
 5. भागिति द्वारा विद्यार विमली उपरी संवर्धनमयी नी नेसर्स मिगार्ड-2 ईण्ड लारी (सूचित/सत्यांक, राम पंचायत गदामली) की राम—मिनाथल, तहसील—गैरमयाद, विज्ञा—बीचपुर, पाट औफ खनन क्षेत्रक 36, कुल लीज ईक्टक्स-3.4 हेक्टेक्स के कुल 60 प्रतिशत ईक्टक्स में ही ऐसा सत्यानन् अधिकाराम 1 मीटर की गहराई तथा सूचित रखते हुए कुल 20,400 पानीठर प्रतियां ऐसा सत्यानन् उत्त पांचवर्षीय सौकृति खनन पट्टे के विद्यादग की सारी से योग वर्ष तक की अवधि हेतु परिसीट-03 में वर्णित गाती के अधीन दिये जाने की अनुशंसा की गई। ऐसा की गुदाई अविक्षी द्वारा (Manusay) की जाएगी। रिवर बेड (River Bed) में भारी बहनी का प्रोत्त प्रतीक्षित सौकृति लीज होते में स्थित ऐसा गुदाई गढ़ (Excavation pits) से सौकृति चार्ड तक ऐसा का परिवर्तन द्वारा दृष्टी द्वारा किया जाएगा।
 6. सरकारी संघ मार्किन राइडलाईन्स, 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं ईन्फोर्मेंट एण्ड मॉनिटरिंग गाइडलाईन्स एंड एंफर संघ मार्किन, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार कार्ड दे पासन सुनिश्चित किया जाए।
 7. नहीं तट पर किये जाने वाले वृक्षान्तरण हेतु यान वंचायत की वाहनति सपरी घटनाय सम्बन्ध रखना (खासता अन्याक एवं शोधप्रयत्न सहित) के संबंध में जानकारी की एसईआईएए, छत्तीसगढ़ में जानायक क्षय से प्रकृत करने की गाती के अधीन पांचवर्षीय सौकृति की सारी अनुशंसा की जाती है।
 8. रुलओआई की वैधता तृष्ण के संबंध में जानकारी की एसईआईएए, छत्तीसगढ़ में अवधारक स्वप से प्रस्तुत करने की गाती के अधीन पांचवर्षीय सौकृति की सारी अनुशंसा की जाती है।
- राज्य कार्ड वार्तावरण प्रभाव आकलन प्रक्रियाए (एसईआईएए) छत्तीसगढ़ को अनुशासन सुवित किया जाए।

३. नीमसी धरमजयगढ़ सेप्ट नाईन (प्रौ.- श्री अकिल अद्याल), राम-धरमजयगढ़, तहसील-धरमजयगढ़, जिला-सायगढ़ (अधिवालद का नक्सी क्रमांक 2027)

अंगलाईन आवेदन - इवोजल नम्बर - एसआईए/ बीडी/ एमआईए/ 255928 / 2022, दिनांक 16 / 05 / 2022 द्वारा पर्यावरणीय स्थीरता हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में निम्नी होने से ज्ञापन दिनांक 26 / 05 / 2022 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा वापिस करनकारी दिनांक 11 / 07 / 2022 को अंगलाईन प्रस्तुत की गई।

प्रस्ताव का विवरण - यह प्रस्तावित ऐत ज्ञापन (रीम रिपोर्ट) है। यह ज्ञापन राम-धरमजयगढ़, तहसील-धरमजयगढ़, जिला-सायगढ़ रिक्त खस्ता क्रमांक 1277 / 1, बाल औद्योगिक-4.00 हेक्टेयर में प्रस्तावित है। उत्थनम साव नहीं से किया जाना प्रस्तावित है। ज्ञापन की अवधिदाता ऐत उत्थनम क्रमांक - 90,930 घनमीटर दर्शित है।

उपायुक्त परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छलीसगढ़ से ज्ञापन दिनांक 05 / 11 / 2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

कैरकी का विवरण -

(अ) समिति की 437वीं बैठक दिनांक 16 / 11 / 2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी अतिरिक्त दृष्टिकोण नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 16 / 11 / 2022 द्वारा सूचना ही गयी है कि अपरिहार्य कारणों से आज बैठक ने प्रस्तुतीकरण दिया जाना सम्भव नहीं है। अतः जानामी आयोजित कैरकी में सम्भव प्रदर्शन करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्थनम सर्वेसम्मति से निर्णय किया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जारी गई वाचिक जानकारी एवं सम्बल सुलगत जानकारी / दस्तावेज वाचिक प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

उपायुक्त परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 09 / 01 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 447वीं बैठक दिनांक 13 / 01 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु की अप्रिय अपवाह, छोपराईटर उपरिक्षण कुएँ। समिति द्वारा नहीं, प्रस्तुता जानकारी का अपवाहक एवं वरीदार करने पर निम्न विवरि पाई गई-

१. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता संबंधी विवरण - इस ज्ञापन को पूर्व में पर्यावरणीय स्थीरता जारी नहीं की गई है।
२. नगर परिवहन का अनापलि प्रभाव पर - ऐत उत्थनम की परिवहन से नगर परिवहन परमजयगढ़ का दिनांक 21 / 01 / 2021 का अनापलि प्रभाव पर प्रस्तुत किया गया है।
३. विनाकिट/सीमांकित - कार्यालय गल्लेस्टर (खनि जहाज) से ज्ञापन प्रस्ताव पर अनुसार यह ज्ञापन विनाकिट/सीमांकित कर प्रोत्तित है।
४. सरकारी बोर्ड - ज्ञापन प्रस्तुत किया जाता है, जो खनि अधिकारी, जिला-तापगढ़ के ज्ञापन क्रमांक 265/खालि-3/ऐत/2022 तापगढ़, दिनांक 01 / 02 / 2022 द्वारा अनुमोदित है।

5. 500 मीटर की परिधि में विवाह घरदान – कार्यालय कलेक्टर (खानी जाता), जिला-रायगढ़ के द्वापन क्रमांक 209/ख.लि.-३/रेत/2022 रायगढ़, दिनांक 01/02/2022 के अनुसार आवैदित खदान से 500 मीटर के गोलह अवधित अथवा ऐत खदानी की संख्या निम्न है।
6. 200 मीटर की परिधि में विवाह सांकेतिक लोड/संरचनाएं – कार्यालय कलेक्टर (खानी जाता), जिला-रायगढ़ के द्वापन क्रमांक 287/ख.लि.-३/रेत/2022 रायगढ़, दिनांक 01/02/2022 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान के 200 मीटर की परिधि में कोई भी सांकेतिक लोड जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, साम्बार्ग, पुल, बांध, स्कूल, अस्पताल, मंदिर, मठियां, गुरुद्वारा, बांधां एवं पर्सोनल आदि प्राचीनतित लोड निश्चित नहीं हैं।
7. एलओआई, का विवरण – एलओआई भी खोपित अदान के नाम पर है, जो कार्यालय कलेक्टर (खानीज जाता), जिला-रायगढ़ के द्वापन क्रमांक 22/ख.लि.-३/रेत नीतानी/2021 रायगढ़, दिनांक 04/01/2022 द्वारा जारी की गई, विवाही अवधि 6 वर्ष हेतु दीय थी। एलओआई की विवाह सूचि संकीर्तन प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
8. दून विनाग का अनुपस्थित प्रमाण पत्र – कार्यालय गमनपत्रकारी, भरमजगढ़ के द्वापन क्रमांक/ख.लि./219 भरमजगढ़, दिनांक 11/02/2022 से जारी अनुपस्थित प्रमाण पत्र अनुसार आवैदित लोड निकाटाम घन लोड की सीमा से 1.7 कि.मी. की दूरी पर है।
9. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – कर्व 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की इति प्रस्तुत की गई है।
10. नहरकूरी संरचनाओं की दूरी – निकाटाम अबादी पाम-भरमजगढ़ 500 मीटर, नहरकूरी दाम-भरमजगढ़ 1 कि.मी. एवं अन्यताल भरमजगढ़ 1.4 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 55 कि.मी. एवं साम्बार्ग 750 मीटर दूर है। नहरकूरी ऐत खदान के 1 कि.मी. की दूरी तक एनीकट/पुल विष्ट नहीं है।
11. पारिस्थितिकीय/जीवविविधता संवेदनशील लोड – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अलगचीय लीना, राष्ट्रीय राजमार्ग, नमयारम्प, कैन्टीन प्रस्तुत निवाजन लोड द्वारा घोषित फिल्टिकली पॉल्यूट्रेशन एवं पारिस्थितिकीय संवेदनशील लोड या घोषित जीवविविधता लोड विष्ट नहीं होना प्रतीतेदित विष्ट है।
12. खनन स्थल पर नदी के पाट की खीड़ाई एवं खदान की नदी तट से दूरी – आकेदन अनुसार खनन स्थल पर नदी के पाट की खीड़ाई – अधिकतम 382 मीटर, न्यूनतम 76 मीटर तथा खनन स्थल की खीड़ाई लंबाई 426 मीटर एवं अनन स्थल की खीड़ाई – अधिकतम 129 मीटर, न्यूनतम 56 मीटर दर्शाई गई है। खदान की नदी तट के द्वारा अधिकतम 10 मीटर, न्यूनतम 10 मीटर है, जबकि नदी के पाट की खीड़ाई का 10 प्रतिशत होना चाहिए।
13. खदान स्थल पर ऐत वी मोहाई – आकेदन अनुसार स्थल पर ऐत की महाई 3 मीटर तका ऐत खनन की प्रत्यावित गहराई 2 मीटर दर्शाई गई है। अनुपीडित माईनिंग पत्रान अनुसार खदान ने माईनिंगल ऐत की मात्रा 90,930 घनमीटर है। ऐत घलखनन हेतु प्रस्तावित स्थल पर नदीमान में उपलब्ध ऐत सतह की खीड़ाई जानने के लिए प्रस्तावित स्थल पर 6 घटक (मृद्ग) जोड़कर उसकी मास्ताविक गहराई का मापन कर, खालित विनाग से प्रस्तावित जानकारी प्रस्तुत की गई है।

इसके अनुसार ऐत की उम्रलाई औरत ८५ वर्षों के गीटर है। ऐत की प्रस्ताविक वर्षों के लिए प्रस्ताविक प्रस्तुति किया जाया है।

14. सदाचार की ऐत जाहाज के लेवल्स – ऐत जाहाज की उच्चतम तीव्र प्रस्ताविक रक्षण के बारे में तारफ २५ वीटर तुका २६ वीटर के द्वितीय बिन्दुओं पर दिनांक ०९/०३/२०२२ को ऐत जाहाज के बर्टिमान लेवल्स (Berths) सेकर, सहै वानियों किमाण से प्रभावीकारण उपरांत फोटोग्राफ्स सहित जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत कियी गयी है।
15. गैर मार्फीनिंग कोर्न – नदी की पाट की खोड़ाई अधिकतम १५२ वीटर, न्यूनतम ७५ वीटर है। याचकि सदाचार की नदी तट के किनारे से दूरी अधिकतम १० वीटर, न्यूनतम १० मीटर है। अपेक्षित निर्देशी के अनुसार नदी तट से न्यूनतम ७५ वीटर अवधार नदी की पाट की खोड़ाई का १० प्रतिशत दूरी (जो भी अधिक हो) को कोर्न में सहन नहीं किया जा सकता। मार्फीनिंग प्लान की अनुसार नदी तट के किनारे से सहन नदी की दूरी नदी के पाट की खोड़ाई का १० प्रतिशत छोड़कर उत्थानन किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें ४.४३८ वर्गमीटर कोर्न को गैर मार्फीनिंग कोर्न रखा गया है। अतः ऐत जाहाजनन का कार्य सदाचार की अवधीन ४.५४६६ हेक्टेयर कोर्न में किया जाना प्रस्तावित है।
16. कौर्परिट पर्यावरणीय जाकिल्य (C.E.R.) – परिवेशना प्रस्तावक द्वारा नीरुआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत सूक्ष्मोपयन किये जाने हेतु उ वर्षों के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। इस संकेत में सहिति का बता है कि द्वारा प्रस्तावक के सहनकी उपरांत प्रस्तावक द्वारा (जाहाजनार विवरण सहित) में सूक्ष्मोपयन हेतु पीली, लोसिन, खाद एवं सिंचाई तथा रक्ष-रक्षाव के लिए ५ वर्षों का घटकावार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
17. सहिति का बता है कि नदी की पाट में कृष्णोपयन किये जाने की दशा में बाढ़ की खींचा (Flooding level) को अध्यान में रखती हुये नदी के किनारे, पहुंच मार्ग के दोनों ओर या प्रधानीय रक्षान (जाहाजनार विवरण सहित) में सूक्ष्मोपयन हेतु पीली, लोसिन, खाद एवं सिंचाई तथा रक्ष-रक्षाव के लिए ५ वर्षों का घटकावार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

सहिति द्वारा उल्लम्भ सर्वसम्मति श्री निर्मानुसार निर्वाचित किया जाया था—

१. एलओआई, जी निर्मानुसार सहिति दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
२. नदी की पाट में कृष्णोपयन किये जाने की दशा में बाढ़ की खींचा (Flooding level) को अध्यान में रखती हुये नदी के किनारे, पहुंच मार्ग के दोनों ओर या प्रधानीय रक्षान (जाहाजनार विवरण सहित) में सूक्ष्मोपयन हेतु पीली, लोसिन, खाद एवं सिंचाई तथा रक्ष-रक्षाव के लिए ५ वर्षों का घटकावार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
३. नीरुआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत सहनकी प्राप्त प्रधानीय रक्षान (जाहाजनार विवरण सहित) में कृष्णोपयन हेतु पीली, लोसिन, खाद एवं सिंचाई तथा रक्ष-रक्षाव के लिए ५ वर्षों का घटकावार एवं जाहाजनार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
४. नदी तट एवं पहुंच मार्ग के दोनों तरफ में लाधन कृष्णोपयन किये जाने एवं श्व सीपिटी वीली का सरकारीयल रेट (Survival rate) ३० प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला काप्त एवं (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

5. छत्तीसगढ़ नामकी पुनर्जीव लोगों को सौजन्य दिये जाने हेतु वापर पार्ट (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा अन्डरटेंडिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके पिछले इस परियोजना/वादाम से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण उन की अवासि किसी भी न्यायालय में लिखित नहीं है।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा अन्डरटेंडिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके पिछले भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन संशोधन की अधिकारीयता कानून 804(अ), दिनांक 14/03/2017 की अवासि कोई उल्लंघन नहीं प्रकरण लिखित नहीं है।

उपरोक्त वाधित जानकारी/दस्तावेज़ ज्ञात होने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की पाएगी।

उल्लंघनार एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के शापन दिनांक 27/02/2023 के परिवेष्ट में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 02/04/2024 की जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया।

(र) समिति वर्षी 533वीं बैठक दिनांक 30/06/2024:

समिति द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जनकारी का अवलोकन एवं परिवेष्ट करने पर निम्न लिखित यादें यह—

1. एस.ओ.आई. की विज्ञा द्वारा चाषत न्यायालय संचालक नीतियों तथा नियमों नव राष्ट्रपुर अटल नगर की दुनियालय प्रकरण कानून 13/2023 द्वारा जारी परिवेष्ट आदेत दिनांक 22/12/2023 की प्रति प्रस्तुत की गई है, जिसकी अनुसार “छत्तीसगढ़ विवेचना के अलावा पर दुनियालय प्रकरण स्वीकार करते हुए, छत्तीसगढ़ नीन खनिज नियानन नेता (उल्लंघन एवं अवसाय) नियम, 2019 के नियम 7(4) परिवेष्ट की तहत उक्त प्रकरण में चर्चावस्था स्वीकृति द्वारा करने एवं उल्लंघन पट्टा स्वीकृति की कार्यवाही भूमि करने हेतु अतिरिक्त सम्बादिय प्रदान करते हुए प्रकरण कलेक्टर, जिला शायगढ़ को प्रत्यावर्तित किया जाता है।” होना चाहिए गया है।
2. नवी की पाट में कुआरीपाण विद्ये जाने की दशा में नवी की ग्रीष्म (Rise time) को लाने ने उक्ती हुई नदी के बिनारे, पहुंच जाने के दौरान और (जैसे जागून, कर्कन, अर्जुन एवं आम आदि) के कुआरीपाण (80 प्रतिशत की जीवन दर से) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 600 मग पीठों को लिए राशि 45,000 रुपये, पीठिंग को लिए राशि 5,36,220 रुपये, छाद को लिए राशि 6,000 रुपये, शिशर्य लगा रख-रखान आदि को लिए राशि 72,000 रुपये, इस प्रकार प्रदान वर्ष में युल राशि 6,06,220 रुपये लगा जायगी 4 वर्ष में युल नवी 3,30,000 रुपये हेतु घटकायान व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा नी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निमानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh

			Rupess)
			Following activities at Village- Dhananjaigarh
40	2%	0.00	Plantation 4.91
			Total 4.91

5. श्रीहांशुर की अंतर्गत द्वारा प्रसवजायगढ़ की जागरूकीय घृणी में (आग, कटहल एवं जड़गुन) 450 नग दुकानोंपाल हेतु प्रसवुत प्रसवान अनुसार पौधों के लिए राशि 33,750 रुपये, फेलिंग को लिए राशि 76,330 रुपये, खाद यो लिए राशि 4,500 रुपये, सिंचाई तथा रक्ष-प्रदान जाहिं के लिए राशि 89,000 रुपये इस प्रकार प्रथम बार में कुल राशि 1,83,570 रुपये तथा जागरूकी 4 बार में कुल राशि 3,07,500 रुपये हेतु चटकावर आय का विवरण प्रसवुत किया गया है। परियोजना प्रसवान द्वारा द्वारा प्रसवान अनुसार प्रसवजायगढ़ की सहानीय उपस्थित अवधारणा राजन (संभाला जाना 1098 / 1 / क / 1, लेट्रिकल 21,505 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रसवुत की गई है।
6. नदी गट एवं पहुंच मार्ग को दोनों तरफ में कामन दुकानोंपाल किये जाने एवं सेपित पौधों का सरकारीकरण रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने कामन जायज पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है।
7. उत्तीर्णगढ़ आदर्श युगलेंस जीति के लहर ज्यानीय लोगों को शोजनार दिये जाने हेतु रापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है।
8. परियोजना प्रसवान द्वारा द्वारा दापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है कि एकाफ़े विस्तृत भारत सरकार, पर्यावरण, बन और प्रजनकायु परिवर्तीन बंजाराम की अधिसूचना काना 804(अ), दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत कोई जल्दीजन का प्राप्तान्त्रण लिया नहीं है।
9. परियोजना प्रसवान द्वारा दापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया जाने कामन जायज पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है।
10. नदीनीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02 / 08 / 2017 की common cause vs. Union of India & Ors petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किये जाने कामन जायज पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है।
11. नदीनीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08 / 01 / 2020 की wrt petition (S) Civil No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किये जाने कामन जायज पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है।
12. परियोजना प्रसवान द्वारा इस आकाय का जापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रसवुत किया गया है कि खदान में तथा खदान के दीरान जलटेमेकत वीक नदीनीय नाईडलाईन 2016 एवं ईन्फोर्मेंट एण्ड गोविटरिंग गाईडलाईन्स वीर संक्ष 2020 के द्वारानों का पालन किया जाएगा।
13. श्रीहांशुर की लहर नियांसित करनी की पूर्ण करने के उपरान जबजित द्वारा प्रसवान से कार्य पूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर लियोंग (Geosag) प्रीट्रॉफास सीहिंग

अंकितीक रिपोर्ट में सामाजिक गती हुये प्रस्तुत किये जाने वायर शब्द पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाता है।

12. समिति का मत है कि लीज होम के बीटर विर ग्राहनिंग होम में लीज रात्रि लगाना आवश्यक है। लीज होम के बारे कोनो तथा भीता लाइन के बारे में नोटर के बहुत गहराना आवश्यक है ताकि लीज होम नदी में स्फट दृष्टिगोचर हो सके।
13. सीईआर एवं एवं नदी उट में युवाधनन कार्य के अंमिलिंग एवं पर्यावरण हेतु डि-प्रीवेटर नामिति (प्रोफेशनलर/डिप्लिमेटि, एवं वैद्यकीय/इंजिनियर एवं जिला प्रशासन वा एलीसम के पर्यावरण संस्थान वायरल के वैद्यकीयकारी/इंजिनियर) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं नदी उट में युवाधनन का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित डि-प्रीवेटर नामिति से संचालित कराया जाना आवश्यक है।
14. ऐत उत्थानन मैन्युअल किये से एवं भराई का कार्य लौटर द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। समिति का मत है कि लौटर और यह भराई वाहन की ओरी के हैं। अतः भराई का कार्य मैन्युअल किये ही ही कराई जाये। भराई वाहनों के नदी में प्रवेष की अनुमति नहीं होनी।
15. परिवेशना प्रस्तावक द्वारा 2 बीटर की गहराई तक उत्थानन की अनुमति नहीं है। अनुमतिदात उत्थानन बोर्ड में उत्थानन किए जाने वाले होम की वार्षिक रेत पुनर्वाप ताकी अध्ययन कार्य एवं उत्थानन वाली आकड़ी वा समाचार नहीं किया जाया है। याहु नदी छोटी नदी ही तथा इसमें कार्बोकाल में सान्धान्यक 1 बीटर गहराई तो अधिक रेत का पुनर्वाप होने की संभावना है।

समिति द्वारा विचार कियी उपरांत सर्वसमर्थि से विमानानुसार निर्णय किया गया—

1. परिवेशना प्रस्तावक रेत खदान होम में आगामी 1.5 वर्ष में विस्तृत वायर अध्ययन (Exploitation Study) करायेगा, ताकि रेत की पुनर्वाप (Replenishment) वायर तहीं अंगठे, ऐत उत्थानन का नदी, नदीरात, रक्षानीय वस्तुयां, जीव एवं सूख जीवों पर प्रभाव तथा नदी के पानी की गुणवत्ता पर ऐत उत्थानन की प्रभाव की सही जानकारी प्राप्त हो सके।
2. लीज होम की सतह का बेसलाइन जारा—
 - i. ऐत उत्थानन प्रारंभ करने के पूर्व उत्थानन-नुसार नियांशि विह विन्युओं पर नदी में ऐत की सतह की सतरी (Levels) का सर्वे कर, उसके आगामी तापकाल एसईआईएस, एलीसम को प्रस्तुत किये जायें।
 - ii. फौट-मानसून (फ्रेट्टर/नवम्बर भाष्ट में ऐत उत्थानन प्रारंभ करने के पूर्व) हन्ही विह विन्युओं में वाईमिंग लीज होम तथा लीज होम की आवश्यीय एवं बाहुनस्ट्रीम में 100 बीटर तक तथा खानन लीज के बाहर / नदी उट (दोनों ओर) से 100 बीटर तक की होम में नदी सतह की सतरी (Levels) का सर्वे पूर्व नियांशि विह विन्युओं पर किया जायेगा।
 - iii. इसी प्रकार ऐत खदान उपरांत भानसूल के पूर्व (यह भाष्ट के अंतिम उत्थान/जून की प्रधान तापस्थल) हन्ही विह विन्युओं पर ऐत सतह की लेवल्स (Levels) का सापन किया जाएगा।
 - iv. ऐत सतह के पूर्व नियांशि विह विन्युओं पर ऐत सतह की लेवल्स (Levels) का सापन का कार्य आगामी 6 वर्ष तक नियंत्रण किया जाएगा। डी-मानसून की आगामी अन्तरा 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं

पीसट-मानसून के अंतर्गत दिसंबर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियंत्रित रूप से एसईआईएए, प्रतीक्षणदृष्टि को प्रत्युता किए जाएंगे।

3. मानिती द्वारा विभाव विनाश उपरात सर्वेत्तमति ही गैरहस्त धरमजलगढ़ क्षेत्र नाईन (प्रौ.- श्री अविना अध्यक्ष) वाले प्राम-सरकारीगढ़, लहसील-सरकारीगढ़, विला-सरकारीगढ़, खनन क्रमांक 1277/1, कुल लीज हाइफल-4.99 हेक्टेयर के क्षेत्र 80 प्रतिशत हाइफल में ही ऐत यात्कलन अधिकारम् । भीटर वी गहराई तक सीधीमें रखते हुए कुल 28.940 घनमीटर प्रतिवर्ष ऐत यात्कलन हेतु पर्यावरणीय स्थीरता, खनन पट्टे के निष्पादन की तात्काल से पांच वर्ष तक की अवधी हेतु परिक्रिया-04 में अनियंत्रित रुक्ती की अवधीन दिये जाने वी अनुशंसा की गई। ऐत की खुदाई अभियोगी द्वारा (Manually) की जाएगी। निवार बेह (River Bed) में भावी याहनी का अवैत्त प्रतिवर्षित रहेगा। लीज क्षेत्र में विधित ऐत खुदाई गढ़डे (Excavation pits) के लाइस पाईट तक ऐत यात्कलन ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।
4. सहर्ट-नीबल सेप्ट माईनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन्स 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं इन्फोर्मेंट एप्ली मैनेजमेंट गाइडलाइन्स एवं रोक गाइडलिंग 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार कहाई ही यात्कलन सुनियोजित किया जाए।
5. नदी तट पर किये जाने वाले यात्कलनोपयोग हेतु यात्कलन की सहमति उपरात यथावृत्त्य रखते (खनन क्रमांक एवं हाइफल गहिरत) के तात्पर्य में जानकारी की एसईआईएए, प्रतीक्षणदृष्टि ने आवश्यक रूप से प्रत्युत करने की जाती की अधीन पर्यावरणीय स्थीरता की साथै अनुशंसा की जाती है।

शास्त्र-संतीय पर्यावरण इमार आकालन प्रतिकरण (एसईआईएए), प्रतीक्षणदृष्टि की अनुशंसार सुनियोजित किया जाए।

4. गैरहस्त यात्कल अवैत्त को जाती नाईन (प्रौ.- श्री हेमवीद भारत), प्राम-खनन, लहसील-गहराई, विला-विलालपुर (संविवालय का नम्बर क्रमांक 2677) भावत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवाय बंजालय, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस मेनोरेप्टम दिनांक 28/04/2023 जारी किया गया है। जिसके पैकड़ 4 में निम्न जाकरान हैं:-

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAAs shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble N.G.T. in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

कला औपिस मेनोरेप्टम के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा विला-संतीय पर्यावरण सम्बन्धीत नियोरेप्टम प्रतिकरण से जारी पर्यावरणीय स्थीरता के पुनः अनुशंसा (re-appraisal) हेतु एसईएसी, प्रतीक्षणदृष्टि को शास्त्र-संविवालय आवेदन किया गया है।

विवरण याचतु	आवेदित प्रक्रमण की संबंधित विवरण	प्राप्ति द्वारा लोट किया गया कि
जीनलाईन अवैदन	ई.सी. - 446610 एवं 24 / 09 / 2023 ई.सी.एस. जाति दिनांक - 05 / 10 / 2023 जानकारी दाखिल दिनांक - 27 / 10 / 2023	
खदान का प्रकार	मिट्टी (गौण रूपनिक) खदान	संचालित
क्षेत्रफल एवं कमता	1.560 हेक्टेयर एवं 2,864 घनमीटर प्रतीघर्ष	
खासा क्रमांक	736 / 1, 736 / 2 एवं 781	
पू-क्षेत्रिका	पिंडी खूमि खासा क्रमांक 736 / 1 - भी छोटेलाल, भी बीलुम, भी ग्रीलम, भी शेषलालयन, सुली दिवजाकार्ह, गुली रायिती खाई, गुली गिरिखार्ह एवं सुली हीरमती खासा क्रमांक 736 / 2 - भी छोटेलाल, भी बीलुम, भी ग्रीलम, भी शेषलालयन एवं सुली खालेजाकार्ह खासा क्रमांक 781 - भी गोक्कलाल	साहभागी पक्ष द्वारा
पैठक का विवरण	503वीं पैठक दिनांक 20 / 12 / 2023	प्रत्युत्तीकरण द्वारा बूका दिनांक 15 / 12 / 2023
प्रस्तुतीकरण द्वारा संपर्कित प्रतिमिति		भी हेमवद भार्गव लोपताईतर उपरिकृत है।
पूर्व में जारी ई.सी.	खदान का प्रकार - मिट्टी खासा क्रमांक - 736 / 1, 736 / 2 एवं 781 शीतकाल - 1.560 हेक्टेयर क्षमता - 2,864 घनमीटर/लाई दिनांक - 03 / 03 / 2017	भी.जे.आई.ए. जिला-विलासपुर कार्यालयीय स्थीकृति भी पैठका दिनांक 27 / 02 / 2042 तक है।
पूर्व में जारी ई.सी. का यातान प्रतिवेदन	स्व-प्रमाणित - हाँ	प्रतिवेद जलीयुक्त युक्तिप्रण - 200 नग
विभाग याची में दियी गये संरक्षण	दिनांक - 22 / 06 / 2023 वर्ष 2018-19 में 1,208 घनमीटर वर्ष 2019-20 में 1,130 घनमीटर वर्ष 2020-21 में 980 घनमीटर वर्ष 2021-22 में 600 घनमीटर वर्ष 2022-23 में 820 घनमीटर	
प्राप्त वर्षायत एन.ओ.सी.	प्राप्त वर्षायत मनमा दिनांक 12 / 12 / 2023	
संरक्षण योजना अनुसूची		कहांसी यातान अनुमोदन पक्ष जारी करायी एवं दिनांक सहित प्रस्तुता दिया जाना आवश्यक है।
900 मीटर	दिनांक 22 / 06 / 2023	अन्य अवरिक्षित यादामें - प्रियक
200 मीटर	दिनांक 22 / 06 / 2023	प्रतिवेदित दोष निर्दिष्ट नहीं। दिवानाड़ नदी - 100 मीटर
लोल ढील	लोल यातान - भी हेमवद भार्गव अवधि- 26 / 02 / 2012 से 27 / 02 / 2042	
यन विभाग	यन विभागलाभिलारी विलासपुर यनकाल	यन होते से दूरी - 11.37 किमी

क्रमांक	वित्तीय दिनांक	तारीख	प्राप्ति	दिनांक
१०	१०/१०/२०२३	१०/१०/२०२३	५० करोड़ — मन्या ३०० मीटर सहूल शाम — मन्या ५०० मीटर अस्पताल — बलीयासाजार १० किमी. शहीद राजमार्ग — १२.५५ किमी. लखनऊ — १५.२० किमी.	किलोमीटर मर्दी — १५० मीटर लालाब — ३०० मीटर नहर — १.५ किमी. मता — १.७५ किमी. रिक्षायार — ३.८ किमी.
११	पारिविहिकीय/ जीवविधिका विवेदनातील संघ	५ किमी. वही परिवि ने अंतर्राज्यीय संभा, शहीद राजमार्ग, अमरावती, कन्दीय इदुषण गिरवाल बोर्ड द्वारा प्रोप्रिएट लिटिकली पॉल्युटेंट एंड एस. पारिविहिकीय विवेदनातील बोर्ड वा प्रोप्रिएट जीवविधिका सेवा लिया है नहीं है।		
१२	खलन कांपदा एवं खलन का विवरण	खलन का विवर — खलन का सट गैरुपल पूर्वी ने रिजेक्शन — गिरयोलीगियाल २७.६४८ घनमीटर माईनेशल २५.६३८ घनमीटर दिक्षुरेशल २४.६४१ घनमीटर उत्तराखण ने रिजेक्शन— गिरयोलीगियाल २२.५०६ घनमीटर माईनेशल ३०.४४७ घनमीटर दिक्षुरेशल १९.८४३ घनमीटर प्रस्तावित गहराई २ मीटर वैद गी चांचाई १ मीटर वैद गी चीडाई १ मीटर समावित आयु १० वर्ष गिरटी के शाम वापर्कांग ऐतु फलाई ऐता उन प्रतिशत — २५%	खलन प्रस्तावित खलन प्रधन २,४२१.० घनमीटर द्वितीय २,४३९.२ घनमीटर तृतीय २,४७६.४ घनमीटर चतुर्थ २,५०७.२ घनमीटर पंचम २,५३२.४ घनमीटर षष्ठम २,५३४.४ घनमीटर सप्तम २,५५०.० घनमीटर अष्टम २,५६८.० घनमीटर नवम २,५७७.० घनमीटर दशम २,६६४.० घनमीटर	
१३	खलन के लिए प्रतिशेषित संघ लीज सेवा के मीटर भुजा स्थापित	लीज के १ मीटर लीजी लीजा बट्टी का क्षेत्रफल — ५५८ घनमीटर लीज सेवा के मीटर बद्दल लबापित विवा जाना प्रस्तावित नहीं है।		खलनगत — नहीं
१४	जल आपूर्ति	मात्रा — ८ घनमीटर स्तरोत — भू-जल		संस्कृत ग्रामांश बीटर अधिकारी के प्राप्त।
१५	कुआरीपण वार्ता	लीज सेवा के १ मीटर के बारे लेकर कुआरीपण — २७९ लग कर्तव्यान् कुआरीपण — २०० लग सेप्ट प्रस्तावित कुआरीपण — ७० लग		प्रस्तावित कार्य ऐतु ८ कर्म की लकड़ी — ११,१२,२७६ करोड़
१६	परियोजना से संबंधित शायद पब	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रयुक्तिरेत्र लकट संरक्षण नियंत्रण, सपन कुआरीपण एवं ५० प्रतिशत जीवन सेवा कुगिरिशल झूमि स्थापितों को नियारित कुआरजा एवं लीजांग की जागरिकता, सीपुर्जार को सहन प्रस्तावित कर्तव्य एवं संबंधित शायद से कार्य पूर्ण प्रतियोगन विक्लोटिंग		परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिन शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत वित्ती यादे हैं— १. हमारे द्वारा भासा सरकार की प्रधानमंत्री, वन एवं जलवाय परिवर्तन मंत्रालय, नहीं दिल्ली द्वारा दिनांक २८/०४/२०२३ को जली

कम्पोनेंट नियंत्रित वास्तविक रिपोर्ट में समाहित करने, भारतीय सरकार आदशी पुनर्वाचन नीति के तहत उत्तराधिकार, वानिज नियमों के तहत लीमांकन, द्वावृत्तिक जल व्यवस्था के साकाश एवं साकार्त्तन हेतु भूमि वानिजी के खुगी से संबंधित तमसा हितों की रक्षा प्रत्याही ऐसे के सुविधा व्यवाहार हेतु इन ग्रह का निमीण आदि वास्तव लाभ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

अंतिम नियंत्रण में दिये गए निर्देशों का विन्दुग्रन्थ यात्रा विना जायेगा।

2. परियोजना प्रस्तावक ने विस्तृत इस परियोजना/खटान की वास्तवित तोई व्यावाहारिक प्रकरण देख की अंतर्गत फ़िल्मी भी व्यावाहारिक में लैखित नहीं है।

3. परियोजना प्रस्तावक की विस्तृत व्यावाहारिक पर्याप्तता, बन और यात्रायु परिवर्तन व्यावाहारिक की अधिसूचना कानू. 804(3), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण संकेत नहीं है।

4. माननीय शूरीन कोई द्वारा दिनांक 02/08/2017 की Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए दिया निर्देशों का ग्रह द्वारा वालन किया जाएगा।

5. माननीय शूरीन कोई द्वारा दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) Civil No.114/2014 common cause vs. Union of India & Ors. के दिए गए दिया निर्देशों का वालन किया जाएगा।

6. विद्यमान विनानी किल्न को भारत सरकार, पर्यावरण बन एवं यात्रायु परिवर्तन व्यावाहारिक की अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 के व्यावाहारिक में आवाहक परिवर्तन वाल किस-दिन पहुंचि जा सकती है तथा उपर्योग करते हुए इट निमीण किया जाएगा।

अंतिम खटान का कोरकल 1.500 हेक्टेएर है।

संभाली

वी-२

1. कोर्पोरेट एरियरिप्लीय रिपोर्ट (C.E.R.) — वर्तीयोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत प्राप्त-कृत्यादीकैर के व्यावाहारिक 713 में विषय वालाव की वार्ता और दूसरीनीपक्ष किसी जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। वर्तीयोजना की एम-एस. में देखने पर यहां यहा कि व्यावाहारिक की वार्ता और पूर्वी से ही एक अवधिका है। अब सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपर्युक्त प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

वर्तीयोजना व्यावाहारिक वर्तीयोजना से निम्नानुसार विवरित किया गया जा-

1. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
2. क्षारी पत्रक अनुमोदन पत्र जालक इमारक एवं दिनांक सहित प्रस्तुत किया जाए।
3. आवेदित खदान से कैवल जलमय ईट ही तैयार किये जायेंगे। इन कामों ईटों को उपयोग जालक परिवर्तन करने (गर्म किया जाकर पक्की ईटों का बनाना) हेतु जहाँ-कहाँ, किन-किन घटटी में उपयोग किया जाएगा तथा उन घटटी को पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त ही अस्था नहीं? यदि पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त ही तो पर्यावरणीय स्थीरता की प्रति प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त कांचित जानकारी/प्रस्तावित ग्राहा होने स्थानात् आगामी कालीनाती की जाएगी।

निमनुसार एकई प्रति प्रस्तावित की जायम दिनांक 20/03/2024 के परिवेष्य वे परिवर्तनाएँ प्रस्तावक द्वारा दिनांक 00/04/2024 को जानकारी/प्रस्तावित प्रस्तुत किया गया।

(३) समिति की 533वीं बैठक दिनांक 20/05/2024:

निमिति द्वारा नसी, प्रस्तुत जानकारी का अधिकान एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धान्त पाइ गई—

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निमनुसार प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
12	2%	0.24	Following activities at, Village- Manva	
			Plantation around pond	0.55
			Total	0.55

सी.ई.आर. की ओरगेत ग्राम भवान सिंधा तालाब की छारों और (एम. कटहल एवं जामुन) 30 नए वृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार फौरी के लिए राशि 3,000 रुपये, फौरिश के लिए राशि 6,000 रुपये, छार के लिए राशि 2,250 रुपये, निचाई के लिए राशि 3,000 रुपये, रख-रखाव के लिए राशि 3,000 रुपये एवं इन आदि के लिए राशि 5,000 रुपये इस प्रकार प्रथम बार में कुल राशि 22,250 रुपये तथा आगामी 4 बार में कुल राशि 33,000 रुपये हेतु घटकानार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा जान पंचायत बनका को सहभागि उपरोक्त योग्यान्वय स्थान (छासरा क्षमाक 490, लैंडफल 0.405 हेक्टेयर) को सुरक्षा में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

2. क्षारी पत्रक अनुमोदन पत्र जालक इमारक एवं दिनांक सहित प्रस्तुत किया गया है। जिसके अनुसार क्षारी पत्रक एलान विव क्षारी कलीजर पत्रक विव इन्डियारोमेट मेनेजमेंट पत्रक रार संचालक (व.प्रता), जिला-विलासनगर के जायम

३. आवृद्धि खदान से ज्ञाये जाने वाले कार्बो इंट को भी नद बुमर मनुकर विलास नदी की मुकुलसान मनुकर की ग्राम-छुकुरीगांव, तहसील-मस्तूरी जिला-विलासपुर छत्तीका नं ९१७/२, ९१७/३, ९४२, ९४३, ९४४, ९४५, ९४६, ९४७/२, ९४८, ९४९, ९५०, ९५१, ९५२, ९५३, ९५४, ८५/१, ९६५/२, एवं ९६६ रखना २.१५ ही और मै समालित खदान में उत्पादित विलास डिक्टी गद्दा मै पर्यावरण जायेगा। उत्तर खदान को पञ्च क./८३/एसईआईएए छ.ग./माईन/१६४०, ग्राम रायपुर अटल बगर, दिनांक २८/०६/२०२१ के भाष्यमें से रायपुर रायपुर जनजाति नियोजन प्राधिकरण, घरीगांव द्वारा पर्यावरण स्थीरता प्राप्त की गई है। जाने इंट को पाने के लिए भी नद बुमर मनुकर की सहभागी पञ्च प्राप्त की गई है।
४. जानकी का गह है कि बी.ई.आर. एवं बूकारीय कार्बो की भौमिकाएँ एवं पर्यावरण हेतु वि-पर्याय जानिति (प्रोपरेटर/प्रॉप्रिएटर, ग्राम पंचायत के पर्यावरणीय/प्रॉप्रिएटर एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान एवं ग्राम के प्राप्तिकारी/प्रॉप्रिएटर) गठित किया जाना आवश्यक है। जान ही बी.ई.आर. एवं बूकारीय का कार्बो पूर्ण रूप से जाने के उपरांत जिला वि-पर्याय जानिति से समर्पित कराया जाना आवश्यक है।
५. गाननीय एन.जी.टी. ग्रामीणता देश, नई दिल्ली द्वारा जारी एवं प्रत्यक्ष भारत सरकार पर्यावरण, वन और प्राकृतिक परिवर्तन विभाग, नई दिल्ली एवं अन्य (अधिकारिक एवं लेखक एवं अधिकारी नं. १८० अंक २०१८ एवं इन्हें) में दिनांक १३/०९/२०१८ को पानी आदेश में मुख्य काम से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है:-
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from ५ to २० ha. falling under category B-२ as per with category B-१ by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed ५ ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

जानिति द्वारा विवाद विभागी उपरांत सर्वसम्मति से आवेदन - जानकी ग्राम विलास कार्बो पर्यावरण नाईग (प्रो.- भी हेमवंद भारती) को ग्राम-गनवा, तहसील-मस्तूरी, जिला-विलासपुर के खदान अन्तर्क ७३८/१, ७३८/२ एवं ७३१ में रिचर्ट मिट्टी सत्त्वानन (ग्रीष्म खनिज) खदान, कुल होलफल-१.५८८ हेक्टेयर, अन्तर्क-२.८६४ घनमीटर प्रतिकार्ब छेत्र परिसीट-०६ में वर्गित ग्रामी के आवेदन पर्यावरणीय स्थीरता दिए जाने की अनुशंसा की गई।

एल्ला स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण [एसईआईएए], घरीगांव को लदानुसार सूचित किया जाए।

5. नेतृत्व संघर्ष करने वाली एस एस एस (प्रौद्योगिकी) नियन्त्रण बोर्ड (प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, राम-लोकपाल, राहगील-बुन्देल्हुरी, जिला-जामशुर (प्रौद्योगिकी का नम्बर क्रमांक 2734))

भारत सरकार के प्रयोगशाला तथा एवं प्रयोगशाला विभाग, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस मेंटोरेशन दिनांक 26/04/2023 तारीख परियोग करा गया है। नियन्त्रण के नंबर 4 में नियन्त्रण द्वारा दिया गया है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A.142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

नेतृत्व ऑफिस मेंटोरेशन के तहत प्रयोगशाला प्रयोगशाला द्वारा नियन्त्रण समाप्ति नियोग प्राप्तिकरण से तारीख परियोग स्वीकृति के पुनः अनुशासा (re-appraisal) के द्वारा दिया गया है। उत्तीर्णगढ़ के नाम प्रौद्योगिकी आवेदन दिया गया है:

ठिकाना वस्तु	आवेदित प्रकारण से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नीति दिया गया कि
अनुसारी आवेदन	इलो - 480683 एवं 30 / 10 / 2023	
संदर्भ का छाकड़	मिट्टी (ग्रीष्म कालीन) खाद्यान	संचालित
क्षेत्रफल एवं कमता	2.59 हेक्टेयर एवं 2,000 घनमीटर (हेक्टेयर कमता 10,00,000 नन) प्रतिवर्ष	
खाद्यान कमाता	983 / 3, 5, 6, 982, 986 / 1, 981 / 2 एवं 925 / 2	
पू-स्थानिय	खाद्यान कमाता 982 वीं विभाग, वीं सुखालाल, वीं सुखालाल, वीं देवदारपा, खाद्यान कमाता 981 / 2 एवं 986 / 1 वीं ग्रामिय, खाद्यान कमाता 925 / 2 वीं शंकर देवनारायण एवं खाद्यान कमाता 983 / 3, 5, 6 आवेदक के नाम यह है।	उत्तरानन द्वारा नु-स्थानियों का प्राप्तिकरण द्वारा प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
दूता का विवरण	504वीं दूता का दिनांक 21 / 12 / 2023	प्रस्तुतीकरण के द्वारा दिनांक 15 / 12 / 2023
प्रस्तुतीकरण के द्वारा प्राप्तिकरण प्रतिवर्ष		वीं विभाग प्रयोगशाला प्रोफराइटर उपयोग के द्वारा।
कूट में पारी हुसी	खाद्यान का छाकड़ — मिट्टी खाद्यान कमाता — 983 / 3, 5, 6, 982, 986 / 1, 981 / 2 एवं 925 / 2 क्षेत्रफल — 2.59 हेक्टेयर कमता — 2,000 घनमीटर/वर्ष एवं 10,00,000 नन/वर्ष दिनांक — 03 / 01 / 2019	वीं विभाग एवं जिला-जामशुर प्राप्तिकरण स्वीकृति की दिनांक 12 / 02 / 2049 तक है।
कूट में पारी हुसी का पालन प्रतिवेदन	पू-स्थानिय — ही	प्राप्तिकरण जालीगुलाम गुलारीपाल — 600 नन

दिग्दंत वर्षीय में किये गये सुलधान	दिनांक — 14 / 08 / 2023 वर्ष 2019–20 में 1,50,000 रुपये वर्ष 2020–21 में 1,20,000 रुपये वर्ष 2021–22 में 2,10,000 रुपये वर्ष 2022–23 में 2,80,000 रुपये वर्ष 2023–24 (जुलाई 2023 तक) में निरन्तर	जुलाई 2023 से लिये गये सुलधान की वास्तविक भावता की अद्वितीय सामग्री कीमित दिनांक से प्रभागित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
एवम् परिवारक एन.डी.सी.	एवम् परिवारक लोधाना दिनांक 20 / 09 / 2017	
सुलधान कोर्जना अनुमोदन	दिनांक 17 / 10 / 2023	
500 मीटर	दिनांक 20 / 10 / 2023	अन्य सुधानी की साथा मिलता है।
200 मीटर	दिनांक 20 / 10 / 2023	परिवर्तीत कर निर्मित नहीं है।
लीज डी.ए	लीज शारक - बी विजय प्रसाद युपरि अवधि—18 / 02 / 2019 से 12 / 02 / 2049	
बन दिग्दंत एन.डी.सी.	कनमण्डलविहारी, जसपुर जनगणपत्तन जसपुर दुला जारी दिनांक 12 / 02 / 2018 कार्योदित कोर से बन दोष की दूरी का सालांक नहीं है।	आवेदित कोर की निकटतम बम दोष से दूरी का सुलझाव करते हुए कार्यालय बनमण्डलविहारी से जारी अनुमतिसे प्रभाग बन की दूरी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
महत्वपूर्ण संरक्षनात्मक की दूरी	जालापी - लोधाना 1.5 किमी. करून - लोधाना 1.6 किमी. अरपठान - कुनवुडी 8 किमी. राष्ट्रीय राष्ट्रमार्ग - 16 किमी. लाल्हामर्ग - 19 किमी.	किलोमीटर गाला - 2.8 किमी.
पारिसंचयिकीय/ जीवसंरक्षण संवेदनशील कोर	5 किमी. की परिमि में अतरोल्लीय दीमा, राष्ट्रीय चक्रान, अभावारण, छेन्हीय प्रदूषण नियंत्रण दोहरे दुला घोषित हिन्दियाली पील्हुटेक एवं पारिसंचयिकीय संवेदनशील कोर का घोषित जीवसंरक्षण कोर रिखा नहीं है।	
खनन संपर्क एवं खनन का विवरण	सुलधान लियि - ओपन कार्स ग्रन्ड ग्रन्डल रिपोर्ट - प्रियोलीयिकल 50,240 फॅनमीटर माइनिंगल 33,534 फॅनमीटर प्रिक्स्ट्रेयल 31,885 फॅनमीटर प्रस्तावित व्युत्कर्ष 2 मीटर कैम की कार्याई 1 मीटर कैम की औसती 1 मीटर संभावित आयु 33.56 वर्ष मिट्टी के साथ उपयोग के लिये कलाई ऐश का उत्तिवात - 80% एक लाख ईंट निर्माण हेतु आवश्यक शीर्षका की जाति - 10 से 12 लम	वर्षावार प्रत्यावर्त खनन प्रथम 10,00,000 रुपये द्वितीय 10,00,000 रुपये तृतीय 10,00,000 रुपये चतुर्थ 10,00,000 रुपये पंचम 10,00,000 रुपये

उत्तमन के लिए प्रतिवेदित क्षेत्र	लोहा के 1 मीटर लंबी सीधा पट्टी का होड़फल - 1,180 रुपैयी/मीटर	
लीज होम के बीचर भूमि क्षेत्र	होड़फल - 1,000 रुपैयी/मीटर	किया जिम्मी की उत्तम के संबंध में आनंदारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
पाल अन्धूरे	भाजा - 6.04 रुपैयी/मीटर क्षेत्र - 1 एकड़ा	भाज पचायें का अनावरित प्रयोग प्रस्तुत किया जाये।
वृक्षारोपण कार्य	लीज होम के 1 मीटर के राहे की दूकारीयता - 1,180 रुपैया जाना किया जाना है। जलमान में वृक्षारोपण - 600 रुपैया वीथ प्रतावित वृक्षारोपण - 600 रुपैया	प्रस्तुति कार्य हेतु 5 रुपैयी/लीज - 3,27,160 रुपैये
क्षेत्री	वी-२	आवेदित कराने का दूर्जफल 2.69 हेक्टेयर है।

1. कौरीसेट वर्षावर्गीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा क्षेत्री के समान विकास के लिए दृष्टिकोण में विभानुसार प्रस्तुत प्रयोग प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
40	2%	0.80	Following activities at, Village- Lodhma Plantation in Village pond Total	2.62

सीईआर के अन्वेषण कालाव यम (मीम, आम, अन्धूर, सीधम, कट्टूल आदि) वृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रयोग अनुसार 100 रुपैयी की लिए राशि 2,000 रुपैये, चांसोंग यो लिए राशि 30,000 रुपैये, छाव के लिए राशि 3,200 रुपैये, सिंचाई तथा रुक्त-रक्ताव आदि के लिए राशि 48,000 रुपैये, इस प्रकार प्रयोग कर्ता में युल राशि 83,200 रुपैये तथा आगामी 4 वर्षों में युल राशि 1,98,200 रुपैये हेतु घटकाव व्यवहार का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ज्ञान पचायें लीचमा के सहमति प्रस्तुत किया गया है। क्षेत्री का भर्त है कि सीईआर के अन्वेषण कालाव पर वृक्षारोपण किये जाने वाले व्यवसाय कर्ताओं एवं क्षेत्रकर्ता कर्ता हुए प्राप्तकारी/दावादेत्त प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा सत्याग्रह कार्यालयी की विभानुसार निर्णय लिया गया था—

- सत्याग्रह हेतु मु-स्वामियों का सहमति यत्र प्रस्तुत किया जाए।
- अगस्त 2023 से विवेद वाले यत्नालय की वापसीकरण वाजा की अद्यतन जानकारी खानिज विभाग से प्रमाणित वाराकर प्रस्तुत किया जाए।
- प्रति 10 लक्ष ईंट निर्माण हेतु जीमले वी मात्रा की आनंदारी प्रस्तुत किया जाए।
इस वाराकर वापसी यत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

4. आवेदित कीव की निकटता वन की दूरी का उल्लंघन करती हुए कार्रवाई इनमानकारी की जारी अनुमति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
 5. विकास किमी की कथाई के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
 6. श्रीईआर के अंतर्गत जालाब पर दृष्टान्तपण किये जाने वाले जालाब कर्मियों द्वारा जालाब करते हुये जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत प्रस्तुत किया जाए।
 7. भवत वास्तव के पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय ने दिल्ली प्राप्त दिनांक 28/04/2023 को जारी जीफिस मेमोरेंडम में हिये गए निर्देश का विनुकर पालन किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) किया जाए।
 8. छातीसगढ़ आदान पुनर्वास नीति के तहत ज्ञानीय लोकों को जोखावान किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 9. नाईनीय लीज कीव के अंदर वापन दृष्टान्तपण किये जाने एवं संवित धीरों का सरकाईकर रेट (Survival rate) कम से कम 50 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 10. पश्चिमिंग डल वालीन के निकटता हेतु नियमित जल विनाशक जल हक्की, जालाब, नदी, नाला वे नहीं किये जाने एवं इनकी संरक्षण किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 11. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दृष्टिल जल का प्रयाह प्रावृत्तिक जल हक्की, जालाब, नदी, नाला वे नहीं किये जाने एवं इनकी संरक्षण किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 12. श्रीईआर के तहत तथा उन गई जारी का उपर्योग गति के द्वारा दी गई नीति में निर्दिष्ट करावान दृष्टान्तपण किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 13. ईट निर्माण हेतु 50 प्रतिशत फसड़ी देता का उपर्योग किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 14. ईट निर्माण हेतु डिग-जीम वाकनीक का उपर्योग किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 15. ईट निर्माण से निकलने वाले रिपोर्ट विकास का उपर्योग पहुँच भारी के रक्त-प्रसाप एवं बड़ निर्माण में किये जाने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 16. परिवोजना प्रस्तावक के विकल्प हुए परिवोजना/खदान में संबंधित कोई व्यावहारीन प्रक्रिया देता के अंतर्गत किसी भी नहावालक में लखित नहीं होने वाले जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 17. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा जापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि सुनके विकल्प भारती नालकर, वायवरण, यन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिकारीयता का आ 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लखित नहीं है।
- उपरोक्त वायित जानकारी/दस्तावेज द्वारा हीमे उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी।
- हायामुख एसडीएसी, छातीसगढ़ की आपन दिनांक 23/02/2024 के परिवेष्य में परिवोजना प्रस्तावक द्वारा किमीक 09/04/2024 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(८) संपत्ति की इच्छा वेठक दिनांक ३०/०५/२०२४:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जागराती का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर मिले निष्ठा की गई गई—

१. प्रत्यक्षण के द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जागराती का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर मिले निष्ठा की गई गई—
२. कार्यालय कलेक्टर (खानिल जागरा), जिला—जलापुर के उत्पादन दिनांक २०७/खानि. जा./२०२४ जलापुर, दिनांक २०/०२/२०२४ द्वारा जारी छापाण पर अनुगाम विभाग द्वारा दिये गये उत्पादन की जागराती निम्नलिखित है—

माह	उत्पादन (घनमीटर)
अप्रृष्ट २०२३	
जिलमध्य २०२३	
अक्टूबर २०२३	
नवम्बर २०२३	
दिसम्बर २०२३	
जनवरी २०२४	

३. प्रति १० लाख हीट निर्बंध हेतु १२० टन कीपरे की जागरा का उत्पादन किया जाता है। इस बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
४. कार्यालय जनमन्दहलीकारी, जलापुर जनमन्दहल, जिला—जलापुर के उत्पादन दिनांक/मात्रि./२०२४/१५०० जलापुर, दिनांक ०२/०४/२०२४ से जारी अनावृत्ति प्रमाण पर अनुगाम जावेदित होने विकल्पम् एवं लोक वी सीमा से २ किमी, वी दूरी पर है।
५. यीएसीके विकास विमनी की ऊंचाई १५ मीटर है।
६. सीईआर के अंतर्गत रास्ताएँ पर दूड़ारोपण किये जाने बाबत जनमन्दहल दिनांक ३२१ एवं कोषकाल ०.५०० हेक्टेकर के संबंध में जागराती प्रस्तुत किया गया है।
७. भारत सरकार की पर्यावरण, एवं एवं जलव्यवस्था भवानीय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक २८/०५/२०२३ तो जारी ऑफिसियल मैगारेमेंट में दिये गये निर्देश का विन्युवार प्राप्तन किये जाने बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) किया गया है।
८. उत्तीर्णगढ़ अदारी पुनर्वास नीति के तहत क्षारीय स्तीगों को रीजिगार दिये जाने बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
९. न्यूनिंग लौज लौज के अंदर साधन दूड़ारोपण किये जाने एवं संप्रित वीथी का सारणार्थित रेट (Survival rate) ५० से ५० इतिहात चुनिशित किये जाने बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
१०. पश्चिमिय रास्त उत्तराञ्चल के नियंत्रण हेतु नियमित जल वित्तकाल किये जाने बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
११. वारियोजना प्रशालन का द्वारा कियी भी प्रक्रिया जल का प्रवाह अनुसृत जल स्वीकृत, संतुलित, नटी, नहता ने नहीं किये जाने एवं इसके संलग्न किये जाने बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
१२. सीईआर के राहत तथा की गई जागरा का उत्पादन गांव की द्वारा दी गई भूमि में संस्थित कालाकर दूड़ारोपण किये जाने बाबत शपथ पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।



13. इट निर्माण हेतु 50 प्रतिशत करताहै ऐसा वर्ग उपयोग किये जाने वाला उपयोग पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. इट निर्माण हेतु जिन-जीन तकनीकों का उपयोग किये जाने वाला उपयोग पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. इट निर्माण से नियमित बाले रिकॉर्ड किए का उपयोग पहुँच नहीं के रूप-रूपान्वय एवं बड़े मिर्चान में किये जाने वाला उपयोग पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. परियोजना प्रस्तावक के विषय इस परियोजना/खदान की संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण ऐसा के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं होने वाला उपयोग पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपयोग पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विषय परियोजना, परियोजना, वर्ग और जलवायु परिवर्तन मंजालय की अधिकृतना का आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।
18. समिति का मत है कि सीईआर एवं शुलशीपथ लार्प के नीमिटिविं एवं पर्फिशन हेतु फि-प्लाय समिति (ओपराईटर/प्रतिनिधि, दाम खाताकान के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णसमझ पर्यावरण संस्थान वर्ग के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं शुलशीपथ के लार्प पूर्ण किये जाने के काष्ठात नीमिटि फि-प्लाय समिति को सम्मिलित कराका जाना आवश्यक है।
19. यान्मीय एन.वी.टी., स्थितिक देश, नई दिल्ली द्वारा सत्येंद्र यान्मीय विषय परियोजना सम्बन्धी उपयोग पत्र, वर्ग और जलवायु परिवर्तन मंजालय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओपरेशनल एंटिकोर्ट नं. 188 ऑफ 2016 एवं अन्य) ने दिनांक 13/09/2016 को पारित आदेश ने मुख्य रूप से निम्नानुसार नीमिटिविं किया गया है—
- a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 0 to 25 ha, falling under category B-2 in par with category B-1 by SEAC / SEMA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- समिति द्वारा दियार दियारी सुपरियोजना संवित्तमाली वी आदेशक — देशी लोडमा विकास अर्थ वर्ते कर्तीरी एवं विकास (विस्तारीको) विभागी दिवस पराट द्वी. — वी विजय प्रसाद गुप्ता) को दाम-जीवन, राहसील-दूनबुरी, जिला-जगन्नार तो दामता छमाका १३३/३, ५, १, १३२, १३३/१, १३१/२ एवं १३५/२ में स्थित नीमिटि उपयोगन (गीता समिति) उपयोग, कुल क्षेत्रक्षेत्र-२.८९ हेक्टेयर, क्षमता- २,००० चम्बीटर (इट उत्तरादन क्षमता १०,००,००० नय) प्रतिवर्ष हेतु वर्षीय-५८ में वर्धित जर्ती के अंतर्गत पर्यावरणीय स्टीम्बुली दिए जाने की अनुमत्ता नी गई।
- एवं स्थानीय पर्यावरण प्रभाव जाकलन प्रतिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.), उत्तरादन की उपयोग प्रतिवर्ष लूपित किया जाए।

६. भौतिक सुरक्षात्मक आवेदन करती (प्रौ.- शीतली बीच निल), ग्राम-सुरक्षात्मक परामर्शदाता, तहसील-मनोन्दगढ़, जिला-कोटिया (जलांहार मे जिला-मनोन्दगढ़-कोटिया-भास्तपुर) (सुरक्षात्मक का नम्बर छमांक 1993)
शीतलाईन आवेदन - प्रक्रिया नम्बर - एसडीए./ सीटि/ एमडीएम/ 268882 / 2022 दिनांक 20/04/2022 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूर्ण संपादित सामाजिक पत्रक (पीपा एनिड) द्वारा दिया गया सुरक्षात्मक परामर्शदाता, तहसील-मनोन्दगढ़, जिला-कोटिया जिला समाज जमांक - २/१, कूल लैंडफल - 2.023 हेक्टेकर मे है। खदान की आवेदित सामाजिक पत्रक द्वारा उल्लेखन दरमाना - 12,069 टन प्रतिवर्ष है।

परियोजना प्रस्तावक को एसडीए.सी. उत्तीर्णगढ़ के द्वापन दिनांक 03/08/2022 द्वारा प्रक्षुलीकरण हेतु सुधित किया गया।

वैशकी का विवरण -

(३) समिति की ४१९वीं बैठक दिनांक 03/08/2022-

प्रस्तुतीकरण हेतु भी गोपन रिपोर्टिंग क्षमता प्रतिवर्ष उपरिकृत है। समिति द्वारा नवीनीती, प्रस्तुत उत्तीर्णगढ़ का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठाता पाई गई-

i. पूर्व मे जारी पर्यावरणीय स्वीकृति सांकेति विवरण-

- i. पूर्व मे सामाजिक पत्रक द्वारा दिया जाना जाना जमांक २/१, कूल लैंडफल - 2.023 हेक्टेकर, कमाना - 12,074 टन (4,471.65 प्रतीकृत) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला स्थानीय पर्यावरण सम्बन्धीय विवाद प्राप्तिकरण, जिला-कोटिया द्वारा दिनांक 10/01/2017 की जारी की गई। यह स्वीकृति दिनांक से ५ वर्ष तक की अवधि हेतु जारी की गई थी।
- ii. भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18/01/2021 अनुसार-

"A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना की अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जी ऐसा जारी दिनांक से दिनांक 03/01/2023 तक वैध होगी।

- iii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व मे जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की जारी की प्रक्रिया मे की गई कार्यकारी जीवनस्तुत की गई है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत क्षेत्रीय नार्यालय, गालत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रपुर के पूर्व मे जारी पर्यावरणीय स्वीकृति या या जलवायु प्रतिवेदन द्वारा का प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- iv. नियमित जातीनुसार 500 नग प्रकाशीकरण किया गया है।

- v. कार्यालय कलेक्टर (खाली राजा), जिला-कोरिया के द्वारा छापन क्रमांक / 1040 / खानिज / उप. / 2021 कोरिया, बैकुण्ठपुर, दिनांक 14 / 07 / 2021 द्वारा दिया गया है जिसमें उत्तरन की जानकारी निम्नलिखित है:-

वर्ष	उत्तराधन (प्रति मीटर)
2016	निरेक
2017	632
2018	447
2019	360
2020	542

सामिति का यह है कि भौतिकोंजना प्रस्तावक द्वारा विषय वर्ष 2020 से आज दिनांक तक दिये गये उत्तराधन की वास्तविक जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. याम पंचायत का अनापत्ति प्रभाग पञ्च - उत्तराधन के संबंध में याम पंचायत भौतिकोंजना का दिनांक 20 / 10 / 2010 का अनापत्ति प्रभाग पञ्च प्रस्तुत किया गया है। सामिति का मत है कि इसका फैलाव विशेष रूप से याम पंचायत का अनापत्ति प्रभाग पञ्च प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. उत्तराधन योजना - गौडियार्थी वार्षीय प्राप्ति एवं विविध वर्षों के उत्तराधन प्रभाग विशेष इन्वायरनेंट मैनेजमेंट प्रक्रम प्रस्तुत किया गया है, जो खानिज अधिकारी, जिला-कोरिया के द्वारा छापन क्रमांक / 2140 / खानिज / उत्तराधन अनुसार, दिनांक 09 / 03 / 2021 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में विषय खदान - कार्यालय कलेक्टर (खानिज राजा), जिला-कोरिया के द्वारा छापन क्रमांक / 1050 / खानिज / उप. / 2021 / कोरिया बैकुण्ठपुर, दिनांक 14 / 07 / 2021 अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की नीलांग अवधिकारी उत्तराधन की संख्या निरेक है।
5. 200 मीटर की परिधि में विषय वार्षिकीय कोड़/संरक्षनाए - कार्यालय कलेक्टर (खानिज राजा), जिला-कोरिया के द्वारा छापन क्रमांक / 1040 / खानिज / उप. / 2021, कोरिया बैकुण्ठपुर, दिनांक 14 / 07 / 2021 द्वारा जारी प्रभाग पञ्च अनुसार उत्तराधन से 200 मीटर की परिधि में कोड़ भी वार्षिकीय कोड़ और गहिर गहिरांग, अवधारण, बहुल, चुल, एवं बाह्य आदि इतिवर्णित कोड़ विषय नहीं है।
6. चूपी एवं लीज का विवरण - यह जाकर्तीय चूपी है। लीज लीज 05 वर्ष उम्बील दिनांक 05 / 01 / 2012 से 04 / 01 / 2017 तक की अवधि है तो यह चूपी है। तथाकरण लीज लीज 26 वर्ष अवधि दिनांक 05 / 01 / 2017 से दिनांक 04 / 01 / 2042 तक की अवधि है तो यह लीज रिपोर्ट की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट - वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रभाग पञ्च - कार्यालय अनापत्तिकारी (एए) बनवार्डल, नोन्दगढ़ के द्वारा छापन क्रमांक / नामि / 2000 / 360 नोन्दगढ़, दिनांक 22 / 06 / 2009 से जारी अनापत्ति प्रभाग पञ्च अनुसार आवेदित कोड़ बन कोड़ की

सीमा से 200 मीटर की दूरी पर है। इस सेक्टर में शामिल कर गत है कि लीज लैंड में बन होने की सीमा की तरफ 80 मीटर गैर मार्डिनिंग लैंड छोड़कर उत्तरानन कार्य किया जाना आवश्यक है। तथा आगामी वर्षों की वर्षानन उत्तरानन घोषना हेतु लैंपार लिए जाने वाले मार्डिनिंग वर्कीन में 50 मीटर गैर मार्डिनिंग लैंड छोड़कर अनुभौदित करना जाना आवश्यक है।

2. महस्तपूरी बांधनमंडली की दूरी — निकटतम आवाही यात्रा-मुदितावाहन 500 मीटर, समूल यात्रा-मुदितावाहन 500 मीटर एवं अवसानल विस्तीर्ण 7 किमी की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 1 किमी, एवं राजमार्ग 4.0 किमी दूर है। इसदेव नदी 120 मीटर दूर है।

10. पारिस्थितिकीय/जीवविजित संवेदनशील सेक्टर — परियोजना प्रस्तावना द्वारा 10 किमी की गणिती में अतिरिक्तीय सीमा, राष्ट्रीय राजमार्ग, कोन्फ्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रोत्पात विटिकली औल्यूटेक एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील लैंड या स्थापित जीवविजित सेक्टर नहीं होना प्रतिशोधित किया है।

11. खनन संपर्क एवं खनन का क्रियण — जियोलॉजिकल रिजर्व 9,38,481 टन, मार्डिनेशल रिजर्व 5,13,843 टन एवं निकाहरेशल रिजर्व 4,87,981 टन है। लीज की 7.5 मीटर भीड़ी सीमा पट्टी (उत्तरानन के लिए प्रस्तावित क्षेत्र) का कुलफल 4,880 कर्ममीटर है। ऊपर कालट सेक्टर में ऐक्साइबिल विधि से उत्तरानन किया जाता है। उत्तरानन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 22 मीटर है, जिसमें से 18 मीटर गहराई क्षेत्र है। लीज सेक्टर में ऊपरी मिट्टी की ओटाई 0.5 मीटर है तथा कुल मात्रा 3,325 घनमीटर है। बैंध की ऊपराई 1.5 मीटर एवं चौड़ाई 1.5 मीटर है। राजमार्ग की गतिशीलता आमु 42 वर्ष है। लीज क्षेत्र में जातर स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिसका कोरफल 1,000 घनमीटर होगा। जैक इंसर से ड्रिलिंग एवं कट्टोल इकाइंग किया जाता है। खदान में यामु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल बह छिनकाय किया जाता है। परियार प्रस्तावित उत्तरानन का क्रियण निम्नानुसार है—

क्षेत्र	प्रस्तावित उत्तरानन (टन)
प्रथम	12,073
द्वितीय	12,099
तृतीय	12,099
चौथा	12,099
पंचम	12,099

12. जल अल्यूटी — परियोजना हेतु अवश्यक जल की मात्रा 4 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति गाम पंचायत के माध्यम से किया जाता है। इस बावेत गाम पंचायत का अनावलि प्रगाय पञ्च उत्तरानन किया गया है।

13. मुख्यारोधन कार्य — लीज क्षेत्र की सीमा में बासी और 7.5 मीटर की पट्टी में 1,000 लग बुडारेश्वर किया जाएगा। प्रत्युत प्रस्ताव अनुसार पीठी के लिए राशि 60,000 रुपये, चोरिय के लिए राशि 1,41,450 रुपये, खाद के लिए राशि 10,000 रुपये, रक्त-रक्तान्त आदि के लिए राशि 36,000 रुपये, हवा प्रकार कुल राशि 2,37,460 रुपये एवं बासी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी की राशि 1,44,000 रुपये आगामी बार बारी हेतु घटकायार रूपय का क्रियण प्रत्युत किया गया है।

14. राजदान की 7.5 मीटर की भीड़ी सीमा पट्टी में उत्तरानन — लीज क्षेत्र की बासी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्तरानन कार्य नहीं किया जाता है।

15. लौज होते में उपरी मिट्टी की गोलाई 0.5 मीटर से ज्यादा कम होता है तो निर्माण विभाग द्वारा फैलाकर बुखारीपण करने से उपरी मिट्टी का सुपरीय होने विरोधी की लिए किया जाना कहाया गया। इस संकेत में समिति का गत है कि उपरी मिट्टी का उपरी ईट विरोधी होने वाली किया जाएगा। अतः उपरी मिट्टी के संच-स्थापन के संबंध में उपरीका जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

16. कॉर्पोरेट एरानोवर्सीब डायलिन (C.E.R.) – परियोजना प्रभावादक द्वारा सीईआर (Corporate Environmental Responsibility) का उपर्युक्त प्रभावादक प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा उल्लंघन वाईसमिति से निम्नलिखित मिशन किया गया था कि—

1. एकीकृत शोधीय कल्याणक, बाहरी जागरूक, परावरण वन एवं सतताद्यु परिवारीन संवाहय, उपर्युक्त से भूमि में जारी परावरणीय स्थीरता का प्रत्यन्त प्रतिषेधन द्वारा कर प्रस्तुत किया जाए।
2. विषय वर्ष 2020 से अब तक किये जाने उल्लंघन की वास्तविक जाति की जानकारी उन्नियन विभाग से प्रमाणित जानकार प्रस्तुत किया जाए।
3. उपर की स्थापना हेतु द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा संनापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत की जाए।
4. लौज होते में वन होते की गोला की लम्बाई 0.5 मीटर से ऊपरी गोले छोड़कर उल्लंघन कर्त्ता की वार्षिक उल्लंघन जानना हेतु विधार किये जाने वाले माइनिंग सर्वीस में 0.5 मीटर से ऊपरी गोले छोड़कर अनुसूचित जानकारी जाने वाले दाका पत्र (Airtel) प्रस्तुत किया जाए।
5. उपरी मिट्टी के संच-स्थापन हेतु प्रबंधन योजना प्रस्तुत की जाए।
6. सीईआर के उल्लंघन वृक्षारोपण हेतु पौधों का रोपण, सुखाने हेतु कैपिंग, बाहर एवं शिवारी तथा संच-स्थापन के लिए 5 वर्षों का घटकानन व्यव से विवरण सहित प्रस्तुत प्रभावादक प्रस्तुत किया जाए।
7. एक्स्प्रो ब्लास्टिन का कार्ड विस्फोटक लाईसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा कार्ड जाने वाला साप्त वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से पर्यावरणिक डस्ट उल्लंघन होगा, उन स्थलों पर निष्पन्न जात विकास की वायव्यता किये जाने वाला वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. माइनिंग लौज होते की ठांडा एवं बाहर संघर्ष कृष्णपण किये जाने एवं दीपित पौधों का सरवाइवल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. परियोजना प्रभावादक द्वारा विभिन्न कानूनीयन विधय (Minerals Concession Rules) के उल्लंघन वाराण्सी प्रत्यक्षी द्वारा सीमानान जा कर्त्ता सुनिश्चित किये जाने वाला वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. परियोजना प्रभावादक द्वारा वातावर, पीरार, नहर, नदी, नाला एवं अन्य जल विवाही की संखान एवं संरक्षण हेतु प्रस्तुत 1 माह की बीतर प्रस्तुत किये जाने वाला वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

12. परियोजना प्रतावक द्वारा इस आवधि का बहन परम प्रस्तुत किया जाए कि उसके लिए इस परियोजना/संबान्धी से संबंधित कोई व्यायालगीन प्रकरण देख के जलवैत किसी भी व्यायालय में लिखित नहीं है।

13. परियोजना प्रतावक द्वारा इस आवधि का नोटरी से संबंधित आपदा वाले प्रस्तुत किया जाए कि उसके लिए भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय की अदिसूचना कामा. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के जलवैत कोई उल्लंघन का प्रकरण लिखित नहीं है।

उपरोक्त वर्णित जलवाया/दरवायेवाले द्वारा होने वाली आगामी वार्षिकाएँ भी जाएंगी।

लकड़वाहार एवं घृत, छातीशगढ़ के आपन दिनांक 14/09/2022 की परियोजना द्वारा वरियोजना प्रतावक द्वारा दिनांक 30/11/2022 की जलवाया/दरवायेवाले प्रस्तुत किया गया।

(c) समिति की 445वीं बैठक दिनांक 11/01/2023:

समिति द्वारा नवीनी प्रस्तुत जलवाया का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर मिम्म समिति यार्ड गढ़—

1. एकीकृत सीधीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी वर्तावस्थीय स्थीकृति का जालन प्रस्तीकेदन द्वारा कर प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस आवधि में पूर्व में जारी वर्तावस्थीय स्थीकृति का जालन प्रस्तीकेदन द्वारा किये जाने हेतु एकीकृत सीधीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर की दिनांक 28/12/2022 को आवोदन किया गया है।
2. विशेष एवं 2020 से ऊपर तक किये गए सुलखनाम की वास्तविक मात्रा की जलवाया वर्गित विभाग से प्रमाणित करकर प्रस्तुत नहीं किया गया है।
3. ग्राहक की स्थापना हेतु यान विवाहत नुक्तिमालापात्र का दिनांक 17/03/2022 का अनापूर्त प्रमाण वाले प्रस्तुत किया गया है।
4. लौज क्षेत्र में बन होने वाली सीमा की तरफ 50 मीटर गैर मार्फीनिंग लौज छोड़वान उत्तराधान कार्य किये जाने तथा आगामी की दी वर्षीय उत्तराधान योजना हेतु लैकर किये जाने वाले मार्फीनिंग बर्टिंग में 50 मीटर गैर मार्फीनिंग क्षेत्र छोड़वान अनुमतियां करताये जाने वाला आपदा पत्र (Notarised Affidavit) प्रस्तुत किया गया है।
5. लौज क्षेत्र में ऊपरी निटटी की मीटर्ड 0.5 मीटर ही तक कुल मात्रा 3,325 परमीटर है। ऊपरी निटटी गो 28° का स्तरों पर रखते हुवे लौज की 7.5 मीटर ऊपरी सीमा पटटी 4,890 वर्गमीटर क्षेत्र (उत्तराधान के लिए प्रतिवर्तित) में केलावन पूरावीपण किया जाएगा।
6. सीईआर के उत्तर पूर्वांतरण का प्रस्तुत प्रस्तावना नियोग चूमि ने किये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है। समिति का मत है कि सीईआर गो उत्तर यान विवाहत से राहगती प्राप्त भूमि में कृषीरोपण हेतु योग्य का तीपण, तुला हेतु योग्य, चार एवं सितारी तका स्तर-रखान के लिए 6 वर्ग का घटकनाल व्यव्य का विकरण जाहिर गिरना प्रतावक प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

7. कंट्रोल ब्लास्टिंग का तारीख विनकोटक सहारेश धारक (Explosive License Holder) द्वारा कस्तूरी जाने वाला शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. परियोजना से जिन-जिन स्थलों की प्रयुक्तिएवं बफ्ट उत्तरार्द्ध स्थीरा, उन सभी पर नियन्त्रित जल विकास की व्यवस्था किये जाने वाला शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. गाइडिंग लीज कोज के अंदर एवं बाहर सधन वृक्षारोपण किये जाने एवं संचित दीर्घी वाय सार्वाईयल रेट (Survival rate) 95 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा निम्नलिख कानूनीकरण मित्र (Minerals Conservation Rule) के तहत बालपूर्ण प्रिलिसी द्वारा सीमान्तर का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाला शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा तालाब, गोमार, गहर, नदी, नाला एवं अन्य जल निकायों के संरक्षण एवं संरक्षण हेतु प्रस्ताव 1 नाल के भीतर प्रस्तुत किये जाने वाला शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके लिए इस परियोजना/ यादान से संबंधित कोई व्यापारीय प्रक्रम देश के अंतर्गत कोई उत्तराधिकार प्रक्रम लिया नहीं है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का शायद पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके लिए भारत राष्ट्रीय, पर्यावरण, बन और जलवाय विवरण नियमों की अधिकृत्या कानू. 804(3) दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उत्तराधिकार का प्रक्रम लिया नहीं है।

परियोजना द्वारा उत्तराधिकार सर्विसेन्स से निम्नानुसार निर्माय किया गया था—

1. एकीकृत शीर्षीय कार्यालय, जल संरक्षण, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन अंतर्गत, शाश्वत सूर्य ग्रीष्मीय सीमान्तरीय का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. लिंगत वर्ष 2020 से जब तक किये गये उत्तराधिकार की जानकारी खनित किमान से अमालित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
3. शीर्षीय के तहत यान व्यापक सी सहभागी प्राप्त भूमि में वृक्षारोपण हेतु यीकी का नीयन, सुखाना हेतु कौशिंग, खाद एवं शिथाई तथा रक्त-रक्ताव के लिए उपकारी का पठकवाय व्याप का विकल्प उठाया विश्वात प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त व्यक्तियों का जानकारी/उत्तराधिकार प्राप्त होने वाली उपरोक्त जानकारी का संग्रहीत की जाएगी।

तालानुसार एस.ई.ए.सी., उत्तीर्णगढ़ के द्वारा दिनांक 27/02/2023 की वरिष्ठता वे परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 10/04/2023 की जानकारी/उत्तराधिकार प्रस्तुत किया गया।

(८) जानिति की ५६५वीं बैठक दिनांक 11/05/2023:

परियोजना द्वारा नवरी विश्वात प्रस्तुत जानकारी का अपलोडन एवं परीक्षण करने पर निम्न जिम्मेदारी गई—

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन हेतु एकीकृत शोधीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालदार में दिनांक 30/01/2023 को किये गये आवेदन की प्रति प्रस्तुत की गई है। भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन भवालदार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिका ऐमीरेप्रभाग दिनांक 09/08/2022 के अनुसार

At the time of issuance of expansion TOR, the MS of EAC/SEAC shall endorse a copy of the ToR to the concerned IRO of MoEF&CC. Based on the same, project proponent shall approach the concerned IRO of MoEF&CC to issue CCR. Such request shall be expeditiously considered and disposed of by the concerned IRO within a time frame of three months from the date of application of project proponent. In case, the CCR is not issued within three months, the project proponent shall approach concerned Regional Offices of Central Pollution Control Board (CPCB) or MS of respective State Pollution Control Boards (SPCB) or State Pollution Control Committees (SPCCs) for the same. है। इस संघीय में समिति का मत है कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन हेतु उत्तीर्णाङ्क पर्यावरण संशोधन बंडल, नवा रायपुर बटल नगर से बंगाला पाना आवश्यक है।

2. कार्यालय बलेवटर (जनिज जागत), जिला—बलेन्टनडु—चिनियाँ—भलापुर के जामन क्रमांक/22/जनिज/स.प. /2023 एवं नीचे, दिनांक 12/04/2023 द्वारा जारी प्रसान पत्र अनुसार किया गया में किये गये उल्लेखन की जानकारी निम्नानुसार है—

वर्ष	उल्लेखन (घनमीटर)
2020-21	730
2021-22	590
2022-23	280
कुल	1,500

समिति का मत है कि दाकत द्वारा पत्र से यह स्पष्ट नहीं हो जाता है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा किया दिनांक 09/01/2023 की सफरी उल्लेखन छार्ट किया गया है जबकि नहीं? के संघीय में जनिज कियाया से प्रमाणित कराकर जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

3. सीईआर की दाकत द्वारा प्रस्तावत से समिति प्राप्त भूमि में (खामोश, नीम एवं आम) घुसारीयन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 500 चम धोपी के लिए लगि 25,000 लम्पे, कोशीय के लिए लगि 46,000 लम्पे, राहद के लिए लगि 5,000 लम्पे, जिलाई तथा रख—रखाय आदि के लिए लगि 90,000 लम्पे, इस प्रकार कुल लगि 1,31,000 लम्पे के लिए कम कियरन प्रस्तुत किया गया है। समिति का मत है कि 5 बारी हेतु घुसाक—घुसाक छटकानार कियरन प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा संलग्न शर्तान्वयिते की निर्णय किया गया यह—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन हेतु उत्तीर्णाङ्क पर्यावरण संशोधन बंडल, नवा रायपुर बटल नगर से बंगाला जाए।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 09/01/2023 के संबंध में उपरात उत्तम कार्य किया गया है अथवा नहीं? के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया गया।
- लौहआर की दहन यान वर्षायत से महसूल प्राप्त भूमि में (जग्गा, नीम एवं आम) पृष्ठाखेत ऐसे 6 वर्ग के लिए पूर्वक-पूर्वक घटकात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त जाहिर जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने संबंध में आगामी कार्यवाही की जाएगी।

इदानुसार इसई दस्ती जलीसमझ के आपन दिनांक 23/06/2023 के परियोजना प्रस्तावक द्वारा द्वारा दिनांक 01/09/2023 की जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया।

(५) स्थिरिती की 400वीं बैठक दिनांक 27/09/2023:

जानित द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी का झल्लीकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिरिती बद्ध है—

- छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थान नक्का रायपुर अटल नगर की जापन क्रमांक 3854, दिनांक 23/08/2023 द्वारा पूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्थीरकृति का पालन प्रतिवेदन प्रेक्षित किया गया है, जिसके अनुसार पूरी शर्ती का पालन किया जाना चाहया गया है।
- कार्यालय कर्मचारी (जनरिय शास्त्र), बनेन्द्रगढ़ जिला-मनेन्द्रगढ़-जिन्हिली-भरतपुर के जापन क्रमांक/178/जनिल/उप./2023 एवं ली.वी. मनेन्द्रगढ़, दिनांक 03/07/2023 अनुसार जनवरी, 2023 से गई, 2023 तक ने उत्तमता कार्य निरूपित है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)		
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)	
		Following activities at Village- Mukhtiyarpura			
		Plantation		1.56	
		Total		1.56	

सी.ई.आर. की दहन युक्तारोपण (नीम, आम, जानुग आदि) द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 500 नग पीठी के लिए राशि 25,000 रुपये, जीर्णीग के लिए राशि 20,000 रुपये, खाद एवं फिराई के लिए राशि 20,000 रुपये तथा रख-पठाव के लिए राशि 10,000 रुपये इस प्रकार प्रधान वर्ष में कुल राशि 75,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 88,000 रुपये होने घटकात्मक रूप से निरूपित प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पंचायत नुस्खाकारणका के सहमति सुपरियोजना योग्य स्थान (व्यापार इमारत 174/11, लोकल 04 लोकल) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

4. जानिति का नहीं है कि सीईएस. एवं दृष्टांतेवाला कार्य को भौमिकरण एवं विस्तृत उपयोग के लिए प्रशासनिक/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उच्चतमांगके पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। कार्य ही सीईआर एवं दृष्टांतेवाला का कार्य पूर्ण तिथे जाने के समर्थन महिति विस्तृत उपयोग के लिए जाना आवश्यक है।
5. माननीय एनजीटी, डिसेप्ट बैद्य नवी दिल्ली हारा सत्येंद पाण्डेय विस्तृत भारत वारकार, पट्टीकरण, एवं और जलवायु परिवर्तन अधिकारी, वह दिल्ली एवं अन्य (अधिकारीजनल एमिक्सेनल नं. 100 बीए 2018 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को परिवर्त आदेश में मुख्य रूप से निम्नानुसार निर्दिष्ट किया गया है:-

- a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

जानिति हारा विकार विकारी उपर्युक्त सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्दिष्ट किया गया:-

1. कालीतप लालेहटा (ज़िला काशी), जिला-कोरिया के इकायन नंमांक / 1050 / लॉनिज / दस्य / 2021 / कोरिया हैनुष्ठानुर, दिनांक 14/07/2021 अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की दूरी पर अवस्थित अन्य खदानों की संख्या निम्नक है। आवेदित खदान (डाक-मुखियालवारा) का क्षेत्रफल 2.023 हेक्टेयर है। खदान की लीमा से 500 मीटर की दूरी पर इकॉनूट/वांगालित खदानों का कुल क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर या उससे कम होने के कारण यह खदान की 2 लीमों की मानी गयी।
2. जानिति हारा विकार विकारी उपर्युक्त सर्वसम्मति से आवेदक - मेसरी भूखियालवारा आईनी रुटीन बडारी (प्रो- बीमारी बीमा शिव) को जाम-मुखियालवारा, लहसील-बगेन्दगढ़, जिला-कोरिया (वर्तमान में जिला-बगेन्दगढ़-पिल्लिपै-भरातपुर) के खदान नंमांक 2/1 में निम्न जानारण पत्थर (मीन लानिज) खदान, कुल क्षेत्रफल-2.023 हेक्टेयर, क्षमता-12,000 टन प्रतिघण्ठे हैं तथा पर्यावरणीय नवीकृति दिए जाने की अनुमति से जड़ी है।

प्राविकरण हारा बैठक में विकार - उपरीकृत छवरण पर प्राविकरण की दिनांक 08/01/2024 को संबन्ध 161वीं बैठक में विकार जिया गया। प्राविकरण हारा नस्ती का अस्तीकन किया गया। प्राविकरण हारा नोट किया गया कि आवेदित क्षेत्र का क्षेत्र की सीमा से 300 मीटर की दूरी पर है। लीया क्षेत्र में कम क्षेत्र की सीमा की दूरी 50 मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र उत्तरानन कार्य किये जाने तथा आयामी उच्ची की वर्तीकर उत्तरानन गोदाना हैं तथा विकार विकार जाने पाले माईनिंग रुटीन में 50 मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र उत्तरानन कार्यालयित अग्रणीयित माईनिंग उत्तरानन प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

प्राविकरण हारा विकार विकारी उपर्युक्त सर्वसम्मति से उपरीकृत तथ्यों के परिषेक ने परीक्षण उपर्युक्त अनुमति किये जाने हैं तथा प्रकरण गो एसडीएसी, उत्तरानन के समान प्रस्तुत किये जाने का निर्णय किया गया।

(३) जानिति की ३११वीं बैठक दिनांक 31/01/2024:



समिति द्वारा नवरी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण कर, समाचार संवैधानिकी से विशेष लिया गया था कि आवेदित क्षेत्र बन हीन यी सीमा से 200 मीटर तक दूरी पर है। लीज क्षेत्र में बन हीन यी सीमा की दरक्फ 50 मीटर और माईगिंग हीन छोड़कर उत्तरानन वर्ती लिये जाने तथा आगामी कार्य की काँचार उत्तरानन योजना हेतु तैयार किये जाने वाले माईगिंग स्टीम में 50 मीटर और माईगिंग हीन छोड़कर संसाधित अनुसूचित माईगिंग एवं प्रदूषकर संसाधित अनुसूचित माईगिंग प्राप्त प्रस्तुत किये जाने वाले आगामी कार्य की काँचार उत्तरानन योजना हेतु तैयार किये जाने वाले माईगिंग स्टीम में 50 मीटर और माईगिंग हीन छोड़कर संसाधित अनुसूचित माईगिंग प्राप्त प्रस्तुत किया गया है। जो यहां अधिकारी, जिला-ग्रन्डकार-डिस्ट्रिक्ट-बालापुर द्वारा दिनांक 10/04/2024 के माध्यम से अनुसूचित किया गया है। इसमें गोदिपन्दी बांधी प्राप्त एलांग विष इन्वायरोमेट मैगेजेट प्राप्त विष फ्रैशरिंग बांधी बालीजर प्राप्त अनुसार वियोलेंजिकल रिजर्व 9,39,481 टन, माईकेल रिजर्व 3,01,309 टन एवं फिल्फॉरेशन रिजर्व 2,86,243 टन है। लीज क्षेत्र में बन हीन यी सीमा की दरक्फ 50 मीटर दूरी छोड़कर जाने हेतु 4,740 कर्गीटर क्षेत्र की ओर माईगिंग क्षेत्र रखा गया है।

उपरीका तथ्य के आधार पर समिति द्वारा विभाव विभाव उपरान वाईसामिली से विशेष लिया गया कि यहां में समिति की 400% फैलक दिनांक 27/06/2023 में पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किये जाने की अनुसंधान यी नहीं थी एवं पुनः अनुसंधान की जारी है। यहां वे निहित की गई तात्त्विक विवरण नहीं हैं।

एवं नवरी पर्यावरण इनाम आकलन प्राप्तिकरण (एसईआईएए), छलीसमाज को तयारूचार शुभेत लिया जाए।

7. नेपारी रु. बलीशाख करवाय रखति जातकीव लिकिला याकिलालय (शुपर वर्पेशियलिटी हारिपटल, अण्डर पी.एम.एस.एस.वाए., कॉज-IV), दाम-हिमाचल, ताहासील-पानाडलपुर, जिला-बस्तर (साधिकालय की नस्ती नमांक 1403) अग्निलालैन जायेदान- प्रपोजल नम्बर - एसआईए/ सीजी/ एमआईएस/ 174473/ 2020, दिनांक 26/09/2020।

प्रस्ताव का विवरण - यह प्रस्तावित सुधार स्पेशियलिटी हारिपटल (अण्डर पी.एम.एस.एस.वाए., कॉज-IV) है। यह हारिपटल दाम-हिमाचल, ताहासील-पानाडलपुर, जिला-बस्तर विष्या खासता नमांक 81 एवं 82, प्लॉट एरिया-41,558.4 कर्गीटर में प्रस्तावित विल्टजार क्षेत्रफल 26,787.27 कर्गीटर के पर्यावरणीय वरीयती हेतु आवेदन लिया गया है। वर्पेशियलिटी का विभिन्न रूपये 42 करोड़ हैं।

वैठकी का विवरण —

(अ) समिति की 342वीं बैठक दिनांक 08 / 10 / 2020:

समिति द्वारा प्रस्ताव की चलती है इस्तुत जानकारी का परेक्षण सहा तत्वान्वय संदर्भान्वय से निम्नानुसार निम्न लिया गया था—

1. शुभि सामित्र दोस्री दस्तावेज प्रस्तुत किये जाएँ।
2. सहम प्राधिकारी द्वारा जारी भवन नियन्त्रण अनुदान की प्रति प्रस्तुत की जाएँ।
3. दूषित जल हेतु प्रस्तावित उपचार व्यवस्था का पूर्ण विवरण, उपचारित हृष्ट जल के उपचार / पुनरुत्पयीय की व्यवस्था का पूर्ण विवरण प्रस्तुत की जाएँ।
4. वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था, पर्यावरणिक बहुत उत्तराधीन नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था का विवरण प्रस्तुत की जाएँ।
5. छोटा अपरिवासी के नियटन हेतु प्रस्तावित व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाएँ।
6. प्रस्तावित चलती वालाम के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाएँ।
7. प्रस्तावित से-साइट में वृक्षारोपण को दाढ़ी त्रुटे वृक्षारोपण की संख्या एवं दोषान्वय का विवरण प्रस्तुत की जाएँ। वृक्षारोपण हेतु वर्तीयीजना प्रस्तुत की जाएँ।
8. बीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रसाव पूर्ण विवरण के साथ प्रस्तुत किया जाएँ।
9. परियोजना प्रस्तावक की आगामी घड़ी की आवश्यित बैठक में उपलेख तथा सुनिश्चित जानकारी / दस्तावेज (अधारन कोटीपाठ्य) सहित प्रस्तुतीकरण किये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाएँ।

लक्षानुसार वर्तीयीजना प्रस्तावक को एसईएसी, उत्तीर्णमय के द्वारा दिनांक 29 / 10 / 2020 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 343वीं बैठक दिनांक 07 / 11 / 2020:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिक्रिया उपलिखत नहीं हुए। वर्तीयीजना प्रस्तावक द्वारा कोई अनुरोध यह प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा तत्वान्वय संदर्भान्वय से नियन्त्रण लिया जाता था कि वर्तीयीजना प्रस्तावक की आगामी घड़ी की आवश्यित बैठक में पूर्ण वृक्षारोपण जानकारी एवं तथा सुनिश्चित जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण किये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाएँ।

लक्षानुसार वर्तीयीजना प्रस्तावक को एसईएसी, उत्तीर्णमय के द्वारा दिनांक 03 / 12 / 2020 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(स) समिति की 344वीं बैठक दिनांक 08 / 12 / 2020:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी लाधक हानी लाधिकरण प्रतिक्रिया उपलिखत हुए। समिति द्वारा चलती, प्रस्तुत जानकारी का जावलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न लिखित पार्ट गई—

1. निकटतम विषय क्रियाकलाली दोस्री जानकारी —

- निकटतम रेलवे स्टेशन जगदलपुर 7.1 किमी की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 5.3 किमी. दूर है। जगदलपुर एवरपोर्ट 9.7 किमी. दूर है।
 - परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी. की वरिष्ठि में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय राजान् अभयारण्य, कोन्टीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित विटिकली बीस्युटेक एरिया, परियोजनालिय संवेदनशील और या घोषित लीवर्डिक्षित क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिपेदित किया है।
2. भूमि संबंधी दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार जास्तीय भूमि रकम 2.35 हेक्टेयर तथा जास्तीय यन भूमि रकम 2.25 हेक्टेयर है। प्रस्तावित युक्त ऐडिशनलिटी होमिपटल के निर्माण हेतु यन भूमि के जापानी भी अनुमति आवायान्त्री/प्रस्तावित प्रस्तुत नहीं की गई है।
3. लेख्ट एरिया क्षेत्रफल -

S. No.	Area Statement	Details (Square meter)	Percentage (%)
1.	Constructed Area (Ground Coverage)	4,232.79	10.19
2.	Open Area	9,260.93	22.27
3.	Parking Area	5,916	14.24
4.	Road and Paved Area	8,422	20.27
5.	Green Belt	13,724.71	33.03
6.	Total Plot Area	41,556.4	100

4. प्लॉट संबंधी विवरण -

Floor	FSI Area (Square meter)	Non - FSI Area (Square meter)
Basement	670.31	354.74
Ground Floor	2,483.88	354.74
First Floor	2,069.36	354.74
Second Floor	2,174.06	354.74
Third Floor	2,069.36	354.74
Fourth Floor	2,484.26	354.74
Fifth Floor	1,943.73	354.74
Sixth Floor	1,691.06	354.74
Seventh Floor	1,620.06	354.74
Eighth Floor	1,620.06	354.74
Ninth Floor	1,620.06	354.74
Tenth Floor	1,620.06	354.74
Terrace	-	212.52
Service Block	-	567.42
Total	22,965.04	4,723.33
Total BUA, (FSI+Non-FSI)		26,787.27
Total Plot Area (As Actual)		41,556.4

5. कार्यालय याप संचालक, नगर तथा द्वारा जिलेता जगदलपुर के इकान जमाना 833/न.वा.नि./अगि./2019/2019 जगदलपुर, दिनांक 17/05/2019 द्वारा जली जिलास जनुआरी की प्रति प्रस्तुत भी गई है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित क्षेत्र नगर नियम के कार्रा और के बाहर होने के कारण

महान निर्माण गी अनुभवी कारपोरेशन कॉलेजटर, जिला-जागदलपुर से प्रकल्प गी गई है।

५. बायु प्रदूषण नियंत्रण — निर्माण के दौरान उपर्यन्त प्रदूषितिव जल की नियंत्रण हेतु शील मैट से इक तर निर्माण किया जाएगा एवं नियमित जल प्रिव्हायर किया जाएगा।

६. टीका अन्वयित प्रबोधन — टीका अपहिष्ठी के निपटान हेतु प्रस्तावित व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है।

७. जल प्रबोधन व्यवस्था —

- जल स्वपत्र एवं स्वीकृत — परियोजना हेतु कुल 518 एकड़ीटर प्रतिदिन (एकड़ीटर 273 एकड़ीटर प्रतिदिन तथा रिसावकल बीटर 245 एकड़ीटर प्रतिदिन) की आवश्यकता होगी। इन्ह नियमावल की विधि रखी जाएगी। जल की आवृत्ति भू-जल के व्यवधान से ही जाएगी। भूमिका जल की उपयोगिता हेतु अनुभवी संचालन आवश्यक बीटर अवृत्तिरिटी से किया जाना प्रस्तावित है।

- जल प्रदूषण नियंत्रण — दूषित जल की मात्रा 270 एकड़ीटर प्रतिदिन उत्पन्न होगा। दूषित जल के उपचार हेतु लीयेज ट्रीटमेंट प्लाट क्षमता 300 एकड़ीटर प्रतिदिन एवं इकाउपट ट्रीटमेंट प्लाट की उपचार प्रस्तावित होना चाहया गया। दूषित जल हेतु प्रस्तावित उपचार व्यवस्था का पूर्ण विवरण (इकाइयार) उपचारित दूषित जल के संपर्क / पुनर्जपयोग की व्यवस्था का पूर्ण विवरण प्रस्तुत नहीं की गई है।

- भू-जल संबंधी इकाइयन — परियोजना स्वाल सेटल आवश्यक बाटर बोर्ड की अनुसार संक जीन में आता है। जिसकी अनुसार—

(अ) बृहद एवं मध्यम छातीगी को रुम से कम 40 प्रतिशत दूषित जल का पुनर्जपयोग एवं पुनर्जपयोग किया जाना है।

(ब) आवश्यक बाटर रिचार्ज हेतु अपनाई चाही उपकरण आर्टिस्टिक / आर्टिफिशियल जल रिचार्ज के उपचार पर भू-जल निकाले जाने की अनुभवी सेटल आवश्यक बाटर बोर्ड द्वारा दिये जाने का प्राकाशन है। आवश्यक जल को रेखावाट आर्टिस्टिक व्यवस्था विक्या जाना आवश्यक है।

८. विद्युत स्वपत्र — परियोजना हेतु 2,700 की जी.ए. विद्युत स्वपत्र होगी। विद्युत की आवृत्ति उपलियागढ बाब्द विद्युत विभाग की लिमिटेड से ही जाएगी। ईकाइयक व्यवस्था हेतु 2,700 की जी.ए. का बी.जी. सेट स्वापित विक्या जाएगा। बी.जी. सेट को ईकाइयक हवलोजर में स्वापित किया जाएगा।

९. युक्तारोपन की विधि — परियोजन के बारी और तथा पटुव मार्ग में हाइट पटिटका का विकास बीजफल 13724.71 एकड़ीटर (कुल बीजफल का 33.03 प्रतिशत) में विक्या जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित रो-आवाट के अनुसार परियोजन के बारी न्यूनतम 10 मीटर बीड़ी हरित घटटी के विकास का प्रक्रम नहीं किया गया है।

१०. ऊर्जा संरक्षण उपाय — परियोजन में रासी रुपती पर इतर्ही लाइट प्रयुक्ति किया जाएगा। सौलर बीटर बीटर की क्षमता की जाएगी। सेंडर सौरपिंग एवं ब्राउन-वे में सौलर एलईडी ब्राउनिंग रिस्टम प्रस्तावित है।

११. रेन बीटर हार्डिंग व्यवस्था हेतु संभावित जल की मात्रा की गणना करने के बारी की संख्या सहित विद्युत प्रवाय प्रस्तुत नहीं किया गया है।

13. गीर्जार (Corporate Environment Responsibility) ईनु विस्तृत प्रकल्प की
किंवद्दण की साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है।

14. समिति के संझान में यह साथ आया कि प्रबन्ध समई राईज बिलिंग की निर्माण
का है। प्रस्तावित क्षेत्र से जगदलपुर एक्सपोर्ट की हड्डी दूरी लगभग 8 किमी है।
इस हेतु भारतीय विभान्यतान प्राविकरण द्वारा जारी अनापलित प्रगाच पत्र की प्रति
प्रस्तुत नहीं की गई है।

समिति द्वारा सत्त्वान्वय संवेदनमहिला से निम्नानुसार निर्णय लिया गया छह—

- प्रस्तावित सुपर स्टेशनरीटी बीलिंग के निर्माण हेतु वन भूमि के उपयोग की
अनुमति जारी जानकारी/दस्तावेज इस्तुत किया जाए। साथ ही वन भूमि को
उपयोग हेतु फोरिस्ट कलीयोजन स्टेज-1 की प्रति इस्तुत की जाए।
- सकाम प्राधिकारी द्वारा जारी याचन निर्णय अनुसार संकेती प्रबन्ध पत्र की प्रति प्रस्तुत
की जाए।
- प्रस्तावित कर्त्ता संझान के उपायी/प्रस्तावी की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की
जाए।
- प्रस्तावित ही-आठट में दृश्यारोपण हेतु न्यूनतम 10 गीटर चौड़ी तरिका पट्टिका को
दर्शाने हुये दृश्यारोपण की संख्या एवं वेक्कल वा विवरण प्रस्तुत की जाए। साथ
ही दृश्यारोपण हेतु कार्योजना प्रस्तुत की जाए।
- गीर्जार (Corporate Environment Responsibility) ईनु विस्तृत प्रकल्प की
किंवद्दण की साथ प्रस्तुत किया जाए।
- ईन गीटर ब्लैकिंग की प्रस्ताव हेतु समावित वह संचाहन की जाजा की गणना
करने हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
- भारतीय विभान्यतान प्राविकरण की प्रस्तावित साई राईज बिलिंग की निर्माण हेतु
जारी अनापलित प्रगाच पत्र की प्रति प्रस्तुत की जाए।
- परियोजना प्रकल्पक से उपरोक्त बिलिंग जानकारी प्राप्त होने पर आगामी
कार्यकारी की जाएगी।

तदानुसार एसडीएसी, ऊर्मिलगढ़ की 349वीं बैठक दिनांक 08/12/2020 के
विनियोग में परियोजना प्रकल्पक द्वारा ही-मेल दिनांक 10/02/2021 से
जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

(ग) समिति की 388वीं बैठक दिनांक 12/02/2021:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं वरीबाह करने पर निम्न
निष्ठियाँ याद रहीं—

- प्रस्तावित सुपर स्टेशनरीटी बीलिंग के निर्माण हेतु वन भूमि के उपयोग की
अनुमति जारी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही वन भूमि
को उपयोग हेतु फोरिस्ट कलीयोजन स्टेज-1 की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।
- सकाम प्राधिकारी द्वारा जारी याचन निर्णय अनुसार संकेती प्रगाच पत्र की प्रति प्रस्तुत
नहीं की गई है।
- प्रस्तावित कर्त्ता संझान के उपायी/प्रस्तावी की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत किया
गया है।

4. प्रस्तावित लै-आउट में कृषकोंपण हेतु न्यूनतम 10 मीटर छोड़ी हारित पट्टियों को दर्शाते हुये कृषकोंपण की संख्या तथा क्षेत्रफल का विवरण प्रस्तुत नहीं की गई है। साथ ही कृषकोंपण हेतु कार्यवोजन का प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव पूर्ण विवरण के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है। सीईआर से पूछ दिये जाने वाले अनुरोध किया गया है।
6. ऐन गोटर हार्डिंग के प्रस्ताव हेतु संभावित जल संग्रहण की मात्रा की गणना करते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।
7. आरक्षीय विभागान्वयन प्राप्तिकरण वी प्रस्तावित हाई कार्डिंग विविध के निर्माण हेतु जारी अनापलित प्रबाल पर की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।

समिति द्वारा उत्तराखण सर्वोच्चाधिकारी से निर्वाचित लिया गया था कि वरियोजना प्रस्तावका बाये पूर्व से जारी नहीं जानकारी एवं समस्त सुलगाता जानकारी / इस्तावोंत सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उदानुसार परियोजना प्रस्तावक की एसईएसी, उत्तीर्णगढ़ की इमार दिनांक 17/03/2021 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(c) समिति ने 384वीं बैठक दिनांक 29/03/2021:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री रामचारू, कार्यवालन अधिकारी, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग नामिता हुए। समिति द्वारा नसी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट बाई गई—

1. प्रस्तावित कृपान स्पेशलिटी हारिटेज के निर्माण हेतु वन भूमि के उपयोग की अनुमति जावत जानकारी / इस्तावेया प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही वन भूमि के उपयोग हेतु फौरिहट जलीयरेस केंज़—। की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित हेज़ में से जासरीय वन भूमि एवं वन 2.25 हेक्टेयर को घटाकर 0.89 हेक्टेयर क्षेत्र विद्युत गया है। जासरीय वन भूमि 0.89 हेक्टेयर के उपयोग हेतु कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, बरलद उन्नतजल जलदलपुर को द्वापन दिनांक 29/03/2019 द्वारा भूमि प्रदाय की गई है। अत वन भूमि के उपयोग हेतु फौरिहट जलीयरेस केंज़—। की आवश्यकता नहीं है।
2. वरियोजना प्रस्तावक द्वारा कहाया गया कि प्रस्तावित निर्माण बरल नदीर फौलिक विमान जलदलपुर की होते ही बहर होने तथा प्रस्तावित हाई कार्डिंग विविध हेतु आम पैदायत के अधिकार सेत्र से बहर होने की कारण भवन निर्माण अनुमा कालेक्टर व अवृत्ति, हाई कार्डिंग विविध, जिला-कस्टर का कार्यकारी विवरण प्रस्तुत किया गया है।
3. प्रस्तावित ही-आउट में कृषकोंपण हेतु न्यूनतम 10 मीटर छोड़ी हारित पट्टियों को दर्शाते हुये कृषकोंपण की संख्या तथा क्षेत्रफल का विवरण प्रस्तुत नहीं की गई है। साथ ही कृषकोंपण हेतु कार्यवोजन प्रस्तुत नहीं किया गया है।
4. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव पूर्ण विवरण के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5. ऐन गोटर हार्डिंग के प्रस्ताव हेतु संभावित जल संग्रहण की मात्रा की गणना करते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।

६. भारतीय विमानवाहन प्राधिकरण से प्रस्तुतिः साईं राई शिल्पिंग के निर्भय हेतु जारी अनापरित प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुता नहीं की गई है।

परिणिति द्वारा वल्साव चर्चसम्मिलि से निम्नानुसार निष्ठय लिया गया था कि:-

१. वगवालय वनमण्डलाधिकारी, बस्तर वनमण्डल, जगदलपुर के द्वायन दिनांक २९/०३/२०१९ द्वारा अस्पताल निर्भय हेतु ००० हेक्टेयर बन भूमि, यज जारी दिनांक हो । यह हेतु प्रदायन की गई थी, जिसकी केवल समाचार ही गई है। अब इसका कृद्धि जारी दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
२. नीडिकल कौलेज के लिए वर्तमान में प्रस्तावित लैंड (पुनरीछित) को हे-आपट में प्रदर्शित करते हुए (खास आदि का उल्लेख करते हुए), न्यूनतम १० मीटर ऊँची हाईल बटिट्वा को वर्तमाने हुए पूरायोग्य की संख्या तथा क्षेत्रफल का विवरण प्रस्तुत किया जाए। साथ ही पूरायोग्य हेतु कार्ययोग्यता प्रस्तुत किया जाए।
३. शीर्षआर (Corporate Environmental Responsibility) हेतु गिरफ्त प्रस्ताव पूरी विवरण के साथ प्रस्तुत किया जाए।
४. हेम बीटर स्लैशिंग के प्रस्ताव हेतु संभावित जल संधरण की वर्तमानी का वर्णन करते हुए गिरफ्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
५. भारतीय विमानवाहन प्राधिकरण से प्रस्तावित साईं राई शिल्पिंग के निर्भय हेतु जारी अनापरित प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
६. परियोजना प्रस्तावके द्वारा उपरोक्त वामस्तु पूरी जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने उपरोक्त आवायी कार्रवाई की जाएगी।

तदानुसार एमडीएसी, छत्तीसगढ़ के द्वायन दिनांक १८/०५/२०२१ के परियोजने वारियोजना प्रस्तावके द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक ०७/०९/२०२२ को प्रस्तुत किया गया है।

(इ) परिणिति की ४२५वीं बैठक दिनांक २१/०९/२०२२-

परिणिति द्वारा जारी, प्रस्तुत पानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने का निम्न नियमित पाई गई।

१. कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, वनमण्डल बस्तर, जगदलपुर की द्वायन झन्नाका/कात झ./१३६२ जगदलपुर, दिनांक १५/०४/२०२१ द्वारा जारी एवं अनुसार “इस कार्यालय द्वारा अस्पताल निर्भय हेतु बन भूमि (झोटे जाने जांगल) खासा द्वायन ४२, वरका ०३९ हेक्टेयर राजस्व भूमि दिया गया है, जिसे जिला कार्यालय एवं अधिकारी परिवाहत राजस्वाधी (दिनांक ०१/०४/२०१९) में आपके द्वारा बन दिया गया है और वर्तमान समय में भी आपके अधिकारी में है। अतः जल भूमि उन नालीनीकरण की कारबद्धता नहीं है।” होना बहावहा नहा है। उचित से यह न्यूट नहीं हो सका की प्रस्तावित परियोजना हेतु खासा द्वायन ४१ का शीतलास एवं खासा द्वायन ४२ का नियन्त्रण-विनाश क्षेत्रफल है तथा उक्ता एवं के किलोमीटर दूर भूमि एवं राजस्व भूमि के अलगता है। अतः इस तरिके में जानकारी मंगाया जाना आवश्यक है।
२. दैडिकल कौलेज के लिए वर्तमान में प्रस्तावित लैंड (पुनरीछित) को हे-आपट में प्रदर्शित करते हुए (खास आदि का उल्लेख करते हुए), न्यूनतम १० मीटर ऊँची हाईल बटिट्वा को वर्तमाने हुए पूरायोग्य की दूसरे संख्या २,०६६ बन तथा क्षेत्रफल १.११२ हेक्टेयर का विवरण प्रस्तुत किया गया है। साथ ही पूरायोग्य हेतु

कार्यपालिका प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार उम्मीद वर्ष में 1,000 नग, द्वितीय वर्ष में 550 नग एवं तृतीय वर्ष में 500 नग खोली या बीमा का नीतिया जाना प्रस्तावित है।

3. परिवेशना प्रकाशक द्वारा सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) द्वारा स्थान निरीक्षण उपकार मिमान्सार प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया :-

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)			
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)		
Following activities at Skill & Economic Development Activities						
			Arrangement for vocational training to interested local youth	8.20		
			Computer Literacy and Assistance to Youth SHGs	8.20		
			Provision of Market linkage for selling the products through training center	8.20		
			Total	24.60		
Education facility						
42.00	2%	104	Donation of computers, books, furniture to village schools	16.40		
			Donation of stationary, books, scholarships to needy students	16.40		
			Maintenance/Repair of village school buildings	13.12		
			Provision of RO System	11.48		
			Total	57.40		
Solid Waste Management Area						
			Solid Waste Treated Through Septic Tank Via Soak Pt	11.46		
			Disposal of solid wastes	9.54		
			Total	21.00		

Rain Water Harvesting		
Surface Water / Runoff Harvesting Techniques	9.84	
Rooftop Water Collection / Rainwater Catchment	5.74	
Water Harvesting Pond / Storage Tank	5.74	
Total	21.32	
Women empowerment		
Assistance to Woman SHGs	8.20	
Vocational Training	8.20	
Total	16.40	
Plantation in Community areas		
Site Prep, Tree Purchase	8.20	
Tree maintenance Mulching	8.20	
Tree maintenance Watering	6.50	
Total	22.90	
Grand Total	164.00	

4. उद्दीप परिवर्त में जल का गुण सान्धीक 22,324 मैट्रीटर है। प्रस्तावित परियोजना हेतु ऐन बीटर हॉर्डिंग व्यवस्था के अंतर्गत 3 नग रिपार्ट स्टुडिएट किंवा बोरोडेट (यात्रा 3 मीटर एवं गहराई 3 मीटर) एवं 5 नग रिपार्ट बैल (यात्रा 1.52 मीटर एवं गहराई 3.06 मीटर) विभिन्न विधि द्वारा प्रस्तावित है।
5. ग्रामीण विनाशकलन प्राविकरण से प्रस्तावित हड्डी चाइज विलिंग के निर्देश हेतु जारी अनापूर्त इमार एवं की प्रति के सम्बन्ध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा एफएस एन्सेटटेस (इमिहिय) प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर (मध्यप्रदेश) द्वारा दिनांक 10/02/2021 द्वारा जारी एवं अनुसार “Under the provision of rule 62(C) (Table 8) of the Chhattisgarh Bhumi Vikash Rules (1984), as per which no NOC is required from airport authority of India (AAI) for the building located more than 3224 M from the nearest Civil Airport and not exceeding the height of 152 M.

In this regard, we have obtained a coordinate certificate from Survey of India, Which mentions that the aerial distance between the above mentioned site and the nearest airport is 9.7 KMs. Hence as per the said guidelines we are not required to obtain NOC from AAI.” की प्रति प्रमुख छह वट्ठ है।

संग्रहित द्वारा उल्लंघन वाली सार्वसम्मति से विभागादर विविध विषय गया था—

- प्रस्तावित परियोजना हेतु रासवा इमार 81 वा हॉर्डिंग एवं रासवा इमार 82 का विताना-वितान फैक्ट्री है तथा उक्त वे वा विताना हॉर्डिंग वरानी एवं रासवा भूमि के अंतर्गत है? इस रासवा में क्या क्या जानकारी प्रस्तुत विषय वाला।

2. प्रस्तावित परियोजना द्वारा 0.99 हेक्टेकर बन भूमि में प्रस्तावित निर्माण हेतु उपयोग में की गई है, वह कौन से उत्तरों की है? स्वास्थ जानकारी प्रस्तुत किया जाए।

3. सेवन दरिया रेटर्मेंट प्रस्तुत किया जाए।

4. वास्तव में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित भूमि हेतु है—स्वास्थ फलन के लिए वर्किल प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त परियोजना/प्रस्तावित द्वारा होने वाली उपलब्ध आवासी कार्यकारी की जाएगी।

द्वायनुसार एसडीएसी, उत्तीर्णगढ़ की जायगा दिनांक 09/11/2022 के परिपेक्ष में प्रस्तावित द्वारा जानकारी/प्रस्तावित दिनांक 17/01/2024 की प्रस्तुत किया गया है।

(३) समिति की इनहीं बैठक दिनांक 27/02/2024:

समिति द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठा पाई गई—

1. प्रस्तावित परियोजना हेतु उत्तरा इनांक 01 वा क्षेत्रफल एवं उत्तरा इनांक 02 का विवर—विलेना क्षेत्रफल है तथा उसमें से विलेना क्षेत्रफल वनभूमि एवं सज्जन भूमि के अंतर्गत है? इस संबंध में स्वास्थ जानकारी द्वायनुसार प्रस्तुत किया गया है—

S No.	Khasra No.	Forest land area (m ²) (a)	Revenue land area (m ²) (b)	Area of site demarcation (m ²) (c) = (02+03)	Area of site (as per survey) (m ²) (d)	Net Area of site (as per survey) (m ²) (e)	Built-up Area of site (as per survey) (m ²) (f)	For proposed project
01.	01		23,500					Hospital Building
02.	01/1 part of 01		22,250					Hospital Building
03.	02							
i.		9,900		44,750 (11.06 acres)	42,970.5 (10.62 acres)	41,586.4 (10.37 acres)	38,787.27	Hospital Building
ii.		9,920						Community Centre
iii.		2,680						Road work
Total		22,500						
Total								

2. प्रस्तावित परियोजना द्वारा 0.99 हेक्टेकर बन भूमि में प्रस्तावित निर्माण हेतु उपयोग में लिया जाने वाला उत्तरा इनांक 02 है। इस संबंध में जनजीवन वनभूमिकारी, वनभूमिकल प्रतिक्रिया एवं जगदलपुर की जायगा ३/१०५/१२५७/जगदलपुर दिनांक २९/०३/२०१९ द्वारा अदिवायम २००८ की भाँति ३(३) के द्वारा अस्पताल निर्माण हेतु बन भूमि प्रदाय द्वायत पत्र जारी किया गया है। विशेष जनजीवन “जगदल पार्क एवं वन भूमि के भीतर जारी नहीं किया जाता है तो जीवनशुद्धि उपर्युक्त निर्माण ही जायेगा।” का उल्लेख है।

इस संकेत ने सामिलि का मत है कि वन-पिंगल द्वारा असमिया निर्माण हेतु उक्त जारी पत्र की फैलाव समर्पण हो चुकी है। सब ही सामिलि द्वारा यही याद गया कि सामुदायिक क्षेत्र फिर्मान हेतु उक्त उम्माक 82, रक्कड़ 0.963 हेटेपर साइक निर्माण हेतु उक्त उम्माक 82, रक्कड़ 0.268 हेटेपर के लिए वन-पिंगल द्वारा जारी पत्र की फैलाव समर्पण हो चुकी है। आरे सामिलि का मत है कि वन-पिंगल द्वारा निर्माण कार्य हेतु ऐप पत्र की जीवि प्रस्तुति फैला जाना आवश्यक है।

३. लेख एवं एसिया स्टेटमेंट प्रस्तुत किया गया है जो निम्नानुसार है—

AREA CALCULATION					
S. no.	Block	Ground Coverage (m ²)	Floor No. Numbers	Total Built- Up Area (m ²)	Height (m)
1.	Hospital	3,133.46	B+G+10	22,065.04	47.55
2.	Service Block	799.9	G	567.42	-M
3.	STPI/ETP	300	L/G	300	-M
TOTAL		4,232.76		22,065.04	

४. बास्तव में उपरोक्त की जाने वाली प्रस्तुतियाँ भूमि हेतु से—आवाट फैलन के एवं एवं फाईल लहित प्रस्तुत किया दिया है।

सामिलि द्वारा लक्षण्य भावेसम्बन्धि से निम्नानुसार निर्माण किया गया था—

१. वन-पिंगल द्वारा वन भूमि में निर्माण कार्य हेतु की पत्र की जीति (वन कक्ष उम्माक लक्ष्य लोकल आदि का उल्लेख करती हुई) प्रस्तुत किया गया। सब ही विना अनुमति के निर्माण कार्य किया गया है? यी उसकी भी प्रस्तुत जानकारी फौटोग्राफ्स जाहिल प्रस्तुत किया जाए।
२. भास्त जरकार, वर्कोवरफ, वन और जामवाम् परिवर्तन व्यावाह्य की अविसूचना का, आ. ८०४(अ), दिनांक १४/०३/२०१७ के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लखिय नहीं है। इस बाबत् जामवा पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
३. इस परियोजना/खदान ने संबंधित कोई व्यावाह्यीन प्रकरण देश के अंतर्गत जिसी भी व्यावाह्य में लखिय नहीं है। इस बाबत् जामवा पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त जाहिल जामवारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने सुपराह जागरी कार्यकारी की जाएगी।

एवानुसार एसईएसी, छत्तीसगढ़ के इामन दिनांक २९/०४/२०२४ की वरिष्ठत्व में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक २४/०४/२०२४ को जामवारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया।

(४) सामिलि की ५३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४:

सामिलि द्वारा नस्ती प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धि पाइ गई—

१. बाबहात्य उम्माकल्लीलिकारी, बनगढ़ल बस्तर, जगदल्लुर के इामन उम्माक/कर्त. श./१८८४ जगदल्लुर, दिनांक १५/०४/२०२१ द्वारा जारी पत्र अनुसार “भूमि उपरोक्त भूमि का अधिकार निर्दिष्ट समयावधि (०१.०४.२०१९) में आपके द्वारा वन लिया गया है और वात्तव्य समय में भी आपकी अधिपत्त्य में है। आप उक्त भूमि का अधीनीकरण की आवश्यकता नहीं है।” का उल्लेख है।

- मारता नामकार, वार्षीयराय, बन और जालवायु चिकित्सीन मरणालय की अधिभूतना का आ-804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत होई प्रस्तुति का प्रकरण संकेत नहीं है। इस बाबत प्राप्त यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- इस परियोजना/बदान से संबंधित होई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत विनी भी न्यायालय ये लिखित नहीं है। इस बाबत प्राप्त यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विधार, विमर्श सचिवालय सर्वोच्चमंडली ने गोपनी ल. छलीशम काहयप रामूर्ति नामकीय विकितना न्यायालयीय (सुप्रम स्पेशिलिटी हाउस्टेट, अप्पल वी.एम.एस.एस.एए. फॉज-IV) को याम-विनायक, ताहसील-जगदलपुर, जिला-बलाज जिला दादरा क्रमांक 81 एवं 82, घोट दूरिया-41,568.4 बर्गमीटर में प्रस्तावित डिल्टरप वीडफल 28,787.27 बर्गमीटर हेतु चट्टिशाह-07 में वर्णित गाँव के अधीन पर्यावरणीय नीतिकृति विद् यामे की अनुशंसा की गई।

एवं सतीय पर्यावरण प्रभाव अन्वयन प्राप्तिकरण (एसईआईएए), छलीशम नो दादरा नामक शूष्यता किया जाए।

- मेलानी जिला लक्ष्मि स्टोन गार्डन (प्री- भी विव बुमार आयवाहन), याम-सलिला, ताहसील-विलाईगढ़, जिला-बलीदावायार-भद्रापारा (न्यायालय बन नमी क्रमांक 1942)

ओनलाईन आवेदन — प्रयोगल नम्बर — एसआईए/ सौली/ एसआईए/ 256448/ 2022, दिनांक 26/02/2022 द्वारा पर्यावरणीय नीतिकृति हेतु ओनलाईन आवेदन किया गया है; विविधोंपाना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कर्तीकी होने की घावन दिनांक 14/03/2022 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्दिष्ट किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा वाधिक जानकारी दिनांक 02/07/2022 को ओनलाईन प्रस्तुत की गई।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से जानवालित द्वारा प्रस्तुत (वीप्र रामेश) दादान है। दादान याम-सलिला, ताहसील-विलाईगढ़, जिला-बलीदावायार-भद्रापारा जिला दादरा क्रमांक 189/2, कुल हेक्टेक्ट-0.303 हेक्टेयर में है। दादान की आवेदित अवलम्बन क्षमता-1,072.7 टन प्रतिवर्ष है।

दादरा नामक विविधोंपाना प्रस्तावक को एसईएसी, छलीशम नो दादरा दिनांक 19/10/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु वाधिक किया गया।

टेक्को का विवरण —

- (अ) समिति वी 431वी बैठक दिनांक 26/10/2022;

प्रस्तुतीकरण हेतु भी दीपक बुमार देवालन, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नमी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन द्वं परिवर्तन करने पर विम्ब विधति पाई गई—

- पूर्व में जारी पर्यावरणीय नीतिकृति संबंधी विवरण—

- पूर्व में द्वारा प्रस्तुत दादान दादरा क्रमांक 189/2, कुल हेक्टेक्ट-0.303 हेक्टेयर, क्षमता-1,072.70 टन प्रतिवर्ष हेतु जिला सतीय पर्यावरण नामांगन प्राप्तिकरण, जिला-बलीदावायार-भद्रापारा द्वारा पर्यावरणीय नीतिकृति

दिनांक 14/02/2017 को जारी की गई। यह बहीकूली जारी दिनांक से 5 वर्ष तक की अवधि हैंगु थिए थी।

- i. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्टॉकलि की गती के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत नहीं थी गई है। जानित का भल है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत कंजीय कार्रवाई, भाला सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन भवालय, राजपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय कीमती जा यातन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- ii. निर्वाचित राजनीतिक दृष्टिकोण नहीं किया गया है।
- iii. स्मृति का भल है कि विनाश कर्ता में किंवदं गवे उल्लंघन की अवाल जानकारी खानित विभाग से प्राप्तिवित करके उप प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
2. शाम पंचायत का अनावरित प्रभाग बता – उल्लंघन एवं जनार की स्थापना के अन्तर्में शाम पंचायत कानिकाधार जा दिनांक 25/06/2008 का अनावरित प्रभाग बता प्रस्तुत किया गया है।
3. उल्लंघन गोदान – कारी पतान, इन्हाकरोमेट कैनेजमेट ज्ञान एवं कारी वलीजर पतान प्रस्तुत किया गया है, जो उप संचालक (खनि प्रशासन), जिला-बलीदावाजार-भाटापारा के ज्ञापन क्रमांक 1028/ख.सि./टीम-1/2016 बलीदावाजार, दिनांक 20/12/2016 द्वारा अनुमोदित है।
4. 800 गोटर की परिवि में विधाय चाहान – कार्यालय बरेनगढ़ (खनिज राज्य), जिला-बलीदावाजार-भाटापारा के ज्ञापन क्रमांक/1044/ख.सि./2021 बलीदावाजार, दिनांक 10/01/2022 के अनुसार आवेदित छाता से 800 गोटर के भीतर अवस्थित 3 लाघाने लोकपाल 4483 हेक्टेयर है।
5. 200 गोटर की परिवि में किया स्वर्विजित कीज/संरक्षणाए – कार्यालय कलेक्टर (खनिज राज्य), जिला-बलीदावाजार-भाटापारा के ज्ञापन क्रमांक/1044/ख.सि./2021 बलीदावाजार, दिनांक 10/01/2022 द्वारा जारी इमार पञ्च अनुसार चाहान चाहान से 200 गोटर की परिवि में कोई भी सार्वजनिक कीज जैसे महिर, खड़िजाए, बरापट, अस्पताल, उच्चार, युल, इनीकट, बांध एवं जल आपूर्ति आदि प्रशिवित कीज रिक्त नहीं है।
6. भूमि एवं लीज जा विवरन – भूमि एवं लीज भी शिवकुमार जायसवाल के नाम पर है। लीज की अवधि 5 वर्षीय अवधि दिनांक 17/02/2009 से 16/02/2014 तक की अवधि हैंगु थिए थी। उल्लंघनाए लीज की 25 वर्षीय अवधि दिनांक 17/02/2014 से 16/02/2039 तक की अवधि हैंगु विसारित की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – जो 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की दृष्टि प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनावरित प्रभाग बता – कार्यालय बनमापकलालिकारी, बलीदावाजार उमणपहुल, बलीदावाजार के ज्ञापन क्रमांक/राजनीती/खनिज/2022/1735 बलीदावाजार, दिनांक 17/06/2022 से जारी अनावरित प्रभाग एवं अनुसार आवेदित कीज निकटाम बन कीज की जीमा से 12 किमी की दूरी पर है।
9. महलापूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटलग आवादी याम-सलिला 515 गोटर, स्वस्त याम-सलिला 515 गोटर एवं अस्पताल याम-सलिला 515 गोटर की दूरी

जहा स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 830 मीटर एवं राजमार्ग 46 किमी दूर है। महानदी 670 मीटर, वासा 1.33 किमी, और तालाब 1.47 किमी, यहाँ है।

10. परिस्थितिकीर्ति/सौदकिकरण संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रसारण के द्वारा 10 किमी की परिधि में अंतर्राज्यीय सीमा राष्ट्रीय राजान् अभ्यासग्राम, गोन्दीय प्रदूषण प्रबंधन कोई द्वारा प्रभावित फ़िटिकली चैम्पुटेड एरिया, परिस्थितिकीर्ति संवेदनशील क्षेत्र का घोषित उपकारिता क्षेत्र विभा नहीं होना चाहिए दिया गया है।
11. खदान संपदा एवं खदान का विवरण – जियोस्ट्रोजिकल रिवर्ड 30,300 टन, माइनिंग रिवर्ड 11,918 टन एवं निकारेशल रिवर्ड 10,728 टन है। सीज भी 7.5 मीटर और तीव्र सीमा पट्टी (उत्तरानन के लिए इतिहायित बीच) का बीचकल 1,813.00 वर्गमीटर है। ओवन कास्ट तीव्र गैकेन्ट्राइज्म लिये गए उत्तरानन किया जाता है। उत्तरानन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 6 मीटर है। सीज बीच में उत्तरी मिट्टी की गोलाई 2 मीटर वही, जिसका उत्तरानन पूर्ण में ही किया जा सकता है। देख की गोलाई 1.5 मीटर एवं गोलाई 1.5 मीटर है। खदान की समाप्तिअवृ 10 वर्ष है। सीज बीच में काला रसायनित नहीं है एवं इसकी लगापना का प्रसारण नहीं किया जाता है। जैव हिन्द से ब्रिलिंग एवं राष्ट्रीय स्टारिंग किया जाता है। खदान में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का चिह्नकाम किया जाता है। वर्षायां प्रस्तावित उत्तरानन का विवरण निम्नानुसार है—

वर्ष	प्रस्तावित उत्तरानन (टन)	वर्ष	प्रस्तावित उत्तरानन (टन)
प्रथम	1,072.70	प्रथम	1,072.70
द्वितीय	1,072.70	द्वितीय	1,072.70
तीसरी	1,072.70	तीसरी	1,072.70
चतुर्थ	1,072.70	चतुर्थ	1,072.70
पंचम	1,072.70	पंचम	1,072.70

12. जल आपूर्ति — परियोजना हेतु जलसंग्रहक जल की साझा 4 मानसीटर प्रतिदिन होती है। खदान में विभिन्न क्रियाकलापों (जल डिक्कनाय, युआरोपन) हेतु जल की आपूर्ति आवायास लियते गिरिये खदानों में एकप्रति जल एवं देखकल की आपूर्ति दृष्टि देख के माध्यम से ही जाती है। इस बाबत सामाप्ति प्रमाण एवं प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

13. प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रसारण का द्वारा कहाया गया कि देखकल की आपूर्ति दृष्टि देख के माध्यम से ही जाएगी। इस संबंध में जलके द्वारा वह संपर्क नहीं किया गया है कि प्रस्तुतीप्रति दृष्टि देख सार्वजनिक ही अवका नियो?

- I. यदि लियत दृष्टि देख सीज बीच के गोलर अवगत अन्य उपराज एवं व्यवितरण ही हो तो भू-जल की उपयोगिता हेतु सेन्ट्रल प्रारम्भ मीटर अपीली की अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- II. यदि दृष्टि देख सार्वजनिक ही हो तो जल आपूर्ति हेतु पान वैधाया का अनाप्ति प्रमाण एवं प्रत्युत किया जाना आवश्यक है।

14. युआरोपन कार्य — सीज बीच की सीमा में आरो और 7.5 मीटर की पट्टी में 100 नये युआरोपन किया जाएगा। यामिति का बता है कि सीज बीच के आरो और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में युआरोपन हेतु पौधों का लोपण, पोसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए ५ वर्षों का राटकामार व्यव का विवरण जिसका प्रसारण नहिं प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

15. सहान की 7.5 मीटर की ओरींसी सीन पट्टी में उत्खनन – लौज दोष के बारे और 7.5 मीटर की ओरींसी पट्टी का युल ईडमल 1,513.08 वर्गमीटर क्षेत्र है। जिसमें से 2 मीटर की व्यापुरी तक कायी मिट्टी उत्खनित है। जिसका उत्खनन अनुमतिएट भार्डिंग प्लान में किया जाता है। अतः प्रतिबिधि 7.5 मीटर की सीन पट्टी में उत्खनन किया जाना पर्यावरणीय सीकूपी की शर्त का उल्लंघन है। परियोजना प्रस्तावक के विलक्षण नियन्त्रणार प्रबलवक उपकारक कायी की किया जाना आवश्यक है।

16. उत्खननीय है कि भारत सरकार, पर्यावरण, तथा एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नहीं दिल्ली द्वारा नीन चोल भार्डिंग प्लाइन्टका ऐसु नामक पर्यावरणीय कार्यालय की वही है। कार्य कार्यक व्हाइट के अनुसार—

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

एका भानक कार्य के अनुसार भार्डिंग लौज दोष की अवधि 7.5 मीटर की ओरींसी जोन में दृश्यानुभव किया जाना आवश्यक है।

17. कौपरिट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) — परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) ऐसु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया जाता है। समिति का मत है कि सरकार द्वारा का कियारह समिति विस्तृत प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उत्थान भाईसामिति से नियन्त्रणार निर्भय किया गया वह—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का उत्थान प्रतिवेदन एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय भारत सरकार, पर्यावरण, तथा और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से मियादे जाने हेतु पत्र सेवा किया जाए।
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में दृश्यानुभव हेतु निहित कार्य के प्रत्यन्तर्याम द्वारा हीत में दृश्यानुभव कर जियोटेक फोटोग्राफ्स (Geotag photographs) विहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. किमल कार्य में दियी गयी उत्थान की अद्यान जानकारी समिति किमल से प्रमाणित करान्तर प्रस्तुत किया जाए।
4. पैदावाल की आपूर्ति दृश्य वैत की मायन से किये जाने के ताक्षण में उनके द्वारा यह उपर्युक्त मत्ती किया जाता है कि प्रस्ताविता दृश्य वैत सार्वजनिक है अथवा नियती?
 - i. यदि किया दृश्य वैत लौज दोष की भीतर कायी जाना उचित पर व्यक्तिगत ही लौज भी तक की उपर्योगिता हेतु सेन्ट्रल राजनव गीटर अफीरिट से अनुमति प्राप्त किया जाए।
 - ii. यदि दृश्य वैत सार्वजनिक ही तक आपूर्ति हेतु याम उत्थान का अनुप्राप्ति प्रस्ताव पत्र प्रस्तुत किया जाए।

5. लौज कीज के बारी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में कृषानीयण हेतु कैसी कम संकेतण, कॉलिंग, खाद एवं जिवाहादु तथा सख-सखाव के लिए ५ बारी का अटकनार आव या विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
6. बीड़ आद. का अटकनार आव या विवरण सहित विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
7. माईन लौज कीज के बारी और 7.5 मीटर बीड़ सेक्टी जीन के बुध मार में किये गये संरक्षणन के कारण इस बीज के उपचारी प्रक्रियाँ (Remedial Measures) के संकेतण में तथा लौज कीज के अंदर माईनिंग क्रियाकलालयों के कारण उत्पन्न ड्रूपण की विवरण हेतु आवश्यक संपाद्य यथा कृषानीयण आदि के लिये समुचित उपायों वाला संचालक, संचालनार्थी, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंदाधनी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर (प्रलीकरणदु) की पत्र लेख किया जाए।
8. प्रतिशतिल ७.५ मीटर बीड़ी सीमा पट्टी में अंदिय संरक्षण आव या विवरणानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु संचालक, संचालनार्थी, भीमिकी तथा खनिकर्म एवं पर्यावरण की भूति पहुंचाने हेतु छलीकरणदु पर्यावरण संचालन अटल, नवा रायपुर अटल नगर यो अवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु पत्र लेख किया जाए।
9. कंट्रोल ब्लास्टिंग किये जाने वाला रायपुर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. माईनिंग लौज कीज के अंदर संघर्ष कृषानीयण किये जाने एवं संप्रिति पैकी का सरकाईवाल रेट (Survival rate) ९० प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला रायपुर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कम्प्लेशन नियम (Minerals Concession Rules) के तहत कार्यवाही क्रियान्वयन का कार्य कृषिशिवत किये जाने वाला रायपुर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. परियोजना प्रस्तावक कार्यवाही की प्रकार का दृष्टित जल वत प्रवाह प्रबूलिया जल संकेत, राजावाद, बडी, नाला में नहीं किये जाने एवं वृक्षों संख्या क्रिये जाने वाला रायपुर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. छलीकरणदु आदर्श नीति के तहत स्थानीय स्थोगी को जीजगार दिये जाने हेतु रायपुर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा अंदरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए तो उनके विस्तृत इस परियोजना / खदान से संबंधित कोई नवायालालीन प्रकरण देश के अंतर्गत वित्ती या नवायालय में लिया नहीं है।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा अंदरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए तो उनके विस्तृत भारत नवायार, पर्यावरण, वन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय की अधिकृत्यना का ता. ४०४(अ), दिनांक १४/०३/२०१७ के अन्तर्गत कोई वालालेन का प्रकरण लिया नहीं है।

उपरोक्त सनस्त दूरी यानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने वापर्ति आगामी कार्यवाही तीव्रगी।

वायनुसार एसडॉएसी, छलीकरणदु के द्वारा दिनांक २८/१२/२०२२ के परिणय में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक २८/०३/२०२३ की यानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(६) रायिती की 483वीं बैठक दिनांक 10/05/2023:

समिति द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जानकारी का अनलोडन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठित चारों गढ़—

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता की जाती के पालन में तीन गढ़ कर्तव्याधीनी की जानकारी प्रस्तुत की गई है। रायिती का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, जन एवं जलवाया परिवर्तन गतालय, राष्ट्रपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता में कृषाणीपण हेतु निश्चित जाती के पालनार्थ जलवायन शीर्ष में कृषाणीपण कर जिकोटीग फोटोग्राफ्स (Geotag photographs) नहिं जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
- कार्यालय कलेक्टर (विभिन्न जारा), डिल्टा-सारंगड-डिल्टाइंगड के ज्ञान अमांक 30/ख.लि.1/2023 सारंगड-डिल्टाइंगड, दिनांक 19/01/2023 द्वारा जारी इमारत पर अनुसार दिग्गत जाती में किये गये उल्लेखन की जानकारी निम्नानुसार है—

वर्ष	प्रत्याहन (टन)
2016-17	निरंक
2017-18	26
2018-19	145
2019-20	165
2020-21	95
2021-22	50
2022-23 (दिसम्बर तक)	निरंक

- जल की आमूली जान पर्यायत द्वारा टैकर के माध्यम से किये जाने वाले जान पर्यायत सलिलावाट का जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया गया है।
- लीज शीर्ष की ओर में जारी और 7.5 मीटर की पट्टी 2 मीटर की गहराई तक उल्लंघित होने के कारण 100 नग कृषाणीपण को सबूत के जाल-पाल के शीर्ष, नदीनदि उपरी जान पर्यायी भूमि, जल की जिजी भूमि, जलवायन के पहुंचानी, जलप्रयोग राज्यमार्ग एवं पर्यावरण छोड़ आदि वे जिन्हें जाने वाले प्रतीकर्ष 25 नग कृषाणीपण किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

रायिती का मत है कि प्रस्तावित 100 नग कृषाणीपण की ऊपर यहाँ से ही पूर्ण किये जाने हेतु उल्लंघित लीज शीर्ष की ओर में जारी और 7.5 मीटर की पट्टी को पुनर्निर्माण कर दीजिए, जाल एवं सिंचाई तथा रक्ष-रक्षण के लिए 5 अंची कर घटकवार व्याय का विकास विकृत प्रस्ताव नहिं प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- सीईआर (Corporate Environmental Responsibility) का प्रत्यक्षार व्याय का विवरण जाहिर विकृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस संकेत में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जान पर्यायत सलिलावाट की शहमति पर के माध्यम से सीईआर (Corporate Social Responsibility) के सहत किये गये कार्यों की जानकारी जल जान पीने योग्य जानी हेतु टैकर जलवायन कराया, सामुदायिक भवन जी जलमाता व पर्यावरण कार्य, गवि के दोनों विनारे में कृषाणीपण, बहारों को

लिये द्वारा नकारात्मक विचारों का विवरण एवं समूह में जानी हेतु उपलब्ध कराया जाना चाहिए गया है।

समिति का यह है कि सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत आनंदीय समूह अथवा संबंधित द्वारा प्रकाशित की सहभागी उपलब्ध प्राप्त आनंदीय भूमि में सीएसआर (Corporate Social Responsibility) के तहत किये गये कार्यों को अतिरिक्त अत्यधिक प्रस्ताव विवरण सहित प्रस्तुत लिया जाना चाहिए गया है। यदि वृक्षालोपण कार्य प्रस्तावित किया जाता है, तो वृक्षालोपण हेतु लोगों का रोपण (५० अंतिश्वास जीवन दर सहित), सुखा हेतु प्रोसेस, आदि एवं सिंचाई तथा रक्षा-रक्षण जैसे किये जाने वाले व्यवस्थाएँ व्यवस्थाएँ का विवरण सहित विवरण प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना चाहिए गया है।

7. कन्ट्रोल अवार्डिंग किये जाने वाले आवश्यक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. माईनिंग सीज लोअर के अंदर साधन सुधारणाएँ किये जाने एवं लोपित लोगों का साकार्त्तव्य रेट (Survival rate) ७० अंतिश्वास अनुनिश्चित किये जाने वाले आवश्यक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. अरियोजना प्रस्तावक द्वारा विनाशक कानूनीय नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बालाघटी फिल्सरी द्वारा नीचताने जू यार्ट शुनिश्चित किये जाने वाले आवश्यक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. अरियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी उकार का दूषित जल का प्रबल्ल प्राकृतिक जल स्तरों, जलालय, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसकी संखात किये जाने वाले आवश्यक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. छलीसमझ आदानी पुनर्गांव नीडी जो तहत स्थानीय लोगों को जालागार दिये जाने हेतु आवश्यक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. अरियोजना प्रस्तावक द्वारा उन्दरांतिक (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विस्तृत आठ जलस्तरों, यांत्रिक तथा और जलालय परिवर्तन अंतर्गत की अविसूचित कारबा. ४०५(अ), दिनांक १४/०३/२०१७ की अवधि कोई उल्लंघन का प्रवारपण नहीं है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उन्दरांतिक (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विस्तृत आठ जलस्तरों, यांत्रिक तथा और जलालय परिवर्तन अंतर्गत की अविसूचित कारबा. ४०५(अ), दिनांक १४/०३/२०१७ की अवधि कोई उल्लंघन का प्रवारपण नहीं है।

समिति द्वारा सलामद संवैधानिकी ने विनाशक विनायक लिया गया था—

1. एकीकृत स्थानीय कारबांद, भारत द्वारा, व्याविधि, तथा एवं जलालय परिवर्तन संवैधानिक नया वायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी यांत्रिक स्थीरता का गालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. प्रस्तावित १०० नग वृक्षालोपण की प्रवर्णन वर्ष में ही पूर्ण किये जाने हेतु उन्नतिम लौज क्षेत्र की सीमा में जारी और ७.५ मीटर की पट्टी को पुनर्भवय तथा पौधों या रोपण, प्रोसेस, आदि एवं सिंचाई तथा रक्षा-रक्षण के लिए ५ वर्षों का पटकवाद व्यवस्था विवरण प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
3. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत आनंदीय समूह जलवाया संबंधित द्वारा प्राप्त आनंदीय भूमि में सीएसआर (Corporate Social Responsibility) के तहत किये गये कार्यों के अतिरिक्त

जन्य प्रस्ताव विस्तृत विवरण जाहिल प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। यदि मूलांकोपण का एवं प्रस्तावित किया जाता है, तो मूलांकोपण हेतु पीछी या रीफर {90 दिनोंहत पीछे दह सहित} सुखा हेतु पीसिंग चाहे एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का सटक्कार व्यय का विवरण जाहिल प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

उपरीका जाहिल जानकारी/इसायेज प्राप्त होने समर्थन जागानी कार्यकारी की जाएगी।

तदानुसार एसडीएसी, अलीगढ़ के इकान दिनांक 04/04/2023 के परिणाम से परिधीजनन प्रस्तावक द्वारा दिनांक 26/04/2024 को जानकारी/इसायेज प्रस्तुत किया गया।

(म) समिति की 633वीं बैठक दिनांक 30/05/2024-

समिति द्वारा जाली प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परिणाम करने पर निम्न सिफारिश दी गई:-

- एकीकृत हीनीय कार्यकार चारत सरकार, उद्योगसभा, या एवं जलवायु परिवर्तन प्रजातान् नक्ष राज्यपुर छाटल नक्ष से पूर्व में जाली पर्यावरणीय हीनीकृति का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के व्यवय ने परिधीजनन प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जाली पर्यावरणीय हीनीकृति को जाली के पालन में की गई कार्यकारी की स्व-प्रबाधित जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति द्वारा नोट किया गया कि पूर्व ने एसडीएसी, अलीगढ़ के इकान दिनांक 14/3, दिनांक 13/05/2023 द्वारा "Clarification Requested on Requirement of Certified Compliance Report (CCR) in Non-Coal Mining Proposals without Expansion." के संक्षे में चारत सरकार, पर्यावरण, या एवं जलवायु परिवर्तन बंडलय नई टिली को मार्गदर्शन के लिए पत्र प्रेषित किया था एवं इस परिपेक्ष्य में मार्गदर्शन प्राप्त नहीं हुआ है। मार्गदर्शन प्राप्त होने पर तदानुसार व्यवयकारी की जाएगी।
- प्रस्तावित 100 नव मूलांकोपण को प्रधन वर्ष में ही पूर्ण किये जाने हेतु सम्भागित लौज शीत्र की सीमा में आठी और 7.5 मीटर की पट्टी को पुनर्जनय कर प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार खींची के लिए राशि 8,000 रुपये, पीसिंग के लिए राशि 22,800 रुपये, चाह के लिए राशि 1,200 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 6,000 रुपये, रख-रखाव के लिए राशि 12,000 रुपये, सट्ट सप्लेशन के लिए राशि 6,000 रुपये, इस प्रकार युल राशि 54,000 रुपये प्रधन वर्ष हेतु एवं कुल राशि 96,000 रुपये जागानी चाह वर्षी हेतु घटकावार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
- परिधीजनन प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
30		0.60	Following activities at, Village-Sallihgat:	
Pavitra Van				1.73

		Norman	Total	1.73
--	--	--------	-------	------

4. श्रीहीराम के अतीत यात्रियों का निर्णय की सहज (व्यवसाय, काटहल, वीचल, बैल, आवला एवं जामुन) 50 नग युक्तार्थियों हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार यीकारी को लिए राशि 6,500 रुपये, योगिता को लिए राशि 25,000 रुपये, सिंघारी को लिए राशि 5,000 रुपये, राघ—द्वारा एवं अन्य आदि के लिए राशि 12,000 रुपये हुआ प्रकार इधर यहाँ में कुल राशि 48,500 रुपये रुपया आवासी 4 घरों में कुल राशि 1,34,500 रुपये हेतु धारकवान व्यव या विवरण प्रस्तुत किया गया है। यानियोजना प्रस्तावका द्वारा यहाँ संचायित भालिहापाट के सहमति उपरांत प्रधारीय खान (खानार अनांक 190/३ एवं 190/५, शेत्रफल 1.43 एकड़ेयर) के लोकों में जानकारी प्रस्तुत की गई है।
5. सभिती का मत है कि श्रीहीराम एवं युक्तार्थियों को नीचिटिंग द्वारा पर्केटिंग हेतु डि-एक्सीय समिति (प्रोपर्टीहॉटर/प्रतिनिधि, दान चंद्राका के यदायिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या अस्ट्रीलियाइ पर्यावरण भौजाय मम्हता के यदायिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। यहाँ ही श्रीहीराम एवं युक्तार्थियों का कार्य पूरी किये जाने के सुविधात गठित डि-एक्सीय सभिती से बालिहापाट कराया जाना आवश्यक है।
6. मानवीय एनजीटी, डिपोल विधि, नई दिल्ली द्वारा सतर्ही एवं एक्स्ट्रेय विकास भारत वारकार, पर्यावरण, जन और जलवाया वरित्ततेन समाजक, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजिनल एडिनेक्टन नं. 186 ऑफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 वो परिवर्त आयोजन में गुणवत्ता के संबंध में निम्नानुसार विवेचित किया गया है:-
- a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha, falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- सभिती द्वारा विचार विभाँ उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया है-
1. दायीलय कलेक्टर (व्यानिक ताका), जिला—बलीदाबाजार—भाटापारा के ज्ञापन अनांक / 1044 / रख.लि./ ३०२१ बलीदाबाजार, दिनांक 10/01/२०२२ के अनुसार अधिकृत खदान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित ३ खदानों की शेत्रफल ४.463 हेक्टेयर है; आवेदित खदान (दाम—लालिहा) का शेत्रफल ०.३०३ हेक्टेयर है। इस प्रकार आवेदित खदान (दाम—लालिहा) का शेत्रफल ४.७६६ हेक्टेयर है। खदान की लीमा से 500 मीटर तक परिषित में तीव्रकृति/संचालित खदानों का कुल शेत्रफल १ हेक्टेयर या उससे कम होने के कारण यह खदान दी-२ लंबी की भाँती गयी।
 2. गेवाली लालिहा लालून स्टोन लाईन (प्रो.— ली हिंद युक्त व्यायवसाय) की दाम—लालिहा, तालीली—लिलाईगढ़, जिला—बलीदाबाजार—भाटापारा के खसरा अनांक 189/२ में लिखा चुना पत्रक (गोपन जानिका) खदान, कुल शेत्रफल—०.३०३ हेक्टेयर अमता— १,०७२.७ टम ग्राहीकारी हेतु परिषिष्ठ—०८ में लार्गेंट ताती की अद्वितीय पर्यावरणीय सीमावृत्ति दिए जाने की अनुसंदर्भ की गई। यहाँ ही यह अनुसंदित भवित्व में एसडीएसी, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन अनांक 1413, दिनांक 13/09/2022 की परिषेद में जारी वारकार, पर्यावरण, जन और जलवाया

परिवर्तन पंचालय, नई दिल्ली वी बांद्रा कोटा प्राप्त होने पर उसी अनुसार प्रभावित होगी।

राज्य सरकार पर्यावरण प्रमाण आकलन प्राधिकारण (एसईआईएए), भौतीकालक वी लघानुसार शुरू किया गया है।

९. नेसर्च दुलदुला विकास अवृ मार्क्स (डॉ.- श्री दिनेश प्रसाद गुप्ता), एम-दुलदुला, लहौलीज-दुलदुला, जिला-जलशुर (लैखिकालय का नम्बर ३८५)।

सरकार सरकार के पर्यावरण वी एवं जलवायु पंचालय, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस नेमोरेष्टम दिनांक २८/०४/२०२३ द्वारा किया गया है जिसके पैरा ४ में निम्न प्राप्तान है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2016 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

इसका ऑफिस नेमोरेष्टम के लगत् परिवीर्जना प्रबलायक द्वारा जिता सरकारी पर्यावरण समाधार नियंत्रण प्रालीकरण से जारी पर्यावरणीय नीतियों के लिए अनुसंधान (re-appraisal) हेतु एसईएए, भौतीकालक के सम्बन्धीय आवेदन किया गया है।

विषय कस्तु	आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण	सन्दर्भ द्वारा नोट किया गया फि
अनिलार्डन आवेदन	ई.ली. - ४४७४३६ एवं ०८ / १० / २०२३	
स्वादान का प्रकार	मिट्टी (ग्रीष्म अवधि) स्वादान	संवालित
क्षेत्रफल एवं कमता	२.२५६ हेक्टेयर एवं १,४०० घनमीटर प्रतिवर्ष	१०,००,००० लम्ब घैसारी
स्वादा ग्रन्थाक	५५९ / २, ५५९ / ७, ५५९ / १७, ५५९ / १८, ५५९ / १९, ५५९ / २०, ५५९ / २१ एवं ५६१	
पू-स्वामित्र	मिट्टी भूमि श्री नाहां प्रसाद गुप्ता	मुमे रहनी के सहनीय पत्ते की छोटी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
कैठक का विवरण	५००ग्री बैठक दिनांक २० / १२ / २०२३	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक १५ / १२ / २०२३
प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थिति अस्तित्व		दिनेश प्रसाद गुप्ता, ग्रोपलाइन उपस्थिति है।
	स्वादान का प्रकार - मिट्टी स्वादा ग्रन्थाक - ५५९ / २, ५५९ / ७, ५५९ / १७, ५५९ / १८, ५५९ / १९, ५५९ / २०, ५५९ / २१ एवं ५६१	श्री ई.आई.एए, जिला-जलशुर पर्यावरणीय नीतियों की ऐवां दिनांक ०९ / १२ / २०४० तक है।
सूई से जारी ई.सी.	क्षेत्रफल - २.२५६ हेक्टेयर कमता - १,४०० घनमीटर/वर्ष एवं १०,००,००० लम्ब/वर्ष दिनांक - २१ / ०२ / २०१७	

पूर्व में जारी होनी का पालन प्रतिवेदन	सर-प्रमाणित - हाई-फलानीत - हाई	मिलीजिला गवाँहुआर 300 मग शुल्कापण किया गया है। यहाँसे का बता है कि दिनांक 01/04/2022 से जिसे नवे मिट्टी उत्तराखण्ड की प्रमाणित जानकारी अधान स्थिति में खालिज विभाग की प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
दिगंबर वारी ने किये गये उत्तराखण्ड	दिनांक - 18/10/2022 वर्ष 2017 - 1,190 घनमीटर वर्ष 2018 - 1,280 घनमीटर वर्ष 2019 - 620 घनमीटर वर्ष 2020 - 100 घनमीटर वर्ष 2021 - 600 घनमीटर 03/2022 - 440 घनमीटर	
चाम चबाका एनओसी	चाम पंचायत दुलदुला दिनांक 12/07/2022	
उत्तराखण्ड योजना अनुमोदन	दिनांक 04/12/2020	
500 मीटर	दिनांक 21/09/2021	अन्त खदानों की सम्पादनित है।
200 मीटर	दिनांक 21/09/2021	30 मीटर में पकड़ी जाती है।
लीज लीज	लीज वारक - श्री दिनेश प्रसाद गुप्ता तारिख - 10/12/2010 से 09/12/2040	पूर्व में लीज लीज चौक प्रसाद गुप्ता की नाम यह थी।
बन विभाग एनओसी	बनमध्यालयालिकारी, जलपुर बनमध्यालय जलपुर छात्र जारी छापन दिनांक 27/11/2010 के प्रस्तुत अनापालित प्रकाश पर अग्रुआर आवृद्धि लीज बन कीज के अंतर्गत नहीं आता है।	स्टीमेंटि का बता है कि जालीदार खदान से निकलताम बन कीज की दूरी का उत्तरेक करती हुए कार्यालय बनमध्यालयालिकारी के अनापालित प्रकाश पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी	आवाही - दुलदुला 2 किमी स्कूल - दुलदुला 2 किमी अम्पाल - दुलदुला 2 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग - 4.2 किमी राज्यमार्ग - 30 किमी	स्थिरी दूरी - 510 मीटर
पारिसंरक्षितीय / वीवरिक्षिता संवेदनशील क्षेत्र	8 किमी की परिसीमा में अतिरिक्तीय सीन, राष्ट्रीय उत्तरान, अम्पालम्य, कंटीटीय प्रदूषण मियाप्रण और द्वारा घोषित किटिकती फील्सुटेक एरिया, पारिसंरक्षितीय संवेदनशील क्षेत्र मा घोषित वीवरिक्षिता क्षेत्र स्थित नहीं है।	
खलन संबंधी एवं खलन का विवरण	उत्तराखण्ड विधि - खलन कास्ट मैग्नेट रिजेक्शन - जियोलॉजिकल 46,100 घनमीटर भार्टीनेक्स 27,551 घनमीटर प्रस्तावित गहराई 2 मीटर बैम की गहराई 1.5 मीटर बैम की घोषित गहराई 1.5 मीटर वीमालित ज्ञान 30 वर्ष गिट्टी के सब संपर्कोंम हीमु पलाई एवं का प्रतिशत - 30%	उत्तराखण्ड विधि - खलन प्रधम 1,400 घनमीटर हितीय 1,400 घनमीटर कुलीय 1,400 घनमीटर गहराई 1,400 घनमीटर पंचम 1,400 घनमीटर

सत्यानन द्वे लिए प्रतिवर्षित होते	लौज के 1 मीटर गोदी सीमा पट्टी का संग्रहाल - 1,621 बर्गमीटर	उत्तमिति - नहीं
लौज के भीतर भवता कर्मचारी	ही. क्षेत्रफल - 2,140 बर्गमीटर किसी विशेष जी व्यूनाइट क्षेत्र - 30 बीटर	
वेर मार्किन	क्षेत्रफल - 101 बर्गमीटर ही. छोड़ने का वर्तन - वीटर रिजर्वियर के लिए	मार्किन व्यून में उत्तरोत्तर - ही.
बल आगृहि	भाग - 2 बर्गमीटर इक्षेत्र - घोरहोल	बेन्डल व्यूनाइट अव्यूनाइट से एक जी. ग्राम है।।
कुआरोपण जाय	लौज ही. के 1 मीटर की चारी और कुआरोपण - 160 बर्ग विश्वा जाय है।	प्रस्तावित क्षेत्र हैं तु 5 वर्षी जी भाग - 10,91,750
शेषी	वी-३	आगृहित व्यून की वित्तावन कुल क्षेत्रफल 2.255 हेक्टेयर है।

1. कॉर्पोरेट व्यूनाइट व्यूनियर (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानिति की तात्परा विस्तार से वर्षी उपर्यांत निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है--

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
30	2%	0.72	Following activities at nearby Ninintala Govt. Primary School Village-Dulidula	
			Rain Water Harvesting	0.00
			Plantation work in School	0.13
			Total	0.73

2. वी.ई.आर. के जोर्जित निमियाताता शासकीय प्राथमिक शाला, गाँव-दुलिदुला में ऐन गोटर हार्डिंग लघा कुआरोपण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। जाय ही प्रस्तावित रखूल के प्राथमित (Principals) का सहमती पत्र प्रस्तुत किया जाता है। जानिति का बता है कि शाला परिवार के भीतर विशेष जाने वाले कुआरोपण को प्रथम वर्ष में ही पूर्ण किये जाने तथा ओगानी 4 वर्षी में कुआरोपण (५० प्रतिशत की वीवन दर से) हैं तु पीछी, फॉसिंग, जाय एवं सिंचाई तथा रस्ता-रस्ताव की लिए ५ वर्षी का धारकवार एवं नामकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना वापरपाक है।

जानिति द्वारा उत्तमाय सर्वसम्मति से निम्नानुसार विनीय किया गया था--

1. उत्तमानन हैं तु खु-सहानी के सहमती पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
2. दिनांक 01/04/2022 से किये जाने विद्युती उत्तमानन जी प्रस्तावित जानकारी अदानन विभागी में जानित विभाग से आधा कर प्रस्तुत किया जाए।

3. अमरीकिय खदान से निकलान वन की दूरी का उत्तराधिकारी के अनुसारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।
 4. श्री ईआर के अंतर्गत शास्त्री परिषद को भौतिक जलने काले शुद्धारोपण को प्रस्तुत कर्म में ही पूरी किये जाने तथा आमदारी 4 वर्षों में शुद्धारोपण (50 प्रतिशत की जीवन दर से) हेतु वीची, पीड़िया, बायप एवं शिशुही तथा रक्त-रक्ताच की लिए 8 वर्षों का अधिकार हेतु सम्मानर बायप का विकल्प प्रस्तुत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
 5. वरियोजना की संबंधित खदान में निर्मित काली ईटों को लौख के भीतर लुकाए हेतु केज की बाहर लियी भी व्रकाम का छानन तथा हेट संबंधी कार्य नहीं किये जाने चाहत बायप पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 6. शलीसागढ़ अवधी पुनर्वास नीति के लहर स्थानीय लोगों वो शोजनार दिये जाने हेतु बायप पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 7. वरियोजना प्रस्तावक हारा खनिज निवासी के लहर बायपकी प्रिलसर्स हारा शीमांकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाकर बायप पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 8. वरियोजना प्रस्तावक हारा इस आलय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनकी विवर इस खदान से संबंधित गोई अधिकारीन प्रबन्धन देश की अंतर्गत कियी भी बाधालक में लैपित नहीं है।
 9. वरियोजना प्रस्तावक हारा इस आलय का भोटी से संबंधित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसकी विवर इस खदान से संबंधित गोई अधिकारीन प्रबन्धन देश की अंतर्गत कियी भी बाधालक में लैपित नहीं है।
10. माननीय सुप्रीम कोर्ट हारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs Union of India & Ors. position (C) 114 of 214 में दिये गये निर्देश का पालन किया जानेगा। इस बायप अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. माननीय सुप्रीम कोर्ट हारा दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये निर्देश का पालन किया जाएगा। इस बायप अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- उपरीका वाचित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त हीने सम्बाल आवाजी कार्यवाही नीचलहुगी।

तात्पुरात् एसडीएसी, शलीसागढ़ की जावन दिनांक 23/02/2024 के परिवेष में वरियोजना प्रस्तावक हारा दिनांक 30/04/2024 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(v) जामिली की 233वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

जामिली हारा नरसी, प्रस्तुत जानकारी का आवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठति पाई गई—

1. उत्तराधिकार ईतु भू—क्षेत्रों के गठनाती पत्र की दृष्टि प्रस्तुत किया गया है।
2. कार्यालय कलेक्टर (स्पेशल जाइ) विशा—पालमुख के ज्ञापन दिनांक 235/विनि. रा./2024 जलापुर दिनांक 05/03/2024 हारा जारी अनुचाली प्रमाण अनुसार लिखत वर्षी में किये गये उत्तराधिकारी जानकारी निम्नानुसार है—

वर्ष	तंत्रावधन (रुपय)
2022-23	3,90,000
2023-24 (मित्राम्बर 2023 तक)	80,000

३. कार्यालय यन्मान्दशापिकरी, जाहानुर बनगड़ल, चंद्रपुर के द्वारा झमाक/नं. फि./2024/1571 जरापुर, दिनांक ०१/०४/२०२४ से जारी अनाधिक प्रगति पर अनुसार आवेदित क्षेत्र से बन क्षेत्र की सीमा से २ से ३ हिस्सी, एवं बन जीव अन्धारमय ३० से ३५ हिस्सी, गति दूरी पर है।
४. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लिखित के सम्बन्ध मिसार से जारी उपरोक्त निभानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
30	2%	0.72	Following activities at nearby Govt. Primary School Village-Noniyatala	
			Plantation work in School	4.81
			Total	4.81

५. सीईआर के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शासा, नोनियालाला वे युक्तान्तरण (वर्गाद, कटहल, पीपल, बैंस, आंघस्त एवं जानुन) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार ३० नय पीढ़ी के लिए राशि ८०० रुपये, लौहिंग के लिए राशि १८,७५० रुपये, बाट के लिए राशि ३०० रुपये, फिरवाड़ के लिए राशि ५०,००० रुपये, रथा-सखान एवं अन्य के लिए राशि ५,००० रुपये हस इकान प्रधान वर्ष में कुल राशि १,१४,६५० रुपये तथा आगामी ४ वर्ष में कुल राशि ३,४४,३६० रुपये हेतु घटकावाद वापर द्वारा विवरण प्रस्तुत किया गया है।
६. सीईआर के तहत प्रस्तावित खदूत के प्रधार्द (Principal) का नहमति पर प्रस्तुत किया गया है।
७. परियोजना से संबंधित खदान में निर्मित काली झीटी को सीज के भीतर चुनावे एवं क्षेत्र के बाहर किसी भी प्रकार का खुनान तथा झीट संबंधी कार्य नहीं किये जाने वाला शास्त्र पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
८. घटीलाल झटकी दुगवारी गीति के तहत क्षासीय लौखी को सीजगार दिये जाने हेतु शास्त्र पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
९. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लौनिं निधनों के तहत शासकीय पिल्लरी द्वारा शीकालान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाला शास्त्र पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
१०. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय वर-शक्ति पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि ऊनी के विस्तृत इस खदान से संबंधित कोई व्यापालीन ग्रहण देता के अंतर्गत किसी भी व्यापालीन वे लघित नहीं है।

11. परियोगना प्रस्तावक द्वारा इस बाबत का नीटरी से भवत्यापित जाप्य एवं (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलम्ब माला सहकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिकारियता कारबा 804(3), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रबन्ध नहीं है।
12. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को common cause vs. Union of India wrt petition (C) 114 of 214 में दिये गए निर्देश का पालन किया जायेगा। इस बाबत अनुदर्टाकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को wrt petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गए निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अनुदर्टाकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. समिति का मत है कि सीईआर एवं युवानीयन कार्य की सीमिटरिंग एवं पर्यावरण के लिए नि-प्रतियोगी समिति (ओपरेटर/प्रतिनिधि) द्वारा प्रत्यापन की पदाधिकारी/प्रतिनिधि द्वारा जिला प्रशासन या छलीलगढ़ पर्यावरण मंत्रालय द्वारा पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। सभी ही नी.ई.आर. एवं युवानीयन का कार्य पूरी किये जाने की उपरांत गठित नि-प्रतियोगी समिति से संलग्नपित करता जाना आवश्यक है।
15. माननीय सम.जी.टी. निर्दिष्ट बैठक नई दिल्ली द्वारा शालैंड पार्क्स विलम्ब माला सहकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अन्य (अंतिक्षम एपिलेक्शन नं. 186 ऑफ 2016 एवं इन्व.) में दिनांक 13/09/2019 को पारित भारत में मुख्य रूप से निम्नलिखित निर्दिष्ट किया गया है:-
- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per wrt category B-1 by SEAC / SEAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- समिति द्वारा विचार विभाग चयरमन सदस्यमति की ओरेक - भवती दुलदुला विका अर्थ मार्फत (इ.- भी दिनेश प्रस्तुत गुप्ता) को शाम-दुलदुला, राहनील-दुलदुला, जिला-जालपुर के खासा द्वारा ३३९/२, ३३९/७, ३३९/१७, ३३९/१८, ३३९/१९, ३३९/२०, ३३९/२१ एवं ३३१ में विलम्बित उत्तरान (शीर्ष समिति) द्वारा, बूल लीजपाल-२२५६ हेक्टेयर, शाखा-१,४०० घण्टीटर (५८ एक्ट्याएन शाखा इकाई १०,००,००० नव) प्रतिको लेतु परिविह-०९ में तर्जित गती के अधीन पर्यावरणीय स्थीर्यता दिए जाने की अनुमति की गई।
- शाम लतारीद पर्यावरण इमाद अकालन प्रयोक्तव्य (एस.ई.आर.ए.ए.), छलीलगढ़ को निम्नलिखित किया जाए।

10. गैलरी मास्टर्स इन्वेंट सर्किन (प्रो.- की विभाग लुनिया), ग्राम-गैलरीवलना, तहसील-फरसानां, जिला-कोडागांव (संचिकालय का नम्रता नम्रता 2525) अधिकारीकृत आवेदन - प्राप्तिकल नम्रता - एसआईए/ शीखी/ प्रभारीएन/ 433333/ 2023, दिनांक 29/ 06/ 2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीरत्वीति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूर्वी की संवादित इनाईट (लुनिया लुनिया) द्वारा है। यदान ग्राम-गैलरीवलना, तहसील-फरसानां, जिला-कोडागांव विभाग नम्रता नम्रता नम्रता 2/53, लुन लोअरपन-1416 हेवटीयर में है। यदान की संवादित उत्तरानन शमता-1,764 पनमीटर प्रतिवर्ष है।

भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु बंजारलय, नई विल्ली द्वारा अधिकारी मेन्टेनेंस्ट्रेट दिनांक 28/ 04/ 2023 जारी किया गया है, जिसके पैरा 4 में निम्न द्रावकान है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त अधिकारी मेन्टेनेंस्ट्रेट की द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा जिला संचालन पर्यावरण वनाधारी प्रतिवर्ष से जारी पर्यावरणीय स्थीरत्वीति के लिये अनुसंधा (re-appraisal) हेतु एसआईएसी, उत्तरीसागढ़ की रामल अधिकारीकृत आवेदन किया गया है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसआईएसी, उत्तरीसागढ़ की उत्तरान दिनांक 18/ 08/ 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु शुरूपित किया गया।

कैशकों का विवरण —

(अ) समिति की 483वीं बैठक दिनांक 24/ 08/ 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु शी नामकुगार नाम, अधिकृत प्रतिनिधि शुरूपित हुए। शमिति द्वारा नम्रता प्रस्तुत यानवाही का अपलोडन एवं परीक्षण करने पर निम्न निमिति पाई गई—

i. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरत्वीति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में इनाईट यदान नम्रता नम्रता 2/53 लुन लोअरपन-9.60 एकड़, शमता-1,764 पनमीटर प्रतिवर्ष हेतु विल्ली संचालन पर्यावरण वनाधारी विविध प्राधिकरण, जिला-कोडागांव द्वारा पर्यावरणीय स्थीरत्वीति दिनांक 06/ 09/ 2017 की जारी की गई।
- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरत्वीति के अर्थ के पालन में की गई कठोरताही की जानकारी लोटीडापस सहित प्रस्तुत की गई है। नमिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत संचालन कार्यीतय, भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन बंजारलय, नायपुर ही पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरत्वीति का वालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- vii. निम्नलिखित अलीनसार नुम्बरिंग पत्र नहीं किया गया है। समिति का मत है कि पर्यावरणीय स्थीकृति को इसी की अनुसर पिंड गढ़ नुम्बरिंग (पीडी में संख्याक्रम Numbering) एवं नाम) कोष्ठागामी संहित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- viii. कार्यालय कालेक्टर (खणिज भारत), जिला-कोष्ठागामी के छापन तारीख 113/खणिज/2023-24 कोष्ठागामी, दिनांक 23/08/2023 द्वारा जारी हुआ पत्र अनुसार लिखा वर्षी में जिसी गढ़ी उत्तराधिनन की जानकारी विज्ञानुसार है:-

वर्ष	उत्पादन (घनकोटि)
01/04/2018 से 31/03/2019	767.316
01/04/2019 से 31/03/2020	944.567
01/04/2020 से 31/03/2021	641.808
01/04/2021 से 31/03/2022	805.564
01/04/2022 से 31/03/2023	1,079.939
01/04/2023 से 31/07/2023	323.843

समिति का मत है कि दिनांक 06/09/2017 से 31/03/2018 तक लिंग गढ़ उत्तराधिनन की कार्यालयीक भारत की जानकारी खणिज विभाग से प्राप्तिकरण कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. समिति द्वारा याचना कि पुर्ण में बीड़िआईएस, एस. द्वारा फैनाईट (खेत खणिज) की अनुसार पर्यावरणीय स्थीकृति जारी किया गया है। कर्तव्यमें परियोजना प्रस्तावक द्वारा फैनाईट (मुख्य खणिज) हेतु बीड़िएन किया गया है। समिति का मत है कि उसका को संकेत में परियोजना प्रस्तावक से समर्थितरी बनाया जाना आवश्यक है।
3. द्वारा प्रस्तावित का अनुसरित हुआ पत्र - उत्तराधिनन के संकेत में द्वारा प्रस्तावित वाट्टीपत्तना का दिनांक 17/09/2013 का अनावृति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
4. उत्तराधिनन घोषना - किसी और नार्डिंग अलीग लिंग ब्रीडिंग गार्डन अलीगर पत्तान प्रस्तुत किया गया है, जो संयुक्त बोर्डरक (खणिजभारत), संचालनालय, भीमिकी तथा खणिजमें नवा संयुक्त झटल नगर के छापन तारीख 1590/एमटीसी/एमटी-04/2014, अठल नगर, दिनांक 30/03/2019 द्वारा अनुमोदित है।
5. 600 वर्गमीटर की परिधि में लिखत खदान - कार्यालय कालेक्टर (खणिज भारत), जिला-कोष्ठागामी के छापन तारीख 113/खणिज/2023-24 कोष्ठागामी, दिनांक 23/08/2023 को अनुसार आवेदित खदान की 600 वर्गमीटर के भीतर आवृत्ति खदानों की संख्या निर्दित है।
6. 200 वर्गमीटर की परिधि में लिखत सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएं - कार्यालय कालेक्टर (खणिज भारत), जिला-कोष्ठागामी के छापन तारीख 114/खणिज/2023-24 कोष्ठागामी, दिनांक 23/08/2023 द्वारा जारी हुआ पत्र अनुसार यहां खदान से 200 वर्गमीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे नगरीय ग्रामिय, सरपाट, अस्पाताल, रक्षा, बुज, बांध, राष्ट्रीय राजमार्ग, साम्यमार्ग, एवं नीकाट एवं जल कनूफी आदि विनियोगित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।

7. मूली एवं लौज का विवरण – यह सातावेंवर्षीय गुम्बि है। लौज की विवरण गुम्बिया के नाम पर है। लौज लौज ५ वर्षी अवधि दिनांक २०/०४/१९८८ से २२/०४/१९९३ तक उनी उत्थित रहे थे थी। सातावेंवर्षीय लौज लौज २० वर्षी अवधि दिनांक ०१/०१/२०१४ से ३१/१२/२०३३ तक उनी उत्थित होने विकलारित की गई है। सातिही का बता है कि वर्ष १९८३ से २०१४ तक उनी उत्थित होने विवरण प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
8. बन विभाग का अनावलि प्रभाग पत्र – कार्यालय का भवालापिकारी, कोष्ठकासांव राजमान्ड बन बनकल जिला-कोष्ठकासांव के ज्ञानपुर ग्रामीण/ग्रामीय/३६९ गोप्यागांव दिनांक ३३/०१/१९९६ हाता जाई पत्र अमुख्य यह बन राज्याण अधिकारियम १९८० के प्राक्कान्ती के अंतर्गत नहीं आता है। समिति का बता है कि लौज लौज से विकलाटम का लौज की पास्तातिक दूरी का सुलझाया करती हुके गोप्यागांव को कान्दालित प्रभाग पत्र छात कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। साथ ही समिति का यह भी बता है कि लौज लौज से विकलाटम राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य जीव अध्यारणा की दूरी का उल्लेख करती हुके उप-वाचालक (वन्य प्राणी एवं जीव विकास संस्कार) से अनावलि द्वारा पत्र छात कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
9. महावृष्टि सरबनाडी की दूरी – निकटतम जलाशाही, राकूल पत्ते अवधारणा द्वारा—करतारगांव १.७३ किमी, जी दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग १.७ किमी एवं राष्ट्रगांव २४ किमी दूर है। बहली गाँवा २.२३ किमी दूर है।
10. पारिविवरिकीय/वैविधिकीय संवेदनशील लौज – परिवोजना प्रस्तावक द्वारा १० किमी जी परिवीर्ता में अतीवकीर्ति लौज, फैन्टीय प्रदूषण विवरण लौज द्वारा विविध विद्युतिकारी वैज्ञानिक एवं विविध विवरण लौज का प्रोग्राम विविध विविधिकारा के बीच स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
11. खनन संघर्ष एवं खनन का विवरण – जियोस्ट्रोजिकल रिजर्व १,५०,९२५ घनमीटर एवं मार्क्सनेशन रिजर्व ६१,७०० घनमीटर है। लौज की ७.५ मीटर ऊँची गोप्या पठाई (उत्तरानन की लिए प्रतिविवित लौज) का लैंडफल ३,८४४ घनमीटर है। ओपन कार्ट लौमी मैकेनाइट्स विली से उत्तरानन किया जाता है। उत्तरानन की अस्तावित अधिकतम गहराई १८ मीटर है। लौज लौज में उपरी निट्टी की गहराई ०.५ मीटर तथा कुल मात्रा १,३१८ घनमीटर है। लौज लौज में ओखार बहन की गहराई ०.५ मीटर तथा कुल मात्रा १,३१८ घनमीटर है। बैंग की गहराई ३ मीटर तथा गोप्या ५ मीटर है। खदान की संभावित आयु ५३ वर्ष है। लौज लौज में ओखार रसायनिक नहीं है एवं इसकी स्थानगत का प्रस्ताव नहीं किया जाता है। जैव विवर से ड्रिलिंग एवं गॉटोल स्थानिट्स किया जाता है। खदान में गायु प्रदूषण विवरण हेतु जल का छिन्हकार विवरण जाता है। कर्वाच अस्तावित उत्तरानन का विवरण निम्नलिखित है—

वर्ष	प्रस्तावित उत्तरानन (घनमीटर)
प्रवान्न	१,७६४
हिलीव	१,७६४
तुर्हीद	१,७६४
वाली	१,७६४
पालम	१,७६४

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की जाता 8 घनमीटर प्रतिदिन होती है। 2 घनमीटर प्रतिदिन मूँजल की उपयोगिता हेतु संचाल यात्राएँ बीटर अधीरिती से अनुमति प्राप्त कर प्रस्तुत किया गया है। समिति का भत्ता है कि शेष आवश्यक जल की आपूर्ति जल सेवा एवं अनुमति संबंधी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
13. कृषारोपण बढ़ाव – लौज थोड़ की जीवा में जौही और 7.5 मीटर की चट्टी में 729 नग कृषारोपण किया जाएगा। इसमें प्रस्ताव अनुसार जौही के लिए राशि 66,404 रुपये, जौसिंप के लिए राशि 1,63,400 रुपये, चाट के लिए राशि 5,400 रुपये, सिंचाई एवं रख-रखाव के लिए राशि 2,16,000 रुपये इस प्रकार प्रधम बर्त में कुल राशि 4,40,264 रुपये एवं रख-रखाव के लिए आगामी 4 वर्ष तक राशि 8,88,352 रुपये छीतवार हेतु जल का विभाग प्रस्तुत किया गया है।
14. खदान की 7.5 मीटर की जौही जीवा चट्टी में उत्कलन – लौज थोड़ की जाती और 7.5 मीटर की जौही चट्टी में उत्कलन करने वाली किया गया है।
15. कौरीरीट पराविसरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा दीर्घी के समान विस्तार से जौही उपरी निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
32	2%	0.64	Following activities at Nearby Village- Gattipalna Plantation in Mukundham	12.70 Total 12.70

लौज थोड़ की अंतर्गत गुरुत्वाद्यम में कृषारोपण (जौही, जौसिंप, जौ, जौगुन, कटहल, कदम, करंज, आबला, अगलताल आदि) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 400 नग जौही के लिए राशि 30,400 रुपये, जौसिंप के लिए राशि 143,300 रुपये, खाद के लिए राशि 3,000 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 1,20,000 रुपये तथा रख-रखाव आदि के लिए राशि 96,000 रुपये, इस प्रकार प्रधम बर्त में कुल राशि 3,92,700 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 8,77,360 रुपये हेतु घटकाशर व्यय का विभाग प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दान फलाहार चट्टीयता के सहनीति उपरीत व्याधीय ल्पान (खासा जन्मान्तर 42/1, लोककल 0.250 डेक्टेवर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

समिति द्वारा उत्तम लावंसमति से निम्नानुसार निम्नव लिया गया था—

- एकीजन्तु कौरीरीट चट्टीय व्याधीय, भारत लावंसम, चमोइरम, दन एवं जलवाया विविधीन निजातय, दायगुरु जै फूड में जौही व्याधीय व्यक्तियों का वालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

३. पुर्ण ने जारी कार्यवितरणीय संकेतकीय को शहरी को अनुसंधान विषय वाले ग्रामांशेयम (पौरीजो में संख्यापान) (Numbering) एवं ग्राम (पोटांगांश्च संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
४. पुर्ण ने श्रीड्वाहार्द्धरु, छत्ते द्वारा इनाईट (प्रीम चम्पिज) के अनुसार पर्यावरणीय संकेतकीय जारी किया गया है। यहांमान में इनाईट (प्रूफ्य चम्पिज) हैं तथा अद्यतन किया गया है। अतः यह को को संबंध में व्यष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।
५. दिनांक 08/09/2017 से 31/03/2018 तक विषय वाले ग्रामांशेयम की आवायिक काज की जानकारी खानिज कियाव से प्रमाणित कालावन प्रस्तुत किया जाए।
६. लौज लौज वर्ष 1993 से 2014 तक की आवायि का विषय प्रस्तुत किया जाए।
७. लौज लौज की निकलटग बन क्षेत्र की आवायिक कूरी का उत्तरोत्तर करते हुए अनन्ददलकियारी से अनावर्तित इमार वज्र द्वारा वार प्रस्तुत किया जाए।
८. लौज लौज की निकलटग राष्ट्रीय संघान एवं कन्व पीव प्रभावभाग की कूरी का उत्तरोत्तर करते हुए उप-संशोधक (यन्म प्राची एवं जीव विविधता वालाओं) से अनावर्तित इमार पर ब्राह्मण वर प्रस्तुत किया जाए।
९. कायदी निर्देश एवं औद्योग वर्जन प्रक्रिया लोजन प्रस्तुत किया जाए।
१०. जल की आपूर्ति (हाँ अ घरमीटर ड्रिलिंग) कर्त्ता एवं अनुसंधान संबंधी जानकारी/परस्तावक प्रस्तुत किया जाए।
११. एकलीसगढ़ आदर्श पुरावीस नीति के तहत जनानीय लोगों को संज्ञान दिये जाने हेतु जापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
१२. नाईमिंग लौज लौज के अंदर साधन गुणांशेयम किये जाने एवं सेक्षित पीठी का जनवाहित रेट (Survival rate) १० प्रतिशत सुनिश्चित दिये जाने वाला जापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
१३. परियोजना प्रस्तावक द्वारा निरन्तरता यानसंसेक्षन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बाहुद्धी चिल्लरी द्वारा लीचाकान का उत्तर सुनिश्चित किये जाने वाला जापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
१४. न्यासिंग का जारी डीड़ीएमएल द्वारा अधिकृत लिम्पोटक लाईसेंस वाला (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाला जापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
१५. वरियोजना प्रस्तावक द्वारा अंदरांशिक (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसकी नियन्त्रण भावत वारकार, पर्यावरण, वर और जलगायु परिवारीन संत्रालय की अधिसूचना का आ. ८०४(८), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत बोर्ड चलावन का प्रकरण संवित नहीं है।
१६. याननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs Union of India with petition (C) 114 of 214 में दिये गये निर्देश का यानन किया जानीय द्वारा वाला जापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

17. नामांकित सुनील जोर्डे द्वारा दिनांक 06/01/2020 को writ petition (3) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशी उप प्रस्ताव द्वारा जारी बुल बाबत् लापत् पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया।

उपलेख नामित जानकारी/दस्तावेज़ द्वारा होने उपरान्त आगामी कालांकी की जाएगी।

बाहानुसार एसडीएसी... परियोजना की ज्ञापन दिनांक 30/11/2023 के अधिकार्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 30/04/2024 की जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया।

(iii) जमिनी की 833वीं नैठक दिनांक 30/06/2024:

जमिनी द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जानकारी का अध्यक्षक एवं परियोजना करने पर जिम्मे दिया जाएगा—

1. एकीकृत सेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं पालवान् परिवार के अनुसार अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की रूपी के पालन में की गई कार्यपाली की स्व-इमारित जानकारी प्रस्तुत की गई है।
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की रूपी के अनुसार किया गए इकाईपन (पैम्पी में संख्यांकन (Numbering) एवं नाम) कोटोडाफना नामित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
3. पूर्व में डीडीआईएए. संग. द्वारा हेन्डर्ट (भवित्व खानिक) के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जली दिया गया है। जारीनामे से हेन्डर्ट (सुखदा खानिक) हेतु अधिकार दिया गया है। यह चक्र के संबंध में जारी प्रस्तावक का जालन है जिसे यह एक नीचे खानिक द्वारा है। चुटियसा चुल्हा खानिक का जालन भी गया है।
4. कार्यालय कलेक्टर (खानिक शास्त्री), जिला-कोष्ठानांव के ज्ञापन अम्बक 142/खानिक/2023-24 कोश्ठानांव, दिनांक 08/01/2024 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 06/09/2017 से 31/03/2018 में किये गये जालन की जाता 345.562 एकड़ीहर है।
5. लीज भी दिशा सुनिधि की रूप पर है। लीज लीज की 1993 से 2014 अवधि तक की प्रति प्रस्तुत की गई है।
6. कार्यालय बन्धनकलापिकारी, कैशलाल बन्धनकल, कैशलाल, जिला-कोष्ठानांव के ज्ञापन अम्बक 21/खानिक/अना 2023-24 कोश्ठानांव, दिनांक 03/01/2024 से जारी अनापालित प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित सेवा की वल दीज की सीमा से 300 मीटर की दूरी पर है।
7. कार्यालय एवं बन्धनकलापिकारी, बन्धनगांव एवं बन्धनकल, बन्धनकल कैशलाल, जिला-कोष्ठानांव के ज्ञापन क्रमांक 982 बन्धनगांव, दिनांक 15/12/2023 से जारी अनापालित प्रमाण पत्र अनुसार लीज लीज की निकलटन साढ़ीय दूधान एवं बन्धन नींव अन्धानाथ से 200 कि.मी. की दूरी पर है।
8. कापड़ी खिटटी एवं औद्योग बहुन प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किये जाने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का जालन है जिसे यह पूर्व से संचालित संनाह्ट द्वारा है। अतः पूर्व से ही उपरी खिटटी दरखानित की जा गयी है, जिसका उपर्योग लीज

कोड के आधी और गुप्तारोपण में किया गया है। ओवर बॉल का समर्थन शहरों के लक्ष-समाज हेतु किया जाता है।

9. नेट 3 घण्टीटर प्रतिदिन जल की आपूर्ति बूजल से हो जाएगी। इस बाबत चैन्डल यात्रिक बीटर अधिनियम की अनुमति प्राप्त कर प्रस्तुत किया गया है;
10. पश्चिमिय रूपट वर्तमान के नियमण हेतु नियमित जल विकास किये जाने वाले वाक्त जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. उत्तीर्णगढ़ आदानी पुरावीता नीति के तहत उत्तीर्ण लौगी को सेवार दिये जाने हेतु जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. नाईनिंग लौज कोड के अंदर यात्र युक्तारोपण किये जाने एवं सेवा पीड़ी का सर्वानुदात रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सीस्न नियम (Minerals Concession Rule) के तहत आपूर्ति वित्ती द्वारा भीमानन वा कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले जाप्त जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. बारिंग का कार्य बीजे द्वारा द्वारा अधिकृत विस्तोरक लाईसेन्स भारक (Explosive License Holder) द्वारा जारी जाने वाले वाक्त जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विस्तृ भारत सरकार, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन अंगतय की अधिसूचना का अ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई वाल्सेन का प्रकरण लिया नहीं है।
16. भारतीय राष्ट्रीय कोर्ट द्वारा दिनांक 02/09/2017 की common cause vs. Union of India with petition (C) 114 of 214 में दिये गये नियम का पालन किया जायेगा इस वाक्त जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. भारतीय राष्ट्रीय कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 की ज्ञा petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिया नियमों का पालन किया जायेगा इस वाक्त जाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. निमिति वा मत ही कि सीईआर एवं उत्तीर्णपण कार्य की भीनियरिंग एवं पर्यावरण हेतु वि-पक्षीय समिति (प्रोफराइटर/प्रोटोनिय, द्वारा पर्यावरण के उदायिकारी/प्रतिनिय एवं वित्ती प्रस्तावना या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण वर्तमान वर्षों के उदायिकारी/प्रतिनिय) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं उत्तीर्णपण का कार्य सूची किये जाने के समर्त गठित वि-पक्षीय समिति वी उत्तीर्णपण कराया जाना आवश्यक है।
19. भारतीय एनजीटी, विसिफल बैच, नई दिल्ली द्वारा सर्वेंट याप्टेंट विस्तृ भारत सरकार, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजनल एपिलेशन नं. 166 ऑफ 2016 एवं इन्व) में दिनांक 13/09/2018 की पारित आदेश में मुख्य रूप से निम्नानुसार नियंत्रित किया गया है:-

- a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha, falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार किए गए उपर्युक्त संबंधित से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

- कार्यपालिका बोर्डर (कौशलगांव), जिला—कौशलगांव के द्वापन क्रमांक 113 / खनिज / 2023-24 कोष्टकागांव दिनांक 23 / 08 / 2023 के अनुसार आवेदित खदान तो 500 मीटर की लंबाई वाली ही संख्या निर्धारित है। आवेदित खदान (दाम—गहीपलना) का क्षेत्रफल 0.303 हेक्टेयर है। खदान की ऊंचाई भी 500 मीटर की परिमिति में रखी गई। संभालित खदानी का कूल क्षेत्रफल 8 हेक्टेयर या उससे कम होने के बाबत यह खदान दो-3 फैटी भी नहीं रहती।
- मैसरी गहीपलना ऐनाइट बाईन (प्रो.— भी जिला लुगिया) को दाम—गहीपलना, तहसील—करसगांव, जिला—कौशलगांव की खदान क्रमांक 2 / 63 में निवेद ऐनाइट (मुख्य खनिज) खदान, कुल क्षेत्रफल—1.416 हेक्टेयर, क्षमता—1,264 टन प्रतिवर्ष हेतु परिसीम—10 मी वर्गीकृत खदानी के आड़न पश्चिमजगतीय स्थीरता दिए जाने की अनुरोधों की गई।

निम्न स्तरीय पर्यावरण अधिकार आकालन प्राधिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.) छत्तीसगढ़ की अनुमति द्वारा दिया गया।

11. मैसरी भी बुदरगढ़ी कटीय द्वारा ऐनाइट लिमिटेड (डाक्टरेक्टर—भी दिनांक कुन्द्र गोदल), दाम—विरेनदनगढ़, तहसील—बादुफनगढ़, जिला—बलदामपुर—रामगढ़ुलगढ़ (संविधानाद का नमूना क्रमांक 2594)

विवरण इकाई	आवेदित खदान की संख्यित लिवरण	समिति द्वारा नीति दिया गया कि
ऐनाइट आवेदन	ई.टी. — 437308 एवं 21 / 07 / 2023	
खदान का प्रकार	समाप्त यत्क्षेत्र (लीप खनिज) खदान	प्रस्तुताप्रियत
क्षेत्रफल एवं क्षमता	2.52 हेक्टेयर एवं 54,926.33 टन प्रतिवर्ष	
खदान क्रमांक	623	
पू—स्थानिय	नियोजित घृणा सीमिती जिला लिमि	सहमति पत्र प्राप्त
दैर्घ्य का दिवरण	500मी दैर्घ्य दिनांक 11 / 12 / 2023	प्रस्तुतीकरण हेतु बूद्धना दिनांक 06 / 12 / 2023
प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थिति प्रतिनिधि		भी हार्द रूपार आवाद, उपस्थिति प्रतिनिधि लापर्चित हुये। अधिकृत प्रतिनिधि का बाहमति पत्र प्रस्तुत किया गया।
पूर्व में जारी ई.टी.	पश्चिमजगतीय स्थीरता जारी नहीं की गई है।	
दाम पंचायत समूहीकरी	दाम पंचायत विरेनदनगढ़ दिनांक 05 / 10 / 2023	पंचायत एवं जमान के संबंध में
उत्तराधान योजना अनुमोदन	दिनांक 30 / 06 / 2023	

500 मीटर	सामने विद्युतान् जिला—बलरामपुर—दामानुजगंगा द्वारा जारी पत्र दिनांक 30/05/2023 अन्य खातानी की संखा— निम्न	आनेदिन खादान से 500 मीटर के मीलों अवशिष्ट अन्य खादानी की जानकारी के बीच में प्रमाण पत्र कार्यालय कलेक्टर (राजनिय पात्र)जिला—बलरामपुर—दामानुजगंगा की जातक क्रमांक एवं दिनांक सहित प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना नाबहासक है।
200 मीटर	प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।	200 मीटर की परिसीधि में किया राजनिय पात्र संरचनाएँ एवं प्रतिबंधित क्षेत्र के संबंध में प्रमाण पत्र कार्यालय कलेक्टर (राजनिय पात्र)जिला—बलरामपुर—दामानुजगंगा की जातक क्रमांक एवं दिनांक सहित प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना नाबहासक है।
एस.ओ.आई.	एस.ओ.आई. शारद — नेतर्न भी सुखमण्डी हटोल करातर प्राइवेट लिमिटेड दिनांक — 04/05/2023 फिल्म जारी — 1 घंटे	
एम. विकास एस.ओ.सी.	दामानुजगंगाकान्ति, बलरामपुर दामानुजगंगा बलरामपुर द्वारा जारी दिनांक 31/03/2022	एम. विकास जी दूरी — 3 किमी
महाराष्ट्री चांगलालां की दूरी	आवादी— विस्तृत नगर 400 मीटर स्कूल— शान—वीदास 2.0 किमी, अस्पताल— सुखमण्डी 3.0 किमी, राष्ट्रीय राजमार्ग— 43 किमी साथमण्डी — 4.85 किमी	जरिका नाला — 2 किमी मीसांगी नाला— 500 मीटर
परिस्थितिकीय/ वीविधिकाता संवेदनशील हेतु	5 किमी की परिसीधि में जलात्मकीय दौड़ा साफ्टीय उदास, अभ्यासपथ, फैन्डीय प्रदूषण नियंत्रण वोर्क द्वारा प्रोत्तिकृती परिस्थिति एवं परिक्रमा, परिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या वीविध जैवीकृतिका क्षेत्र नियत नहीं है।	
स्वामी संपदा एवं खनन का विषय	सार्वजनिक विधि — जीपल कामल संकेत मैट्टीनदीनदा द्विलिंग एवं कट्टोल बालिंग — ही रिक्षाओं — प्रियोलिजिकल 3,56,306 टन माहिनीबल 2,89,005 टन दिवालरेवल 2,74,831 टन प्रस्तावित वहाराई 6 मीटर वीच की ऊंचाई 3 मीटर से 6 मीटर वीच की ऊंचाई 3 मीटर साथागित अनु 5 घंटे	वर्षाकार प्रवातावित छलखनन प्रधान 54,926.33 टन द्विलिंग 64,926.33 टन तुरीय 64,926.33 टन माहुर्य 64,926.33 टन प्रधान 54,926.33 टन

	प्रस्तावित कार्य - नहीं	
उत्कृष्टनाम के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र	लौज के 7.5 मीटर का दूरबीन - 5,922 घरमीटर	उत्कृष्टनाम - नहीं
गैर भाइयोग	कैवल्य - 800 घरमीटर दो छोड़ने का कारण - 10 मीटर दूर प्रवाह के बाहर संरक्षक	भाइयोग जलान में उत्कृष्ट - हो
कृपरी गिट्टी/ओहर बहुन प्रकाशन योजना	मोटर - 0.5 मीटर मात्रा - 8,188 घरमीटर	कृपरी गिट्टी उत्कृष्ट योजना प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
जल आपूर्ति	मात्रा - 0.49 घरमीटर प्रतिदिन	जल की आपूर्ति जोखी एवं संबंधित विभाग से अनापूर्त प्रमाण संबंधी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
कृषारीपण कार्य	लौज क्षेत्र के 7.5 मीटर के बाहर कृषारीपण - 1,500 ग्राम किया जाना है।	लौज क्षेत्र के बाहर और 7.5 मीटर की जीवा पट्टी में कृषारीपण हेतु पीढ़ी का रोपण, कौशिंग, स्थाप एवं सिंचाई तथा रक्ष-रखाव के लिए 5 वर्षी का घटकावार व्यव वा दिवस्त्रण प्रस्तुत प्रस्ताव जारीत प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
कैरी	१०-२	आवेदित जलान को मिलाकर युत कैरान्यम २.५ हेक्टेएर है।

१. कौपरिट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रवर्तनक द्वारा भीईआर (Corporate Environmental Responsibility) हेतु उपयुक्त विकल्प प्रस्तुत प्रस्तुत नहीं किया गया है। समिति का मत है कि “परिवर्तन निर्माण” के तात्त्व (आवासा, बहु योग्यत, नीच जाम अपूर्ण योग आदि) जान चेष्टावार के सहमति उत्पत्ति रक्षारीपण जलान (दिवस्त्रण एवं घोरफल जाहिर) में कृषारीपण हेतु पीढ़ी, कौशिंग, स्थाप एवं सिंचाई तथा रक्ष-रखाव के लिए 5 वर्षी का घटकावार व्यव का विवरण विस्तृत प्रस्ताव जारीत प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा लात्सालव लूवैसम्पात्री से मिस्कन्युजार मिशन लिया गया ज्ञा—

- आवेदित जलान नी 800 मीटर की गोड़र क्षारियत अन्य जलानों की जानकारी के संबंध में प्रमाण वाल कार्यालय कलेक्टर (कौशिंग जाथा) जिला—बलरामपुर—जान्मनुजगंगा की जायका जमांक एवं दिनांक जारीत प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- 200 मीटर की वर्तिये में स्थित सार्केजनिक केन्द्र, संरक्षनात् एवं प्रतिबंधित क्षेत्र के नामों में प्रमाण वाल कार्यालय कलेक्टर (कौशिंग जाथा) जिला—बलरामपुर—जान्मनुजगंगा की जायका जमांक एवं दिनांक जारीत प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- कृपरी गिट्टी प्रबंधन योजना प्रस्तुत किया जाए।
- जल वर्षी आपूर्ति का मानवान/संसाधन एवं संबंधित विभाग से अनापूर्त प्रमाण वाल प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- लौज क्षेत्र की जीवा में बाहे और 7.5 मीटर की पट्टी में कृषारीपण हेतु पीढ़ी, कौशिंग, स्थाप एवं सिंचाई तथा रक्ष-रखाव के लिए 5 वर्षी (३० द्वितीय जीवन

दर के आवाह पर) का घटककार व्यवहार विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।

4. श्री हेंडर (Corporate Environmental Responsibility) के तहत “परिवर्तन वन निर्माण” को लिए (आंध्रप्रदेश, बंगलौर, गोदावरी, अद्भुत, बैंगलोर आदि) याम बंदकाम के सहमति संघर्षात् व्याधीय रक्षण (व्याधरकार विवरण इव शीतकाल सहित) में व्याधीय संतु गीती, कंपोज, सावध एवं सिंचाई तथा चक्र-प्रवाह की लिए 5 वर्षों का घटककार व्यवहार विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
5. जनवरी निट्रोटी का दुख्यायीन न करने, विकास न करने एवं उन्नत जलमी में दुख्यायी नहीं किये जाने एवं इस निट्रोटी का दुख्यायीन मुन्हभराव में किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
6. बाउनिंग जीव और जीव के अंदर शाधन वृक्षारोपण किये जाने एवं सोपिल गीती का जारीजारीयता रेट (Survival rate) 80 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
7. बाओंटिंग का कार्य डी-बी-एनएस. द्वारा अंग्रेज़ डिस्पोर्टक लाईसेंस वावह (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. छलीखगड़ आदर्श युवाओं नीति के तहत जाननीय लोगों को शोजावार दिये जाने उन्नु वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. वरियोजना सी जिन-जिन जलसी रो व्युजिटिंग बक्ट उत्तरार्जन होंगा, उन स्थलों पर नियमित जल विकास की व्यवस्था किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. वरियोजना प्रस्तावका द्वारा वामिल नियमों के तहत बाढ़ी फ्लॉस द्वारा शीतलान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. वरियोजना प्रस्तावका द्वारा वामिल नियमों के तहत बाढ़ी फ्लॉस द्वारा शीतलान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. वरियोजना प्रस्तावका द्वारा वामिल नियमों के तहत बाढ़ी फ्लॉस द्वारा शीतलान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. वरियोजना प्रस्तावका द्वारा वामिल नियमों के तहत बाढ़ी फ्लॉस का ब्रह्मा फ्लॉस का ब्रह्मा फ्लॉस स्त्रील, तालाब, नदी, नदा में नहीं किये जाने एवं इसको रोक्खन किये जाने वावह वापर पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. वरियोजना प्रस्तावका द्वारा इस आवाद का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसको विरुद्ध हस्त वादत सरकार, वर्योवरम, वन और जलवाया परिवहन गंवालद की अधिसूचना करा.अ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अन्तर्गत कोई उत्तराधिन का प्रकल्प लिया नहीं है।
15. वरियोजना प्रस्तावका द्वारा इस आवाद का नीटरी सी वाम्यापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसको विरुद्ध भारत सरकार, वर्योवरम, वन और जलवाया परिवहन गंवालद की अधिसूचना करा.अ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अन्तर्गत कोई उत्तराधिन का प्रकल्प लिया नहीं है।
16. जाननीय लूट्रीन कोट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को common cause vs. Union of India with petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का वालन किया जाएगा। इस वावह अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
17. जाननीय लूट्रीन कोट द्वारा दिनांक 08/01/2020 गो वी पेटीशन (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिया निर्देशी का वालन किया जाएगा। इस वावह अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।



जमीन वाहिनी/दस्तावेज प्राप्त होने वरपरीत जागरी कार्यक्रमी की जाएगी।

एन्डोनुसार एसडीएसी_ छलीचापड के ज्ञापन दिनांक 08/02/2024 के परिणय में परिवोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 09/05/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(३) जारीकी की ५३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४।

सभिति द्वारा नमी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठा पाई गई:-

१. इसी विशेषका का दिनांक ३०/०५/२०२३ का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार आवेदित खदान से ५०० मीटर की भौतिक अपरिवित अथवा खदानी की संख्या निरंक बलाई गई है। आवेदित खदान से ५०० मीटर की भौतिक अपरिवित अथवा खदानी की जानकारी के संबंध में इमार यज्ञ वार्षिकत्व बलेकर (विनियंत्रण) जिला-बलशमपुर-रामानुजगंगा के जापक ग्रामोंक एवं दिनांक सहित जापा कर प्रस्तुत नहीं किया गया है।
२. कार्यालय कलेक्टर (विनियंत्रण जापा), जिला-बलशमपुर-रामानुजगंगा के ज्ञापन नमांक २२८/सनियं/उत्तरानि./२०२४ बलशमपुर, दिनांक २९/०२/२०२४ द्वारा जारी प्रमाण यज्ञ अनुसार उक्त खदान से २०० मीटर की विशेषी गै कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र यीसे भवित, भवित्व, मरुष्ट, युल, नहीं ऐल लाईन, अस्पताल, कृषुल, एनीकट और राज्यगार्थ, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिवेदित क्षेत्र निर्दिष्ट नहीं है।
३. ऊपरी विशु को लौज क्षेत्र की जौना में जानी और ७.५ मीटर की पट्टी में कृषानीपण किये जाने हेतु उपयोग किया जाएगा।
४. यज्ञ की आपूर्ति भू-जल के नियम से की जाएगी। इस बाबत् सैभूल शारण्य कीटर अधीक्षिती से अनुमति द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। इस बाबत् जप्त यज्ञ (Notarised undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
५. लौज क्षेत्र की जौना में जानी और ७.५ मीटर की पट्टी में कृषानीपण (अधिकारी, बहु, वीक्ष, नीन, अम, अर्जुन, ऐल आदि) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार १,५०० नग पीढ़ी के लिए राशि १,०५,००० रुपये, वार्षिक के लिए राशि १,३०,००० रुपये, खाद के लिए राशि ४५,००० रुपये, शिवाई के लिए राशि ६०,००० रुपये, उक्त राशि-४६८०० आदि के लिए राशि ८८,००० रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि २,२८,००० रुपये तथा आगामी ५ वर्ष में कुल राशि ८,५४,००० रुपये हेतु योग्यता यज्ञ जा विवरण प्रस्तुत किया गया है।
६. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निमानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
३०	२%	०.५०	Following activities at Village- Vinendra Nagar	

		Pavitra Nirmal	Van Nirmal	9.56
		Total		9.56

सी.ई.आर. की अंतर्गत "परिवर्तन वन नियमों" के तहत (ज्ञावला, बहु, पीपल, सीम, आम, अर्पुन, फेल आदि) बुकारीयण हेतु प्रस्तुत प्रसादाद अनुमति 1,000 नग चौप्पी के लिए राशि 70,000 रुपये, चौप्पीय के लिए राशि 1,30,000 रुपये, खाद के लिए राशि 30,000 रुपये, तिथाई के लिए राशि 60,000 रुपये, तथा रख-रखाव आदि के लिए राशि 88,000 रुपये, इस प्रसादाद प्रधान वर्ष में कुल राशि 3,78,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 6,60,000 रुपये हेतु पटकवार आद का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परिवोजना प्रसादादक द्वारा आम प्रधान विशेष भवान के सहमति उपस्थित यथायोग्य स्थान (जैसरा जमाना 1378, संकाल 0.4 हेक्टेयर) के संकेत में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

7. उपरी घटटी का दुर्घटनायण न करने, विकल्प न करने एवं अन्य कार्यों में उपचार नहीं किये जाने वाले हुए घटटी का दुर्घटनायण पुनर्भवाव में किये जाने वाला उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. गार्डनिंग लीज ऑफ के ऊंचर राधन बुकारीयण किसी जाने वाले भौमिक पीप्पी का सरकारीबल रेट (Survival rate) 50 प्रतिशत तुमिलियाह गिरे जाने वाला उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. ब्लास्टिंग का कार्य दी जी.एम.एस. द्वारा अधिकृत विस्कोटक लाइसेंस वालक (Explosive Licensee Holder) द्वारा कराये जाने वाला उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. ब्लास्टीजार आदर्श पुनर्वास नीति के तहत रखानीय लोगों को सीखाना दिये जाने हेतु उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. चौरियोजना से जिन-जिन रखली गी ब्लास्टिंग उस्ट डास्टर्जन होगा, तुन जल्दी कर नियमित ग्राह छिक्कान की व्यवस्था किये जाने वाला उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. परिवोजना प्रसादादक द्वारा खानिल गिर्दी के तहत बालबद्ध डिलरों द्वारा सीमावान का कार्य तुमिलियत किये जाने वाला उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. परिवोजना प्रसादादक द्वारा गिर्दी भी द्वारा जा दूषित गाल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्रोत, याताब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संसाधन गिर्दी जाने वाला उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. परिवोजना प्रसादादक द्वारा इस आवाद का उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विशेष इस सदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश की अंतर्गत गिर्दी भी न्यायालय में लिखित नहीं है।
15. परिवोजना प्रसादादक द्वारा इस आवाद का उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विशेष इस सदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश की अंतर्गत गिर्दी भी न्यायालय में लिखित नहीं है।
16. परिवोजना प्रसादादक द्वारा इस आवाद का उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विशेष इस सदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश की अंतर्गत गिर्दी भी न्यायालय में लिखित नहीं है।
17. समन्वय गुरुत्व कोटे द्वारा दिनांक 02/09/2017 को common cause no. Union of India anti petition (C) 114 of 2014 में दिये गये गिरेक का वासन

किया जाएगा। इस बाबत प्राप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रकृति किया जाता है।

17. समन्वीय सुधीर लोटे द्वारा दिनांक 05/01/2020 की अदी पेटिशन (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिनांकितों का प्राप्त किया जाएगा। इस बाबत प्राप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रकृति किया जाता है।

समिली द्वारा विचार गिरफ्तार समर्थन समितिको निर्भय किया जाता है आवेदित खबान से 500 मीटर के बीच जलस्थित अन्य खदानों की जानकारी के संबंध में ध्वनि प्रबल जलस्थित कलेक्टर (जलनिया शास्त्री) जिला-प्रशासनकार्यालय के जालक दूरसंचाक एवं दिनांक राहित प्राप्त कर प्रकृति किये जाने की उपलेख आगामी कार्यवाही की जाएगी।

परिवेशका प्रशासक को तदानुसार सुवित किया जाए।

विचार अन्वयाद जलन की साथ संपर्क रुद्ध।

(असंदिक्षित किया)

वादीय वाचिक

राज्य वादीय विशेषज्ञ गृह्यांकन समिति
समितीसंगठ

(कौ. बी.गी. सोनावणे)

अवधार

राज्य वादीय विशेषज्ञ गृह्यांकन समिति
समितीसंगठ

मेसर्स रामलाल लकड़ा (गम्भारिया शिक कंस के बड़ी एवं प्रिंसिपली शिक्षा प्रदाता) की असंख्य कानूनी ८८७, ग्राम-गम्भारिया, लालसील व जिला-याहापुर, झुज लौज क्षेत्र ३,८८८ हैंडटेचर मिट्टी उत्तराखण्ड (प्रीष्ठ स्थगित) कानून - १,४०० घनमीटर प्रतीक्षी लेन्ड पर्यावरण स्वीकृति में दी जाने वाली जाते

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित जाती के आधीन दी जा रही है। अतः इन जाती को बहुत भाव से पढ़ा जावे उथा कन्दाई से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यदि लकड़ान खनिक विभाग द्वारा अविस्तृत किसी कलक्षण में है, तो पर्यावरण स्वीकृति मान्य नहीं होगी।
2. उत्तराखण्ड क्षेत्र ३,८८८ हैंडटेचर से अधिक नहीं होगा। इसी प्रकार उत्तराखण्ड से अधिकतम मिट्टी उत्तराखण्ड (प्रीष्ठ स्थगित) कानून - १,४०० घनमीटर प्रतीक्षी से अधिक नहीं होगा। लौज क्षेत्र की रीमड़ी का संग्राहक उत्तराखण्ड परके मुनारे लगाया जाए। लौज क्षेत्र को यारे छोर तार से पोराबंदी किया जाए।
3. लौज क्षेत्र के बाहर जोई गतिशील (Activity) नहीं किया जाए। लौज क्षेत्र के बाहर की गतिशील (Activity) जाती का उत्तराखण्ड मान्य जाएगा। उत्तराखण्ड हेतु नियमानुसार कानूनीयी की जाएगी।
4. पर्यावरणीय स्वीकृति नी गैलता भारत सरकार के पर्यावरण, बन और जलवायु चरिकान, नेत्रालय द्वारा जारी ईआईए नोटिफिकेशन २००६ (ज्ञा स्टीमिंग) के आधारों के तहत रहेगी।
5. परियोजना प्रस्तावना द्वारा लौज क्षेत्र की मुख्य प्रकोप द्वार पर गूचना बट्टा (लौज घारक-का नाम, खड़ान का दोषकल, ऊर्ध्वांश एवं देशांतर सहित उत्तराखण्ड की जल, स्वीकृति अवधि) लगाया जाए।
6. भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिकार्तन, भवालव द्वारा जारी अंत्य दिनांक २४/०६/२०१३ के अनुसार किसी सिविल स्ट्रोपर से जल से कम १५ मीटर की दूरी दोहराव उत्तराखण्ड क्षेत्र की पालिये सुनिश्चित किया जाए। भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिकार्तन, भवालव द्वारा जारी जौएन दिनांक २४/०६/२०१३ एवं जारी अंत्यसूचना दिनांक २२/०२/२०२२ में मिट्टी उत्तराखण्ड हेतु नियमित गाई-लाई एवं पालन सुनिश्चित किया जाए।
7. उत्तराखण्ड की अधिकारीय नहराई २ मीटर से अधिक नहीं होगी। उत्तराखण्ड प्रक्रिया धू-जल तार के ऊपर असंतुच प्रभाग में भी जाएगी एवं उत्तराखण्ड प्रक्रिया धू-जल तार के नीचे किसी भी परिस्थिति में भी जाएगी।
8. लकड़ान से उत्तराखण्ड जल एवं चरेत्तु दृष्टिं जल (यदि जोई हो), को सुपरार की उपर्याक्षी एवं पर्यावरण स्वयंस्था किया जाए। औद्योगिक प्रक्रिया एवं लकड़ान से उत्तराखण्ड किसी भी प्रकार की दृष्टिं जल को किसी नदी अथवा सरहड़ी जल जलों में किसी भी परिस्थिति में नियन्त्रित नहीं किया जाए, क्षणिक दृष्टि प्रक्रिया में अथवा कृषीरोपण हेतु दुनियांग किया जाए। चरेत्तु दृष्टिं जल को सुपरार के किसी सीधिक दृष्टि एवं सीधीपारीट की अवधारणा किया जाए एवं किसी नदी अथवा सरहड़ी जल जलों में किसी भी परिस्थिति में नियन्त्रित नहीं किया जाए। दृष्टिं जल एवं अपीजतु जल जल अपीजतु जल में न निलम्ब देने हेतु भी अवधारणा की जाए। परपरांत दृष्टिं जल की युग्मता भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिकार्तन, भवालव द्वारा अविस्तृत मानक अथवा उत्तीर्णताएवं पर्यावरण संसाधन नक्त सुना अविस्तृत मानक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. भू-जल की संरक्षण हेतु कंगड़ोंव मू-जल बोर्ड से उत्तराखण जलसंग्रह करने के पूर्ण अनुमति प्राप्त किया जाए। (यदि अवश्यक हो)
10. उनिज उत्तराखण के निमित्त जलों से उत्तराखण कर्मज जलसंग्रह का नियंत्रण प्रभावी एवं नियमित कार से किया जाए। यहौय नार्म, रैम, नंगाल झें, नरही एवं अन्य इस उत्तराखण नियन्त्रण पर जल वित्तकार की व्यवस्था किया जाकर दृष्टका सतत संचालन / उत्तराखण सुनिश्चित किया जाए।
11. बाहनी एवं अन्य प्रक्रिया से उत्तराखण वायु प्रदूषण को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं नाम्य (प्रदूषण नियन्त्रण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत विनियोगित नामकों (जो भी कठोर हों) के अनुकूल रूप जारी। उत्तराखण कीव में वरियेटीव वायु वीं गुणवत्ता आवत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, भवान्य द्वारा अधिसूचित वाक्यों से अधिक नहीं होनी चाहिये।
12. ठोस जलसिष्ट के काप में उत्तराखण ईट के टूकड़ों आदि को भू-भवण एवं ईंड की संचालन हेतु उपकोग किया जाए।
13. फलाई ऐसा को उड़ने से बचाने की लिए समझ-समझ वह जलने का विकलान किया जाए। समझ ही यह सुनिश्चित किया जावे की फलाई ऐसा उड़न आस-आस के बीचों में फिल्फिल पर्यावरण को प्रदूषित न करे, जिसके कि आस-आस के रहमानी पर विवरीत प्रभाव न पहुँचे।
14. उत्तराखण की दीर्घी लाई गई जगती मिट्टी (टीप सौईल) का उपयोग ईट निर्माण में उपयुक्त नहीं होते वह उत्तराखण हेतु उपयोग में नहीं आने वाली भूमि के पूर्ण उदार हेतु आसा बाहरी ओपरेटर्सन को मिट्ट (स्टैपिलहज) जलने में किया जाए। जहाँ पर उपकी मिट्टी (टीप सौईल) को जलन प्रक्रिया की साथ-साथ (हीनाकरेटली) उपयोग किया जाना समझ न हो, तब इसे पृथक से व्यवस्थित कर मरिय में उपयोग हेतु रखा जाए।
15. ओपरेटर्सन एवं अनुपयोगी मिट्टी को उकित प्रकार से सुरक्षित रखा जाए ताकि अन्धारित पदार्थ आस-आस की भूमि पर विपरित प्रभाव न काल काके एवं उत्तराखण की प्रवात से गवाहों में सुन्दरता (वैक फिल्म) हेतु भूमि का भूल उपकी अवधारित विकल्पित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके; अन्धारित जल्य की ऊपराई 03 मीटर तथा रस्तों 45 दिशों से अदिक न हो। ओपरेटर्सन जल्य का बास बीकने हेतु वैकारिक तरीके ने वृक्षारोपण किया जाए।
16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा वह सुनिश्चित किया जाए कि जलग प्रक्रिया से उत्तराखण निलट लोज क्षेत्र के जास-जास के सतही जल वर्षों में प्रवाहित न हो। इसे बीकने हेतु आईय पीट जल्य क्षेत्र ईट भट्टा कीव में रिटेनिंग बील / गार्डेन्स हेन जी व्यवस्था की जाए।
17. मिट्टी, फलाई ऐसा एवं ईट का उपयोग तारपीलिन अथवा जल्य उपयुक्त नहिम से होके हुये गाहन की किया जाए, ताकि मिट्टी अथवा ईट वाहन से बाहर नहीं गिरे। दूसीज या उपरिक्त कर रहे बाहनी को जमता ही अधिक नहीं भए जाना सुनिश्चित किया जाए।
18. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु जिमानुसार प्रकार यह जारी पर्यावरण प्रबंधन योजना की अंतर्गत किया जाए।-

Capital Investment (In Lakh)	Percentage of Capital Investment	Amount for CER Activities	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)
---------------------------------	----------------------------------	---------------------------	---

Rupees)	To Be Spent	(In Lakh Rupees)	Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
			Following activities at, Village- Sarudih	
56.11	2%	1.32	Plantation around Muktidham	1.57
			Total	1.57

18. सीईआर के तहत निर्धारित बाटौरी 06 लाख में अनियार्थी रुपये किया जाए। सीईआर की उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य दूर्ज संवर्तन संबंधित याम पंचायत से कारीगरी विकास प्रयोगशाले प्राप्त कर अविवाकिक रिपोर्ट में नमाहित करी द्वारा प्रस्तुत किया जाए। याम ही जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु याम पर आये तब उन्हें बदलान/सद्गम/भट्टा के निरीक्षण की सम्भावना सीईआर के तहत आपको द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनियार्थी रुपये की कराना आपकी जिम्मेदारी होगी।
19. सीईआर के अंतर्गत याम चालूकीह सिवत नुसिलाम के बारी और (आम कठाइ एवं अम्बुन) 73 नग शुकारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार पीछी के लिए जाहि 7,000 रुपये, केसिन के लिए राशि 14,000 रुपये, छाद के लिए राशि 6,280 रुपये, सिपाई, रख-नखाव एवं अन्य जाहि के लिए राशि 30,000 रुपये द्वारा प्रकार प्रधान वर्ष में कुल राशि 66,280 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,01,000 रुपये हेतु घटाकार याम का नियरण प्रस्तुत किया जाया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पंचायत चालूकीह के संहारि उपरान्त प्रधानीय याम (खालसा रामाक 244/2, कोडलन 8,607 हेक्टेक्टर) के भवेत् में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कार्य पूर्ण करें।
20. सीईआर एवं शुकारोपण कार्य के मॉनिटरिंग एवं पर्योग्यता हेतु फ्री-फ्लाय समिति (प्रीपराइटर/प्रतिनिधि, याम पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रस्तावक या जलीयशासक पर्योग्यता संस्थान गवर्नर के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। याम ही सीईआर एवं शुकारोपण के कार्य पूर्ण किये जाने के उपरान्त फ्री-फ्लाय समिति से सामाप्ति कराया जाए।
21. जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु याम पर आये तब उन्हें बदलान/चालूकी/भट्टा के निरीक्षण की सम्भावना सीईआर के तहत आपको द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनियार्थी रुपये से कराना आपकी जिम्मेदारी होगी।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उल्घनन हेतु नियिद केज (बारी तरफ 01 लैटर दीड़ी बेट्ट), हॉल रोब, लोकप्रबन्धन तथा जाहि में स्थानीय प्रजातियों को 473 युक्ती का उल्घन शुकारोपण किया जाए। हॉल बद्दी का निकाल केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भावीदर्तीका के अनुसार किया जाए।
23. प्राथमिकता के आवाह पर बदलान प्रक्रिया द्वारा वर्ष 2024-25 में कम ही रुपये 776 नग पीछे लीज लोअर के अनुसार बढ़, पीपल, नीम, बारंज, शीतू, आम, हमली, कर्जुन, शीरस जाहि अन्य स्थानीय प्रजातियों के पीछों का दीपन 3 पीछियों में बदलान के कुले केज में किया जाए। शीपल को तुरस्ति रखने के लिए उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (जैसा काटेदार तार के बाह अथवा द्वी बार्ड का उपयोग) किया जाए। याम उपलब्ध नहीं होने की दशा में संबंधित याम पंचायत द्वारा बिन्दीत केज में उपरोक्तानुसार शुकारोपण किया जाए। 6 पीट ही 6 पीट कीयार्थी काले पीछों का ही

किया जाए। उपर्युक्त मूलांकन इच्छा वर्ष में पूरी किया जाए। मूलांकन नहीं करने पर जारी पर्यावरणीय स्ट्रीकूटि नियम की जा सकती है।

25. शोधित चिह्ने जाने जले पीढ़ी वे संख्यांकन (Numbering) एवं पीढ़ी के नाम का उल्लेख करते हुए फोटोग्राफ्स स्ट्रीकूटि जानकारी अंकितिक रिपोर्ट के साथ जमा करें।
26. मार्गीनिंग लौज कोर के अंदर एवं बाहर सभन मूलांकन किये जाने एवं शोधित पीढ़ी का सारक्षणीय रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत मूलिकता किया जाए। याथ ही मूलांकन का रक्त-हड्डी आणानी 6 वर्ष तक मूलिकता करते हुए नुस्खा पीढ़ी को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
27. जिहे गरी मूलांकन की मुख्टी हेतु भी जी की एस. (Differentiation Global Positioning System) सह एवं फोटोग्राफ्स अंकितिक रिपोर्ट में सम्भाल करते हुए उल्लीकरण पर्यावरण संस्करण भण्डाल एवं राज्य सारीय पर्यावरण प्रभाव संस्करण दर्शितना (एस. ई.आई.ए.ए.) उल्लीकरण को प्रेरित किया जाए।
28. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 1. नीटर प्रतिक्रिया कोर में प्रकलापित कार्य एवं जी.आर. के तहत प्रकलापित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्ट्रीकूटि को नियम बदली की कार्यवाही की जाएगी।
29. उल्लेखन कोर में व्यक्ति प्रदूषक न हो, वह मूलिकता किया जाए।
30. उल्लेखन व्यक्ति इस प्रकार मूलिकता की जाए कि उन्नतिको एवं जी.आर.उल्लेखन पर दुष्प्रभाव न हो।
31. मिट्टी उल्लेखन उल्लीकरण योजना नियम 2015 के प्रावधानी अनुसारित उल्लेखन योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना के अनुसार किया जाए।
32. कार्य स्थाल पर यदि बोम्बिंग अविकार जारी पर जाती जाते हैं तो ऐसी अविकार के आवास उल्लिक व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आकाशीय व्यवस्था अवधारी उल्लेखनों के समें ही जाती है, जिसे परियोजना पूरी होने की पारात हटाया जा सकता है।
33. अविकार के लिए उल्लेखन स्थाल पर रक्षणा प्रयोजन विधिवालीय सुधार, गोबांडुल ट्रायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
34. अविकार का वाय-वाय पर अत्यनुप्रेषतत ऐत्य स्ट्रीकूटि करना अवश्यक है।
35. इस पर्यावरणीय स्ट्रीकूटि को जारी करने का आवश्य किसी अविकार अवधा अन्य उल्लेखन पर अविकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्ट्रीकूटि किसी नियमी राम्परित की मुकाबला पूर्णतया अविकार अविकारों के अतिकरण अवधा केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय जननूनों/विधियों के उल्लंघन हेतु अविकृत करता है।
36. उल्लेखन की तकनीक, कार्य क्षेत्र एवं अनुमोदित उल्लेखन योजना के अनुसार वार्तिक योजना, जिसमें मिट्टी उल्लेखन नियमिता है, में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एस. ई.आई.ए.ए. उल्लीकरण / पर्यावरण तथा एवं जलगाम परिवर्तन संवादाय भाग उल्लेखन की पूर्ण अनुगति के बिना नहीं किया जाए।
37. एस.ई.आई.ए.ए. उल्लीकरण पर्यावरण वार्तालाय की वृद्धि से परियोजना की समरिया के परिवर्तन अवधा विनियोगित जाती की सारोच्चाद स्थान से वाहन या जलने की वजा में किसी भी जाती में सांकेतिक / नियम यात्रे अवधा नहीं जाती जोइने अवधा उल्लंगन / नियमाव की वाग्कों को और सख्त करने वाला अविकार सुरक्षित रखता है।

38. परियोजना प्रस्तावक नमूनतम 02 लघानीय राजावाद मर्ती ने, जो कि परियोजना को आस-पास व्यापक रूप से प्रस्तावित हो, पर्यावरणीय स्थीकृति द्वारा होने की 07 दिनों के भीतर इस आवाय की सूचना प्रस्तावित करेगा कि परियोजना की पर्यावरणीय स्थीकृति द्वारा हो गई है एवं पर्यावरणीय स्थीकृति यह तो प्रतिष्ठी संगीतनव, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। यह ही इसका अवलोकन वेबसाइट parivesh.nic.in पर भी किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय स्थीकृति में दी गई जाती की पालन हेतु जी नई कार्यालयी की अधिक रिपोर्ट छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल, अटल नवार, कोडीव कार्यालय छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल, लघानीय एवं आईआईए.ए. छल्लीसगढ़ एवं एकीकृत दोनों कार्यालय पर्यावरण, एवं एवं जलवायु परिवर्तन संवाददृष्टि द्वारा जाए।
40. एकीकृत कोडीव कार्यालय पर्यावरण, एवं जलवायु परिवर्तन संवाददृष्टि, भारत राजकार, लघानीय पर्यावरणीय की पालन की नियन्त्रिति तो पाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा रामय-वामय पर इसका द्वारा दर्शायेंगी एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत कोडीव कार्यालय पर्यावरण, एवं एवं जलवायु परिवर्तन संवाददृष्टि द्वारा लघानीय पर्यावरण, भारत राजकार, लघानीय पर्यावरण को देखिया किया जाए।
41. एसईआईए.ए. छल्लीसगढ़ पर्यावरण, एवं और जलवायु परिवर्तन संवाददृष्टि भारत राजकार, एकीकृत कोडीव कार्यालय, पर्यावरण, एवं जलवायु परिवर्तन संवाददृष्टि, भारत सरकार, लघानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल को ऐडामिक्स/अधिकारियों की जाती के अनुपालन के संबंध में जी जाने वाली नियन्त्रित हेतु पूर्ण सहायी दर्शान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा नियन्त्रित जाती का अनुपालन करना नहीं जाके जाने पर पर्यावरणीय स्थीकृति नियन्त्रित की जा सकती।
42. परियोजना प्रस्तावक छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल एवं राज्य राजकार द्वारा दी गई जाती का अनिवार्य रूप से पालन करेगा। ये जाती जल (प्रदूषण नियाय राज्य नियन्त्रण) अधिनियम, 1974, वाय (प्रदूषण नियाय राज्य नियन्त्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संस्कार) अधिनियम, 1986 तथा इनकी जहात दर्शाये गये नियमों, परियोजना कार्यालय और उन्होंने अपशिष्ट (प्रबंध एवं सीखावार वाचकत्व) नियम, 2016 तथा लोक विधिय वीमा अधिनियम, 1991 (फल संसोधन) के अनीन नियन्त्रित की जा सकती है।
43. प्रस्तावित परियोजना की तारे में एसईआईए.ए. छल्लीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में लोई भी विवरण अवाया वरिकार्न होने वी दशा में एसईआईए.ए. छल्लीसगढ़ को पूर्ण नवीन जलनकारी सहित सहित किया जाए, ताकि एसईआईए.ए. छल्लीसगढ़ इस पर विचार कर जाती की उपयुक्तता अवाया नवीन जल नियन्त्रित करने का वाया निर्णय ले सके। यहाना में लोई भी विवरण अवाया जलनयन एसईआईए.ए. छल्लीसगढ़ / पर्यावरण, एवं एवं जलवायु परिवर्तन संवाददृष्टि द्वारा सरकार की पूर्ण अनुमति के किया नहीं किया जाए।
44. छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल पर्यावरणीय स्थीकृति जी प्रति तो सुनके दोनों कार्यालय, नियमा-व्यापार एवं उद्योग कोन्ट्र एवं कालेक्टर/तालीमदार कार्यालय में विवर की अवधि के किये प्रदत्तित करेगा।

४५. पर्यावरणीय स्थीरता के लिए अपेक्षित नेतृत्व ग्रीन ट्रीमूनल की समझ, नेतृत्व ग्रीन ट्रीमूनल एकट २०१० की घास १५ में दिये जाएं ज्ञाकरणी खगुलार, ३० दिन की समय अवधि में की जा सकेगी।

सदस्य सचिव, एसडीएस


भूपिंदे सिंह, एसडीएस

मैलवी गांडिंगरटोली संख्या खारी,

बालू/सौंच, विकास तथा सहायता समूह, प्राम पंचायत गांडिंगरटोली की खाली इमारत 100/1, कुल क्षेत्रफल - 3 हेक्टेयर के कुल 60 प्रतिशत क्षेत्रफल में ही ऐसे उत्पन्न, प्राम-सार्टांगरटोली, राहसील व जिला-जगपुर में राष्ट्र नदी से रेत उत्पन्न हजार 18,000 घनमीटर प्रतिवर्ष ऐसे प्रसारित पर्यावरण स्थीरता में दी जाने वाली है।

यह पर्यावरणीय क्षीकृति नियन्त्रिति छाती के अधीन दी जा रही है। जहाँ इन छाती के बहुत उत्पन्न से पढ़ा जावें तथा बनावृत्त से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय क्षीकृति खाली घटाई के नियादन की तारीखी वी पांच वर्ष तक की अवधि हेतु दी गई है।
2. सास्टेनेबल सैंपल गार्डलाइन्स, 2018 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2018) एवं इन्फोर्मेंट एवं मैनेजमेंट गार्डलाइन्स कोरिं सैंपल गार्डलिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार उत्पन्न सुनिश्चित किया जाए।
3. इन्फोर्मेंट एवं मैनेजमेंट गार्डलाइन्स कोरिं सैंपल गार्डलिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के तहत 60 प्रतिशत क्षेत्र में ही उत्पन्न कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
4. बाद आवश्यक (सिल्वरेशन रिपोर्ट) रिपोर्ट - परियोजना प्रस्तावना ऐसे उत्पन्न क्षेत्र में आगामी 1.5 वर्षों में विस्तृत नाय अध्ययन (Baseline Study) करनावेगा, ताकि ऐसे के पुनर्भवण (Replenishment) बाबत सही जांकारे, ऐसे उत्पन्न का नहीं, नहीं उत्पन्न विकासीय बनावधि, जैसे एवं सूख मीठी पर प्रसाध तथा नदी की पानी की वृप्तवत्ता पर ऐसे उत्पन्न के प्रभाव वही सही जानकारी प्राप्त हो सके। यात्तर रुटडी रिपोर्ट की प्रति जिला समिति अधिकारी एवं एसईआईएप्. छात्र में अनिवार्य काम से प्रस्तुत की जाएगी। उत्तर राटडी रिपोर्ट के अन्तार पर ही आगामी उत्पन्न की मात्रा दूर्व उत्पन्न के अवधि प्रभावित होगी।
5. परियोजना प्रस्तावका द्वारा लीज क्षेत्र के गुलब द्वीप स्तर पर सूखना पटल (जीव वासक का नाम, उत्पन्न का क्षेत्रफल असाध्य हर देशात्मक सहित, उत्पन्न की भावा, क्षीकृति आवधि) जानाया जाए।
6. लीज क्षेत्र के आंतर कीनी तथा सीमा लाईन की भवा ने जीवेट की रूपान्व आवश्यक है ताकि लीज क्षेत्र नदी में स्थान दृष्टिगोचर हो सके।
7. लीज उत्पन्न सुनिक विभाग द्वारा अधिकृति किसी बलस्टर में ही, अध्यक्ष 600 नीटर की भीतर स्थीकृत ऐसे उत्पादी का कुल एकांक 3 हेक्टेयर से अधिक होता ही नहीं पर्यावरण स्थीकृति जान्य नहीं होगी।
8. गार्डलिंग व्यापक अनुसार ऐसे उत्पन्न क्षेत्र 3 हेक्टेयर के कुल 60 प्रतिशत क्षेत्रफल से अधिक नहीं होता। जो 40 प्रतिशत क्षेत्र में उत्पन्न नहीं किया जाएगा। ऐसे उत्पन्न संतान से 1 नीटर गहराई तक ही किया जाएगा, उससे अधिक नहीं। इसी प्रकार उत्पन्न से ऐसे का अधिकतम उत्पन्न हजार 18,000 घनमीटर प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होता।

- माननीय एम.सी.टी. के आदेश दिनांक 28/02/2021 के अनुसार बट्टैरेज द्वारा माईमिंग प्रक्रम एवं पर्यावरणीय स्थितिको जाती का पालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरण विभाग नियुक्त करना होगा।
- ऐत उत्तरानन प्रारंभ करने के पूर्व उपरोक्तानुसार निम्नांकित पिछले बिन्दुओं पर नहीं गैरि इत की सातह के लेवल (Levels) का सर्वे कर, उसके आंकड़े उत्तराल एसईआई ए.ए. एल्टीसीएम को प्रस्तुत किये जायें। पोर्ट-मानसून (अक्टूबर / नवम्बर माह में ऐत उत्तरानन प्रारंभ करने के पूर्व) इन्हीं पिछले बिन्दुओं ने माईमिंग लीज क्षेत्र तक सात सीधे ढोक की अवस्थीम एवं डाउनस्ट्रीम में 100 मीटर तक तथा उनमें सीख के बाहर / नदी तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक की ढोक में नदी सातह के लेवल (Levels) का सर्वे पूर्व निम्नांकित पिछले बिन्दुओं पर किया जाएगा। इसी प्रकार ऐत खुग्न उपरोक्त मानसून के पूर्व (नदी माह के अंतिम वार्षाह / जून के प्रथम वार्षाह) इन्हीं पिछले बिन्दुओं पर ऐत सातह के लेवल्स (Levels) का मापन किया जाएगा। ऐत सातह के पूर्व निम्नांकित पिछले बिन्दुओं पर ऐत सातह के लेवल्स (Levels) के मापन का कार्य आगामी 5 वर्ष तक की पिछले अविकल्पित रहेगा। ग्री-मानसून के अंकड़े अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पोर्ट-मानसून के अंकड़े दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनिवार्य काय से एसईआई ए.ए. एल्टीसीएम को प्रस्तुत किए जायेंगे।
- ऐत की सूचाई एवं नसई अविकल्प द्वारा (Manually) की जाएगी। इस प्रयोजन के लिये किसी सफारन चालक (Machinery) आदि का उपयोग नहीं किया जाएगा। रिवर बेत में आसी पाहनी लीजी— लीजीशी लहीन, चौकलीम, लोहर, देनभाष्टेज लहीन, राईक आदि का उपयोग अविकल्पित रहेगा। लीज क्षेत्र में विष्ट ऐत खुदाई गढ़क (Excavation pits) से लोडिंग पाईट तक तो का परिवहन ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।
- ऐत का उत्तरानन कोगत पिछली, लीमानिल एवं गोलित क्षेत्र में ही किया जाएगा। ऐत उत्तरानन की अविकल्प गहराई सातह से 1.5 मीटर ऊपरा वर्तमान जल स्तर की उपरी सातह से 1 मीटर ऊपरकर दोनों में से जो कम हो, से अधिक नहीं होती। ऐत का उत्तरानन किसी भी पर्यावरणीय में जल स्तर के नीचे नहीं किया जाएगा। नदूनाम 2 मीटर गोलाई सक की ऐत नदी तक (हार्ड रीफ) की ऊपर ओड़ा जाना आवश्यक है।
- ऐत उत्तरानन नदी स्तरी से कम से कम 7.5 मीटर ऊपरा नदी की औदाई के 10 प्रतिशत की दूरी जो भी अलीक हो ओड़कर ही किया जाएगा, ताकि नदी स्तरी का क्रमण न हो। किसी भी मुत्तिया, स्टाम्फेन, बाब, एनीकर, अत प्रदाय व्यवस्था एवं उन्हें संबंधित सांख्यनामों से गुदान की अवस्थीम में न्यूनतम 600 मीटर तथा डाउनस्ट्रीम में न्यूनतम 200 मीटर गुरुशिल हीव ओड़ा जाना अनिवार्य है।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐत उत्तरानन के कारण नदी जल का बैग, लॉबिटिटी एवं जल बहाव की नियन्त्रण पर कोई विपरीत प्रभाव न घड़े। नदी के स्वार्थ काल (Free flow of river) वो अविकल्प नहीं किया जाएगा।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्तरानन बोगल उली क्षेत्र में किया जाए जिसमें उच्च जिलों के आस-पास के क्षेत्र पर कोई भी जीव-जन्म प्रभाव हेतु नियर न हो। जन्मदुओं के द्वारा इलाईयों / लीजी का संसाधन आवश्यक है। अत इन लीजी के आस पास ऐत उत्तरानन नहीं किया जाए।

16. ऐत प्रस्तुतन एवं भराई / वरिष्ठहन दिन की समय (सूचीदाय और सूचीकृत के बाप) ही किया जाए। यह चारों दोनों की समय नहीं किया जाए। वापि मैं प्रस्तुतन करना चाहे जाने गी तिथि में उपर्युक्त तत्वानन आना जाएगा तथा परियोजना प्रस्तावक के विस्तृत विवरणानुसार कार्यालयी की जाएगी। पर्यावरणीय इटीकृति निवास भी जो जासकेगी।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऐत प्रस्तुतन विभिन्न प्रभागी यथा लौहिन / अनलॉडिंग आदि से उपर्युक्त होने वाले व्यवस्थिति डिटॉल उपयोग के विषयमें हेतु उपयुक्त वाप स्वाक्षर विवरण व्यवस्थाएं जैसे जल शिवलय अथवा अन्य उपयुक्त वापनावा जैसे जाए। ऐत प्रस्तुतन द्वारा ये परिवेशीय वायु की गुणवत्ता भवल सरकार, पर्यावरण वन और जल वायु परिवर्तन, भवानीय, नई दिन्ही द्वारा अधिसूचित वानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
18. ऐत का परिषहन तारीखिल आवाद अन्य उपयोग सामग्री से वाले हुए वाहन से किया जाए, ताकि ऐत वाहन से बाहर नहीं गिरे। तानिज का परिषहन कर वाले वाहनों को आवाद से अदिक नहीं भवा जाना सुनिश्चित किया जाए।
19. प्रस्तुतन टीके में जाने प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
20. प्राप्तिकर्ता के आवाद वर उपयोग प्रबंधन द्वारा वर्ष 2024-25 में नदीशट के कठाव को बीकाने हेतु लौज लैब को अनुसार अर्जुन, जग्मन, बद्र, वीपल, नीम, बरेज, सीमु, आम, इन्हाँ, सीरस आदि अन्य खानीय प्रजालियों के बूल 400 नये बीकों का बीपण नहीं उठ वर रोपित किया जाए। बीपण को सुरक्षित रखाने को किये उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (यथा कोटिशार तार की बाक का उपयोग) किया जाए। 8 फीट से 8 फीट ऊंचाई वाले बीकों का ही बीपण किया जाए। सफोकता वृक्षारोपण प्रक्रम वर्ष में पूर्ण किया जाए। रोपित बीकों की सुख्ता एवं रक्ष-रक्ष आवानी 6 वर्षी तक उनमें जा उत्तरदायित लेने संकेती आवाय का सम्बन्ध वाले प्रस्तुत किया जाए। रोपित बीकों की सुख्ता एवं रक्ष-रक्ष आवानी 6 वर्षी रक्ष करने का उत्तरदायित परियोजना प्रस्तावक का रहेगा।
21. रोपित किये जाने वाले बीकों में संख्याक्रम (Numbering) एवं बीकों की जाय का उत्तरदायित करते हुवे कोटिशाप्त शहित जागकरी अर्थात् रिपोर्ट के साथ जाएं करें। ऐसा नहीं करने वर पर्यावरण लौकिकि निरक्षण वी जा सकेगी।
22. वृक्षारोपण का रक्ष-रक्ष आवानी 6 वर्षी तक सुनिश्चित करते हुवे मूल बीकों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
23. किंवदं यथा वृक्षारोपण की पुष्टी हेतु जी.डी.एस. (Differential Global Positioning System) एवं एवं कोटिशाप्त अर्थात् रिपोर्ट ने जानाउंस करते हुवे उत्तरदायित प्रस्तावण संख्या मण्डल एवं एस.ई.आई.ए.ए. वृक्षारोपण को उपलिखित किया जाए।
24. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव वर कठाव पर्यावरण प्रांगण योजना के अन्तर्गत किया जाए—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
15.81	2%	0.33	Following activities at,	

		Village- Sattangarh
	Plantation around Muktidham	0.35
	Total	0.35

25. सीईआर के रहने विवाहित कार्यवाही 00 गाह में अग्रिमार्थ कम से भूमि किया जाए। सीईआर के उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण उपरोक्त संबंधित धाम प्रस्तावित से कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर अद्वितीयिक लिंकेट में समर्पित करते हुए प्रस्तुत किया जाए। साथ ही याच मी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आये तब उन्हें बाहान/उद्दीप/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के रहने आपके द्वारा करते गये कार्यों का निरीक्षण भी अग्रिमार्थ कम से करना आपकी जिम्मेदारी होगी।
26. सीईआर के अतर्थी धाम साईटोगरेटोली लिखित मुकिताम के गार्ड और (अम. शीर्षी एवं जामुन) 30 नव बुकारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार गीतों के लिए राशि 1,500. कमाई, गोसिंग के लिए राशि 12,000. लमाई, लाव के लिए राशि 300. लमाई, निरीक्षा, रक्त-दखन एवं अन्य आदि के लिए राशि 4,000. सापड़े इस प्रकार प्रधन पर्यावरण में कुल राशि 18,400. सापड़े तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 18,960. सापड़े हेतु प्रस्तावित व्यय का निरीक्षण प्रस्तुत किया जाया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्राप्त उपलब्ध साईटोगरेटोली के गार्डमें प्रस्तावक व्यापारीय रक्तदान (रक्तदान क्रमांक 116, लेवल 0.445 हेक्टेयर) के रक्तों में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कार्य पूर्ण करें।
27. सीईआर एवं बुकारोपण कार्य के नीनिटिंग एवं पर्यावरण हेतु कि-पक्षीय समिति (ब्रोपरफ्टर/प्रतिनिधि, धाम प्रस्तावक के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं निला प्रस्तावना का गलीशन व्यापक व्यवस्था का व्यवस्था की/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं बुकारोपण का कार्य भूमि किये जाने की उपरोक्त मठित कि-पक्षीय समिति से सत्यापित कराया जाए।
28. यह भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आये, तब उन्हें बाहान/उद्दीप/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के रहने आपके द्वारा करते गये कार्यों का निरीक्षण भी अग्रिमार्थ कम से करना आपकी जिम्मेदारी होगी।
29. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के रहने प्रस्तावित कार्य करना नहीं जाए जाने पर पर्यावरणीय व्यवस्था की नियमत करने की कार्रवाही की जाएगी।
30. परियोजना प्रस्तावक संबंधित केन्द्र / राज्य जालन की दिनांकी, गण्डली एवं अन्य दोस्तानी से रेत चालनन आरंभ करने के पूर्व प्रस्तावक कार्यों अनुसारीयों द्वारा करेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण तथा पर्यावरण नियंत्रण हेतु वायप-वायप यह केन्द्र/राज्य सरकार, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड / गलीशन व्यापक व्यवस्था व्यवस्था गण्डल द्वारा जारी निरीक्षण / नार्दिंशिक का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
31. गलीशन गीण नामित नियम, 2015, द्वारा द्वारा ऐत अवधान द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 2/3/2008 के ग्राम्यानी/गाँव एवं अनुसार जारी दिया जिरही, अनुभोदित अवधान द्वारा एवं परियोजना प्रक्रिया घोषणा का कार्रवाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
32. कार्य स्थल पर यदि कोईभी अधिक कार्य पर जारी जाते हैं तो ऐसे अग्रिमों के जायाम की उचित व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी जाएगी। आपकी व्यवस्था अवधारी जारीनद्वारा तो कम से ही सख्ती है, जिसे परियोजना पूरी होने की प्रत्यक्षत हटाया जा सकते।

33. अनियों के लिए यानन नमूने पर स्वच्छ प्रयोगल विकिरणीय रुपिया, गोबाइल टायलेट आदि जी यद्यपि परियोगना प्रत्यक्षका द्वारा की जाए। याम ही नहीं में गल तूट विसर्जन, अथवा लाल चामड़ी के फैक्ट, फ्लॉसिट का विसर्जन प्रतिवर्तीत रहेगा। नहीं एवं नहीं जल की स्वच्छता का भावन रखा जावे।
34. अनियों का समय—समय पर आवश्यकताल हेत्य वर्णितें कराया जाये।
35. यानन जी तकनीक कार्य के एवं छन्नादित यानन गोबाइल की अधुक्षय कर्तिक लोजन में विसी भी प्रयोग का परिवर्तन एस.ई.आई.ए.ए. छलीसाथ / भास चारकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की दृष्टि अनुगति के किया जानी जिया जाए।
36. इस पर्यावरणीय स्वीकृति को जली करने का आशय विसी व्यक्तिगत अध्यया अन्य सम्पत्ति पर अधिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्वीकृति विसी गियी सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने अथवा व्यक्तिगत अधिकारी के अधिकार अवाक्षय करने, याज्ञ एवं तथानीय रामनूजों / विद्यों के उल्लंघन हेतु अधिकृत करता है।
37. एस.ई.आई.ए.ए. छलीसाथ पर्यावरण मंत्रालय की दृष्टि से, परियोजना की कामयात्रा में भागीदार अथवा विनियोगित जाती के सातीश्वर लाय से यानन न करने की जला में विसी भी जली में साझात्वन/नियन्त्रण नहीं जाती जोड़ने अथवा उत्तराधिकार / नियन्त्रण के मानकों को और सख्त करने का अधिकार सुनिश्चित रखता है।
38. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम २ लक्षानीय समाचार पत्रों में, जो वि परियोजना द्वारा की आज-आज व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्वीकृति द्वारा होने के ७ दिनों के भीतर इस लाल जी सूचना प्रसारित करें कि परियोजना की साती पर्यावरणीय स्वीकृति द्वारा ही नहीं है एवं पर्यावरणीय स्वीकृति यज्ञ की प्रतिरौ आवश्यक जली काहित साधितालय, छलीसाथ पर्यावरण मंत्रालय भवित्व में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। याज्ञ ही इसका अवलोकन भास चारकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं एस.ई.आई.ए.ए. छलीसाथ की वेबसाइट parivesh.nic.in पर भी किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय स्वीकृति में जी नहीं जली जो यानन हेतु की नहीं कार्यालयी की अंतर्वार्षिक विपोर्ट छलीसाथ व्यावरण मंत्रालय भवित्व, या रायपुर अटल नगर, जिला—रायपुर, श्रीकीर्ति कार्यालय, छलीसाथ पर्यावरण मंत्रालय भवित्व, रायपुर, एस.ई.आई.ए.ए. छलीसाथ एवं एस.ई.आई.ए.ए. जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर जो प्रभित जिया जाए। एस.ई.आई.ए.ए. जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भास चारकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में प्रयत्न जली की यानन जी मानिटरिंग की जाएगी।
40. एस.ई.आई.ए.ए. छलीसाथ भास चारकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली/एस.ई.आई.ए.ए. जलवायु भास चारकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर/जेन्टीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छलीसाथ पर्यावरण मंत्रालय भवित्व के वैज्ञानिकों/अधिकारियों की जली की अनुपालन की संधें में जी जाने जली नोनिटरिंग हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विनियोगित जली का अनुपालन करना नहीं पाये जाने एवं पर्यावरणीय स्वीकृति नियन्त्रण की जा जानी।
41. परियोजना प्रस्तावक छलीसाथ पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राज्य सरकार द्वारा ही नहीं जली का अनियात कर्य से यानन करेगा। ये जली जल (प्रदूषण नियान्त्रण जल)

नियमण) अधिनियम, 1974 कार्य प्रकृत्याम नियमण तथा नियमण) अधिनियम, 1980, गवर्नरल (संसदाण) अधिनियम, 1988 तथा इनके गहर बनाये गये नियमों, एवं संसदाण अधिकार (एवं व्यापक एवं सीमावाद संप्रबन्ध) नियम, 2006 (यथा लिखित) तथा लोक दातिय चीमा अधिनियम, 1991 (यथा संशोधित) के लाईन लिनिंगट की तरा सकती है।

42. जनतापिता परियोजना को बते थे एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ में प्रत्युत विवरण में कोई भी विवरण अवधा परिवर्तन होने की दशा में एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ को पुनः नकीन घासकरी सहित सुधित किया जाए ताकि एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ इस पर विधार कर उत्ती की सापुकला अवधा नकीन उत्ती निर्विट करने काहत निर्भय हो सके। लादान में कोई भी विशार अवधा लान्यान एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ / नासा लासकर, पायावरण, जन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नह दिल्ली की पूर्ण अनुमति के बिना नहीं विना जाए।
43. छलीसगढ परावरण नरेन्द्र माधव परावरणीय स्टॉक्सी की प्रति तो उनके क्षेत्रीय व्यापार, जिला-व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं कलेक्टर/तहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस की अवधि की लिये इच्छित करेगा।
44. परावरणीय त्वीकृति के दिल्ली अधील नेहनल चीन ट्रॉफ्यूनल की समसा, नेहनल चीन ट्रॉफ्यूनल एवं 2010 की आरा 16 में दिए गए आवानी अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में भी यह सकती।

सदस्य संविद् एस.ई.ए.सी.


अधिकारी, एस.ई.ए.सी.

मैसारी मिनारेल-१ सोम्य जाती (संविधि / संरक्षण, ग्राम वैद्यायत नदीमरी)
 को पाट औक खासा छापा क्रमांक ३४, कुल शैक्षण्य - ३.४ हैक्टेयर के कुल ६० प्रतिशत
 शैक्षण्य में ही ऐत उत्तराखण, ग्राम-मिनारेल, ताहमील-बीरगढ़, जिला-बीजापुर, में मिनारेल
 जाती से ऐत उत्तराखण काला २०,४०० घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु प्रस्तावित पर्यावरण सौचार्यी में
 दी जाने जाती कहा।

यह पर्यावरणीय सौचार्यी मिनारेल जाती के स्थीर दी जा रही है। जात इन जाती को
 बहुत ज्ञान से पहुँच जाए तथा कार्यी से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

१. यह पर्यावरणीय सौचार्यी उत्तराखण पट्टे के मिनारेल की जारीत से पांच वर्ष तक की
 अवधि हेतु किया होगी।
२. सारटेनेक्ट रोप्ह माईनिंग मैनेजमेंट गार्डलाइन्स, २०१८ (Sustainable Sand Mining
 Management Guidelines 2018) एवं इन्फोर्मेंट एण्ड मॉनिटरिंग गार्डलाइन्स
 एंड रोप्ह माईनिंग २०२० (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand
 Mining) के अनुसार पालन सुनिश्चित किया जाए।
३. इन्फोर्मेंट एण्ड मॉनिटरिंग गार्डलाइन्स एंड रोप्ह माईनिंग २०२० (Enforcement
 & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के तहत ६० प्रतिशत शैक्षण्य में ही
 उत्तराखण कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
४. ग्राम उत्तराखण (सिल्टेशन स्टडी) रिपोर्ट – परियोजना प्रस्तावक ऐत उत्तराखण शैक्षण्य में
 आगामी १.५ वर्ष में विस्तृत ग्राम अध्ययन (Silation Study) करायेगा, ताकि ऐत के
 पुनर्गठन (Replenishment) वाचां जाती आकर्षे, ऐत उत्तराखण का नहीं, नदीतत्त,
 स्थानीय जनसमाजी, जीव एवं सूक्ष्म जीवों पर प्रभाव तथा नहीं के बानी ही गृहजनका
 पर ऐत उत्तराखण को इमारत जी जही जनकारी प्राप्त हो सके। उक्त स्टडी रिपोर्ट की
 प्रति जिला खानिक अधिकारी एवं एसईआईएए, छग में अनियार्थ रूप से प्रकाश
 की जाएगी। उक्त स्टडी रिपोर्ट के आधार पर ही आगामी उत्तराखण की जात एवं
 उत्तराखण की अवधि प्रमाणित होगी।
५. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जीज शैक्षण्य के गुण पर सूचना पहल (वीज
 खारक जा नाम, खदान का क्षेत्रफल आकार एवं देशांतर जाहिल, उत्तराखण की जात,
 सौचार्यी अवधि) समाप्त जाए।
६. लौज शैक्षण्य के जाती कीनी तथा जीज लाईन के ग्राम में जीनेत के सम्में ग्रामीण
 आवासक हैं ताकि लौज शैक्षण्य नहीं में उच्च दृष्टिगोचर हो सके।
७. नहीं खदान अनिय जिभाग द्वारा अधिसूचित किसी कलक्टर में है, अथवा ५०० फीटर
 के भीतर सौचार्यी ऐत खदानी का कुल सकारा ५ हैक्टेयर से अधिक होता है तो
 पर्यावरण सौचार्यी नहीं होगी।
८. गार्डलाइन पालन अनुसार किया उत्तराखण शैक्षण्य ३.४ हैक्टेयर के कुल ६० प्रतिशत शैक्षण्य
 से अधिक नहीं होगा। शैक्षण्य ५० प्रतिशत शैक्षण्य में उत्तराखण नहीं किया जाएगा। ऐत का
 उत्तराखण जातह से ५ फीटर गहराई तक ही किया जाएगा, जहांसे अधिक नहीं। इसी
 प्रकार खदान से ऐत का अधिकतम उत्तराखण २०,४०० घनमीटर प्रतिवर्ष से अधिक
 नहीं होगा।
९. यानीक दृष्टिकोणी की जावेदा दिनांक २६/०३/२०२१ के अनुसार बदलेवार द्वारा
 माईनिंग ज्ञान एवं पर्यावरणीय सौचार्यी की जाती जा पालन सुनिश्चित कराये जाने
 हेतु परियोजना प्रस्तावक जो सालिल्प विशेषज्ञ नियुक्त करना होगा।

10. ऐत उत्खनन जारी करने के पूर्व प्रपत्तीकानुसार नियमित शिल्पियों पर नदी में ऐत की सतह के साथी (Levels) का सारी काह उत्काल आकर्षण एवं इन्हीं उत्काल एवं इन्हीं अलीगढ़ की प्रस्तुति किये जायें। पीसट—मानसून (प्राचीन/नवाचन गाह) में ऐत उत्खनन जारी करने के पूर्व इन्हीं शिल्पियों में नवीनिय लीज की उत्तमता लीज की ओर से अपरस्ट्रीम एवं आउनस्ट्रीम में 100 मीटर तक उत्तम लीज की बाहर / नदी तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक के दोनों में नदी सतह के साथी (Levels) का सर्वे पूर्व नियमित शिल्पियों पर किया जायेगा। इसी प्रकार ऐत उत्खनन प्रपत्तीकानुसार के पूर्व (गह गाह के अंतिम सप्ताह) / जून के प्रथम सप्ताह इन्हीं शिल्पियों पर ऐत सतह के लेवल्स (Levels) का भावन किया जाएगा। ऐत सतह के पूर्व नियमित शिल्पियों पर ऐत सतह के लेवल्स (Levels) के माध्यम का कर्तव्य अगामी 5 वर्ष तक निरन्तर किया जाएगा। पी—मानसून के आकर्षण अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पीसट—मानसून के आकर्षण दिसंबर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियन्त्रित रूप से एवं इन्हीं एवं अलीगढ़ की प्रस्तुति किए जायेंगे।
11. ऐत की खुदाई एवं भवाई अग्रिमी द्वारा (Manually) ही किया जाएगी। इस प्रयोग के लिये शिल्पी उपकरण संग्रह (Machinery) आदि का उपयोग नहीं किया जाएगा। शिल्प दोनों में भावी याहानी दोनों— जैसीकी मशीन, फोकलेन्ड, लोडर, फैनसार्कटेंड मशीन, हाईड्रा आदि का प्रयोग प्रतिविक्षित रहेगा। दोनों दोनों में लिया ऐत खुदाई गद्दे (Excavation pits) की लोडिंग लाईट तक ऐत का परिवहन ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।
12. ऐत का उत्खनन कंवल विनीत, लीभिट एवं छोपित दोनों पर ही किया जाएगा। ऐत उत्खनन नदी अधिकातम गहराई सतह से 1.5 मीटर अवधार तक उत्तम उत्तर नदी के पृष्ठी सतह से 1 मीटर छोड़कर दोनों में जो रान हो, से अधिक नहीं होगी। ऐत का उत्खनन शिल्पी भी परिस्थिति में उत्तर नदी की नींवें नहीं किया जाएगा। न्यूनात्म 2 मीटर खुदाई तक की ऐत नदी रान (जाई रीक) के उत्तर छोड़ा जाना आवश्यक है।
13. ऐत उत्खनन नदी तटी से ऊपर से कम 7.5 मीटर ऊपर की खैलाई के 10 प्रतिशत की दूरी जो भी अधिक हो भोड़कर ही किया जाएगा, ताकि नदी तटी का अस्पत न हो। शिल्पी भी पुलिया, स्टापलेन, बॉम, एनोग्राफ, जल प्रवाह व्यवस्था एवं अन्य स्थानीय संरचनाओं से ऊपराम के अपरस्ट्रीम में न्यूनात्म 300 मीटर तक आउनस्ट्रीम में न्यूनात्म 250 मीटर सुरक्षित दोनों ओरों पर जाना अनियाम है।
14. यह नुनिश्चित किया जाए कि ऐत उत्खनन के कारण नदी जल का बिना, उचितिकी एवं उत्तर बहाव की उत्तराव पर कोई विपरीत प्रभाव न पहुँचे। नदी की उत्तराव बहाव (Free flow of river) को प्रतिवर्धित नहीं किया जाएगा।
15. यह नुनिश्चित किया जाए कि उत्खनन कंवल दोनों दोनों में किया जाए जिसकी तथा जिसके आस—पास की हेतु पर कोई भी जौल—जन्म प्रजनन हेतु निर्वात न हो। कल्युओं की उत्खनन इकाईयों / क्षेत्रों का संख्या आग्रहित है, अतः इन क्षेत्रों को आस पास ऐत उत्खनन नहीं किया जाए।
16. ऐत उत्खनन एवं खुदाई / परिवहन दिन के समय (सुरक्षाद्वय और गृहांश्व के मध्य) ही किया जाए। यह वार्ष राजि के समय नहीं किया जाए। राजि ने उत्खनन करना नहीं करने की क्षिप्रति में अपैष उत्खनन भावा जाएना लक्ष्य परियोजना प्रस्तावक के विकल्प गियमानुसार जारीकर्ती की जायेगी। पर्यावरणीय स्वीकृति नियम भी वह जारीगी।

17. परिवेशना प्रसंगका द्वारा ऐसे उत्तराधिन पिंडित प्रभागों का लोकिंग / अभीरीहिंग कार्डि से जुड़ा होने वाले फैशनिटिव लैट तालियों के निवासन हैं तथा युवक वाले प्रदूषण विवरण व्यवस्थाएं जैसे जल विकास अकादमी अथवा संपर्याता वालों की जाए। ऐसे उत्तराधिन लैट में परिवेशीय वायु की मुख्यता वाला संस्कार, पर्यावरण वन और जल वाले परिवर्तन विवरण, वर्ष दिल्ली द्वारा अधिकृत भागों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
18. यह या परिवहन तारीखीलिन अथवा इन्होंना चुपचाका बनावट से इसे बुरा घाने से विवरण जाए, ताकि ऐसे घाने से बाहर नहीं आए। खानिज का परिवहन यह यो बाहनों को शामिल से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
19. उत्तराधिन लैट में इसने प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
20. प्राप्तिकाता के अधार पर वादान प्रबंधन द्वारा वर्ष 2024-25 में गढ़ीताट के छठाव को रीपाने हैं तो जीज केत्र की अनुसार अर्जुन, पानुन, बद, बीपल, नीम, बरेज, लीसु, आम, हमली, लीरच जादि इन लक्षणीय प्रजातियों के कुल 700 नग पीढ़ी का रीपान नहीं लट पर रीपित किया जाए। रीपान की सुरक्षित रखने की लिये उपलब्ध एवं उपलब्ध वालाया (व्याया कांटेनर तार की बाक का संबोध) किया जाए। 5 फीट से 6 फीट ऊंचाई वाले पीढ़ी का ही रीपान किया जाए। उपलेक्षक वृक्षारोपण अधिन वर्ष में पूरी किया जाए। रीपित पीढ़ी की सुख्ता एवं रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षों तक करने का उत्तराधिकृत लेने संकेती बालाय का शास्त्र पर इस्तुत किया जाए। रीपित पीढ़ी नी सुख्ता एवं रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षों तक करने का उत्तराधिकृत परिवोजना प्रस्तावक का रहेगा।
21. रीपित किये जाने वाले पीढ़ी में संखाक्रिय (Numbering) एवं पीढ़ी की नाम का उल्लेख करते हुये कोटीयापता सहित जानकारी अर्द्धार्थिक रिपोर्ट के साथ जमा जाए। ऐसा नहीं करने पर गर्यादरण स्थीरतुरी निरसन नहीं जा सकेगी।
22. मुद्दारेखन का रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये पुल पीढ़ी की प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
23. किये गये वृक्षारोपण की पुली हैं तो डी.पी.पी.एस (Differential Global Positioning System) सवे एवं कोटीयापता अर्द्धार्थिक रिपोर्ट में समालित करते हुये अल्टीमान एवं विवरण संस्कार वर्ष एवं एकाई काई एवं उत्तराधिकृत की प्रेसित किया जाए।
24. शीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रत्येक एवं वर्ष वार्षिक प्रबंधन योजना को अंतर्गत किया जाए—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
Following activities at nearby Village- Mingachai-2				
4	2%	0.80	Plantation in Periphery of Government School & 5 years AMC	4.13
			Total	4.13

25. सीईआर के द्वारा निर्धारित कार्रवाई 06 माह में अनियार्थी रूप से पूरी किया जाए। सीईआर के उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों की कार्य पूर्ण उपरात संबंधित दाम प्रभावों से कार्रवाई पूर्ण घटित हुए द्वारा उन अविभावित रिपोर्ट में समझित करते हुये प्रस्तुत किया जाए। साथ ही उन भी निरीक्षण इल/अधिकारी निरीक्षण हेतु खल पर आये, तब उन्हें छद्मन/छद्मीग/भट्टा की निरीक्षण के साथ—साथ सीईआर के तहत कार्रवाई द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनियार्थी रूप से कराना आपकी चिन्मेदारी होगी।
26. सीईआर के अंतर्गत निकाय की असरीकृत खसान कार्रवा 11 के अन्तर्गत 12 विसमित शासकीय रूप से आठों ओर (नीम, बीमल, करंच, जामुन, बरगद, बृंशलालाट, करंज, अरुंज आदि) सूखारीपन हेतु प्रस्ताव प्रस्ताव अनुसार 105 नग पाँचों के लिए राशि ₹ 980 करोड़, फौसिन के लिए राशि ₹ 1,500 करोड़, खाट के लिए राशि 780 करोड़, निरीक्षण एवं रक्षा—रक्षण आदि के लिए राशि ₹ 2,00,000 करोड़, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि ₹ 2,22,280 करोड़ तथा आगामी 6 वर्ष में कुल राशि ₹ 2,91,704 करोड़ हेतु बदलावार व्यय का विवरण प्रस्तुत अनुसार जानें पूर्ण करें।
27. सीईआर एवं सूखारीपन कार्य की भीनिटिंग एवं वर्द्धिता हेतु विप्रतीय समिति (प्रोफरेटिव/प्रतिभिति, दान प्रभावों के प्रदातिकरणी/प्रतिभिति एवं विस्तार प्रसारण मा प्रतीक्षानु पर्यावरण संबंधी सम्बुद्ध की प्रदातिकरणी/प्रतिभिति) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं सूखारीपन का कार्य पूरी किये जाने के संबंधित विप्रतीय समिति की सत्यापिता कराया जाए।
28. जब भी निरीक्षण इल/अधिकारी निरीक्षण हेतु खल पर आये तब उन्हें छद्मन/छद्मीग/भट्टा के निरीक्षण के साथ—साथ सीईआर के सहन आपके द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनियार्थी रूप से कराना आपकी चिन्मेदारी होगी।
29. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के द्वारा प्रस्तावित कार्य कलना नहीं याके जाने पर पर्यावरणीय सीखूति की विस्तार करने की कार्रवाई की जाएगी।
30. परियोजना प्रस्तावक संबंधित केन्द्र/राज्य जातन के विभागी, वर्गहठों एवं अन्य जातानी की ऐत उत्तरानन जारी रखने के पूर्व जातास्थान सभी अनुनीतियों प्राप्त करेंगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा जात एवं बायु प्रदूषण नियंत्रण तथा पर्यावरण संबंधी हेतु रागय—समय पर केन्द्र/राज्य गवर्नर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/कलीसागढ़ पर्यावरण संबंधी भव्यता द्वारा जारी निरीक्षी/वार्गिकीका का कार्रवा जो प्रत्यन सुनिश्चित किया जाए।
31. कलीसागढ़ नीम खनिज मिशन, 2018, राज्य जातान द्वारा ऐत उत्तरानन के जारी अविस्तरना दिनीक 2/3/2006 के प्रायस्तानी/शाली एवं तदनुसार जारी विस्तारित अनुसंदित उत्तरानन योजना एवं पर्यावरणीय प्रबोधन योजना का कार्रवा जो प्रत्यन सुनिश्चित किया जाए।
32. कार्य संबंध पर यदि कैरियर अग्रिका कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे अग्रिका के जाताना की उल्लिख व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। अन्यार्थी व्यवस्था अस्तानी संस्थानों के स्वयं में ही सकारी है, जिसे परियोजना पूरी होने की प्रक्रिया हटाया जा सकते।
33. अग्रिका के लिए सुनन संबंध पर स्वप्न विकाससंबंध सुकिया, नीबहुत डायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए। साथ ही नहीं में उत्तर मूल विसर्जन, अधिक साथ सामग्री के पैकेट, बॉलिस्टिक आदि का विसर्जन उत्तिवर्तीत की जाए। नहीं एवं नहीं जात की स्वच्छता का व्याप रखा जाए।

34. भवित्वीय का समय—समय पर आवश्यूपेशनल हेल्प संकेतक कहाया जाए।

35. चलचित्र की ताकतीय, कार्य को एवं अनुभौदित प्रश्नानन गोपना के अनुसंधानीय विषयों में किसी भी प्रश्न का परिवर्तन एसईआईएए, छातीसगढ़ / भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवानीय, गई दिल्ली की पूर्व अनुसृति के लिए नहीं किया जाए।

36. इस पर्यावरणीय स्वीकृति को जाहीं करने का आवाय किसी व्यापितगत अथवा अन्य समर्थित पर अधिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्वीकृति किसी नियी समर्थित को नुसन्दान घटौंगाने अथवा व्यवितरण क्षमिकारी तो अधिकामण छल्ला केन्द्र, राज्य एवं संघीय कानूनों / विधियों के उल्लंघन हेतु अधिकृत कहा है।

37. एसईआईएए, छातीसगढ़ पर्यावरण संख्या की दृष्टि से, परिवोजना की क्षमताएँ में विविधत अथवा विभिन्न रूपों की शोधायावद स्वयं से पालन न करने की दर्शा ने किसी भी राई ने नियन्त्रण/नियन्त्रण करने अथवा नई राई जोड़ने अथवा छातीसगढ़ / नियन्त्रण के गानकों को और सख्त करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

38. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 स्थानीय समाजों पर्जों में, जो कि परियोजना क्षेत्र के असा—भावा आवाक स्वयं से प्रशासित हो, पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर हस्त आवाय की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को सही पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो नहीं है एवं पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की दृष्टियों आवाक सही नहीं रखियाताय, छातीसगढ़ पर्यावरण संख्या गण्डल के अवलोकन हेतु उपलब्ध है। साथ ही इसका अवलोकन मानव संरक्षण, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवानीय, गई दिल्ली एवं एसईआईएए, छातीसगढ़ की केवलाइट partvba@nic.in पर भी किया जा सकता है।

39. पर्यावरणीय स्वीकृति ने दी गई राई कार्रवाई की अपेक्षित विपोरी छातीसगढ़ पर्यावरण संख्या गण्डल, नवा रायपुर अटल नगर, जिल्हा—रायपुर, केंद्रीय कार्यालय, छातीसगढ़ पर्यावरण संख्या गण्डल, जनवरपुर, एसईआईएए, छातीसगढ़ एवं दक्षिण केंद्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर को देखित किया जाए। एकीकृत केंद्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन भवानीय, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में इकान राई को पालन की मानिटरिंग की जाएगी।

40. एसईआईएए, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन भवानीय, नई दिल्ली/दक्षिण केंद्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन भवानीय, नवा रायपुर अटल नगर/कोन्टीन प्रदूषण विवरण बोर्ड/छातीसगढ़ पर्यावरण संख्या गण्डल के विभागिकों/अधिकारियों को राई के अनुपालन के संबंध में जी जाने वाली भागिटीरिंग हेतु पूर्ण जाहीर प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विभिन्न राई का अनुपालन करना नहीं जाने पर वर्यावरणीय स्वीकृति विवरण की जा सकती।

41. परियोजना प्रस्तावक छातीसगढ़ पर्यावरण संख्या गण्डल एवं सायं करकार द्वारा दी गई राई का क्षणिकार्य स्वयं से पालन करेगा। ये राई जल (इन्द्रजय निवाय तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1974 वायु (इन्द्रजय निवाय तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संख्या) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत बनाये गए विद्यमान परिवर्तनमय अधिनियम (इन्द्रजय तथा सीमान्तर नियन्त्रण) नियम, 2008 (ज्ञा-

सत्तांशित) गवर्नर सेक्रेटरी वायरल बीमा अधिनियम, 1991 (यथा संशोधित) के अधीन निर्दिष्ट की जा सकती है।

42. सन्तानित परिवहन के बारे में एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ में असुरुचि विवरण में कोई भी विचलन अवधारणा परिवर्तन होने की वजा में एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ को पूर्ण नवीन यानकारी साहित सूचित किया जाए ताकि एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ इस पर विचार कर जाती की याप्तपूर्वता अवधारणा नवीन जाति निर्दिष्ट बनने वालत निर्धारित हो सके। खदान में कोई भी विचलन अवधारणा यामयन एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ / बायत सरखार, यानिकरण, बन और जलवाया परिवहन मेंचालण, नई दिल्ली की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
43. उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संबंधी यानकारण पर्यावरणीय रक्तांकुली की प्रति को उनके क्षेत्रीय कार्यालय, जिला-व्यापार एवं उत्तीर्ण बोर्ड एवं कलेक्टर/तहसीलदार कार्यालय में 30 दिन की अवधि के लिये प्रदर्शित करेंगा।
44. पर्यावरणीय रक्तांकुली के विकल्प अपील विभाग तीन ट्रीब्यूनल के समय, विभाग तीन ट्रीब्यूनल एवं 2010 की धारा 10 में दिए गए प्रक्रमान्वी अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में ही जा सकती।

सदस्य समिति, एस.ई.ए.ए.


अध्यक्ष, एस.ई.ए.ए.

मेहराली घरणजलगढ़ सोन्हर मार्डि (प्र.- श्री अमितलाल कांडवाल)
की खासरा क्रमांक 1277/1, कुल संभवफल - 4.99 हेक्टेयर के कुल 80 इकाईयां संभवफल
में ही ऐत उत्तरानन, चाप-घरणजलगढ़, तहसील-घरणजलगढ़, जिला-रायगढ़, में सोन्हर नदी
से ऐत उत्तरानन क्षमता 29,940 घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु प्रकल्पित पर्यावरण स्थीरता में ही
जाने काली जाते।

यह पर्यावरणीय स्थीरता मिशनरिंग तात्त्वीकरण की आधीन ही जा रही है। अतः इन तात्त्वीकरण की
बहुत ध्यान ही यहां जावे तथा कहाई ही पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्थीरता मिशनरिंग तात्त्वीकरण की तात्त्वीकरण ही पाच तक की
अवधि हेतु पैय होगी।
2. सस्टेनेबल सोन्हर मार्डिनिंग मीटिंगमेंट गाइडलाइन्स, 2016 (Sustainable Sand Mining
Management Guidelines 2016) पर इन्फोर्मेट एण्ड एन्फोर्सेमेंट गाइडलाइन्स
फौर सोन्हर मार्डिनिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand
Mining) के अनुसार पालन सुनिश्चित किया जाए।
3. इन्फोर्मेट एण्ड एन्फोर्सेमेंट गाइडलाइन्स कीर सोन्हर मार्डिनिंग, 2020 (Enforcement
& Monitoring Guidelines for Sand Mining) के तहत 80 इकाईया हेतु में ही
उत्तरानन जावे किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
4. याद उत्तरानन (सिलेटान सटीकी) लिंक्ट - परिवेशना प्रस्तावका ऐत खादान हेतु में
आगामी 1.5 वर्ष में विस्तृत याद अध्ययन (Situation Study) करायेगा, ताकि ऐत के
पुनर्भरण (Replenishment) कालत सही जाकरके, ऐत उत्तरानन का नदी नदीकाल,
पर्यावरण वनस्पति, जीव एवं सूख जीवी पर प्रभाव तथा गदी की पानी की गुणवत्ता
पर ऐत उत्तरानन के प्रभाव की जहाँ जानकारी प्राप्त हो सके। एकत रटी लिंक्ट की
प्रति जिला अधिकारी एवं एन्ड एन्फोर्सेमेंट च.स. में अनिवार्य स्वयं सोन्हर की
जाएगी। उक्त सटीकी लिंक्ट की अनुसार यह ही आगामी उत्तरानन की मात्रा एवं
उत्तरानन की अवधि प्रस्तुत होगी।
5. परियोजना प्रस्तावका द्वारा लीज होते के नुस्खे एवं उपर सूखना पटस (लिंक्ट
यादक दर नाम, खदान का होत्रफल आदर्श एवं देशान्तर सहित, उत्तरानन की नाम,
स्थीरता अवधि) जानाया जाए।
6. तीज हेतु ही जाती जोनी तथा शीता लाइन के नाम में सीमेट के खानी करना
आवश्यक है ताकि तीज हेतु नहीं में यापट सुषिरोधर हो सके।
7. परि खदान लागिया द्वारा अधिक्षुचित किसी गतिकरण में ही, अध्ययन 500 मीटर
के अधिकर स्थीरता हेतु खदानों का कुल कलाई 8 हेक्टेयर ही अधिक होता है तो
पर्यावरण स्थीरता भाग्य नहीं होगी।
8. नार्डिनिंग खदान अनुसार ऐत उत्तरानन हेतु 4.99 हेक्टेयर के कुल 80 इकाईया संभवफल
में अधिक नहीं होगा। होय 40 इकाईया हेतु में उत्तरानन नहीं किया जाएगा। ऐत जा
उत्तरानन क्षमता ही 1 मीटर गहराई तक ही किया जाएगा, उससे अधिक नहीं। इसी
प्रकार खदान से ऐत जा अधिकतम उत्तरानन 29,940 घनमीटर प्रतिवर्ष से अधिक
नहीं होगा।
9. मानवीय एन्ड एन्फोर्सेमेंट के आदेश दिनांक 26/02/2021 के अनुसार बद्देवार हाजा
मार्डिनिंग खदान एवं पर्यावरणीय स्थीरता की जाती जा पालन सुनिश्चित कराये जाने
हेतु परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरण लिंगेष्ट्र नियुक्त करना होगा।



10. ऐत उत्थानन प्रारंभ करने की पूरी तरहीकरणनुसार नियोजित हिल विन्कुली पर नदी में ऐत की सातह की स्तरी (Levels) का सर्वे कर, उसके आंकड़े लेकाल एवंइआईए ए. उत्थाननगढ़ को प्रस्तुत किये जायें। पोर्ट-मानसून (अक्टूबर/नवम्बर माह) में ऐत उत्थानन प्रारंभ करने के पूर्वी हुन्ही हिल विन्कुली में नदीनिग लौज द्वीप तथा तीव्र होते की अपरस्ट्रीम एवं दाउनस्ट्रीम में 100 मीटर तक तथा उमन लौज के बाहर / नदी तट (दोनों ओर) की 100 मीटर तक की क्षेत्र में नदी सातह के स्तरी (Levels) का सर्वे पूरी नियोजित हिल विन्कुली पर किया जायेगा। इसी प्रकार ऐत उत्थानन उपरीत मानसून के पूर्वी भाग के अंतिम चालाह/चूल के प्रथम चालाह इन्ही हिल विन्कुली पर ऐत सातह के लेवल्स (Levels) का सर्वे किया जाएगा। ऐत सातह के पूरी नियोजित हिल विन्कुली पर ऐत सातह के स्तरलेव (Levels) का सर्वे का कार्य आगामी 5 वर्ष तक विस्तृत किया जाएगा। प्री-मानसून के अंतर्वर्द्धे अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पोर्ट-मानसून के अंतर्वर्द्धे दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनिवार्य रूप से एवंइआईए उत्थाननगढ़ को प्रस्तुत किए जायेंगे।
11. ऐत की खुदाई एवं भराई अग्रिमी हाता (Manually) की जाएगी। इस प्रयोजन के लिये किसी उपकरण संरचन (Machinery) आदि का उपयोग नहीं किया जाएगा। रिवर बेड में भारी बाहनी और- लोकीकी भवित्व, पोकारीपू, लोहर, वैनभारपट्टक नदीन, हाईवा आदि का छोड़ा प्रशिविता रहेगा। लोब द्वीप में विश्व ऐत खुदाई गद्दी (Excavation pits) से लोहित व्याहूट तक ऐत का परिवहन ट्रैक्टर ट्रॉली हाता किया जाएगा।
12. ऐत का उत्थानन केवल विन्हीत, सीधाप्रियता एवं घोषित होते से ही किया जाएगा। ऐत उत्थानन की अधिकतम गहराई सातह से 1.5 मीटर अधिक गहराने तक तक जी उपरी सातह से 1 मीटर छोड़कर दोनों ओर जी कम ही, जी अधिक नहीं होगी। ऐत का उत्थानन किसी भी परिस्थिति में जल बहन के नीतों नहीं किया जाएगा। न्यूमलम 2 पीटर खोटाई तक जी ऐत जल (खाई टीका) के ऊपर छोड़ा जाना अनिवार्य है।
13. ऐत उत्थानन नदी तटी से जम 7.5 मीटर अधिक नदी की जीधाई के 10 प्रतिशत की दूरी जी भी अधिक हो छोड़कर ही किया जाएगा, ताकि नदी तटी का बहाव न हो। किसी भी नुसिया, स्टापफैग, बांध, एनीकट, जल प्रवाह व्यवस्था एवं उन्ह स्थायी संरचनाओं से खदान की अपरस्ट्रीम में न्यूमलम 300 मीटर तक जाउनस्ट्रीम में न्यूमलम 250 मीटर दूरी द्वीप छोड़ा जाना अनिवार्य है।
14. यह नुनियिका किया जाए कि ऐत उत्थानन के बहाव नदी जल नम हो, एवंहिटी एवं जल बहाव की स्थिति पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। नदी के स्वतंत्र बहाव (Free flow of river) की उपरिवित नहीं किया जाएगा।
15. यह नुनियिका किया जाए कि उत्थानन केवल उसी द्वीप में किया जाए जिसमें तथा जिसके आस-पास के द्वीप पर कोई भी जीध-जल्द झज्जन छेत्र न हो। द्वीपों की प्रकार इकाईयों / द्वीपों का संख्या आगवका है, अतः इन द्वीपों की आस पास ऐत उत्थानन नहीं किया जाए।
16. ऐत उत्थानन एवं भराई / परिवहन दिन के समय (सुबीघ्य और गूणोत्तम के समय) ही किया जाए। यह कार्य तात्रि के समय नहीं किया जाए। तात्रि में उत्थानन करना पाये जाने वाले स्थिति में अपैत उत्थानन मानक जलाना तथा परियोजना प्रस्तावक के विलक्षण नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। पर्यावरणीय स्थीकृति नियम भी की जा सकेगी।

17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऐत उल्लङ्घन किमिन प्रमाणी अथवा जीवित / अनजीवित आदि से उपर्यन्त होने वाले कानूनिक रूप से उत्पन्न अथवा प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाएं जैसे जल शिविकाव अथवा अन्य उपयुक्त व्यवस्था की जाए। ऐत उल्लङ्घन क्षेत्र में परियोजीप वायु की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जल वायु परिवर्तन, संकालन, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित महानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
18. ऐत का परियोजन उत्तराखिन अथवा अन्य उपयुक्त माध्यम से इसे दुर बाहर से किया जाए, ताकि ऐत वाहन से बाहर नहीं निरे। खनियों का परियोजन करने से बाहरों को अमान से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
19. उल्लङ्घन क्षेत्र में अन्ति प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
20. प्राप्तिकरण के अन्दर पर खदान प्रबंधन द्वारा वर्ष 2024-25 में नदीतट से कटाव की रीपिल हेतु लीज क्षेत्र के नियुक्तार अर्बुन, जग्नुन, बड़, पीपल, गीन, करंज, गीनु आदि इन्हीं, सीरस आदि अन्य रक्कनीय प्रजातियों के कुल 1,000 वर्ग पीछों का संरक्षण नदी तट पर रीपिल किया जाए। रीपिल की सुरक्षित रक्कनों के लिये उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (जैसा कॉटेक्टर लार की बाक का उपयोग) किया जाए। 6 पीट से 6 फीट तक छाँड़ी वाले वीचों का ही रीपिल किया जाए। उपरोक्त कृषांगन प्रकल्प वर्ष में कूरी किया जाए। रीपिल वीचों की सुरक्षा एवं रक्क—रक्काव आगामी 5 वर्षों तक करने का उल्लंघनायित्व से भी असंभव का शायद पक्ष प्रश्नूत किया जाए। रीपिल वीचों की सुरक्षा एवं रक्क—रक्काव कागामी 5 वर्षों तक करने का उल्लंघनायित्व परियोजना प्रस्तावक का रहेगा।
21. रीपिल किये जाने वाले वीचों में संख्यांकन (Numbering) एवं वीचों के नाम का सुलैख करने हुये कोटोडापास सहित जानकारी अविवादित रिपोर्ट के साथ जमा करें। ऐसा नहीं करने पर पर्यावरण वीकूटी निरस्त की जा सकेगी।
22. कृषांगन का रक्क—रक्काव आगामी 5 वर्षों तक सुनिश्चित करने हुये मूल वीचों की प्रतिस्थापना (Mortality replacement) किया जाए।
23. किंट गवे कृषांगन की पुष्टी हेतु डी.पी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) सर्वे एवं जोड़ोडापास अवैधानिक रिपोर्ट में सनाहित करने हुये सुलैखनाम पर्यावरण संकाय कर्तव्य एवं एस.ई.आई.ए.ए. प्राप्तीनमद को देखित किया जाए।
24. सी.ई.आर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर नार्थ पर्यावरण प्रबोधन वीकूटा के अन्तर्गत किया जाए—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
40	2%	0.80	Following activities at, Village- Dharamjigarth	
			Plantation	4.91
			Total	4.91

25. सी.ई.आर. की तहत निम्नित कार्यकारी 06 महीने अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। सी.ई.आर. की उपरोक्त प्रस्तावित जगहों को बार्ष पूर्ण उपरोक्त संविधित गाम पंचायत

तो लगाईसूर्य वित्तीय द्रव्य प्राप्ति कर अधिकारीक नियोगी में समाहित करते हुए प्रस्तुत किया जाए। साथ ही यह भी नियोगीय दस्त/अधिकारी नियोगीय हेतु क्षमता पर आये तब उन्हें खट्टान/चक्रीन/भट्टा के नियोगीय के साथ-साथ सीईआर के लाल झन्डे द्वारा कार्ये गये कार्यी या नियोगीय भी अनियोगी कला से कामना आपकी जिम्मेदारी होगी।

26. सीईआर के अंतर्गत प्राप्त धरमजलयगढ़ के लक्षणीय भूमि में (आम, कठहत एवं जानुन) 450 नग युद्धार्थीय हेतु प्रस्तुत धरमजल अनुसार पीड़ी के लिए राशि 32,750 रुपये, फैसिंग के लिए राशि 76,320 रुपये, चार के लिए राशि 4,500 रुपये, लिंचाई तथा रक्त-नखाय आदि के लिए राशि 69,000 रुपये इस प्रवास प्रधान वर्ष ने कुल राशि 1,00,570 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 3,07,500 रुपये हेतु धरमजलयगढ़ व्यय का नियोग प्रस्तुत किया जाए है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्राप्त धरमजलयगढ़ के सहमति उपरात यथायोग्य स्थान (खसत छन्दोंक 1098/1/क/1, होमफल 21,505 हेक्टेयर) के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कार्य पूर्ण करें।
27. सीईआर एवं युवाओंका लक्ष्य के नियोगीय एवं बर्केजन हेतु वि-पक्षीय जमियती (वैष्णवीहार/प्रतिनिधि, शाम गंधारा के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रस्तावक या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संबंधी काठल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं पूरायोग्य या कार्ये पूर्ण किये जाने के उपरात गठित वि-पक्षीय जमियती सीख्यायित कराका जाए।
28. यह भी नियोगीय दस्त/अधिकारी नियोगीय हेतु फैल पर आये तब उन्हें खट्टान/चक्रीन/भट्टा के नियोगीय के साथ-साथ सीईआर के लाल झन्डे द्वारा करताये वाले कार्यी या नियोगीय भी अनियोगी सूप की बनाना आपकी जिम्मेदारी होगी।
29. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के लाल प्रस्तावित कार्य करना नहीं पड़े जाने पर पर्यावरणीय नीतिकृति को नियस्त रास्ते वाली कार्यवाही की जाएगी।
30. परियोजना प्रस्तावक गंभीर केन्द्र/राज्य शासन के विभागों, संघर्षों एवं अन्य संस्थानी वी ऐत उत्तरानन आत्म रास्ते के पूर्ण आवश्यक सभी अनुमतियां प्राप्त करेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा जल एवं वायु प्रदूषण नियोजन तथा पर्यावरण संस्थाय हेतु सामय-सामय पर बोर्ड/राज्य शासकार केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण बोर्ड पर्यावरण द्वारा जारी नियेश्वरी/मार्गदर्शकोंका बदली सुनिश्चित किया जाए।
31. उत्तीर्णगढ़ गीन योजना नियम 2016, राज्य शासन द्वारा ऐत उत्तरानन हेतु जारी अधिसूचना दिनीक 2/3/2006 के प्रावधानो/शर्ती एवं राज्युत्तरार जारी दिला नियेश्वरी, अनुमोदित उत्तरानन योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना का कहाँही से जालन सुनिश्चित किया जाए।
32. कार्य करन पर खंडि केमिक कार्ये पर समाचै जाते ही तो ऐसी अविक्षों के आवाज वी उपित व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी जाएगी। कावासीय व्यवस्था अस्थायी संरक्षनकों के सूप में हो जाती है, जिसे परियोजना पूरी होने के उपरात हटाया जा सके।
33. अविक्षों के लिए खानन क्षमता पर साथ पैदल विकिस्तीय भूमिया, भोवाइल टायलेट आदि वी व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी जाए। साथ ही नदी में सह सूत विसर्जन, उत्तरार खाता सामगी के पैकेट वर्गीकृत आदि का विसर्जन प्रतिवर्षित होगा। नदी एवं नदी जल वी व्यवस्था का अध्यान रखा जाए।

34. अनिवार्य समय-समय पर आवश्योगिता हेतु नियती करना चाहिए।
35. उत्थनन की तकनीक, कार्य हेतु एवं अनुनीदित संख्यान सौजन्य के अनुसन्धान की दीक्षिणीय सौजन्य में नियमी भी प्रबन्ध का परिवर्तन एसईआईएए, छलीसगढ़ / भारत सरकार, पर्यावरण, का और उत्थन सौजन्य परिवर्तन संचालन नहीं दिल्ली की पूर्ण अनुसन्धान के बिना नहीं किया जाए।
36. इस पर्यावरणीय सौजन्य को जारी करने का आवश्यक नियमी प्रयोग सम्पर्क अथवा अन्य सम्पर्क पर अधिकार दराने का नहीं है एवं न ही वह पर्यावरणीय सौजन्य नियमी सम्पर्क को गुरुत्वाने अथवा व्यवितरण अधिकारी के अधिकार सम्पर्क को नहीं, इस एवं स्थानीय कानूनों / नियमों के संलग्न हेतु अधिकृत करता है।
37. एसईआईएए, छलीसगढ़ पर्यावरण संख्या की दृष्टि से, परियोजना की स्पर्शभूमि में परिवर्तन अथवा नियमित जाती के सौजन्यप्रद कार्य से पालन न करने की दस्ता में नियमी भी जाती में संशोधन/नियम संख्या नहीं जाती जोड़ने अथवा छलीसगढ़ / नियम संख्या के मानकी को और सख्त करने का अधिकार गुरुत्वित रखता है।
38. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 स्थानीय समाजार पक्षों ने, जो कि परियोजना क्षेत्र के आस-पास प्राप्त कार्य से प्रभावित हो, पर्यावरणीय सौजन्यप्राप्त होने के 7 दिनों की बीतर इस आवश्यक की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को साकारी पर्यावरणीय सौजन्यप्राप्ति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय सौजन्यप्राप्ति एवं दक्ष की प्रतियोगी अवधारणक जाती सहित नियमित, छलीसगढ़ पर्यावरण संख्या नियमित में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। जाति की हस्तान अवलोकन भारत सरकार, पर्यावरण, का और उत्थन सौजन्य परिवर्तन संज्ञान, नहीं दिल्ली एवं एसईआईएए, छलीसगढ़ की [परिवेशी.nic.in](http://pariveshi.nic.in) पर भी किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय सौजन्यप्राप्ति में दी गई जाती की पालन हेतु जी गई कार्यकारी की अवधारणीक रिपोर्ट छलीसगढ़ पर्यावरण संख्या नियमित, नवा राष्ट्रपुर अटल नवन, नियम-नायपुर, हीरीय जलवायित, छलीसगढ़ पर्यावरण संख्या नियमित, राजगढ़, एसईआईएए, छलीसगढ़ एवं एकीकृत हीरीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, का एवं उत्थन सौजन्य परिवर्तन संज्ञान, नवा राष्ट्रपुर अटल नवन की विभिन्न किया जाए। एकीकृत हीरीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, एवं उत्थन सौजन्य परिवर्तन संज्ञान, नवा राष्ट्रपुर अटल नवन द्वारा पर्यावरणीय सौजन्यप्राप्ति में प्रदत्त जाती की पालन की मानिटरिंग की जाएगी।
40. एसईआईएए, छलीसगढ़ भारत सरकार, पर्यावरण, का एवं उत्थन सौजन्य परिवर्तन संज्ञान, नहीं दिल्ली/एकीकृत हीरीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, उन दो उत्थन सौजन्य परिवर्तन संज्ञान, नवा राष्ट्रपुर अटल नवन/हीरीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छलीसगढ़ पर्यावरण संख्या नियमित की जाती की अनुपालन की संख्या में की जाने जाती मानिटरिंग हेतु गृहीं सहयोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा नियमित जाती का अनुपालन करना नहीं जाए जाने पर पर्यावरणीय सौजन्यप्राप्ति नियमों की जा सकती।
41. परियोजना प्रस्तावक छलीसगढ़ पर्यावरण संख्या नियमित एवं सरकार द्वारा दी गई जाती का अनिवार्य कार्य से जालन करेगा। ये जाती जल (प्रदूषण नियावरण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 द्वारा (प्रदूषण नियावरण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संख्या) अधिनियम, 1996 द्वारा इनके तहत बनाए गये नियमी परिवर्तन अधिनियम (प्रदूषण हायालन एवं हीमापार संबलन) नियम, 2008 (जल

संस्थानित) तथा लोक चयिता बीम असिंगरेस, रुड़ा (पश्चा संस्थानित) के लकीन
विनियोगित की जा सकती है।

42. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एसईआईएए... छत्तीसगढ़ में प्रभावित विवरण वे
कोई भी विवरण अथवा परिवर्तन होने की दशा में एसईआईएए... छत्तीसगढ़ के
पुनः सर्वोच्च उचानवाही विभिन्न सुधित किया जाए, ताकि एसईआईएए... छत्तीसगढ़
इस पर विवर कर जाती की उपयुक्तता अथवा नवीन जाती विनियोग करने वाला
निर्णय ले सके। खदान में कोई भी विवर का अवादा छन्दोन एसईआईएए...
छत्तीसगढ़ / भारत सरकार पर्यावरण एवं जलवाया परिवर्तन मंडलय नई
प्रिली की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
43. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संबंधी मध्यस्तक पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रति की सन्दर्भ कार्यालय
कार्यालय, जिला—न्यायाल एवं एटोम फॉन्ड एवं कालेज/कॉलेजदाता कार्यालय में
30 दिनों की अवधि की लिए प्रदर्शित करेगा।
44. पर्यावरणीय स्वीकृति के विकल्प अपील जैवनिक धीन ट्रीभूमल की समस्या, नैदानिक
धीन ट्रीभूमल एवं 2010 वीं आठा 10 ने दिए गए प्रावधानों अनुसार 30 दिन की
समय अवधि में की जा सकती।

कार्यालय सचिव, एसईएएसी,


अधिकारी, एसईएएसी

मैसारी मनवा जिनस कार्य करे कर्त्तवी गाईन (जी) - श्री हुमचंद भार्या की जासारा उमाकि 736/1, 736/2 एवं 737, याम-मनवा, लहानील-मस्तुरी, जिला-बिलासपुर, बुल लीज लैंड 1,555 हेक्टेयर, मिट्टी चलखनन (ग्रीष्म खणिज) जासता - 2,864 एकड़ीटर इतिहास देश

पर्यावरण सीकृति ने दी जाने वाली बातें

यह पर्यावरणीय सीकृति निम्नलिखित सारी की अद्दीन दी जा रही है। इस इन बातों को कहुत ध्यान से पढ़ा जाने तथा कहाँ से जालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यदि उदान चलनिक जिम्मा द्वारा अधिसूचित किसी वलकटर ने है, तो पर्यावरण सीकृति गान्धी नहीं होगी।
2. उत्थनन कोड 1,555 हेक्टेयर से अधिक नहीं होगा। इसी प्रकार उदान से अधिकतम मिट्टी चलखनन (ग्रीष्म खणिज) जासता - 2,864 एकड़ीटर इतिहास से अधिक नहीं होगा। लौज लौज की सीमाओं का सीधाकरण कराकर पकड़ी मुगारे लगाया जाए। लौज सेत्र के भारी और तार से चेतावनी किया जाए।
3. लौज क्षेत्र के बाहर कोई गतिविधि (Activity) नहीं किया जाए। लौज क्षेत्र के बाहर की गतिविधि (Activity) गारी का उत्थनन गान्धी उत्थनन हेतु नियन्त्रित कर्यान्वयी नहीं जाएगी।
4. पर्यावरणीय सीकृति की फैसला भासा बारकर की पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, मंज़ालय द्वारा जारी होआईए नोटिफिकेशन, 2006 (फल संशोधन) की आवश्यकी के लक्ष्य रहेंगी।
5. परियोजना प्रकारक द्वारा लौज क्षेत्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर सूखना बट्टा (लौज बारकर का नाम, उदान का होडफल, अक्षरा एवं देवांगन सहित, उत्थनन की भाव, सीकृति जावड़ी) लगाया जाए।
6. भासा बारकर, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, मंज़ालय द्वारा जारी और दिनांक 24/06/2013 की अनुसार किसी सिलेज स्ट्रेचर से बम से बम 15 मीटर की दूरी छोड़कर उत्थनन क्षेत्र की परिवर्तन सुनिश्चित किया जाए। भासा सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, मंज़ालय द्वारा जारी और दिनांक 24/06/2013 एवं जारी अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 में मिट्टी उत्थनन हेतु नियांत्रित बाईच-जाईन का पातन सुनिश्चित किया जाए।
7. उत्थनन की अधिकतम गड़बड़ 2 मीटर से अधिक नहीं होगी। उत्थनन दूषित भू-जल तार की उपर असीधा प्रभाग से जी जाएगी एवं उत्थनन प्रक्रिया भू-जल कार के नींवे किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाए।
8. उदान से उत्थनन जल एवं घोलू दूषित जल (यदि कोई हो), की उपचार की उपित एवं पर्याप्त व्यवस्था किया जाए। औद्योगिक प्रक्रिया एवं उदान से उत्थनन किसी भी प्रकार से दृष्टित जल को किसी नहीं असार जानही जल ज्ञाती से किसी भी परिस्थिति में निरस्तारित नहीं किया जाए, अपितु इसे प्रक्रिया में उपचार प्रक्रिया हेतु पुनरुत्थापन किया जाए। घोलू दूषित जल की उपचार की लिए लैंडिंग टैक एवं सोकर्पीट की व्यवस्था किया जाए एवं किसी नहीं असार जानही जल ज्ञाती से किसी भी परिस्थिति में निरस्तारित नहीं किया जाए। दूषित जल एवं वर्षाज्ञान का जल आपस में न मिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए। उपचारित सुषित जल की नुपरिता भासा बारकर, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, मंज़ालय द्वारा अधिसूचित गान्धी असार उत्थनन भूमि पर्यावरण जासता अधिसूचित गान्धी (जो भी कहीर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. भू-जल के संपर्क में हैं तो केन्द्रीय भू-जल बोर्ड से उत्तराखण्ड जलमयी के पूर्ण अनुमति प्राप्त किया जाए। (यदि आवश्यक हो)
10. छन्दोज उत्तराखण्ड के विधिवाली से उत्तराखण्ड कार्यपाल प्रभावी एवं नियन्त्रित कृषि से किया जाए। चट्टांच गांव, रिय, लंशहाल हांच, नराई एवं अन्य डक्ट उत्तराखण्ड परिवारों पर जल कियकारण की व्यवस्था किया जाकर इसका सामान संधारण / उत्तराखण्ड सुनिश्चित किया जाए।
11. बाहनी एवं अन्य प्रक्रिया से उत्तराखण्ड का पर्यावरण जालखण्ड अधिनियम, 1980 एवं यात्रा (प्रदूषण नियाय एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत नियन्त्रित नामकरी (जो भी कर्त्ता हो) के अनुसार रखा जाएगा। उत्तराखण्ड क्षेत्र में परिवर्तीय वायु की गुणवत्ता बदला जाकर, पर्यावरण, जल और जलवायु परिवर्तन, वैज्ञानिक द्वारा अधिसूचित नामकरी से जटिल गहरी होनी चाहिये।
12. दोस अधिनियम के काम में उत्तराखण्ड के दूषकर्ता आदि को भू-भवन एवं जल के संधारण हैं तो उत्तराखण्ड किया जाए।
13. पलाई ऐश को उड़ाने से बचाने के लिए सामय-सामय पर यानी का क्रियकारण किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए की पलाई ऐश चालकर आस-पास के दोनों ओर कैलकर पर्यावरण को प्रदूषित न करे, जिसके लिए आस-पास के रहनाली पर क्रियाएं प्राप्त न करें।
14. उत्तराखण्ड को दीर्घान रहनाई गई संपर्कीय ईट नियाय में उत्तराखण्ड नहीं दीर्घाने पर उत्तराखण्ड में नहीं रहने वाली भूमि के पुनरुत्तरांकन द्वारा यहां आवासी और व्यवसायी लोकसंघों को विवर (स्टॉकिलाइज़ेशन) करने में किया जाए। यहां पर उत्तरी पिट्टी (टीपी सीईएल) को उत्तराखण्ड प्रक्रिया की साथ-साथ (हॉलोनकारेटली) संपर्कीय किया जाना जाना न हो, तब इसे पूछकर जो भवित्वरित कर भवित्व में संपर्कीय हैं तो उत्तराखण्ड में किया जाए।
15. औरवर्षांडन एवं अनुपर्योगी पिट्टी के उत्तराखण्ड के सुनिश्चित रखा जाए ताकि भवित्वरित वरदानी आस-पास की भूमि पर विपरित इमारत न जाल साके एवं उत्तराखण्ड के उत्तराखण्डी लोकसंघों ने पूनरुत्तरांकन (विकास नियाय) हैं तो भूमि का मूल संपर्कीय उत्तराखण्ड विकासित वैकल्पिक संपर्कीय सुनिश्चित किया जा सके। भवित्वरित जल की लंबाई 03 मीटर तक रखी जाए तो भवित्वरित जल का उत्तराखण्ड के उत्तराखण्डी लोकों से दूजारीपन किया जाए।
16. परियोजना प्रवर्तनावाला द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि यह नन्हा प्रक्रिया से उत्तराखण्ड सिल्ट लैंड क्षेत्र के आस-पास के सातही जल संझोतों में प्रवाहित न हो। इसी दोषकी दृष्टि स्थानीय ईट, जम्बू ईट, ईट नदी क्षेत्र में रिटेनिंग बैंक / गारलेस्ट ईट की व्यवस्था की जाए।
17. पिट्टी, पलाई ऐश एवं ईट का परिवहन उत्तराखण्ड जलवाया अन्य संपर्कीय गांवों से इसे हुये बाहर से किया जाए, ताकि पिट्टी अथवा ईट रहने की बाहर नहीं रिते। छन्दोज का परिवहन कर रहे यात्री जो संभवा से अलिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
18. गी.ई.आर. (Corporate Environmental Responsibility) हैं जो नियन्त्रणालय उत्तराखण्ड कार्य पर्यावरण प्रबन्धन योजना की अंतर्गत किया जाए—

Capital Investment (in Lakh)	Percentage of Capital Investment	Amount for CER Activities	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)
---------------------------------	----------------------------------	---------------------------	--

Rupees)	to be Spent	(in Lakh Rupees)	Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at, Village- Manva				
12	2%	0.24	Plantation around pond	0.65
			Total	0.65

19. शी.ई.आर. के लाहौर नियांरित कार्योंमधीं 06 माह में अनियार्थी रूप से पूर्ण किया जाए। शी.ई.आर. को उत्तरोत्तर प्रसाराग्वल कार्यों को कार्य पूर्ण उपलब्ध संविधित राम पंचायत से कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त करते अनियार्थिक लिंगोट ने नामांकित करते हुए प्रस्तुत किया जाए। याच ही जब भी नियोजित दल/अधिकारी नियोजित होते स्थल पर आये, उप उन्हें खदान/खदान/भट्टा के नियोजित के साथ-साथ शी.ई.आर. के लाहौर अन्वय कार्यों का नियोजित साप से करना आपकी जिम्मेदारी होगी।
20. शी.ई.आर. ने अत्यन्त बास बनाव वित्त लालन के चरणों और (आम कट्टल एवं जानुवर) 30 नग युआरीपाल हेतु प्रस्तुत प्रसाराव अनुसार शी.ई. के लिए राशि 3,000 रुपये, लैंसिंग के लिए राशि 6,000 रुपये, खाद के लिए राशि 2,250 रुपये, सिंथाइ के लिए राशि 3,000 रुपये, राह-खदान के लिए राशि 3,000 रुपये एवं अन्य कार्यों के लिए राशि 5,000 रुपये हुए प्रकार इधर वहाँ में कुल राशि 22,250 रुपये तथा आगामी 4 वर्षों में कुल राशि 33,000 रुपये हेतु घटकवाह द्वारा का विवरण प्रस्तुत किया जाए है। वरियोजना प्रसारावका हुआ बास बनाव गवाना वी.आर. के सहमति उपलब्ध युआरीपाल वित्त (खदान जमाक 490, होकड़ाल 0.40% हेक्टेकर) के संकेत में प्रसाराव अनुसार कार्य पूर्ण करने।
21. शी.ई.आर. एवं युआरीपाल वर्गों की नायिटरिय एवं चर्किताव ऐतु डि-पक्षीय समिति (प्रोफेशनल्स/प्रतिनिधि, बास बनाव के युआरीपाल/प्रतिनिधि एवं जिता प्रसाराव या घटकीसगढ़ पर्यावरण बोर्ड के युआरीपाल/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। याच ही शी.ई.आर. एवं युआरीपाल का कार्य पूर्ण किये जाने के संपर्क वित्त डि-पक्षीय समिति से संबंधित कराया जाए।
22. जब भी नियोजित दल/अधिकारी नियोजित हेतु स्थल पर आये, उप उन्हें खदान/खदान/भट्टा के नियोजित के साथ-साथ शी.ई.आर. के लाहौर आपको हुआ कराएं जाए कार्यों का नियोजित से करना आपकी जिम्मेदारी होगी।
23. वरियोजना प्रसारावका हुआ उत्तरावन हेतु नियिद्ध केंद्र (वारी तारा 01 मीटिंग शी.ई. केंद्र), होस रीफ, औद्योगिक इम्प्रेन्टी में रसानीय प्रजली की 300 पूरी का सापन युआरीपाल किया जाए। हरित बट्टी का विकास कोन्सीय प्रदूषण नियंत्रण शी.ई. की मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाए।
24. प्रालीनिलता के अन्तर पर खदान उत्तरावन हुआ वर्ष 2024-25 में कम से कम 300 नग यौवे लीज दोप के अनुसार बह, वीपल, गीम, कांस, चौसु, आम, इमली, अर्पुन, शीरस आदि अन्य बदलीय प्रजलीयों के दोषी द्वा दोपन 3 यकितियों में खदान के लूप्ले लैव में किया जाए। दोपन को नुसारित रखने के लिये उपलब्ध एवं पर्याप्त वादवस्था (यथा कांटेश्वर तार की बह काष्या द्वी गार्ड का उपलब्ध) किया जाए। उपलब्ध नहीं होने की दशा में संबंधित बास बनाव का उपलब्ध किया जाए। 5 फीट से 8 फीट तक छंबाई यौवे यौवे का ही

संभव किया जाए। उपरोक्त वृद्धारोपण प्रयत्न कर्ते मैं भूमि किया जाए। युआरोपण नहीं करने पर जारी पर्यावरणीय स्वीकृति निरक्षण की या सकती है।

25. लोकित किये जाने कारों बीचों में संलग्नकरण (Nearest-neighbouring) एवं पौधों को जाम का उल्लंघन करने हुये फोटोशाप्टों सहित जगतकारी अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट के साथ जान करें।
26. माझीनिय लौज क्लॉब के अंदर एवं बाहर साधन वृद्धारोपण किये जाने पर शोपिंग बीचों का रासवाईवल रेट (Survival rate) बाज से बचने 80 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। जब दी वृद्धारोपण का रुच-रुचाव आगामी 5 वर्ष तक सुनिश्चित करने हुए नुस्खों की प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
27. किंवदं गर्वे युआरोपण की पुष्टी ऐनु शी.जी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) सही एवं फोटोशाप्टों अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में रामङ्गित करने हुये उल्लीकरण एवं वर्धीवरण संलग्न मण्डल एवं सज्जा स्वास्थ्य पर्यावरणीय पर्यावरण प्रभाव उत्तरालन प्राप्तिकरण (एवं इ.आई.ए.ए.) उल्लीकरणगढ़ जो प्रेसित किया जाए।
28. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 1. नीटर प्रतिवर्धित क्लॉब में प्रस्तावित कार्य एवं सीईआर की तहत प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति की निरक्षण करने की कार्रवाही की जाएगी।
29. उल्लग्न क्लॉब में अपनि प्रदूषण न हो, वह सुनिश्चित किया जाए।
30. उल्लग्न की घटिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि बगलपुरियों एवं जीव-जन्मग्रामी पर दुष्प्रभाव न हो।
31. मिट्टी उल्लग्न उल्लीकरणगढ़ गीण राजिन नियम 2015 के प्रावधानों, अनुमोदित उल्लग्न योजना एवं वर्धीवरणीय प्रबंधन योजना के जनुरार किया जाए।
32. कार्य सम्बन्ध एवं यदि घोषित अभियंक कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे अभियंक के आवास परिवर्त्या परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आवासीय व्यवस्था अवधारी वारचनाओं के लिये भी जाकर्ता है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात उठाया जा सके।
33. अभियंकों के लिए सानन स्थल पर उत्तम विशेषज्ञ लुकिया, नीकड़ल ट्रायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
34. अभियंकों का वायद-सम्बन्ध पर आवधुयानक उत्तम सर्विलेस करना आवश्यक है।
35. इस पर्यावरणीय स्वीकृति की जारी करने का आज्ञा किसी व्यक्तिगत अधिकार अन्वयनीय पर अधिकार दर्शने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्वीकृति किसी नियमी सम्पर्कित को नुकसान पहुंचाने अथवा व्यक्तिगत अधिकारी के उल्लीकरण अधिकार केन्द्र राज्य एवं सदानीय जननों/विभिन्नों के उल्लंघन हेतु अधिकृत करता है।
36. उल्लग्न जी राजनीति, कार्य क्लॉब एवं अनुमोदित उल्लग्न योजना के अनुलय वार्षिक योजना, जिसमें मिट्टी उल्लग्न सम्भिलित है, में किसी भी प्रावधार का अधिकार एवं इ.आई.ए.ए. उल्लीकरण, / पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन संकालन, ग्रामीण सरकार वी पूर्ण अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
37. एस.ई.आई.ए.ए. उल्लीकरणगढ़ पर्यावरण संलग्न की दृष्टि से, परियोजना की ऊपरेखा वे अधिकार अथवा विनियोग जाती के सारोबृद्ध लिये से वातन न करने की बात ने किसी भी जाति में संशोधन, / निरक्षण करने अथवा नई जाति जोड़ने अथवा उत्तरार्थ / निरस्त्राय के नामकों को और सबका करने का अधिकार सुनिश्चित रखता है।

38. परियोजना प्रसारात्मक न्यूनतम 02 स्थानीय समाजार वर्जी ने, जो कि परियोजना द्वारा की आस-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के 07 दिनों के भीतर इस आवश्यकीय स्वीकृति प्रसारित करेगा कि परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्वीकृति पर्यावरणीय स्वीकृति प्रसारित कर्तियों का विकलान्, उल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल में अवलोकन हेतु प्राप्त कर्ता है। राष्ट्रीय द्वारा अवलोकन हेतु वाइटपेपर pariveshnic.in पर भी किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय स्वीकृति में दो बहु जाती की पालन हेतु जीव कार्यकारी की ओर पार्श्व निवेदित उल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल, झटल गांव, शेत्रीय कार्यकालय उल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल, बिलासपुर, एस.इ.आई.ए.ए. उल्लीसगढ़ एवं एकीकृत कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंडलय, बायपुर की प्रेषित किया जाए।
40. एकीकृत कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंडलय, भास्त सरकार, रायगुर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में प्रदत्त जाती की पालन की नामिटारित की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रसारात्मक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किये गये वरसायें एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंडलय, भास्त सरकार, रायगुर की प्रेषित किया जाए।
41. एस.इ.आई.ए.ए. उल्लीसगढ़, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन कार्यालय, भास्त सरकार, रायगुर, कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंडलय, भास्त सरकार, रायगुर, कार्यालय द्वारा निर्वाचन बोर्ड/उल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल के विज्ञापिता/अधिकारियों को जाती की अनुपालन की संभव्यता में की जाने काली नामिटारित हेतु पूर्ण साहियोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रसारात्मक द्वारा निर्विद्ध जाती का अनुपालन करना भी जाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति निरसा की जा सकती है।
42. परियोजना प्रसारात्मक उल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई जाती का अनियाय रूप से पालन करेगा। ये जाती जल (झटका निवारण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1974, पायु (प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संस्करण) अधिनियम, 1986, तथा इनके तहत बनाये गये नियमों, परिसंचयनमय और अन्य अपरिषद (जल एवं जीवायान संबंधित) नियम, 2010 तथा सोन दारिद्र्य बीमा अधिनियम, 1991 (यथा संशोधित) के अधीन विभिन्न जीव जाती की जा सकती है।
43. प्रसारित परियोजना के बारे में एस.इ.आई.ए.ए. उल्लीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विवरण अव्यय परिवर्तन हेतु की दस्त में हस.इ.आई.ए.ए. उल्लीसगढ़ को पुनः नवीन जानकारी नहीं सूचित किया जाए ताकि एस.इ.आई.ए.ए. उल्लीसगढ़ इस पर विचार कर जाती की उपयुक्तता अव्यय नहीं होते विविध करने का बहुत निर्भय हो सके। खाद्यान में कोई भी विचार अव्यय उन्नयन एस.इ.आई.ए.ए. उल्लीसगढ़, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंडलय, भास्त सरकार की पूर्ण अनुमति के किए जाती किया जाए।
44. उल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रति जो जनके हीरोय कार्यालय, जिला-जात्यार एवं जलीय कंचन एवं कलोकट्ट/तहसीलदार कार्यालय में विवर की अवधि के लिये प्रदर्शित करेगा।

45. पर्यावरणीय संकीर्ति के लिए अपील नेशनल टीव्हुल के समस्त नेशनल टीव्हुल द्वितीय 2010 की पारा 18 में दिये गए प्रक्रान्ती अनुसार 30 दिन की समय अवधि में की जा सकती।

कादम्ब शास्त्री, एस.ई.ए.सी.

कादम्ब, एस.ई.ए.सी.

लेखक लौगिक विज्ञा और वैज्ञानिक पृष्ठ किता (वीटावीडी) विभवी विज्ञा एवं इनी विज्ञप्ति उत्पाद गुणात्) को लातां क्रमांक १६३/३, ५, ६, १८२, १८८/१, १८१/२ एवं १८५/२ यान्-लौगिक तहसील-कुनूरी, विज्ञा-जलसुर, गुजरात शेष २.५० हेक्टेयर, मिट्टी उत्पादन (वीट व्हनिज) कमता - २,००० घनमीटर (हिंट उत्पादन कमता १०,००,००० लग.) इतीकर्त्ता हेतु पर्यावरण स्वीकृति ने दी जाने वाली राती

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित राती के लायीन दी जा रही है। अतः इन राती को बहुत उत्तम से यह जावै लगा कराई भी पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

१. यदि उदान व्हनिज विभाग द्वारा अधिसूचित किसी वहस्तर ने है, तो पर्यावरण स्वीकृति नान्य नहीं होती।
२. उत्पादन शेष २.५० हेक्टेयर से अधिक नहीं होगा। इसी प्रकार उदान से अधिकतम मिट्टी उत्पादन (वीट व्हनिज) कमता - २,००० घनमीटर (हिंट उत्पादन कमता १०,००,००० लग.) प्रतिवर्ष भी अधिक नहीं होगा। लीज शेष भी रीमाडी का सीधावान करकर फलके गुनाहे समाचा जाए। लीज शेष को आरी और तार से घोषणादी किया जाए।
३. लीज शेष के बाहर छोई गतिपथि (Activity) नहीं किया जाए। लीज शेष के बाहर की गतिपथि (Activity) राती का उत्तराधन माना जाएगा। उत्तराधन हेतु नियन्त्रुत नार्यवाही की जाएगी।
४. पर्यावरणीय स्वीकृति जी कैदा भासा सरकार के पर्यावरण, वन और जलवाय परिवर्तन, नेतृत्वात् द्वारा जारी ईआईए नोटिफिकेशन २००६ (वासा संस्थानित) के प्रकारनी की तहत रहेगी।
५. परियोजना प्रसारका द्वारा लीज शेष के गुण प्रयोग द्वार पर सुधना घटें (सीधा यादक का नाम, उदान का शोधकार, आदान एवं देशांतर परिवर्त उत्पादन की जाज, स्वीकृति अवधि) लगाया जाए।
६. भासा सरकार, पर्यावरण, वन और जलवाय परिवर्तन, मजालय द्वारा जारी अंतम दिनांक २४/०८/२०१३ के अनुसार किसी सिविल कटुवायर से कम से कम १५ मीटर की दूरी दोढ़वान उत्पादन शेष भी परिप्ति सुनिश्चित किया जाए। भासा सरकार, पर्यावरण, वन और जलवाय परिवर्तन, नेतृत्वात् द्वारा जारी ओएम दिनांक २४/०८/२०१३ एवं जारी अधिसूचना दिनांक २२/०२/२०२२ मे मिट्टी उत्पादन हेतु नियोजित गाई-लाईन का पालन सुनिश्चित किया जाए।
७. उत्पादन की अधिकतम गहराई २ फीटर भी अधिक नहीं होती। उत्पादन प्रक्रिया घू-जल सतर के ऊपर असंतुष्ट द्रव्यमान मे भी जाएगी एवं उत्पादन प्रक्रिया घू-जल कार के नीचे किसी भी परिस्थिति मे नहीं किया जाए।
८. बाह्यन से उत्पादन जल एवं घोर्सु दूषित जल (यदि कोई हो), के उपचार की उभित एवं पर्याप्त व्यवस्था किया जाए। और्योगिक प्रक्रिया एवं बाह्यन की उत्पादन किसी भी प्रकार से दूषित जल को किसी भी अवश्या साझी जल व्यवस्था मे किसी भी परिस्थिति मे नियन्त्रित नहीं किया जाए। अपितु इसे प्रक्रिया मे अवश्य दूषारोग्य हेतु पुकारन्दोग किया जाए। घोर्सु दूषित जल के उपचार के लिये सैरिक टैक एवं रोकपीट की व्यवस्था किया जाए एवं किसी भी अवश्या साझी जल व्यवस्था मे किसी भी परिस्थिति मे नियन्त्रित नहीं किया जाए। दूषित जल एवं व्यवस्था जल आपका मे ज मिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए। उपचारित दूषित जल की गुणवत्ता भासा सरकार, पर्यावरण, वन और जलवाय परिवर्तन, मजालय द्वारा

अधिकारित भावक अथवा उत्तीर्णपूर्व पर्यावरण संबंध में इस द्वारा अधिकारित भावक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. गृ-जल के उपयोग हेतु केन्द्रीय गृ-जल बोर्ड से उत्तराखण्ड आरम्भ करने के दूर अनुमति प्राप्त किया जाए। (जहाँ आवश्यक हो)
10. उत्तराखण्ड के रियल एस्टेट और उत्तराखण्ड एक्स्प्रेस रेल उत्तराखण्ड का नियंत्रण प्रभावी एवं नियानित रूप से किया जाए। पहुँच गार्म, रैम, रोहदग्ध और भवारी एवं अन्य रक्षण उत्तराखण्ड किन्होंने पर जल विभाग वर्गी व्यवस्था नियम जारी रखकर बाला बंधन / राष्ट्रीय सुनिश्चित किया जाए।
11. बहुगांधी एवं अन्य उकिया से उत्तराखण्ड वायु प्रदूषण को पर्यावरण संबंधी अधिनियम 1980 एवं वायु (प्रदूषण नियंत्रण वाया नियंत्रण) अधिनियम 1981 के तहत लियोरिंग समाजों (जो भी कठोर हो) के अनुसूच रखा जाएगा। उत्तराखण्ड की विधानसभा वायु की प्रदूषकता भावात् सरकार, पर्यावरण, घन और जलवाया परियोग, नियन्त्रण द्वारा अधिकारित भावकों वी अधिक नहीं होनी चाहिये।
12. लोक अधिकार के रूप में उत्तराखण्ड के ट्रूकडो झाडि की गृ-भरती एवं रोड के राष्ट्रीय द्वारा उपयोग किया जाए।
13. पलाई ऐशा की सहाने से बचाने की लिए भावात्-भावात् पर पानी का उत्तराखण्ड किया जावे। भाव ही यह सुनिश्चित किया जावे की पलाई ऐशा उत्तराखण्ड आस-पास की सेवी में फैलाव वर्यावरण को प्रदूषित न करे, जिससे कि आस-पास की लहानी पर विकसीत प्रभाव न आए।
14. उत्तराखण्ड की दीर्घान छटाई यह उपरी लिट्टी (टीप गोईल) का उपयोग हेट नियांज में उपयोग नहीं होने पर उत्तराखण्ड हेतु उपयोग में नहीं आने वाली भूमि के पुनः उत्तराखण्ड अथवा बाहनी ओवरबर्हन को लियर (स्टेपिलाइज) करने में किया जाए। यहाँ पर उपरी लिट्टी (टीप गोईल) का उपयोग प्रक्रिया की साथ-साथ (कोर्नकरेटली) उपयोग किया जाना चाहिए न ही, तब ही पृथक् से बद्धतरित कर भविष्य में उपयोग हेतु रखा जाए।
15. ओवरबर्हन एवं अनुपयोगी लिट्टी को संचित प्रकरण से सुरक्षित रखा जाए ताकि अप्पालिंग पदार्थ आस-पास की भूमि पर लिपसित प्रभाव न ढाल जाके एवं उत्तराखण्ड की उपयोग बने गहराई में पुनर्भरण (वैक लिपसिंग) हेतु भूमि का नूस उपयोग अथवा कोर्निट वैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके; अप्पालिंग रूप की ऊंचाई 03 फीट तक तक तलाप 40 लिंगी से अधिक न हो। ओवरबर्हन घास का उपयोग रोकने हेतु उत्तराखण्ड तकीके से कृत्तिरूप किया जाए।
16. लिपसिंग प्रकरावक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्तराखण्ड की साथान लिट्ट लीज बोर्ड के आस-पास के उत्तराखण्ड स्तोली में उपयोग न हो। इसे रोकने हेतु भर्डीन दीट, डम्प बोर्ड, हेट भर्डीन बोर्ड से रिटेनिंग बोर्ड / गार्डीन बुन की व्यवस्था भी जाए।
17. लिट्टी, पलाई ऐशा एवं हेट का परिवहन तार्सीलिंग अथवा अन्य सुपर्फूल गार्डीन से इके हुए बाहन से किया जाए, ताकि लिट्टी अथवा हेट बाहन से बाहर नहीं मिरे। उत्तराखण्ड का परिवहन कर जो बाहनी की अवाता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
18. सी.ई.आर. (Corporate Environmental Responsibility) हेतु नियानुसार उत्तराखण्ड एवं उपर्यावरण व्यवस्था के अलंकार किया जाए—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)		
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)	
40			Following activities at Village- Lodhara		
2%		0.80	Plantation in Village pond	2.82	
			Total	2.82	

19. सीईआर के तहत निर्दिष्ट कार्यकारी दो भाग में अनिवार्य काम से पूरी किया जाए। सीईआर के उपर्युक्त प्रस्तावित कार्यों की कार्य पूर्ण प्रभावीत बास पर्यावरण से कार्यकारी प्रतिबोधन प्राप्त करने अवधिकारी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आवंटन तथा उनके संचालन/संचालन/भट्टा के निरीक्षण के राष्ट्र-साधा सीईआर के तहत आयोजित प्राप्त करने के बाहरी कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य काम से कारबद्ध आपकी विनम्रताही होगी।
20. सीईआर को अंतर्गत तत्वावधि पर (नीम, आम, अमृतन, गीराव, कटहल आदि) वृक्षारोपण हेतु उपस्थित प्रस्ताव छगुलार 100 नग गोदावी के लिए राशि 2,000 रुपये, खेड़ीग के लिए राशि 30,000 रुपये, ताढ़ के लिए राशि 3,200 रुपये, सिंघर्दी तथा गुड़-नगदार आदि के लिए राशि 48,000 रुपये, इस प्रकार उत्तम वर्ष में कुल राशि 83,200 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,99,200 रुपये हेतु पटकथाम व्यवहार के विवरण प्रत्यक्षता प्रस्ताव अनुसार कार्य पूर्ण करें।
21. सीईआर एवं वृक्षारोपण चलने के गोनिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु वि-ज्ञानीय समिति (प्रौद्योगिकी/प्रौद्योगिकी, बास पर्यावरण के प्रदायिकारी/प्रतिभिति एवं जिला प्रशासन वा उन्नीतीशासक पश्चिमवर्ती राज्यालय मण्डल के प्रदायिकारी/प्रौद्योगिकी) गठित किया जाना आवश्यक है। इस ही सीईआर एवं वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के समर्थन गठित वि-ज्ञानीय समिति सी तत्वावधित कराया जाए।
22. जम भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आवंटन उनके संचालन/संचालन/भट्टा के निरीक्षण के राष्ट्र-साधा सीईआर के तहत आयोजित प्राप्त करने के बाहरी कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य काम से कारबद्ध आपकी विनम्रताही होगी।
23. परियोजना प्रबलापक प्राप्त कर्त्तव्यनाम हेतु निर्दिष्ट दोष (वारी तथा 01 फीटर औद्धी बेल्ट) हील रोड, औजरबद्दन इम्प आदि में क्षद्गीय प्रजाति की 1,155 वृक्षों का सम्पन्न पक्षारोपण किया जाए। हील बेल्ट का विकास क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यदारीकाम के अनुसार किया जाए।
24. प्रायोगिकता की अवधि पर तत्वावधि प्रबलापक द्वारा वर्ष 2024-25 में कम से कम 820 नग वैद्यो लीज द्वीज के अनुसार बढ़, दोपल, नीम, करंज, सीमू, आम, झमली, अमृतन, दीरज आदि अन्य स्थानीय प्रजातियों की गोदावी का रोपण 3 प्रतिशती में तत्वावधि के कुले द्वीज में किया जाए। रोपण की गुरुकृत रक्षने के लिए सुख्खुका एवं पर्यावरण व्यवस्था (वस्त्र काटीदार तार के बाहर अधिक द्वीज वार्षी का उपयोग) किया जाए। स्थल उपलब्ध नहीं होने की दशा में संबंधित बास तत्वावधि प्राप्त विनीत द्वीज वे सुपरीफिशियल वृक्षारोपण किया जाए। 6 फीट से 6 फीट तक वार्षी का ही

रीपक किया जाए। उपर्युक्त सूक्ष्मोपयोग प्रबलम वर्ष में पूर्ण किया जाए। सूक्ष्मोपयोग नहीं करने पर जारी वर्त्तवर्ती रसीदूर्दि निरसन की जा सकती है।

25. रोपित किये जाने वाले पीढ़ी में संख्याकान्त (Numbering) एवं फौटो का नाम का चलनेवाली करती हुये बोटोप्राप्ति सहित जानकारी अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट के साथ जाना होने।
26. नाहानिंग लीज बोर्ड की ओर एवं बाहर सभन सूक्ष्मोपयोग किये जाने एवं रोपित पीढ़ी का सरपाइंटर रेट (Survival rate) कम भी कम ९० प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। सभ्य ही सूक्ष्मोपयोग का एड-स्क्रीन आवश्यकी न वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये मृत पीढ़ी को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
27. किये गये सूक्ष्मोपयोग की पूर्णी हेतु की तो पी.एस (Differentiation Global Positioning System) सर्व एवं बोटोप्राप्ति अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट ने समाहित करते हुये छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान एवं राज्य सरकारी पर्यावरण प्रभाव आवासन प्रणिकान (एस.ई.आई.ए.ए.), छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया जाए।
28. परियोजना प्रस्तावक द्वारा १ गीटर प्रतिवर्षित बोर्ड में प्रस्तावित कार्य एवं भी.आर. की तात्पुर प्रकल्पित कार्य करने नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय रसीदूर्दि की निरसन करने की जारीकारी की जाएगी।
29. उत्तरगण बोर्ड में अभि प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
30. उत्तरगण की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि बनायतीय एवं औद्योगिक-जननुज्ञा पर दुष्प्रभाव न हो।
31. निर्दटी उत्तरगण छातीसगढ़ गोप समिति नियम, 2015 के आवधानी, अनुसूचित उत्तरगण योजना एवं वार्षिकर्त्तीय प्रबलम योजना के अनुसार किया जाए।
32. कार्य समूल एवं अदि कोभिय अभिक कार्य पर लगाये जाते हैं जो ऐसे अभिकों के आवास अधिक व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आवासीय व्यवस्था अवधारी वार्षिकावधी को रुप में हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात इटाना जा सके।
33. अभिकों के लिए उत्तर उच्चत पर नवाच योग्यता निश्चिततावाली सुनिधा, नीवाइल टायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
34. अभिकों का समय-समय पर आवश्युतानुसार हेतु उत्तर सर्विसेस कारबना आवश्यक है।
35. इस पर्यावरणीय रसीदूर्दि की जारी करने का आशा किसी व्यक्तिगत जाक्या अन्य सम्पत्ति पर अस्तिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय रसीदूर्दि किसी निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा व्यक्तिगत अस्तिकारों के अतिक्रमण अथवा गोन्द, राज्य एवं स्थानीय कानूनी/दिलियों को उत्तर सम्बन्ध हेतु अधिकृत करता है।
36. उत्तरगण की जारीनीक, कार्य हेतु एवं अनुसूचित उत्तरगण योजना के अनुकूल वार्षिक योग्यता, योजना में निर्दटी उत्तरगण सम्भिलित है, जो किसी भी प्रकार या परियोजना एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ / पर्यावरण एवं एवं जलवाया परियोजना यंजालय, भारत सरकार वा पूर्व जनुनीति के द्वारा नहीं किया जाए।
37. एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थान की दृष्टि से, परियोजना की कारबोला वे योजनान अवलोकन विभिन्निष्ट जाती की संतोषप्रद जल भी पालन व करने की दशा में किसी भी जली में संशोधन/मिशन करने जलवा गहरी जली जोड़ने अथवा उत्तरार्द्ध / मिलाव वा मानवों को और समाज करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

38. परिवोजना प्रस्तावक नमूनाम 02 स्थानीय समाजाद मती है, जो कि परिवोजना बोर्ड के आस-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्टीकूटि प्राप्त होने के 07 दिनों के भीतर इस अवाद की सुवेता प्रसारित करेगा कि परिवोजना की पर्यावरणीय स्टीकूटि प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्टीकूटि पद की प्रतिक्रिया संविधालय, छलीसगढ़ पर्यावरण संस्करण बन्धुल में उपलोकन हेतु उपलब्ध है। साथ ही इसका अवलोकन वेबसाइट parivoh.nic.in पर भी किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय स्टीकूटि में दो एड जली के पालन हेतु जी महा कायदाती की अधीक्षिक रिपोर्ट छलीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मन्दिर, अटल नगर, क्षेत्रीय कायदालय छलीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मन्दिर, लालगढ़, एसईआईएए, छलीसगढ़ एवं एकीकृत क्षेत्रीय कायदालय पर्यावरण, बन एवं अलवानु परिवर्तन बंडलय, नायपुर की प्रेषित किया जाए।
40. एकीकृत क्षेत्रीय कायदालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन बंडलय, भारत नायपुर, नायपुर द्वारा पर्यावरणीय स्टीकूटि में दबदबा जली के पालन की मानिटरिंग की जाएगी। इस हेतु परिवोजना प्रस्तावक द्वारा समझ-समझ पर प्रस्तुत किये जाने परलोकेजी एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत क्षेत्रीय कायदालय पर्यावरण, बन एवं जलवानु परिवर्तन बंडलय, भारत सरकार, नायपुर की प्रेषित किया जाए।
41. एसईआईएए, छलीसगढ़, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन बंडलय, भारत नायपुर, एकीकृत क्षेत्रीय कायदालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन बंडलय, भारत सरकार, नायपुर, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छलीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मन्दिर के वैज्ञानिकों/अधिकारियों जी जली के अनुपालन के संबंध में की जाने वाली जीमिटरिंग हेतु पूर्ण जाह्योग प्रदान किया जाए। परिवोजना प्रस्तावक द्वारा जीमिटरिंग जली जम अनुपालन बनना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्टीकूटि नियमों की जा सकती है।
42. परिवोजना प्रस्तावक छलीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मन्दिर एवं जलवायु सरकार द्वारा दी गई जली का अनिवार्य रूप से फलन करेगा। वे जली जल (प्रदूषण नियामन तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974, जम (प्रदूषण नियामन तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संवर्धन) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत बनाये गये नियमों, परिवर्तनकाटमय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंध एवं सीमावार संवर्धन) नियम, 2016 तथा जलक दायित्व दीना अधिनियम, 1991 (जल संरक्षण) के जलीन विभिन्न भौति जा सकती है।
43. प्रस्तावित परिवोजना की बारे में एसईआईएए, छलीसगढ़ में प्रस्तुत किया गया कोई भी विचारन अथवा परिवर्तन होने वी द्वारा ने एसईआईएए, छलीसगढ़ को पूर्ण नहीं जानकारी सहित सुनित किया जाए तथा एसईआईएए, छलीसगढ़ इस पर विचार कर जली की उपयुक्तता उपका नीन जली अधिनियंत्र करने वाले नियम से जड़े। जलानन में कोई भी विचार अथवा उपयुक्त एसईआईएए, छलीसगढ़ / पर्यावरण इन एवं जलवायु परिवर्तन बंडलय, भारत सरकार वरि पूर्ण अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
44. छलीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मन्दिर पर्यावरणीय स्टीकूटि भी प्रति जो उनके क्षेत्रीय कायदालय, नियम-व्यापार एवं संस्कृत केन्द्र एवं कालेक्टर/छलीसगढ़ कायदालय में विवर की जाती हो जिये प्रदर्शित करेगा।

45. पर्यावरणीय स्थीरता के लिए अपील नेतृत्व समूहों की वापसी, जिनमें
सीन ट्रीब्यूनल एवं 2010 की तारीख 16 में दिये गये घोषणानी अनुसार, 30 दिन की
कालावधि हो जाएगी।

सामर्थ नाथ, ईसडीएसी


सामर्थ नाथ, ईसडीएसी

**ENVIRONMENTAL CLEARANCE CONDITIONS FOR PROPOSED SUPER
SPECIALTY HOSPITAL PROJECT BY M/S LATE BALIRAM KASHYAP
MEMORIAL GOVERNMENT MEDICAL COLLEGE AT VILLAGE-DIMRAPARA,
TEHSIL-JAGDALPUR, DISTRICT-BASTAR IN PLOT AREA - 41,566.4 M² FOR
THE PROPOSED BUILTPUP AREA - 26,787.27 M²**

This environmental clearance is being given subject to the following conditions. These conditions should be read very carefully and it should be ensured to follow them strictly.

I. Statutory Compliance:

- i. The project proponent shall obtain all necessary clearance / permission from all relevant agencies including Town & Country planning authority before commencement of work. All the construction shall be done in accordance with the local building bylaws.
- ii. The approval of the Competent Authority shall be obtained for structural safety of Buildings due to earthquakes, adequacy of fire fighting equipment etc as per National Building Code including protection measures from lightning etc.
- iii. The project proponent shall obtain Consent to Establish / Operate under the provisions of Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981 and the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974 from the concerned State Pollution Control Board/ Committee.
- iv. The project proponent shall obtain the necessary permission for drawl of ground water / surface water required for the project from the competent authority.
- v. A certificate of adequacy of available power from the agency supplying power to the project along with the load allowed for the project should be obtained.
- vi. All other statutory clearances such as the approvals for storage of diesel from Chief Controller of Explosives, Fire Department, Civil Aviation Department, shall be obtained, as applicable, by project proponents from the respective competent authorities.
- vii. The provisions of the Solid Waste (Management) Rules, 2016, e-Waste (Management) Rules, 2016, the Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016, The Biomedical waste (Management and Handling) Rules, 2016 (As amended) and the Plastic Waste (Management) Rules, 2016 shall be followed.
- viii. The project proponent shall follow the EOCG/EOBC-R prescribed by Bureau of Energy Efficiency, Ministry of Power strictly. Use of chillers shall be CPC & HCFC free.

II. Air Quality Monitoring And Preservation:

- i. Notification (SIR. 94(E)) dated 29/01/2016 of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi regarding Mandatory Implementation of Dust Mitigation Measures for Construction and Demolition Activities for projects requiring Environmental Clearance shall be complied with.
- ii. A management plan shall be drawn up and implemented to contain the current exceedance in ambient air quality at the site.
- iii. The project proponent shall install system to carryout Ambient Air Quality monitoring for concentration parameters relevant to the main pollutants released (e.g. PM₁₀ and PM_{2.5}) covering upwind and downwind directions during the construction period.
- iv. Diesel power generating sets proposed as source of backup power should be of enclosed type and conform to rules made under the Environment (Protection) Act, 1986. The height of stack of DG sets should be equal to the height needed for the combined capacity of all proposed DG sets. Use of low sulphur diesel. The location of the DG sets may be decided with in consultation with State Pollution Control Board.
- v. Construction site shall be adequately barricaded before the construction begins. Dust, smoke & other air pollution prevention measures shall be provided for the building as well as the site. These measures shall include screens for the building under construction, continuous dust/wind breaking walls at around the site (at least 3 meter height). Tarpaulin sheet covers shall be provided for vehicles bringing in sand, cement, muriatic and other construction materials prone to causing dust pollution at the site as well as taking out debris from the site.
- vi. Sand, muriatic, loose soil, cement, stored on site shall be covered adequately to prevent dust pollution. Wet jet shall be provided for grinding and stone cutting.

- vii. Unpaved surfaces and loose soil shall be adequately sprinkled with water to suppress dust.
- viii. All construction and demolition debris shall be stored at the site (and not dumped on the roads or open spaces outside) before they are properly disposed. All demolition and construction waste shall be managed as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Rules, 2016.
- ix. The diesel generator sets to be used during construction phase shall be low sulphur diesel type and shall conform to Environmental (Protocol) prescribed for air and noise emission standards.
- x. The gaseous emissions from DG set shall be dispersed through adequate stack height as per CPCB standards. Acoustic enclosure shall be provided to the DG sets to mitigate the noise pollution. Low sulphur diesel shall be used. The location of the DG set and exhaust pipe height shall be as per the provisions of the Central Pollution Control Board (CPCB) norms.
- xi. For indoor air quality the ventilation provisions as per National Building Code of India.

III. Water Quality Monitoring And Preservation:

- i. The natural drain system should be maintained for ensuring unrestricted flow of water. No construction shall be allowed to obstruct the natural drainage through the site, on wetland and water bodies. Check dams, bio-swales, landscape, and other sustainable urban drainage systems (SUDS) are allowed for maintaining the drainage pattern and to harvest rain water.
- ii. Buildings shall be designed to follow the natural topography as much as possible. Minimum cutting and filling should be done.
- iii. Total fresh water use shall not exceed the proposed requirement as provided in the project details.
- iv. The quantity of fresh water usage, water recycling and rainwater harvesting shall be measured and recorded to monitor the water balance as projected by the project proponent. The record shall be submitted to the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur along with six monthly Monitoring reports.
- v. A certificate shall be obtained from the local body supplying water, specifying the total annual water availability with the local authority, the quantity of water already committed, the quantity of water allotted to the project under consideration and the balance water available. This should be specified separately for ground water and surface water sources, ensuring that there is no impact on other users.
- vi. At least 33.03% of the open spaces as required by the local building bye-laws shall be pervious. Use of Grass pavers, paver blocks with opening, landscape etc. would be considered as pervious surface.
- vii. Installation of dual pipe plumbing for supplying fresh water for drinking, cooking and bathing etc. and other for supply of recycled water for flushing, landscape irrigation, car washing, thermal cooling, conditioning etc. shall be done.
- viii. Use of water saving devices/ fixtures (viz. low flow flushing systems; use of low flow faucets tap sensors etc) for water conservation shall be incorporated in the building plan.
- ix. Separation of grey and black water should be done by the use of dual plumbing system. In case of single stack system separate recirculation lines for flushing by giving dual plumbing system be done.
- x. Water demand during construction should be reduced by use of pre-cured concrete, curing agents and other best practices referred.
- xi. The local bye-law provisions on rain water harvesting should be followed. If local bye-law provision is not available, adequate provision for storage and recharge should be followed as per the Ministry of Urban Development Model Building Bye-laws, 2016. Rain water harvesting recharge pits/storage tanks shall be provided for ground water recharging as per the CGWB norms.
- xii. A rain water harvesting plan needs to be designed where the recharge bore of minimum one recharge bore per 5,000 square meters of built up area and storage capacity of minimum one day of total fresh water requirement shall be provided. In areas where ground water recharge is not feasible, the rain water should be harvested and stored for reuse. The ground water shall not be withdrawn without approval from the Competent Authority. Project proponent shall

develop rainwater-harvesting structures for 100% harvesting of rainwater in the premises for recharging the ground water table. Rainwater from open spaces shall be collected and reuse for landscaping and other purposes. Rooftop rainwater harvesting shall be adopted for the buildings & residential blocks to be constructed by individual owners. Every building shall have rainwater-harvesting facilities. The storm water flowing in manmade drains shall also be recycled and reused to maintain the vegetation and discharged into natural water bodies. Before recharging the surface runoff, pre-treatment must be done to remove suspended matter and oil & grease. Rainwater harvesting pits shall be constructed as per proposal.

- viii. All recharge should be limited to shallow aquifer.
- ix. Water shall be sourced from after prior permission from CGWA and Billespur Municipal Corporation. No ground water shall be used during construction phase of the project before prior permission from CGWA.
- x. Any ground water dewatering should be properly managed and shall conform to the approvals and the guidelines of the CGWA in the matter. Formal approval shall be taken from the CGWA for any ground water abstraction or dewatering.
- xi. The quantity of fresh water usage, water recycling and rainwater harvesting shall be measured and recorded to monitor the water balance as projected by the project proponent. The record shall be submitted to the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur along with six monthly Monitoring reports.
- xii. Sewage shall be treated in the STP of capacity 300 KLD with tertiary treatment. Infectious Effluent generated from hospital shall be treated in the ETP (Effluent Treatment Plant) before mixing it in STP. The treated effluent from STP shall be recycled/re-used for flushing, AC make up water and gardening after disinfection through sodium hypochlorite/chlorine etc. Zero discharge condition shall be maintained at the time. Project proponent shall construct pucca drain upto nearest municipal drain. Project proponent shall install separate electric metering arrangement with time totalizer for the running of pollution control systems. The record (logbook) of power & chemical consumption for running the pollution control systems shall be maintained.
- xiii. No sewage or untreated effluent water would be discharged through storm water drains.
- xiv. Onsite sewage treatment of capacity of treating 100% waste water to be installed. The installation of the Sewage Treatment Plant (STP) shall be certified by an independent expert and a report in this regard shall be submitted to the Ministry before the project is commissioned for operation. Treated waste water shall be reused on site for landscape, flushing, cooling tower, and other end-uses. Excess treated water shall be discharged as per statutory norms notified by Ministry of Environment, Forest and Climate Change. Natural treatment systems shall be promoted.
- xv. Periodical monitoring of water quality of treated sewage shall be conducted. Necessary measures should be made to mitigate the odour problem from STP.
- xvi. Sludge from the onsite sewage treatment, including septic tanks, shall be collected, conveyed and disposed as per the Ministry of Urban Development, Central Public Health and Environmental Engineering Organisation (CPHEEO); Manual on Sewerage and Sewage Treatment Systems, 2013. The sludge generated from Sewage Treatment Plant (after drying) shall be used as manure for gardening purpose.

IV. Noise Monitoring And Prevention

- i. Ambient noise levels shall conform to residential area/commercial area/industrial/warehouse zone both during day and night as per Noise Pollution (Control and Regulation) Rules, 2000. Incremental pollution loads on the ambient air and noise quality shall be closely monitored during construction phase. Adequate measures shall be made to reduce ambient air and noise level during construction phase, so as to conform to the stipulated standards by CPCB / SPCB.
- ii. Noise level survey shall be carried as per the prescribed guidelines and report in this regard shall be submitted to Regional Officer, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur as a part of six-monthly compliance report.
- iii. Acoustic enclosures for DG sets, noise barriers for ground-run bays, ear plugs for operating personnel shall be implemented as mitigation measures for noise impact due to ground sources.

V. Energy Conservation Measures

- i. Compliance with the Energy Conservation Building Code (ECBC) of Bureau of Energy Efficiency shall be ensured. Buildings in the States which have notified their own ECBC, shall comply with the State ECBC.
- ii. LED lights shall be used in project premises.
- iii. Concept of passive solar design that minimize energy consumption in buildings by using design elements, such as building orientation, landscaping, efficient building envelope, appropriate fenestration, increased day lighting design and thermal mass etc. shall be incorporated in the building design. Wall, window, and roof u-values shall be as per ECBC specifications.
- iv. Energy conservation measures like installation of LED for the lighting the area outside the building should be integral part of the project design and should be in place before project commissioning.
- v. Solar, wind or other Renewable Energy shall be installed to meet electricity generation equivalent to 1% of the demand load or as per the state level / local building by-laws requirement, whichever is higher.
- vi. Solar power shall be used for lighting in the apartment to reduce the power load on grid. Separate electric meter shall be installed for solar power. Solar water heating shall be provided to meet 20% of the hot water demand of the commercial and institutional building or as per the requirement of the local building by-laws, whichever is higher. Residential buildings are also recommended to meet its hot water demand from solar water heaters, as far as possible.

VI. Waste Management

- i. A certificate from the competent authority handling municipal solid wastes, indicating the existing civic capacities of handling and their adequacy to cater to the M.S.W. generated from project, shall be obtained. Waste generated from hospital shall be disposed off as per the Biomedical waste (Management and Handling) Rules, 2016 (as amended).
- ii. Disposal of muck during construction phase shall not create any adverse effect on the neighboring communities and be disposed taking the necessary precautions for general safety and health aspects of people; only in approved sites with the approval of competent authority.
- iii. Separate wet and dry bins must be provided in each unit and at the ground level for facilitating segregation of waste. Solid waste shall be segregated into wet garbage and inert materials.
- iv. Organic waste compost/ Vermiculture pit/ Organic Waste Converter within the premises with a minimum capacity of 0.3 kg /person/day must be installed.
- v. All non-biodegradable waste shall be handed over to authorized recyclers for which a written MoU must be done with the authorized recyclers.
- vi. Any hazardous waste generated during construction phase, shall be disposed off as per applicable rules and norms with necessary approvals of the State Pollution Control Board.
- vii. Use of fly ash based bricks /blocks / tiles / products shall be ensured. Blended cement with fly ash shall be used. The provisions of notification issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India regarding use of fly ash must be complied with. Appropriate usage of other industrial wastes shall also be explored. Soil borrow area should be filled up with ash with proper compaction and covered with topsoil kept separately. Fly ash / pond ash shall be used for low-lying areas filling, in embankments / road construction etc. ash shall be utilized as per guidelines of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India / Central Pollution Control Board / Indian Road Congress etc. concerning authorities. The use of perforated brick / hollow blocks / fly ash based lightweight aerated concrete etc. shall also be ensured so as to reduce load on natural resources.
- viii. Fly ash should be used as building material in the construction as per the provision of Fly Ash Notification of September, 1999 and amended as on 27th August, 2003, 26th January, 2010 and 31st December, 2021. Ready mixed concrete must be used in building construction.
- ix. Any wastes from construction and demolition activities related thereto shall be managed so as to strictly conform to the Construction and Demolition Rules, 2016.

- i. Used CFLs, LEDs and TFLs should be properly collected and disposed off / sent for recycling as per the prevailing guidelines / rules of the regulatory authority to avoid mercury contamination.

VII. Green Cover

- i. No tree can be felled/transplant unless exigencies demand. Where absolutely necessary, tree felling shall be with prior permission from the concerned regulatory authority. Old trees should be retained based on girth and age regulations as may be prescribed by the Forest Department. Plantations to be ensured species (cut) to species (planted).
- ii. Green belt shall be developed in an area equal to 30.02 % of the net planning area with a native tree species in accordance with CPCB guidelines. The greenbelt shall enter site cover the entire periphery of the constructed. As far as possible maximum area of open spaces shall be utilized for plantation purposes. A minimum of 1 tree for every 80 sqm of land should be planted and maintained. The existing trees will be counted for this purpose. The landscape planning should include plantation of native species. The species with heavy foliage, broad leaves and wide canopy cover are desirable. Water intensive and/or invasive species should not be used for landscaping.
- iii. Where the trees need to be cut with prior permission from the concerned local Authority, compensatory plantation in the ratio of 1:10 (i.e. planting of 10 trees for every 1 tree that is cut) shall be done and maintained. Plantations to be ensured species (cut) to species (planted). Area for green belt development shall be provided as per the details provided in the project document.
- iv. Topsoil should be stripped up to a certain depth from the areas proposed for buildings, roads, avod areas, and external services. It should be stockpiled appropriately in designated areas and supplied during plantation of the proposed vegetation on site.

VIII. Transport

- i. A comprehensive mobility plan, as per MoUD best practices guidelines (UPDOPFT), shall be prepared to include motorized, non-motorized, public, and private networks. Road should be designed with due consideration for environment, and safety of users. The road system can be designed with these basic criteria.
 - a. Hierarchy of roads with proper segregation of vehicular and pedestrian traffic.
 - b. Traffic calming measures.
 - c. Proper design of entry and exit points.
 - d. Parking norms as per local regulation.
- ii. Vehicles hired for bringing construction material to the site should be in good condition and should have a pollution check certificate and should conform to applicable air and noise emission standards be operated only during non-peak hours.
- iii. A detailed traffic management and traffic decongestion plan shall be drawn up to ensure that the current level of service of the roads within a 05 kms radius of the project is maintained and improved upon after the implementation of the project. This plan should be based on cumulative impact of all development and increased habitation being carried out or proposed to be carried out by the project or other agencies in this 05 Kms radius of the site in different scenarios of space and time and the traffic management plan shall be duly validated and certified by the State Urban Development department and the P.W.D.I competent authority for road augmentation and shall also have their consent to the implementation of components of the plan which involves the participation of these departments.
- iv. The project proponent shall use covered leak proof trucks / dumpers vehicles for transportation of construction materials and C& D wastes.

IX. Human Health Issues

- i. All workers working at the construction site and involved in loading, unloading, carriage of construction material and construction debris or working in any area with dust pollution shall be provided with dust mask.

- ii. For indoor air quality the ventilation provisions as per National Building Code of India, Emergency preparedness plan based on the Hazard identification and Risk Assessment (HIRA) and Disaster Management Plan shall be implemented.
- iii. Provision shall be made for the housing of construction labour within the site with all necessary infrastructure and facilities such as fuel for cooking, mobile toilets, mobile STP, safe drinking water, medical health care, crèche etc. The housing may be in the form of temporary structures to be removed after the completion of the project. Occupational health surveillance of the workers shall be done on a regular basis.
- iv. A First Aid Room shall be provided in the project both during construction and operations of the project.

X. Corporate Environment Responsibility

- i. The project proponent shall comply with the provisions of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi OM vide F.No. 22-05/2017-UJII dated 1st May 2018, as applicable, regarding Corporate Environment Responsibility. Project proponent shall make CER fund as follows:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at Skill & Economic Development Activities				
			Arrangement for vocational training to interested local youth	8.20
			Computer Literacy and Assistance to Youth SHGs	8.20
			Provision of Market linkage for selling the products through training center	8.20
			Total	24.60
Education facility				
			Donation of computers, books, furniture to village schools	16.40
			Donation of stationary, books, scholarships to needy students	16.40
			Maintenance/Repair of village school buildings	13.12
			Provision of RO System	11.40
			Total	67.40
Solid Waste Management Area				
			Solid Waste Treated Through Septic Tank via Soak Pit	11.60
			Disposal of solid wastes	9.34
			Total	20.94
Rain Water Harvesting				
			Surface Water Runoff Harvesting Techniques	8.84

			Rooftop Water Collection / Rainwater Cistern	8.74
			Water Harvesting Pond / Storage Tank	8.74
			Total	17.48
			Women empowerment	
			Assistance to Women SHGs	8.20
			Vocational Training	8.20
			Total	16.40
			Plantation in Community areas	
			Site Prep, Tree Purchase	8.20
			Tree Maintenance/Mulching	8.20
			Tree maintenance/Watering	8.20
			Total	24.60
			Grand Total	184.08

- i. The company shall have a well laid down environmental policy duly approved by the Board of Directors. The environmental policy should prescribe for standard operating procedures to have proper checks and balances and to bring into focus any infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions. The company shall have defined system of reporting infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions and / shareholders / state Rollers. The copy of the board resolution in this regard shall be submitted to the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh as a part of six-monthly report.
- ii. A separate Environmental Cell both at the project and company head quarter level, with qualified personnel shall be set up under the control of Senior Executive, who will directly be the head of the organization.
- iii. Action plan for implementing E&P and environmental conditions along with responsibility matrix of the company shall be prepared and shall be duly approved by competent authority. The year wise funds earmarked for environmental protection measures shall be kept in separate account and not to be diverted for any other purpose. Year wise progress of implementation of action plan shall be reported to the Integrated Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Raigarh / SEIAA Chhattisgarh along with the Six Monthly Compliance Report.
- iv. Self environmental audit shall be conducted annually. Every three years third party environmental audit shall be carried out.
- v. All the recommendations made in the Charter on Corporate Responsibility for Environment Protection (CREP) for the plants (if any) shall be implemented.
- vi. The tripartite committee (minister/representative, Gram Panchayat official/representative and district administration or Chhattisgarh Environment Conservation Board official/representative) should be constituted for monitoring and supervision of C.E.P. and tree plantation work. Also, after completion of C.E.P. and tree plantation work, it should be verified by the constituted tripartite committee.

XII. Miscellaneous

- i. Local persons shall be given employment during development and operation of the site.
- ii. The project proponent shall make public the environmental clearance granted for their project along with the environmental conditions and safeguards at their cost by prominently advertising it at least in two local newspapers of the District or State, of which one shall be in the vernacular language within seven days and in addition this shall also be displayed in the project proponent's website permanently.
- iii. The copies of the environmental clearance shall be submitted by the project proponents to the Heads of Local Bodies, Panchayats and Municipal Bodies in addition to the relevant offices of the Government who in turn has to display the same for 30 days from the date of receipt.
- iv. The project proponent shall upload the status of compliance of the stipulated environment clearance conditions, including results of monitored data on their website and update the same on half-yearly basis.

- v. The project proponent shall monitor the criteria pollutants level namely; PM₁₀, SO₂, NO_x (ambient levels as well as stack emissions) or critical sectoral parameters (if any), indicated for the projects and display the same at a convenient location for disclosure to the public and put on the website of the company.
- vi. The project proponent shall submit six-monthly reports on the status of the compliance of the stipulated environmental conditions on the website of the ministry of Environment, Forest and Climate Change at environment clearance portal.
- vii. The project proponent shall submit the environmental statement for each financial year in Form-V to Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) as prescribed under the Environment (Protection) Rules, 1986, as amended subsequently and put on the website of the company. The project proponent shall inform the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur as well as SEIAA, Chhattisgarh the date of financial closure and final approval of the project by the concerned authorities, commencing the land development work and start of production operation by the project.
- viii. The project authorities must strictly adhere to the stipulations made by the Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) and the State Government.
- ix. The project proponent shall abide by all the commitments and recommendations made in the EIA / EMP report and also that during their presentation to the State Expert Appraisal Committee.
- x. No further expansion or modifications in the plant shall be carried out without prior approval of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh.
- xi. Concealing factual data or submission of false / fabricated data may result in revocation of this environmental clearance and strict action under the provisions of Environment (Protection) Act, 1986.
- xii. SEIAA, Chhattisgarh may revoke or suspend the clearance, if implementation of any of the above conditions is not satisfactory.
- xiii. SEIAA, Chhattisgarh reserves the right to stipulate additional conditions if found necessary. The Company in a time bound manner shall implement these conditions.
- xiv. The Regional Office Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur shall monitor compliance of the stipulated conditions. The project authorities should extend full cooperation to the officer(s) of the Regional Office by furnishing the requisite data / information / monitoring reports.
- xv. The above conditions shall be enforced, inter-alia under the provisions of the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974, the Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 and the Public Liability Insurance Act, 1991 along with their amendments and Rules and any other orders passed by the Honorable Supreme Court of India / High Courts and any other Court of Law relating to the subject matter.
- xvi. Any appeal against this EC shall lie with the National Green Tribunal, if preferred, within a period of 30 days as prescribed under Section 16 of the National Green Tribunal Act, 2010.
- xvii. Environment clearance will be valid as per the provision of EIA Notification, 2006 (as Amended).


Member Secretary, SEAC


Chairman, SEAC

मेलार्स रसिनिंग लिमिटेड कंपनी वार्ता (प्री.- दी जिंग बूगार जाइवालत)
को खाली छानांक १८२/२, कुल लीज लीज ०.३०३ हेक्टेकर, गाम-खाली,
खाली-खिलाईगढ़, खिला-बलीदाराजार-भाटापुरा में खुला पालघर (गीव खानिय) खलखल
- १,०७२.७ टन प्रतीक्षित हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति में दी जानी वाली जाए।

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित जाती के लकड़ीन दी जा रही है। जाते हुन जाती को
बहुत ज्यान से पढ़ा जाये तथा कल्पक से प्रत्यक्ष करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्वीकृति अधिकातम खलखल कोलकल (लीज लीज) ०.३०३ हेक्टेकर अवधा खलीखगड़ जाइव, खानिय जाइवन गिराव द्वारा स्वीकृत लीज लीज (दीनो में से दो कम ही) हेतु मान्य होगा। इसी प्रकार जाइवन से खुला पालघर तत्त्विकाम खलखल १,०७२.७ टन प्रतीक्षित ही अधिक नहीं होगा। लीज लीज की सीधांकी जा लीखाकर कालाकर पक्की गुनारे लगाया जाए। जीव लोक की जाती और तार से प्रशंसनी किया जाए।
2. पर्यावरणीय स्वीकृति की फैला जाता जाइव तत्त्विक तत्त्व और जलवाया
परिवर्तन, भौतिक द्वारा जाये इ.आई.ए. नोटिफिकेशन, २००६ (जला जातीयित) के
प्राक्कानी की तहत रखेगी।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज लीज के कुल प्रवेश द्वारा पर बूजना बटल (लीज
पालक तत्त्व नाम, जाइवन का बीचफल अक्षय एवं दिलातर रखिया, खलखल की जाता,
स्वीकृति आवधि) लगाया जाए।
4. अनुसार हेतु प्रत्युष कीनिय इन्हायरीमेटल सेनेजरीट जलन की अनुसार बूजारेपन एवं
परिवर्तन सहजों एवं ज्ञान से परिवर्तन सहज सक प्रत्युष जाती की सोचनाम का कार्य
० माह में पूरी किया जाए।
5. जानवीय एन.जी.टी. के आयोजित दिनांक २६/०२/२०२१ के अनुसार घटटेवार द्वारा
माईनिंग जलन एवं पर्यावरणीय स्वीकृति की जाती का पालन सुनिश्चित करने की जाने
हेतु वरियोजना प्रस्तावक जो पर्यावरण विभाग नियुक्त करना है।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जाइव जल एवं परेलू दूषित जल (यदि कीर्ति
ही), के उपचार की सवित एवं प्राप्ति व्यवस्था की जाए।
7. लीटीयित प्रक्रिया एवं जाइवन से उत्पन्न किसी भी प्रकार से दूषित जल या जिसी
सभी अवधा जाती जल स्तरों में किसी भी परिस्थिति में नियालित जली किया
जाए, अवितु इसी प्रक्रिया में अवधा बूजारेपन हेतु पुनरावृत्तीय किया जाए। परेलू
दूषित जल की जाइव जल की जिए सेटिंग टैक एवं लोकप्रीट की जाइवना की ज्ञाए एवं
जल को किसी नहीं अवधा जाती जल स्तरों में किसी भी परिस्थिति में न नियाले देने हेतु भी
जाइवना की ज्ञाए। याचारित दूषित जल की बुझकला जाए जाइव, पर्यावरण, जल
और जलवाया परियोजन, भौतिक, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित जानक अवधा
खलीखगड़ पर्यावरण जाइवन गढ़ल द्वारा अधिसूचित जानक (जो भी कठोर ही)
के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।
8. जानि पहला जाइव जलन सोचालन बढ़ करने की उपरात (after closing mining
operations) जलन की जाय जीव जो कि जानी जलन गतिविधियों
के कारण प्रभावित (disturbed due to their mining activities) हुए हैं जानी

७. ग्रासिंग (grazing) की जाएगी एवं युनि इन पुनर्वापन के इस स्थिति तक किया जाएगा, जिससे यह बारा, बनस्पतियों जीवों और के सत्पति हेतु उपयुक्त हो। विधीजनन प्रशासनक द्वारा सभाम प्राधिकारी से अनुमतिदिए माईन कलोजर ज्ञान एक माह के भीतर प्रस्तुत किया जाए।

८. शु-जल के सपरीय हेतु केन्द्रीय शु-जल बोर्ड से उत्पानन आरेख लगाने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए। साथ ही अन्य स्त्रोत से जल का सपरीय किये जाने की स्थिति में संबंधित विवाद से उत्पानन आरेख लगाने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए।
९. किसी विनोदी / बैट / ब्लैट बोर्ड से पार्टिकुलर बैट उत्पादन की गति ५० विधीजन / सामान्य इन्वीटर से जम सुनिश्चित किया जाए। कलार, कलीन, इंसाफर याइट्स (विदि कोई हो) में यानु प्रदूषण नियन्त्रण हेतु बस्ट एक्सट्रेक्शन विवरण की जाए याचक बोर्ड का बैट विनोद स्थापित विवाद पाए। खगिज उत्पानन विधिविधियों की विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न प्रदूषितिव बस्ट उत्पादन का विधायक प्रभावी एवं नियमित रूप से किया जाए। पहुंच मार्ग, रैम, संचारण केन्द्र, भराई एवं जल बस्ट उत्पादन विनुभाग बस्ट काटेंडर कम संप्रेषण शिस्टम एवं जल छिन्हायन की जावानी की जावानी एवं उत्पानन आरेख संस्थान / संचारण सुनिश्चित किया जाए। विष्ट बैटिंग बोर्ड का नियमित सुनिश्चित विवाद जाए।
१०. गहनी, लगन एवं अन्य प्रक्रिया से उत्पन्न यानु प्रदूषण की खींचाय अधिनियम, १९६६ एवं यानु (प्रदूषण नियावण एवा नियन्त्रण) अधिनियम, १९६१ के बाट विनियोग स्त्रोतों के अनुसार रखा जाएगा। उत्पानन बोर्ड में विधिविधीय यानु की युक्तियां जारी रखने के पर्यायमा, बन और जल यानु विनियोग गंभालए, नहीं दिल्ली द्वारा अधिकारित यानकों से झीकी नहीं होनी चाहीए।
११. परिवेशका प्रशासनक द्वारा उदान की जारी तरफ वैसिंग का जरूर किये जाने की उपलब्ध ही उत्पानन कार्य जारी किया जाए।
१२. परिवेशका प्रशासनक द्वारा उदान की जारी तरफ वैसिंग का जरूर किये जाने की उपलब्ध ही उत्पानन कार्य जारी किया जाए।
१३. लीज बोर्ड के यारी तरफ घोटी गई ७.५ बैटर की जीड़ी पट्टी में कोई बैटर का रूप / अप्लायम नहीं किया जाए तथा इस पट्टी में बृक्षारोपण किया जाए। ऐसा करना नहीं यारी जाने पर परिवेशकीय सीकृति किसी भी समय तरवारल प्रभाव से विवरा नहीं जा सकती।
१४. उत्पानन प्रक्रिया के पीरान हटाई गई ऊपरी विट्टी (टीप सीईल) का सपरीय उत्पानन हेतु उपरीम ने न आने वाली युनि के पुन उदान हेतु उदान बाहरी ओवरहॉल की विट्ट (स्टैचिल्टर्ट) लगाने में किया जाए।
१५. जनवी विट्टी की लीज बोर्ड की बाहर उत्पाद अनुसार विनीति स्थान एवं भौमिति का संरक्षित रखा जाए। विट्टी का दुकायांग, विकास एवं अन्य काली में सपरीय नहीं किया जाए। इस विट्टी का सपरीय उदान के युनियन के लिए किया जाए।
१६. ओवरहॉल एवं अनुपरोगी/विकी अद्याय खगिज (बैट लीक) को पूछक से पूर्व से विनीत स्थान पर अप्लायिंग किया जाएगा। इस प्रकार का अप्लायम क्षमता यो लियित प्रकार से सुनिहित रखे जानी जाकि अप्लायित पदार्थ जल-जल की युनि एवं विवरित प्रकार न जाल जानी। रूप की ऊंचाई ३ बैटर तथा लीप २८ विकी से अधिक न हो। ओवरहॉल रूप का जारी रीकाने हेतु वैज्ञानिक लारीक से युक्तारोपण किया जाए।
१७. जहाँ तक समय ही ओवरहॉल एवं अन्य अनुपरोगी/विकी अद्याय खगिज (बैट लीक) को उनक तक पहुंचात बने गढ़ी में युनियन (बैक फिलिंग) हेतु उपरोग किया

जाए, ताकि नुमि वा मूल उपयोग अनुसार बहिर्भूत ऐकात्मिक उपयोग नुस्खेशीकृत किया जा सके।

16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्तम प्रक्रिया से उत्पन्न सिल्व टीच लोड के आवा-पास के साथी वाल राहेंगी में प्रकटित न हो। इसे लोडने के नुस्खे माईन ग्रीट एवं उपयोग लोड में डिटेक्शन लील / गार्डेप्ल ट्रैन वी लावर्स की जाए।
17. समिति वा परिवहन कारबॉर्ड वाहन से किया जाए, ताकि समिति वाहन से बाहर नहीं गिरे। समिति का परिवहन कर रहे वाहनी को समाचा से अदिक नहीं जा सकता सुनिश्चित किया जाए।
20. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर कार्य व्यावरण प्रक्रिया वीजन के अनुरूप किया जाए—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
30	2%	0.60	Following activities at, Village-Salihaghat	
			Pavitra Van Nimman	1.73
			Total	1.73

21. सीईआर ने उत्तम नियोजित कार्यकारी 06 वाहन में अनिवार्य रूप से यूर्ज किया जाए। सीईआर के उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य यूनि उपरान्त संबंधित राम व्यावरण से कार्यपूर्ण घोषियेदान प्राप्त कर ज्ञानान्वित रिपोर्ट में समर्पित करनी हुये प्रस्तुत किया जाए। सीईआर कार्य की उत्तमता सुनिश्चित करना आवश्यक उत्तरवादायित्व होगा। युक्तार्थिका असम्भव होने पर व्यावरण व्यौक्ति निरसा वी अपेक्षी।
22. सीईआर की अनुरूप परिवर्तन वर्ष नियाण के उत्तम (विवरण, कटहल, पीपल, बेस, अंडेला एवं जामुन) 50 नव युक्तार्थिका हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार ग्रीष्मी के लिए राशि 6,500 रुपये, फौसिंग के लिए राशि 25,000 रुपये, नियाण के लिए राशि 5,000 रुपये, रख-रखाव एवं अन्य आदि के लिए राशि 12,000 रुपये इस उत्तम प्रस्ताव द्वारा 4 वर्ष में कुल राशि 48,500 रुपये द्वारा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,24,500 रुपये हेतु घटकानार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया जाये है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा राम व्यावरण सलिहायाट के सहभागि उपरान्त उपयोग रखाने (विवरण अनुकूल 180/3 एवं 180/5, दोनोंल 1.62 (एकटीयर) के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कार्य पूर्ण करें।
23. सीईआर एवं युक्तार्थिका कार्य की नीतिशिखा एवं व्यवस्थाएँ हेतु वि-प्रशीघ लायिति (प्रोफराइटर/प्रार्टिनिशि), राम व्यावरण के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन का छठतीसाथ व्यवस्था संचालन मण्डल की पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। राम वी सीईआर एवं युक्तार्थिका का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरान्त गठित वि-प्रशीघ लायिति से सत्याग्रह कराया जाए।

24. जब भी निरीक्षण यज्ञ/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्वतं पर आये, तब उनकी सहायता/सहाया/भट्टा को निरीक्षण के साथ—साथ भी है और के लालू आपकी द्वारा लगाए गए कौशल भी या निरीक्षण में अनिवार्य रूप से बनना आपकी जिम्मेदारी होगी।
25. उत्तमनन हेतु निरीक्षण क्षेत्र (यारों तरफ 7.5 मीटर लैंग क्षेत्र), हील लैंग, और उत्तमनन सम्पर्क आदि में स्थानीय प्रवासियों के 100 नग यूँडों का साधन यूकारीय प्रदूषण वर्ष में किया जाए। हरित पट्टी का लिकासा कौन्दीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाए।
26. प्राक्षिकिता के अधार पर सहायता प्रबंधन द्वारा वर्ष 2024–25 में कम से कम 200 नग प्रति हेक्टेयर लैंग क्षेत्र के अनुसार बढ़, लीपल, नीच, करेंग, बीरू, जाम, इचली, अर्जुन, सीरसा आदि अन्य स्थानीय प्रवासियों के 100 नग यूँडों का रोपण (यूल 200 नग यूँडों) सहायता के यूँडों लैंग में किया जाए। रोपण की सुरक्षित रखने की लिये संपर्क प्रबंधन व्यवस्था (यथा कर्टेयर सार के बाहर स्थानीय द्वी पार्क का संपर्कोन) किया जाए। स्वतं सुपरिक्षण नहीं होने की दशा में संबंधित साम घोषणात्मक द्वारा विश्वीत लैंग में सुखरीकलानुसार यूकारीय प्रदूषण किया जाए। संपर्क प्रबंधन प्रबंधन वर्ष में पूरी किया जाए एवं हेच 4 दशी तक रक्त—रक्ताद लिया जाए। 5 फीट से 6 फीट अंतर्वर्द्ध बाले यूँडों का ही रोपण किया जाए। यूकारीय प्रदूषण नहीं करने पर पारी व्यवस्थाएँ स्थीरति लकड़ाल निरस्त की जा सकती हैं।
27. सीमित लिये जाने वाले यूँडों ने संखायकन (Numbering) एवं यूँडों के नाम ता उत्तमनन करते हुये लिंगोटेग (Geotag) फोटोप्रावक्षण सहित जानकारी यात्रन प्रतिवेदन के साथ बार्यालय में प्रस्तुत करें।
28. भार्डनिंग लैंग क्षेत्र के अंदर ऐसे बाहर सवान यूकारीय प्रदूषण किये जाने एवं नोकिया यूँडों का सरकाईफल रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यूकारीय प्रदूषण का रक्त—रक्ताद आगामी 5 वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये मृत यूँडों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए। आपके द्वारा सीमित यूँडों का यूकारीय प्रदूषण को सकल बनाना आपकी पूर्ण जिम्मेदारी होगी।
29. किंवदं यूँडों यूकारीय प्रदूषण की पुर्ण हेतु बीजी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) यारी एवं फोटोप्रावक्षण अनिवार्य लिंगोटे में समाहित करते हुये घटीलगाढ़ पर्यावरण संखान मण्डल एवं एसईआईए.ए.ए. छत्तीसगढ़ की प्रेसित किया जाए।
30. परिवेशना प्रबंधनक द्वारा 7.5 मीटर प्रतिवेदित क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य एवं सीईआर के लालू प्रतिवेदित कार्य करना नहीं जाये जाने पर पर्यावरणीय स्थीरति को निरक्ष करने की कार्यकारी बीं जाएगी।
31. परिवेशना प्रबंधनक द्वारा यानि प्रदूषण के नियन्त्रण हेतु आवश्यक लूकाम किया जाए। अभियान स्तर उत्तमनन क्षेत्र में दिन के समय 75 DB(A) एवं राति के समय 70 DB(A) से अधिक नहीं होना चाहिए; तीव्र अभियान क्षेत्रों में रात करने वाले अभियानों को हृष्टरप्लग/फक आदि उपकरण किए जाएं एवं समय—समय पर लिंगोटेग जीव एवं आवश्यकता अनुसार बनका बाहर भी कराया जाए।
32. उत्तमनन प्रक्रिया बू—जल स्तर के उपर असाध्य उभार में ली जाएगी एवं उत्तमनन बीक्रिया बू—जल स्तर के यूँडे किसी भी परिवेदित में नहीं किया जाए। बू—जल स्तर जी भी न पहुंचे, इसका समुचित अलग रखा जाए।
33. उत्तमनन की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि बनायी एवं जीव—जानवरों पर कोई दुष्प्रभाव न हो। क्षेत्र में यारी जाने वाले प्राकृतिक बनसपतियों एवं जीव—जानवरों का समुचित संखाण आपका दर्शित होगा।

34. परियोजना प्रस्तावक द्वारा गैंग खनिज का उत्कलन सतीशगढ़ गोपनीय नियम, 2015 की प्राप्तिकानी, अनुमोदित उत्कलन योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना के अनुसार किया जाए। माईन एकट सेट के प्राप्तिकानी का पालन किया जाए।
35. कार्य स्थल पर यदि कैमिक कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे कैमिकों के आवास एवं सुखाना हेतु उपरिकृत व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आवासीय व्यवस्था आवासीय संरचनाओं के समै से ही संरक्षी है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सकते हैं।
36. कैमिकों की लिए छन्नम स्थल पर संकर प्रयोगल पिकिल्सारीय शुरिया, गोबाहुल टाफ्लोट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
37. कैमिकों का समय-समय पर आवश्यकतानुसार हेतु वार्किलेस कारबाह संवरपक है।
38. उत्कलन की तकनीक, कार्य क्रीड़े एवं अनुमोदित उत्कलन योजना के अनुसार वार्किक योजना, जिसमें उत्कलन, खनिज की वजह एवं अपरिवर्तन समिलित है, में विनी की प्रकार का परिवर्तन एसईआईए उत्तीर्णगढ़ / पर्यावरण, बन और अलवानु परिवर्तन भेजताय, भारत सरकार की पूरी अनुमति की जिया नहीं किया जाए।
39. इस पर्यावरणीय स्थीरता को जारी करने का आलम किसी व्यक्तिगत अधिकारी सम्मिलित पर अधिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्थीरता विनी मिली सम्भाला जाने नुकसान पहुंचाने अधिक व्यक्तिगत अधिकारी को उत्तीर्णगढ़ अधिकारी के रूप से उत्तीर्णगढ़ का नुकसान पहुंचाने का अधिकार उत्तीर्णगढ़ / पर्यावरण के उत्कलन हेतु अधिकार दर्शाता है।
40. एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान की दृष्टि से, परियोजना की लक्षणों में परिवर्तन अधिकार दर्शाने की नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्थीरता विनी की सारी विवरण/निवारण करने अधिकार भई जल्दी जीहाने अधिक उत्तीर्णगढ़ / पर्यावरण की भावनाएँ और सदृश करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
41. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 सालानीय वाराचार पक्षों में, जो कि परियोजना के उत्कलन का आस-पास व्यापक समै से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर इस वाराचार की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना की पर्यावरणीय स्थीरता द्वारा ही नहीं ही एवं पर्यावरणीय स्थीरता पर भी प्रतिकी व्यक्तिगत, उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान वर्षानुसार उत्कलन में अवशेषक नहीं उपलब्ध है। इसी ही इसको अधिकार एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ की वेबसाइट pariveshi.nic.in पर भी जिया जा सकता है।
42. पर्यावरणीय स्थीरता में भी गई जली का पालन हेतु भी गई कार्यालय की अर्थ कार्यक शिपोर्ट उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान वर्षानुसार, अटल वाराचार शीरीय व्यवसाय, उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान वर्षानुसार, रायपुर, एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ एवं एसीकूट शीरीय कार्यालय, वाराचार सरकार, पर्यावरण बन एवं अलवानु परिवर्तन भेजताय, जहां रायपुर अटल वाराचार की व्यक्तिगत जिया जाए।
43. एसीकूट शीरीय कार्यालय, पर्यावरण बन एवं अलवानु परिवर्तन भेजताय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा पर्यावरणीय स्थीरता में ग्रदाता जली का पालन की भौमिकाएँ भी प्राप्त होंगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किए गए व्यवस्थाएँ एवं व्यवहार का पूर्ण सेट एसीकूट शीरीय कार्यालय, पर्यावरण बन एवं अलवानु परिवर्तन भेजताय, भारत सरकार, रायपुर की व्यक्ति जिया जाए।
44. एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण बन और अलवानु परिवर्तन भेजताय, भारत सरकार / एसीकूट शीरीय कार्यालय, पर्यावरण बन एवं अलवानु परिवर्तन भेजताय,

भारत सरकार, राष्ट्रपति / कैन्दीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड / छलीसनड़ पर्यावरण संबंध मन्त्री के वैज्ञानिकों/अधिकारियों को जल्दी के अनुपालग्न के संबंध में जी जाने जाती भीनिटिंग हेतु पूर्ण तहयोन प्रशान्ति किया जाए। परियोजना उन्नताधार के द्वारा लिनिटिंग जल्दी के अनुपालग्न करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति निरसन की जा सकती।

45. परियोजना प्रस्तावक छलीसनड़ पर्यावरण संबंध मन्त्री द्वारा दी गई जल्दी के वैज्ञानिकों काम से जानने करेगा। ये जल्दी जल (प्रदूषण नियानग तथा विवरण) अधिनियम, 1974 वाय (प्रदूषण नियानग तथा विवरण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संख्या) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत कराये गये नियम, परिसंचरण और अन्य अवधिटिंग (प्रबंध एवं सीमापार संबंधन) नियम, 2010 तथा ऐसे दर्शित जीमा अधिनियम, 1991 (जीमा राज्योंमें) की अधीन लिनिटिंग की जा सकती है।
46. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एसडू.आई.ए.ए. छलीसनड़ ने ग्रन्थुल विवरण में कोई भी विवरण अवधा परिवर्तन होने की दशा में एसडू.आई.ए.ए. छलीसनड़ को मुन् जीवीन जानकारी नहिं रखूँगा किंतु याए ताकि एसडू.आई.ए.ए. छलीसनड़ इस पर विचार कर जल्दी की उपायकलाता अवधा नहीं होती लिनिटिंग करने का बहुत लियोगा तो सके। खाद्यान में कोई भी विचार अवधा उन्नयन एसडू.आई.ए.ए. छलीसनड़ / पर्यावरण वन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्ण अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
47. छलीसनड़ पर्यावरण संबंध मन्त्री द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति की जूती को उनके क्षेत्रीय कार्यालय, विद्या-व्यापार एवं जलयोग कैन्टू एवं कलेक्टर/तहसीलदार कार्यालय में 30 दिन की अवधि के लिए प्रदर्शित करेगा।
48. पर्यावरणीय स्वीकृति के विवर अवैत नेशनल सीन ट्रीब्यूनल के सम्म. नेशनल सीन ट्रीब्यूनल एवट 2010 की धारा 16 में दिए गए प्रक्रमानी अनुपालग्न, 30 दिन की समय अवधि में जा सकती।

उदास्य अधिक, एसडू.ए.ए.


अमरा, एसडू.ए.ए.

मैत्री दुलदुला जिला अधी मार्गन (प्रो.- श्री दिवेश प्रसाद गुप्ता) की साथार अधिकारी
५८९/२, ५८९/७, ५८९/१७, ५८९/१८, ५८९/१९, ५८९/२०, ५८९/२१ एवं ५८१,
ग्राम-दुलदुला, तहसील-दुलदुला, जिला-जगद्धार, बुल लीज और २.२५६ एकड़ेकर, निटटी
सत्त्वान (ग्रीन सॉनिज) क्षमता - १,४०० घनमीटर (ईंट सत्त्वान क्षमता इकाई १०,००,०००
मघ) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति में दी जाने गाली करते

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित गाली के अधीन दी जा रही है। अतः इन गाली को
बहुत भाव से बहा जाने तथा कठाई से पालन करना चूनिशित किया जाए।

१. पर्यावरणीय गाली जिला द्वारा अधिसूचित किसी बलस्टर में है, तो पर्यावरण
स्वीकृति नाम्य नहीं ढौंकी।
२. उत्तरानन्द शेत्र २.२५६ एकड़ेकर से अधिकतम निटटी उत्तरानन्द (ग्रीन सॉनिज) क्षमता - १,४०० घनमीटर (ईंट सत्त्वान क्षमता
इकाई १०,००,००० मघ) प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लीज शेत्र की ग्रीनडो का
सीनाकन्द उत्तरकर पक्की मुख्ये लगाया जाए। लीज शेत्र के बाहर ओर तार से
धोकड़ी किया जाए।
३. लीज शेत्र के बाहर गोई गतिविधि (Activity) नहीं किया जाए। लीज शेत्र के बाहर
की गतिविधि (Activity) गाली का उत्तरानन्द भाव जाएगा। उत्तरानन्द हेतु नियमनुसार
कार्रवाही नी जाएगी।
४. पर्यावरणीय स्वीकृति द्वारा गाली के बाहर सरकार के पर्यावरण, बन और जलवाय
परिवर्तन, बंजालय मुख्य जाली इआईए नोटिफिकेशन २००६ (एक्स सशोधित) के
प्रावधानों के लाहू रहेगी।
५. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज शेत्र के मुख्य प्रवेश द्वारा पर बूँदना घटन (लीज
धारक का नाम, सरकार का दोक्यल, अलंकार एवं देशांतर सहित, उत्तरानन्द की मात्रा,
स्वीकृति अधिक) लगाया जाए।
६. सरकार सरकार, पर्यावरण, बन और जलवाय परिवर्तन, बंजालय द्वारा जारी और
दिनांक २४/०६/२०१३ के अनुसार किसी लिखित स्ट्रक्चर से कम से कम १५ दीटर
की दूरी धोकड़ी उत्तरानन्द क्षेत्र की गतिविधि सुनिश्चित किया जाए। भाला सरकार,
पर्यावरण, बन और जलवाय परिवर्तन, बंजालय द्वारा जारी और दिनांक
२४/०६/२०१३ एवं जारी अधिसूचना दिनांक २२/०२/२०२२ में निटटी उत्तरानन्द
हेतु नियोजित ग्रीन-लाईन का पालन चुनिशित किया जाए।
७. उत्तरानन्द की अधिकतम गहराई २ मीटर से अधिक नहीं होगी। उत्तरानन्द प्रक्रिया
मू-जल बहर के उपर असंतुष्ट प्रभाव में की जाएगी एवं उत्तरानन्द प्रक्रिया मू-जल
बहर के नीचे किसी भी वरिसेवति में नहीं किया जाए।
८. सत्यन के सम्पन्न जल एवं धोकड़ी दृष्टिकोण (यदि गोई हो), के उपचार की लिखित
एवं पर्यावरणवादी किया जाए। और्डरिंग प्रक्रिया एवं नदी का साथी जल संजीवी में किसी भी
परिवर्तनी ने नियसारित नहीं किया जाए। अपितु इसी प्रक्रिया में अलग बुद्धारोग्य देते
पूर्णतयोग किया जाए। धोकड़ी दृष्टिकोण के उपचार की लिखे लैटिक टेक एवं
सोल्फेट की व्यवस्था किया जाए एवं किसी नदी का साथी जल संजीवी में
किसी भी वरिसेवति में नियसारित नहीं किया जाए। दृष्टिकोण एवं वर्षाङ्गु का
जल आपस में न मिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए। सप्ताहारित दृष्टिकोण की
गुणवत्ता भाला सरकार, पर्यावरण, बन और जलवाय परिवर्तन, बंजालय द्वारा

अधिसूचित मानक अधिकारी उत्तीर्णमढ़ पर्यावरण भवन में द्वारा अधिसूचित मानक (जो भी कठोर हो) की अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

8. मू-बल के उपयोग से उत्तीर्ण पू-बल बोर्ड से उत्तरानन आरंभ करने के बारे अनुमति प्राप्त किया जाए। (यदि आवश्यक हो)
9. लघिक उत्तरानन के लिये लोटों से उत्तरानन फ्रैमिटिव बस्ट उत्तरानन का नियंत्रण प्रभावी एवं नियमित रूप से किया जाए। पृष्ठ नाम, रैम, जपाहन लेन, बटाई एवं अन्य बस्ट उत्तरानन विन्डोज़ पर जल लिक्काव की व्यवस्था किया जाएग इसका सारांश चारानन / चारानन सुनिश्चित किया जाए।
10. बाहरों पर अन्य प्रक्रिया से उत्तरानन बाहु प्रदूषण को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं याय (प्रदूषण नियावन रखा नियम) अधिनियम, 1991 को तहत नियंत्रित मानकों (जो भी कठोर हो) के उत्तरानन रखा जाएगा। उत्तरानन लोन में परिवेशील याय की गुणवाला भारत सरकार, पर्यावरण बन और अलयायु परिवार, पंजाब द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
11. बाहरों पर अन्य प्रक्रिया से उत्तरानन बाहु प्रदूषण को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं याय (प्रदूषण नियावन रखा नियम) अधिनियम, 1991 को तहत नियंत्रित मानकों (जो भी कठोर हो) के उत्तरानन रखा जाएगा। उत्तरानन लोन में परिवेशील याय की गुणवाला भारत सरकार, पर्यावरण बन और अलयायु परिवार, पंजाब द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
12. दोन लाप्पिट के कल्प में उत्तरानन ईट के उपयोग आदि को मू-भरण पर खोज के संबंधम ऐसु उपयोग किया जाए।
13. फलाई ऐश को उड़ने से बचाने के लिए साध्य-साध्य पर यात्री का लिक्काव किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाये कि फलाई ऐश उड़कर आस-पास के लोगों में फैलकर पर्यावरण को प्रदूषित न करे, जिससे कि आस-पास की यात्राओं पर नियंत्रित इमार न रहे।
14. उत्तरानन को दीर्घ बटाई गई रफी मिट्टी (टीप सीड़िल) का उपयोग ईट नियम में सुप्रमुक्त नहीं होने पर उत्तरानन ऐसु उपयोग में नहीं आने वाली भूमि के पुराने लहार ऐसु अव्याप्त बाहरी ओपरेशन को रिहर (स्टेंडिलाइज) करने में किया जाए। यहाँ पर उपरी मिट्टी (टीप सीड़िल) को उन्नन प्रक्रिया के साध-साध (वीनकैटली) सुपरिय किया जाना बहुत न हो, तब इसे पृथक से भव्यतान्वित कर पर्यावरण में उपयोग ऐसु रखा जाए।
15. औपरवर्णन एवं अनुपयोगी मिट्टी को नियंत्रित प्रकार से सुरक्षित रखा जाए ताकि भव्यतान्वित पर्यावरण आस-पास की भूमि पर नियंत्रित इमार न लाल याकों एवं उड़न के पर्यावरण बने भव्यतान्वित भूमि का भूल उपयोग अव्याप्त दैवालिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। भव्यतान्वित इमार की ऊँचाई ०३ भीटर तथा स्तरीय ४५ डिग्री से अधिक न हो। औपरवर्णन यह का शर्त रहने ऐसु वैज्ञानिक तरीके से कुशलीपूर्ण किया जाए।
16. परिवेशोंगत प्रवर्तन द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्नन प्रक्रिया से उत्तरानन लिहट लीज लोन के आस-पास के सारी जल बोली में दूषित हो न हो। इसी रीकाने ऐसु माईन गोट, इमार लोन ईट भट्टा लोन में नियंत्रित लोन / गारलेण्ड लोन की व्यवस्था की जाए।
17. मिट्टी, फलाई ऐश एवं ईट का परिवहन लार्योलिन अव्याप्त भावम से दूषित हुए याहन से किया जाए, ताकि मिट्टी अव्याप्त ईट याहन की बाहर नहीं गिरे। उसमें यह परिवहन कर रहे बाहनों की कमता से अधिक नहीं भव जाना सुनिश्चित किया जाए।
18. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) ईट नियानुसार उत्तरानन पर कार्य पर्यावरण प्रबन्धन योजना के अंतर्गत किया जाए—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
36	2%	0.72	Following activities at nearby Govt. Primary School Village-Nooriyatala	
			Plantation work in School	4.81
			Total	4.81

19. श्रीईआर. नी तहत निर्धारित कार्यकारी 06 माह में अनिवार्य काम से पूर्ण किया जाए। श्रीईआर. की उपस्थिति प्रस्तुतिकारी के कार्य पूर्ण उपस्थिति ग्राम पश्चिम से कार्यपूर्ण दृष्टिकोण प्राप्त कर अधिकारीक रिपोर्ट में समाप्तिकारी हुये प्रस्तुत किया जाए। साथ ही जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु खल पर आये, तब उन्हें सदान/सदीग/भट्टा की निरीक्षण के साथ-साथ श्रीईआर. की तहत आयके द्वारा कराये जाने वाली का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से कराना आवश्यक निर्देशादी होगी।
20. श्रीईआर. के अंतर्गत जासूसीय प्राथमिक शालू, नीनियाडाला में शुलारोपण (खरबद, कट्टहल, फैपल, बैल, आदि एवं जामून) हेतु प्रस्तुत प्रस्तुति अनुसार 30 नग पीठी की लिए राशि 600 रुपये, पीठिंग की लिए राशि 16,760 रुपये, खाद की लिए राशि 300 रुपये, निरामी की लिए राशि 90,000 रुपये, सत्त-सत्ताप एवं झाँच की लिए राशि 6,000 रुपये इस प्रकार प्रथम कार्य में कुल राशि 1,14,650 रुपये तथा जागही 4 वर्ष में कुल राशि 3,88,300 रुपये हेतु घटकानार यथा का विवरण प्रस्तुत प्रस्तुति अनुसार कार्य पूर्ण करें।
21. श्रीईआर. एवं शुलारोपण कार्य के नीनियाडिंग एवं खड़ीखण्ड हेतु डि-प्लीय नामिति (प्रोजेक्टाईटर/प्रार्टिनिषि, ग्राम पश्चिम के पदाधिकारी/प्रार्टिनिषि एवं जिला प्रशासन वा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन बोर्ड के पदाधिकारी/प्रार्टिनिषि) नामित किया जाना आवश्यक है। साथ ही श्रीईआर. एवं शुलारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरका गठित डि-प्लीय नामिति नी राज्यपाल कराया जाए।
22. जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु खल पर आये, तब उन्हें सदान/सदीग/भट्टा की निरीक्षण के साथ-साथ श्रीईआर. की तहत आयके द्वारा करायी गयी कामी का निरीक्षण भी अनिवार्य काम से कराना आवश्यक निर्देशादी होगी।
23. परियोजना प्रस्तावका द्वारा उल्लिखन हेतु निश्चिह्नित लोज (याती रात 01 बीटर लीडी बैल्ट), लीज रोड, ओवरकर्फ्ट जग्य आदि वे स्थानीय इलाजी की 150 कुटी का शाम शुलारोपण किया जाए। हरित पट्टी का विकास कीर्तीय प्रदूषण नियन्त्रण श्रीईआर. भागीदारीका के अनुसार किया जाए।
24. प्राथमिकता के आवाह पर खलान प्रबंधन द्वारा वर्ष 2024-25 में यन से जम 450 नग पीछे लीज लोज के अनुसार बड़, फैपल, नींग, लरेज, गीसु, आद, इनसी, अर्जुन, शीरस आदि आय रक्षानीय प्रयोगालियों के पीछी का रोपण 3 वर्षियों में खलान की खुले लोज में किया जाए। योपन की सुरक्षित स्थानों के लिए संघरुक्त एवं यथावत व्यवस्था (यथा काटैदाल सार की बाह अवधार द्वी गार्ड का रक्षानीग) किया जाए।

सम्भल उपलब्ध नहीं होने की दशा में संवित्त जान प्रभावत द्वारा विनीत होते में संपर्कोन्नुसार यूक्तारोपण किया जाए। ६ फीट वीं से छोटे उपर्याई वाले लोगों का ही रोकन किया जाए। उपर्योक्त यूक्तारोपण प्रधान वर्ष में पूरी किया जाए। यूक्तारोपण नहीं करने पर जारी पर्यावरणीय स्वीकृति निरस्त की जा सकती है।

25. गोपिता किये जाने वाले पौष्टि ने संख्यांकन (Numbering) एवं पौधे के नाम का संलग्न करते हुये फोटोग्राफ्स सहित जानकारी अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट के साथ जमा करे।
26. माइनिंग होज क्षेत्र के अंदर एवं बाहर साथगे यूक्तारोपण किये जाने एवं गोपिता पौधों का संकार्त्तन रेट (Survival rate) कम से कम ८० प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यूक्तारोपण का रुद्ध-स्थाय आवासी ५ वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये कृत पौधों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
27. जिन गों यूक्तारोपण की पृष्ठी ऐसु जीडीपीएस (Differential Global Positioning System) सहे एवं फोटोग्राफ्स अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में समाहित करते हुये अलीगढ़ अवधारण शोधन विभाग एवं राज्य वनरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन विधिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.), अलीगढ़ को प्रेसिस किया जाए।
28. परियोजना प्रशासक क्षेत्र १ गोटर प्रतिवर्षित कार्य एवं जीडीएस के तहत प्रशासित कार्य करना नहीं पाई जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति को निरस्त करने की कारबंदी की जाएगी।
29. उत्तराखण्ड क्षेत्र में खाने प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
30. उत्तराखण्ड की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि उत्तराखण्ड एवं जीडी-जननुआग्रह पर दुष्प्रभाव न हो।
31. फिट्टी उत्तराखण्ड अलीगढ़ गोंच सुनिश्चित नियम २०१५ के द्वायारानी, अनुमोदित उत्तराखण्ड प्रधानमंत्री एवं पर्यावरणीय प्रबंधन दोजना की अनुसार किया जाए।
32. कार्य सम्बल एवं यदि कीमित अविकल्प कार्य एवं जलगाये जाते हैं तो ऐसी अविकल्प की आवास उपर्याई व्यवस्था परियोजना प्रशासक के द्वारा की जाएगी। आवासीय व्यवस्था अवलोकी संरक्षनात्मक के क्षम में ही सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सकता।
33. अविकल्प के लिए उत्तराखण्ड पर स्वच्छ पेंचजन विकिन्तवर्गीय सुनिश्चित नियमों का उपलेट जाए यदि व्यवस्था परियोजना प्रशासक के द्वारा की जाए।
34. अविकल्प का समय-समय पर आवश्यकतानुसार हेल्प सर्विसेज करना आवश्यक है।
35. इस पर्यावरणीय स्वीकृति को जारी जाने का आवाय किसी व्यक्तिगत अवक्षण अन्य सम्पत्ति पर अधिकान दर्शाने का नहीं है एवं न हो यह पर्यावरणीय स्वीकृति किसी निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने आवाय व्यक्तिगत अविकल्प अवक्षण गोन्द, शाज्य एवं स्थानीय कानूनी/विधियों के उल्लंघन हेतु अधिकृत करता है।
36. उत्तराखण्ड की उत्कीर्णीक, कार्य होते एवं अनुमोदित उत्तराखण्ड दोजना की अनुसूच्य वार्षिक दोजना, जिसमें फिट्टी उत्तराखण्ड समिलित है, में जिसी भी प्रक्रम का परिवर्तन एस.ई.आई.ए.ए. अलीगढ़ / वाराणसी, जन एवं जलवायु परिवर्तन बांधालय, भारत सरकार की पूरी अनुमति के लिए महीं किया जाए।
37. एस.ई.आई.ए.ए. अलीगढ़ अवधारण उत्तराखण्ड की दृष्टि से, परियोजना की संपर्कता वे वरिष्ठीय अवक्षण विनियोग जारी की संतोषप्रद क्षम से पालन न करने की दशा में

किसी भी सती में निरसन/निरस्त करने आवश्यक नहीं जाते और उनीं अथवा उल्लङ्घन / निरसाव को बालकों को और सेक्षण करने वाली अधिकारी पुरुषों द्वारा है।

38. चरियोजन क्रमसारक न्यूनतम 02 लघानीय समाचार बड़ी में, जो कि परियोजना ईड के आप-पास आयका रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्थीरता का प्राप्त होने के 07 दिनों के भीतर इस आयकी सुधाना प्रसारित करेगा कि परियोजना की पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्थीरता पर की प्रतिक्रीया संचियालय, छलीसगढ़ पर्यावरण संस्थान बन्धुल गै उकानीकन हेतु उपलब्ध है। आप ही इसका अवधीकन केबिनेट parivahan.nic.in पर की किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय स्थीरता में दी गई सती की पालन हेतु की गई कर्तव्यकी ती अर्द्ध वार्षिक रिपोर्ट छलीसगढ़ पर्यावरण संस्थान बन्धुल, आटल नगर, होमीय कार्यालय छलीसगढ़ पर्यावरण संस्थान बन्धुल, रायगढ़, एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ़ पर्यावरणीय कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन बंजलय संघर्ष की प्रतिक्रिया किया जाए।
40. एसीडूत होमीय कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, संघर्ष प्रारूप पर्यावरणीय स्थीरता में प्रदत्त सती की पालन की नामिटाईग की जाएगी। इस हेतु चरियोजना क्रमसारक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किये गये उकानीकों एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत होमीय कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, संघर्ष की प्रतिक्रिया किया जाए।
41. एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ़ पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, संघर्ष प्रारूप पर्यावरणीय स्थीरता को प्रदत्त सती की पालन की नामिटाईग की जाएगी। इस हेतु चरियोजना क्रमसारक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किये गये उकानीकों एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत होमीय कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, संघर्ष की प्रतिक्रिया किया जाए।
42. चरियोजना क्रमसारक छलीसगढ़ पर्यावरण संसाधन बन्धुल एवं राज्य सरकार द्वारा ही गई सती का अनिवार्य स्वयं से पालन करेगा। ये सती जल (प्रदूषण नियन्त्रण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1974, यामु (प्रदूषण नियन्त्रण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संखाल) अधिनियम, 1989 तथा हनके तहत उन्हें यह नियम, परिसंकटमय और अन्य अपरिवर्त (प्रबंध एवं सीमापार संवर्तन) नियम, 2016 तथा लोक सामिल शीमा अधिनियम, 1991 (या सांकेतिक) के अन्तर्गत दिनिकिट की पा सकती है।
43. प्रस्तावित चरियोजना के बारे में एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विषयत्व अवश्य चरियोजने होने की दस्ता में एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ़ को पुनः नवीन जीवकारी सहित सूचित किया जाए, ताकि एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ़ इस पर विश्वार कर सती की सम्पुर्णता अवश्य नहीं सती निर्दिष्ट करने वाला विनाय ले सके। अद्यान में लोई भी विस्तार अवश्य उन्नयन एस.ई.आई.ए.ए. छलीसगढ़ / पर्यावरण, बन एवं पालवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्ण अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
44. छलीसगढ़ पर्यावरण संखाल पर्यावरणीय स्थीरता की अति को उनकी होमीय कार्यालय, निया-जीवालय एवं उद्योग केन्द्र एवं कलेक्टर/लहसीलदार कार्यालय में दिवस की अवधि के लिये व्रद्धिशील करेंगा।

45. पर्याप्ततीय सौंदर्यी के लिए अकेल नेतृत्व ग्रन्त द्विवृत्त की समझ, नेतृत्व ग्रन्त द्विवृत्त एक 2010 की आठ 18 में दिये नये प्राप्तानी अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में यही जा सकती।

सदस्य शाकिब, पुरुष प.सी.


— अधिकारी, पर्याप्तता उपचार

मेहराली गहुआपलना पैनाईट माइन (ओ.- श्री विजय लुगिया)
को खातरा अधिक २/३३, कुल लीज लेव १.४१८ हेक्टेएर, राम-गहुआपलना,
ताहसील-खरसगांव, जिला-कोडगांव में सैनाईट (तुळा लग्निया) उत्पादन - १,७६४ टन
प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति ने दी जाने वाली थी।

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित राती के अधीन दी जा रही है। जहां इन राती को
बहुत ध्यान से पढ़ा जाये तब उसमें से यातना लुभितिवत किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्वीकृति अधिकाराम उत्पादन क्षेत्रफल (लौज लीज) १.४१८ हेक्टेएर
अथवा छत्तीसगढ़ राज्य, राजनीति राज्य विभाग द्वारा दीवीकृत लीज लेव (जोनी ऐ
से जो कम हो) हेतु दायर होना। इसी प्रकार खदान से हैनाईट का अधिकाराम
उत्पादन १,७६४ टन प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लीज लीज की सीमाओं का
सीमांकन करावन पाके नुगारे लगाया जाए। लीज लेव के बारे और उसे से
प्रशारणी किया जाए।
2. पर्यावरणीय स्वीकृति की दैवत भात चरकार की पर्यावरण, को ओर जलवाय
परिवर्तन, प्रदानात्मक द्वारा जारी हैलाई नीटिशिक्षण, २००६ (यथा राजीनित)
के प्रकारान्ती की तहन रहेगी।
3. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा लीज लीज के शुल्क प्रदेश द्वारा पर सूचना पटल (लीज
चारक का नाम, खदान का होमायल आकृति एवं दैशांतर नीति, उत्पादन की जाता,
स्वीकृति जापदि) लगाया जाए।
4. परस्टर हेतु प्रस्तुत कीमिंग इन्वेस्टिमेंटल मेंेजमेंट खान के अनुसार गुहांचन एवं
परिवहन सदृशी एवं खदान से परिवहन सदृशक ताक पहुँच मार्गी के संपर्क खान कार्य
का भाग में गृही किया जाए।
5. मानवीय हनजीटी के जारी दिनांक २५/०२/२०२१ के अनुसार पहटेपाल द्वारा
गहुआपलन पतान एवं पर्यावरणीय स्वीकृति की राती का यातना लुभितिवत जाने
हेतु परिवोजना प्रस्तावक की पर्यावरण विशेषज्ञ जानना है।
6. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा खदान से उत्पन्न जल एवं चरेलू दूषित जल (यदि नहीं
हो), के उपचार की समिति एवं पर्याप्त लागतका की जाए।
7. अधिकारिक द्रष्टिका एवं खदान से उत्पन्न जिसी भी प्रकार से दूषित जल की जिसी
सदी अथवा राती के स्तरोंमें जिसी भी परिवर्तिति में निरसारित नहीं किया
जाए अधिकृ इसे अधिका में अथवा गुहांचन द्वारा पुनरावधीय किया जाए। चरेलू
दूषित जल के उपचार के लिए शैफिक टैक एवं सोकार्पीट की व्यवस्था की जाए एवं
जल को जिसी नदी अथवा राती जल स्तरोंमें जिसी भी परिवर्तिति में निरसारित
नहीं किया जाए। दूषित जल एवं चरेलू का जल आगम में न जिसने देने हेतु भी
उपचार की जाए। उपचारित दूषित जल की गुणवत्ता भात चरकार, उद्योगम, यम
और जलवायु अधिकारी, संजालम, ना॒ दिल्ली द्वारा अधिकृति भात का अथवा
छत्तीसगढ़ पर्यावरण राज्य नंदेश द्वारा अधिकृति भात का (जो वी कहीर हो) के
अनुसार लुभितिवत किया जाए।
8. अपि पट्टा खदान खान संपर्क बंद जाने की उपरात (after ceasing mining
operations) खदान लीज लेव की अथवा लीज जो जि यानकी खदान गतिविधियों
के संपर्क द्रभारित (disturbed due to their mining activities) हुए हैं, उनकी

री-ग्रासिंग (re-grassing) की जगही एवं यूंग तथा मूलस्थानीय हड्डी लिखित तक किया जाता है। जिससे वह चारों वर्षावर्षीय जीवी जादि के संपर्क से बचता रहता। प्रतिवर्षीय इसका उपयोग अधिकारी से अनुमतिप्राप्त नईन जलीजर द्वारा एवं नहर के नीतर इस्तुत किया जाए।

9. गृ-जल के उपयोग हेतु केन्द्रीय गृ-जल बोर्ड ने उत्तराखण्ड आरम्भ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए। जाप ही अन्य स्त्रील में जल का उपयोग किये जाने की लिखित वै सोबहित विभाग से उत्तराखण्ड आरम्भ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए।
10. किसी विमली / डेट / चार्ट दोस्री से पार्टीकुलर नेटवर उत्तराखण्ड की जाता 80 विमीशम / नामान्य घमनीटर से वभ सुनिश्चित किया जाए। कहर, रुड्न, ट्रॉफिक आइटर (विधि कोई हो) वै यात्रु उद्योग विवरण हेतु डेट एवं घमाटुवशन विमलम की जाप यात्रा इकाई का बेच लिखित विधित किया जाए। विमिया उत्तराखण्ड गतिविधियों के विमिल स्त्रील से उत्पन्न फूटिंगिंग डेट उत्तराखण्ड का निवारण प्रभावी एवं लिखित रूप से किया जाए। पर्यावरण मार्म, रेम्ड, साराहण और भराई एवं अन्य डेट उत्तराखण्ड विन्दुओं डेट कॉन्क्रेट वा शाप्रोलम विमलम एवं जल विमानव वी यात्राका की जाकर इसका सलाह संकालन / यात्रावर सुनिश्चित किया जाए। विमल वेकिंग दोस्री का विमल सुनिश्चित विधित किया जाए।
11. यात्री, यात्रन एवं अन्य प्रतिका से उत्पन्न यात्रु उद्योग वा यात्रावर सुनिश्चित, 1988 एवं यात्रु (उद्योग विमान तथा विवरण) अधिनियम, 1981 के लाल विभिन्नीट यात्रों के अनुसार रखा याएगा। उत्तराखण्ड शीत में परियोहीय यात्रा की व्यवस्था यात्रा वायर वायर यात्रु उत्पन्न विवरान गंवालय, वै दिनी हाता अधिनियम यात्रों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
12. परिवहनीय प्रस्तावक द्वारा यात्रान की जाई उपर केशिन का कार्य किये जाने के उपरांत ही उत्तराखण्ड कार्य प्रारंभ किया जाए।
13. लौज दोष के चाली सरकं छोड़ी गई 7.0 लीटर की छोड़ी गट्टी में छोड़े वेस्ट का ड्रप / भवारण नहीं किया जाए तथा हड्डी में बूकारीपण किया जाए। ऐसा कारना नहीं पायी जाने पर यात्रीवर्णीय नीतिकृति किसी भी समय उत्तराखण्ड प्रभाव से विमल वै जा सकेगी।
14. उत्तराखण्ड प्रतिका की दीरान लटाई गई उपरी विट्टी (टीप रीडिंग) का उपयोग उत्तराखण्ड हेतु उपरांत वै अन्य कार्यों में उपयोग नहीं किया जाए। इस विट्टी का उपरीन यात्रान की पुनर्वाप्ति के लिए विमल जाए।
15. ऊर्धवा विट्टी को लौज शीत के बाहर प्रस्ताव अनुसार विकारीत रखन वा बंदानित कर बंदानित रखा जाए। विट्टी का दुखनवीग, विकार एवं अन्य कार्यों में उपयोग नहीं किया जाए। इस विट्टी का उपरीन यात्रान की पुनर्वाप्ति के लिए विमल जाए।
16. ऊर्धवर्कर्न एवं अनुपर्यागी / विकी अपील विलिंग (विल वीक) को पूर्व से पूर्व से विन्होत रखत पर वायारित किया जाएगा। इस प्रकार के भवारण यात्रों को उपरित प्रकार से सुरक्षित रखे जायें ताकि भवारित पद्धति अवा-यात्रा की यूंग पर विकारीत प्रभाव न छात रहें। यात्रा की लंबाई 3 लीटर तथा बलोप 25 विकी से अधिक न हो। ऊर्धवर्कर्न ड्रप का करण रोकने हेतु विकारीत तरीके से पूर्णतया किया जाए।
17. जाई तक नामए ही औरवर्कर्न एवं ऊर्धवर्कर्न अनुपर्यागी / विकी अपील विलिंग (विल वीक) को यात्रन के प्रशालन दने वाली में पुनर्वाप्ति (विल विलिंग) हेतु उपयोग किया

जाए, ताकि भूमि वा मूल उत्पादन अथवा नीतिगत वैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

18. परियोजना उत्पादक छात्र जहा सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें डिजिट से जुड़ना फिल्टर हीया कोई को आस-पास के साथी जल संकटों में प्रभावित न हो। इसे कृष्ण द्वारा बैट-लघु कोड ने रिटेनिंग बीम / यारेप्लान द्वारा की जाए।
19. खनिज का परिवहन कम्हड़ बहन से किया जाए, ताकि खनिज बहन से बाहर नहीं निर्माण का परिवहन कर रहे वाहनों को तामता से अधिक नहीं भर जाना सुनिश्चित किया जाए।
20. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रशासन पर कार्य परिवर्तन प्रक्रिया योजना की आवश्यकता किया जाए—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
32	2%	0.64	Following activities at Nearby Village- Gattipalna	
			Plantation in Muktidham	12.70
			Total	12.70

21. सीईआर की लहसु नियांरित कार्यवाही 06 माह में अनियार्य रूप से पूरी किया जाए। सीईआर को उपरोक्त प्रशासनिक कार्यों के कार्य पूर्ण उपरात संबद्धित घाम पराया से कार्यपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त कर अधिकारिक रिपोर्ट में समाप्तिकारी द्वारे प्रस्तुत किया जाए। सीईआर कार्य की सफलता सुनिश्चित करना अपेक्षा उत्तराधिकारी होगा। कृष्णरीपण असाफल होने पर पर्यावरण स्थीरता की जावेगी।
22. सीईआर की अंतर्गत मुख्यालय में वृक्षारोपण (नीन, गोपत, आम, जामुन, कटहल, कदम्ब, करंज, आबला, अनातासा आदि) हेतु प्रस्तुत प्रशासन अनुसार 400 नम पीढ़ों की लिए राशि 30,400 रुपये, फौजिंग की लिए राशि 143,300 रुपये, खाद के लिए राशि 3,000 रुपये, सिंचाई की लिए राशि 1,20,000 करपट्टे तथा रख-रखाय आदि की लिए राशि 95,000 रुपये, इस प्रकार जलम कर्ष में कुल राशि 3,92,700 करपट्टे तथा अगमी 4 लाई गी कुल राशि 8,77,360 रुपये हेतु प्रशासन वर्ष का विवरण प्रस्तुत किया जाय है। परियोजना प्रशासक द्वारा घाम पंचायत गटीयता के लाभान्वी उपरात परायीपण स्थान (खाली क्षेत्र 42/1, लोकपाल 0.250 हेक्टेयर) के जलम में प्रस्तुत प्रशासन अनुसार कर्ष पूर्ण करें।
23. सीईआर एवं कृष्णरीपण कार्य के ऑफिटिनिंग एवं परिवेश के लिए जी-एसीय समिति (जोपराईटर/प्रतिभेदि, घाम पराया के पदाधिकारी/प्रतिभेदि एवं लिस्ट प्रशासन या उत्तरीसागढ़ परायाकरण भवित्व के पदाधिकारी/प्रतिभेदि) गठित किया जाना आवश्यक है। जलम ही सीईआर एवं कृष्णरीपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरात जी-एसीय समिति से सत्याग्रह कराया जाए।

24. यह नी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु बदल पर आये तब उन्हें सदाचार/रुक्षीय/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईओ के तहत आपके द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अधिकारी कर से कराना आपकी जिम्मेदारी होगी।
25. उत्तमनन हेतु निश्चिक शोध (वर्ती रकम 7.5 मीटर लौंग कीज़), लौंग रोड, औवरबर्हन इम्प आदि में रक्खानीय प्रभागों को 729 रुपये ग्राम का समान गुआरीपण इच्छा करने में किया जाए। हरित पट्टी का गिराव कीनीय इच्छा गुआरी की मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाए।
26. ग्रामनिवास के आवास पर खदान इच्छान द्वारा वर्ष 2024-25 में कर से कर 200 रुपये इति हेक्टेयर लौंग लौंग के अनुसार बहु, दीपल, नीम, करंज, लीसू, आम, हमली, अदुन, लीसा आदि अन्य स्थानीय इजालीयों के 300 रुपये ग्राम की दीपल (कुल 1,020 रुपये ग्राम प्रति) खदान के लूंगे लौंग में किया जाए। रोपण करे सुनिश्चित रखने के लिये उपयुक्त एवं वार्षिक व्यवस्था (पश्चा काटेदार लार की जाह आपका द्वी गार्व का उपयोग) किया जाए। स्थल सफलत्व नहीं होने की दशा में जावित दाम प्रवाला द्वारा जिन्हीं लौंग में उपरोक्तानुसार गुआरीपण किया जाए। उपरोक्त गुआरीपण प्रभान वर्ष में पूर्ण किया जाए एवं शेष 4 वर्षी तक रक्ष-रक्षाव किया जाए। 5 फीट से 6 फीट ऊँचाई वाले लौंगों का ही दीपल किया जाए। गुआरीपण नहीं करने पर आपकी पर्यावरणीय स्थीकृति ताकाल निरसा की जा सकती है।
27. रोपित किये जाने वाले लौंगों में संख्यावान (Numbering) एवं लौंगों को नाम का उल्लेख करते हुये डिपोटेन (Geotag) फोटोग्राफ्स सहित जानकारी बालन प्रतिवेदन की साथ कार्योलय में प्रस्तुत करें।
28. नदीनिधि लौंग लौंग के अंदर एवं बाहर सापन गुआरीपण किये जाने एवं रोपित लौंगों का जीवानीय रेट (Survival rate) कर से कर 90 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही गुआरीपण का रक्ष-रक्षाव आगामी 6 वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये मूल लौंगों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए। आपके द्वारा रोपित लौंगों के गुआरीपण की सफल बनाना आपकी पूर्ण जिम्मेदारी होगी।
29. किसी वर्ष गुआरीपण की पृष्ठी हेतु दी जीपीएस (Differential Global Positioning System) समें एवं फोटोग्राफ्स अवधारणिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये उल्लेखनाम पर्यावरण संस्कारण ग्रन्थालय एवं एवाईआईएए, उत्तीर्णगढ़ की द्वितीय किया जाए।
30. परियोजना प्रस्तावका द्वारा 7.5 मीटर ग्रहित्वित लौंग में ग्रहित्वित कार्य एवं सीईओर के इन्हें प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर ग्रामीणीय स्थीकृति को निरसा करने की कार्यकारी की जाएगी।
31. परियोजना प्रस्तावका द्वारा इच्छी इच्छा के नियंत्रण हेतु आवश्यक उपाय किया जाए। व्यापि का उत्तर उत्तराधार लौंग में दिन के समय 75 DB(A) एवं रात्रि के समय 70 DB(A) से अधिक नहीं होना चाहिए। लौंग व्यापि वाले लौंगों में जान करने वाले व्यापिकों की इप्रत्यक्षन/मफ आदि प्रदान किए जाएं एवं समय-समय पर विकासालीय जीव एवं आपकरता अनुसार उपरान भी कराया जाए।
32. उत्तमनन प्रतिवेदन मू-जल सार के उपर असाधुपत प्रभाग में वी प्राप्ती एवं उत्तमनन प्रक्रिया मू-जल सार की जीवे किसी भी व्यवस्थिति में नहीं किया जाए। मू-जल उत्तर को क्षति न पहुंचे। इसका समुचित व्यावर उत्ता ज्ञान।
33. उत्तमनन वी प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि व्यवस्थिती एवं जीव-प्रकृति-प्रकृति पर कोई दुष्प्रभाव न हो। लौंग में पाये जाने वाले ग्रामीण करनकरीय एवं जीव-प्रकृति का समुचित संस्कार आपका दायित्व होगा।

34. परियोजना प्रस्तावक द्वारा भीष खानिज का उत्तराधिनम छल्लीसगढ़ बीम खानिज विधि, 2013 के प्रकार है। अनुसूचित उत्तराधिन योजना एवं वर्षांवर्षीय प्रकाशन योजना के अनुसार विषया जाए। नाईट इंडिया 1952 की छाक्कानी का पालन किया जाए।
35. कर्तव्य नकाल पर लौटी कोणिका भविक तार्थ पर लगाये जाते हैं तो ऐसे भविकों के आकाश स्वरूप हेतु उन्होंना व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी जाएगी। आवासीय व्यवस्था अवश्यकीय संरक्षणकी की रूप में ही लकड़ी है, जिसी परियोजना पूरी होने के पश्चात् हटाया जा सकती है।
36. भविकों तो लिए खनन उत्तराधिन पर स्वाक्षर प्रयोजन विकिसारीय सुविधा, भौतिक टारलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी जाए।
37. भविकों का समय-समय पर आवधूपत्तनल हेतु सर्विसेज कराना आवश्यक है।
38. उत्तराधिन की सकलीक, कार्य होने एवं अनुसूचित उत्तराधिन योजना के अनुसार वार्षिक योजना, जिसने उत्तराधिन, खानिज की जाता हुव अपीलिंग भविमिलित है, में जिसी भी प्रकार का परिवर्तन एस.ई.आई.ए.ए. छल्लीसगढ़ / पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन संबंधी, भारती जलवायु की पूरी अनुभूति के बिना नहीं किया जाए।
39. इस वर्षांवर्षीय स्टीकूटि की जारी करने का लाभाय किसी व्यवित्रणत अवधारण्य सम्पत्ति पर अधिकार दर्ताने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्टीकूटि किसी नियों सम्पत्ति की गुरुत्वान पहुँचाने अवधारणित अधिकारी के अतिकरण अवधारणा के नहीं रखा हुव स्थानीय करनुनों / जिलियों के उत्तराधिन हेतु अधिकृत करता है।
40. एस.ई.आई.ए.ए. छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखाय की दृष्टि से, परियोजना की कारबोला में परिवर्तन अवधारणित जाती के जारीकरण स्वयं ही पालन न करने की दशा में जिसी सी जाति में संरक्षण/नियन्त्रण करने अवधारणा नहीं जोकरने अवधारणा संबंधीन / नियन्त्रण की भानकों की ओर सहाय करने का उपयोग सुरक्षित रखता है।
41. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम ३ स्थानीय समाजार पक्षों में, जो कि परियोजना होने के आस-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्टीकूटि प्राप्त होने के ५ दिनों के भीतर हुवा जागाय की गुरुत्वा प्रसारित करेगा कि परियोजना को पर्यावरणीय स्टीकूटि प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्टीकूटि पक्ष की व्यापिकता व्यवस्था, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखाय गण्डल में आवलोकन हेतु उपलब्ध है। जाव ही हुवका अवलोकन एस.ई.आई.ए.ए. छल्लीसगढ़ की वेबसाइट pariveshi.nic.in पर ही किया जा सकता है।
42. पर्यावरणीय स्टीकूटि में दी गई जाती का पालन हेतु ही गई कारीगारी की अर्थ वार्षिक रिपोर्ट छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखाय मण्डल, अटल नगर, हीरीय करांगलय, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखाय गण्डल, जगदलपुर एस.ई.आई.ए.ए. छल्लीसगढ़ एवं एकीकृत हीरीय कारीगार, भारत सरकार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी, जवा राज्युर अटल नगर की प्रेषित किया जाए।
43. एकीकृत हीरीय कारीगार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी, भारत सरकार, राज्युर ज्ञाता पर्यावरणीय स्टीकूटि में प्रदत्त जाती का पालन ही नीनिटरिंग की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किए गए दस्तावेजी एवं जावेदन जब पूरी सेट एकीकृत हीरीय कारीगार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी, भारत सरकार, जगदलपुर को प्रेषित किया जाए।
44. एस.ई.आई.ए.ए. छल्लीसगढ़, पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन संबंधी, भारत सरकार / एकीकृत हीरीय कारीगार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी,

मानव सम्बन्ध राष्ट्रपत्र / कैनोन प्रदाना निवालन चौहाँ/ उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण भवित्व परिवर्तन की दिल्लीनिको/अधिकारीयों को जली के अनुपालन के संबंध में जी जाने वाली भवित्वनिको द्वारा पूरी सहायता प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विनिर्दिष्ट जली का अनुपालन करना नहीं जाने पर पर्यावरणीय कीमति नियन्ता की जा सकती।

45. परियोजना प्रस्तावक उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संचालन एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई जली का अनिवार्य कदम ही पालन करेगा। ये जली जल (प्रदूषण नियन्त्रण तथा विवरण) अधिनियम, 1974 या नु (प्रदूषण नियालन तथा विवरण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1980 तथा हमके लहर बनावे गये विधी, परिवर्तकटनाएँ और कानून अपरिवर्त (प्रबंध एवं संभापार संबलन) नियम, 2010 तथा लोक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991 (या तो संशोधित) के अंतीम विनिर्दिष्ट जी जा सकती है।
46. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एस.ई.आई.ए.ए., उत्तीर्णगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विवरण अधिक परिवर्तन होने की दशा में एस.ई.आई.ए.ए., उत्तीर्णगढ़ को पुनः वर्तीय परन्तरणीय सहित सुधित किया जाए ताकि एस.ई.आई.ए.ए., उत्तीर्णगढ़ हम एवं विसार जल जली की उपयुक्तता अवधा नहीं रहती विर्दिष्ट करने का बना निर्णय हो सके। खदान में कोई भी विसार अधिक उन्नयन एस.ई.आई.ए.ए., उत्तीर्णगढ़ / पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन भवालय, भारत सरकार की यूवे अगुवाई के द्विता नहीं किया जाए।
47. उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संचालन पर्यावरणीय कीमति को प्रति को छनके द्वारा कार्यालय, जिला-खापार एवं सदीन कैन्ड एवं वालेकटर/लहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस भी अवधि की जिए प्रदर्शित करेगा।
48. पर्यावरणीय कीमति के विवर अपील नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल को समझ नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल एवट 2010 की दारा 16 में दिए यए प्रावधानों अनुसार 30 दिन तक रागत अवधि में जी जा सकती।

मानव सम्बन्ध एस.ई.ए.ए.


अधिकारी, एस.ई.ए.ए.

